## REPORT

ON

# THE SETTLEMENT

OF THE

# AJMERE & MHAIRWARRA DISTRICTS

BK

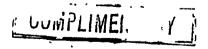
J. D. LA TOUCHE, ESQUIRE, B.C.S.,

SETTLEMENT OFFICER, AJMERE & MHAJRWARRA.

1875.



Published by Authority.



CALCUTTA:

OFFICE OF THE SUPERINTENDENT, GOVERNMENT PRINTING, INDIA.

1900.

# INDEX.

| Bection.       | ·  | Str        | JECT.   |        |       |    |   |     | Page.    |
|----------------|--|------------|---------|--------|-------|----|---|-----|----------|
|                | Спартвы                                      | I.—Gz:     | ERAL    | Dreca  | 17710 | x. |   |     |          |
| 1              | Roundaries and area                          |            |         |        |       |    | _ | - 1 | 1        |
| 2              | Sadder stations and ju                       | rishictio  |         | ·      |       | •  | : |     | î        |
| 3              | The Aravali liange                           |            |         |        |       |    |   |     | 2        |
| 4              | The materabed                                |            | •       |        |       |    | • | .1  | 2022     |
| 5<br>6         | Passes                                       | • •        | •       | •      | •     | •  |   | • 1 | 2        |
|                | Rivers and streams                           | · ·        | •       | •      | ٠     | •  | ٠ | • 1 |          |
| 7              | Water-supply for irrig                       | milon .    | •       | ٠      | •     | •  | • | •   | *        |
| 8              | Old Tank ambankmen<br>Description of these w |            | •       | ٠      | ٠     | •  |   | •   | 4        |
| 10             | Distory of their court                       |            | •       | •      | •     | •  |   | -   | 4        |
| îi             | Ulects of the tanks                          |            | •       | •      |       | •  | • | • ' | 5        |
| îŝ             | Produce of the tanks                         | • ;        | :       | ٠      | •     | •  | • | •   | Į,       |
| 18             | Natural reservoirs                           | : :        | :       | •      | •     | •  |   | • i | <u>8</u> |
| 14             | Roads  | : :        | ÷,      | •      | •     | ٠  | • |     | Ğ        |
| 15             | Railways                                     | : :        | •       | •      | •     | ٠  | • |     | Ğ        |
| 16             | Telegraph .                                  |            | ÷       | •      | •     | •  | • | •   | Ĝ        |
| 17             | Post Office .                                | •          |         | •      | :     | •  | ٠ | • • | Ğ        |
| 18             | Minerale                                     |            |         |        |       | •  | * |     | 7        |
| 19-20          | Stone products                               |            |         | ,      | ·     | •  | : | 1   | 7        |
| 21             | Lime   |            | •       | •      | ·     |    | • | • 1 | È        |
| 22<br>2326     | Rosd metal                                   |            | Ŧ       | •      |       |    | · | •   | 8        |
| 27-20          | Forests and trees .<br>Wild animals and gan  |            | •       | •      |       |    | · |     | 8        |
| 28             |  |            | •       | •      | •     |    | • | • } | 10       |
| 20-88          | Reinfall                                     | • •        | •       | ٠      | ٠     |    |   | • ! | 10       |
| 84             | Chief Towns, Ajmero                          |            | •       | •      | ٠     | •  |   | ٠,  | 11       |
| 86             | Sethe  | : :        | •       | •      | •     | •  |   |     | 23       |
| 98             | Indurkot                                     | : :        | •       | •      | •     | ٠  | • | -1  | 13       |
| 37             | Water-supply                                 |            | :       | •      | •     | •  | • | • ; | 14       |
| <b>38 ~ 89</b> | The Busesh                                   |            | ·       | ·      | •     | ٠  | ٠ | • ' | 14<br>14 |
| 40             | The " Arhai-din-ka.J                         | nompra 11  |         |        | •     |    | • | • 1 | 15       |
| 41<br>42       | Toraghur Fort                                | • •        |         |        | :     | •  | • | •   | 16       |
| 43-44          | Fort of Aimere<br>Benwur                     |            | •       |        |       | :  | : | • 1 | 16       |
| 45             | Kekree                                       | ٠.         | •       |        | •     |    | : | :1  | 16       |
| 46-48          | Poorbkor                                     | • •        | •       | •      | •     | •  | : |     | 17       |
| 49             | Other towns                                  | •          | •       | •      | ٠     |    | · | - 1 | 17       |
|                | (  | • •        | •       | ٠      | ٠     | ٠  | • |     | 18       |
|                | } c  | napter '   | II.~II  | 187017 | ۲,    |    |   | 1   |          |
|                | Pas  | t L-H      | elory o | f Ajm  | ere.  |    |   |     |          |
| 50             | Legendary history of                         | 124        |         | -      |       |    |   | - 1 |          |
| 51             | CUPULL CHOUSE PRINTS                         |            | •       | .•     | •     |    |   | ı.i | 18       |
| 52             | Prithvi Raj and Shah                         | ab-nel-Air | , •     | •      | ٠     | •  |   |     | 19       |
| 53             | I D ATOMOGRAM                                |            | • •     | •      | •     | ٠  |   |     | 19       |
| 54<br>56       | Rana Kumhho of Me                            | war .      | •       | •      | •     | •  | • | .1  | 20       |
| 58             | DESCRIPTION .                                |            | :       | •      | •     | •  | • |     | 20       |
| . 57           | Mogul Emperors<br>Habitores of Marwar        |            |         | •      | •     | ٠  | • | •   | 20       |
| 58             | ( Mahtattas                                  | ٠,         | , .     | :      | •     | •  | • | - } | 21       |
| -)             | mentatives .                                 |            | -       | •      | •     | •  | • | 1   | 21       |

| JECTION.     | SUBJECT.                                  | j             | Page.    |
|--------------|---|---------------|----------|
|              | Part I.—History of Ajmere- conid.         | ` .           |          |
| 69           | Cession to the British Government         |               | 22       |
| 60           | Dynastic changes                          |               | 22       |
| 61           | The mutiny of 1857                        |               | 22       |
| 01           |   | •             |          |
|              | Part II.—History of Mhairwarra.           | •             |          |
| C2-68        | First intercourse with the country        |               | 28       |
| 6465         | Conquest of the country                   |               | 28       |
| 66           | Arrangements for the administration       |               | 24       |
| 67           | Treaties with Oodeypoor and Jodhpoor      | • •           | 24       |
| 70-74        | Administration of Colonels Hall and Dixon | • •           | 25       |
|              | CHAPTER III.— TENUBES.                    |               |          |
| 75           | General remarks                           |               | 26       |
| 7682         | Khalsa                                    |               | 26       |
| 83 - 85      | Istumrar                                  |               | 28       |
| 86-87        | Jaghire                                   |               | 80       |
| 88-92        | Bhoom                                     | • • • •       | 80       |
| 93           | The State                                 | •/ •          | 32       |
| 91           | Musirwarra                                | <i>f</i> •    | , 82     |
| 95           | Absence of sales                          | <del></del> - | 32<br>82 |
| 96           | Non-proprietary cultivators               | • •           | 92       |
|              | CHAPTER IV.—POPULATION AND CASTES.        |               | •        |
|              | 1   |               |          |
| 97           | Census Statistics                         |               | 83       |
| <b>98—99</b> | Rajpoots                                  |               | 83       |
| 100          | Jate                                      |               | 84       |
| 101          | Legend of Tejaji                          | • •           | 84<br>85 |
| 102          | Customs of the Jats                       | • •           | 35       |
| 103          | Custom of Natha                           |               | 86       |
| 104          | Other Customs                             | • •           | 86       |
| 105<br>106   | Goojurs                                   | • •           | 86       |
|              | Kayeths and other castes                  | •             | 87       |
| 107<br>108   | Mahomedana                                | •             | 87       |
| 109          | Christians and Parsees                    |               | 87       |
| 202          |   |               |          |
| •            | CHAPTER VMINAIRWARRA CLANS.               |               | ]        |
| 0-111        | General remarks                           |               | 87       |
| 112          | Chohan Meenas                             |               | 88       |
| 3115         | Chita                                     | .• •          | 88       |
| 5—118        | Barar                                     | • •           | 39<br>40 |
| 119          | Power claus                               | • •           | 41       |
| 720<br>121   | Notes                                     | : :           | 41       |
| 322<br>321   | Gehlot Other clans                        |               | 41       |
| 328          | Religion and Customs                      | : :           | 1        |
|              | Religious tendency                        | • •           | ``مها    |
| 1 <i>2</i> 4 | CHAPTER VI.—RAJPOOTS AND OTHER NOTEWOR    | rii V         | •        |
| 124          | CHAPTER 11 DAJPOUTS AND OTHER ROTEWOR:    |               | 1        |
| 124          | PAMILIES.                                 |               | r        |
| 124          |   |               | 48       |

|                        |           |                            |         |                  |  |                 |            |       |        |     | 1   |                                       |
|------------------------|-----------|----------------------------|---------|------------------|--|-----------------|------------|-------|--------|-----|-----|---------------------------------------|
| SECTION.               |           |                            |         | 51               | 3131                                   | CT              |            |       |        |     | ┨`  |                                       |
|                        | Cr        | IATTER V                   | 7.—I    | otes<br>Inak     | ore J                                  | ND OI<br>-coald | rnen<br>/. | POTE  | rodin' | 7   |     | •                                     |
| }                      |           |                            |         |                  |  |                 |            | _     |        |     |     |                                       |
| 131                    | Gor .     | •                          | •       | •                | :                                      | •               | :          |       | :      | :   |     |                                       |
| 182                    | Rabiore   | har Pho                    | •       | :                | :                                      | •               | ·          | •     |        | •   | -\  |                                       |
| 183<br>184             | Virginia  | iva jupul                  | 78      | :                |  |                 | ٠          | **    | •      | •   | 4   | 7.                                    |
| 135188                 | Prance    | ın, Junia                  | and l   | dichro           | Ω                                      |                 | ٠          | •     | •      | •   | 4   |                                       |
| 189                    | Govind    | thur fam                   | ily     | •                | •                                      | ٠               | •          | •     | ٠      | •   | :   | ř                                     |
| 140                    |           | family                     | •       | •                | •                                      | •               | •          | •     | •      | •   | 1   | 1<br>1<br>1                           |
| 141                    | Mowart    | a family                   | *       | ·                | •                                      | •               | •          | •     | :      | ;   |     | ä                                     |
| 142-149                | Bhinne    | dents of                   |         |                  | •                                      | :               | ÷          | ÷     |        | •   |     | #                                     |
| 143<br>144             | Bandar    |                            | •       | •                | :                                      |                 | ÷          | •     |        | ٠   | -   | Ø.                                    |
| 145-146                | Dewali    |                            | :       | •                |  | •               | •          | •     | •      | •   | •   | 0                                     |
| 147-148                |           | n Baghe                    | ra.     | •                | ٠                                      | •               | •          | •     | •      | •   | •   | 000000                                |
| 149                    | Santoli   | h .                        | . • .   |                  | •                                      | ٠               | ٠          | •     | •      | •   | •   | Ĕ                                     |
| 150-158                | Descon    | h<br>dants of<br>alian and | Duda    | ji               | •                                      | ٠               | ٠          | ٠     | •      | :   | 1   | 13                                    |
| 151                    |           |                            |         |                  | •                                      | :               | •          | •     | •      | :   | .1  | Ø                                     |
| 162 <b></b> 158<br>154 | Karel     | oda famil                  | y .     | •                | •                                      | •               | :          | :     | :      | ,   |     | Ę.                                    |
| 165                    | Descer    | dants of                   | Rim     | ai and           | Cha                                    | ndajer          |            | •     | •      | •   | •   | . 13                                  |
| 146                    | Besoil    |                            | •       |                  |  |                 | •          | •     | •      | •   | -{  | И                                     |
| 167                    | Sawar     |                            |         | •                | •                                      | •               | •          | •     | •      | •   | •   | 幅                                     |
| 328                    |           | n Meenat                   | ٠.      | •                | ٠                                      | •               | ٠          | •     | •      | •   | 1   | ũ                                     |
| 169                    | Chara     |                            | •       | ٠                | •                                      | •               | •          | •     | •      | •   | .1  | į.                                    |
| 160<br>161             |           | raba .<br>b Abdool         | F.d.    | n Eba            | n •                                    | •               | •          | :     | •      | :   | .1  | 5                                     |
| 101                    | 1, mad    | n Wannar                   | C-11    | 4 1504           | •••                                    | •               | •          | •     | •      | -   | - { |                                       |
|                        | 1         |                            |         |                  |  |                 |            |       |        |     | 1   |                                       |
|                        | }         | A                          | . 7711  | 77-              |  |                 | 1          |       | t)t    | -nv | ١   |                                       |
|                        | ł         | CHAPTE                     | g ATI   |                  |  | ETUAT:          |            | IIANU | KEVA   |     | - } |                                       |
|                        | 1         |                            |         |                  |  |                 |            |       |        |     |     |                                       |
|                        | . 1       |                            |         |                  | <b>-</b> -                             |                 |            |       |        |     | 1   | (5                                    |
| 163—167                | Adm       | nistratio                  |         |                  |  |                 | •          | ٠     | •      | •   | •   | 71                                    |
| 168—169<br>170—172     |           | inistration<br>laistration |         |                  |  |                 | •          | •     | •      | •   | •   | 7                                     |
| 170-172                | 1 36-2.   | 0                          |         |                  |  |                 | •          | •     | •      | •   |     | 71                                    |
| 174-176                | Mr.       | er opens<br>Edmonste       | on's    | eti le m         | ent '                                  | :               | •          | :     | •      | ·   | •   | 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 |
| 177-17                 | B   Color | nel Buthe                  | rland   | 's prop          | elator                                 |                 | ٠.         | ٠.    | •      | •   | •   | 7                                     |
| 17                     | B   Retr  | ospect .                   | •       |                  |  | •               |            |       |        | •   | •   | 1                                     |
| 18018<br>18            | Colo      | nel Dizor                  | e adı   | ninistr          | ation                                  | •               |            |       |        | •   | •   | 1 ;                                   |
| 18218                  | E Cole    | Thomaso<br>nel Dixo        | 11'8 VI | 816 GD 4         | 13me                                   | re ,            | •          | •     | 4      | •   | ٠   | 1                                     |
| 18                     | 7 Sett    | lement of                  | Mh      | irware           | errici<br>A                            | Blenc           | •          | •     |        | •   | ٠   | li                                    |
| 18                     | 9   Clos  | e of the c                 | Ta of   | mater            | al im                                  | DTOVCT          | neut.      | • :   | :      | •   |     | , (                                   |
| 18019                  | I   Cap   | tain Broc                  | ke, D   | eputy            | Comi                                   | nierian         | er .       |       | •      | •   | •   | 1                                     |
| 30                     | 12 Maj    | or Lloyd                   | , Dept  | uty Co           | mxic                                   | sioner          |            | , , , |        |     | •   | 1                                     |
|                        |           | sons from<br>Ridedals      |         |                  |  | • •             |            | ٠.    |        |     | •   |                                       |
|                        |           | jor David                  | i Drii  | nemeps<br>Dennts | Con                                    | er,             |            | • •   |        | •   | •   | 1                                     |
| 196-2                  | OT ILUI   | mine of 1                  | Bibb 6  | 9 .              |  |                 |            |       |        | •   |     | :1                                    |
|                        | 02   Hje  | story of o                 | ollecti | ons du           | ring                                   | the fa          | mino       | ٠.    |        | •   |     |                                       |
|                        | NR   COI  | recrions i                 | a Mh    | airear.          | 181                                    | •               |            | •     |        | •   |     |                                       |
|                        |           | eults of th<br>intgaços s  | ne far  | . פתומ           | ســـــــــــــــــــــــــــــــــــــ |                 |            |       |        |     |     | .]                                    |
|                        | 206 In    | stance of                  | indeb   | tedness          | ì                                      |                 | •          | • •   |        | ٠   |     | ٠l                                    |
| 2                      | 307   Ke  | marks on                   | the a   | ratom            | of en                                  | liection        | •          | • •   | •      | •   |     | •[                                    |
| 2                      | 208   Bi  | story of                   | rices   |                  |  | *               |            |       | •      | •   |     | 1                                     |
| ٠                      |           |                            | -       |                  |  |                 |            |       | •      | •   |     | 1                                     |

| Section.               | Subj   | ECT.              |         |        |         |         |     | Page,       |
|------------------------|--|-------------------|---------|--------|---------|---------|-----|-------------|
|                        | CHAPTER VIII.—CROPS  | AND T             | ALUE    | or r   | RODUC   | e.      |     | <del></del> |
| 209-216                | Crops and value of produce .   |                   |         |        |         |         | .[  | 98          |
| 217                    | Number of owners and tenants   | ·                 | ·       |        | •       | •       |     | 98          |
| 218—220                | Average profits of a cultivator  | •                 | •       | •      | •       | ٠       |     | 99          |
|                        | CHAPTER IX.—TRADE MANU<br>INSTITUTE  | TFACTI<br>UTIONS  | ner,    | FD.00  | ATION   | and     |     |             |
| 221225                 | Ajmere trade */  |                   |         |        |         |         | . } | 100         |
| 226                    |  |                   |         | ٠      |         | •       |     | 102         |
| 227 - 228              | Beawar trade -   Exports from the district   Manufactures  |                   | •       | •      | •       | ٠.      | - 1 | 103         |
| 229                    | Manufactures Ajmere College Elementary schools Mission Schools Literature and the Press Mayo College | •                 | •       | •      | •       | •       |     | 103<br>103  |
| 231—282<br>233—234     | Ajmere College   | •                 | •       | •      | •       | •       | •1  | 103         |
| 233 - 234              | Mission Sabasia  | •                 | •       | •      | :       | •       |     | 104         |
| 236                    | Literature and the Press   | •                 | :       | ·      | :       | ·       |     | 104         |
| 237-239                | Mayo College   | •                 | •       |        |         | •       |     | 104         |
| 240                    | Dispensaries   | •                 | •       | ٠      | •       | •       | • [ | 105         |
| 241                    | Poor-houses  | •                 | ٠       | •      | ٠       | ٠       | ٠,  | 106         |
|                        | CHAPTER X,—OPERATIONS OF   |                   |         | T BE   | OIBIT   | n Pric  | )B  |             |
| 242-245                | Measurement operations .   |                   |         |        |         |         | ٠,١ | 106         |
| 246-247                | Form of known adopted  |                   | •       | ٠      |         | •       | .   | 107         |
| 248                    | Boundaries   | •                 | •       | •      | •       | •       | •   | 108         |
|                        | CHAPTER XI.—GENERAL  | Prikc             | IPLES   | DF AS  | 38E5\$1 | ent.    |     |             |
| 249 `                  | Mode of assessment hitherto ad-  |                   |         |        | •       |         | ٠,١ | 109         |
| 250                    | Preliminary orders of Governme   | ent               | •       | •      | •       | •       | •   | 109         |
| 251 <b></b> 264<br>266 | Subsequent orders of Governme  | nt.               | •       | •      | •       | •       | •   | 109<br>111  |
| 250<br>250             | Division into assessment circles Ajmore assessment circles .   | :                 |         | •      | •       | •       | •   | 111         |
| 257                    | Dogwood approximant sixolas  |                   |         | :      | •       | :       |     | 112         |
| 258                    | Todghur assessment circles Assessment of water revenue Classification of tanks                       | ·                 | ·       |        | •       |         | .1  | 112         |
| 259                    | Assessment of water revenue  |                   | •       | •      |         | •       |     | 113         |
| 260                    | Classification of tanks  |                   | a 14.   | • .    | •       | •       | ٠.  | 114         |
| 261<br>262—264         | Alternative schemes for the coll<br>Explanation of the system adop                                   | CCTION            | Ol. fue | Wate   | r rere  |         | ٠,  | 115         |
| 265                    | Treatment of submerged land  | <i>i</i> cu       | 1       | •      | •       | •       | •   | 117         |
| 266                    | Rate-report  | •                 | •       | :      | :       | :       | :1  | 118         |
|                        | Chaptee XII.—Asi  Part 1-  |                   |         | ltist: | ics.    | •       |     |             |
| , 00-                  |  | ,                 |         |        |         |         |     |             |
| 267<br>268             | Statement of area  | 143               | •       | •      | •       | •       | •   | 119         |
| 269                    | Percentages and agricultural we Comparison with former statist                                       | eaith             | •       | •      | •       | •       | ٠   | 121<br>121  |
| 270-271                | Past and present demand  | 106               | •       | :      | :       | •       |     | 121         |
|                        | Part II.—  | <u>.</u><br>Mhair | warra.  | ٠.     | •       | •       |     |             |
| 272-278                | Statement of area  |                   |         |        |         |         | - ( | .100        |
| 274                    | Percentage and agricultural wer  | alth              | •       | :      | •       | •       | 1   | ·128<br>126 |
| 275                    | Past and present demand .  |                   | •       | :      | :       | :       | :1  | 127         |
| 276                    | Revenue and area of Meywar ar  | ıd Maı            | war-M   | bnirv  | atta    | •       |     | 127         |
|                        | <u> </u>   |                   |         |        |         | <u></u> | I   |             |

| Section.       | Subject  |                |
|----------------|--|----------------|
|                | CHAPTER XIII.—GENERAL RESULTS OF ASSESSMENT.   |                |
| 277            | Expiring and present revenue with rates of past and pr   | esent          |
|                | assessment   | 128            |
| 278            | Weight of the assessment   | 700            |
| 279-280        | Argument from jaghiredars' collections Argument from jaghiredars' collections  | • 1            |
| 281<br>282     | Argument from jagniredars collections  | 180            |
| 283—284        | Argument from Colonel Dixon's direct collections Colonel Dixon's Mbairwarra assessment                               | . 131          |
| 285—286        | Conclusions.   | . 132          |
|                |  | İ              |
|                | Chapter XIV.—Maafee Holdings.  |                |
| 287            | Inghire  | 193            |
| 288            | Bhoom no longer a revenue-free tenure  | .   183        |
| 289291         | Orders of Government regarding revenue-free holdings .   | . 183          |
| 2)2            | Rules observed in the investigation  | . 184          |
| 293            | Procedure adopted  | . 185<br>135   |
| 294            | Statistics of these holdings   | 1 400          |
| 295—296<br>297 | Personal boreditary grants   | 1 100          |
| 298            | Personal horeditary grants   | 300            |
| 299            | Personal horeditary grants Life grants Grants during good behaviour  |                |
| 300            | Service land   | . 138          |
| 301            | Ceases on manfee holdings  | l 200          |
| 302            | Life grants . Grants during good behaviour Service land Ceases on manfee holdings Manfee holdings in jaghire estates | . 139          |
|                | •  |                |
|                | CHAPTER NV.—RECORDS.   |                |
| 303            | New system of record adopted   | . 140          |
| 304            | Description of the record  | . 140          |
| 805            | Attestation  |                |
| 306            | Distribution of the revenue assessed   | . 141          |
| 307<br>308     | Completion of the settlement misl.  Receipt books given to each owner  | 141            |
| 908            | weceibt googs Riven to such owder  | . 141          |
|                | CHAPTER XVI.—MISCELLANDOUS.  | •              |
| 809            | Mhairwarra villages in which the revenue is shared.  | 1              |
| _810           | 70   | 141            |
| 311            | Circle of headmen  | 142            |
| 312            | Lumberdars   | 142            |
| <b>313—314</b> | Patels   | . 148          |
| 815            | Headmen in jaghire villages  | . 143          |
| 316-317        | Putwarees .  | 1              |
| 318<br>319     | Jaghire Putwarees Chowkeedars  | - 145          |
| 320            | District Funds   | . 145<br>. 145 |
| 821            | Settlement charges.  | 1              |
| 322            | Putwarees Jaghire Putwarees Chowkeednra / District Funds / Settlement charges Notice of officers                     | - 1            |
|                | <u> </u>   | 1 130          |

## APPENDICES.

|   |               | -          |      | LYOK |
|---|---------------|------------|------|------|
| A List of tanks whose water revenue has been a      | separately    | passesseg. | in a |      |
| inmp sum  | •             |            | •    | 148  |
| B.—Statement showing the collections of farmers .   |               |            |      | 151  |
| C Statement of area of Istumrar Estates under the C | Court of Wa   | rds .      | ٠.   | 152  |
| D.—Territorial distribution of Mbairwarra           |               | . ,        |      | 153  |
| EStatement showing territorially the revenue and c  | ceases of All | airwarm    |      | 154  |
| F Statement showing mater revenue and cesses .      |               | ·.· .      |      | 155  |
| G Statement of Bhoom holdings                       |               |            |      | 156  |
| H Government tanks other than those whose revent    | ne bas beer   | BRBCSECC   | io a | •    |
| lump sum  | . 1.          | ٠          |      | 162  |
| I Total revenue of Ajmere District from 1849-50     | . 4,          |            |      | 177  |
| 3Prices of produce during the famine of 1868-69     |               |            |      | 178  |
| K Form of settlement misl                           |               |            |      | 179  |
| LArea of jaghiro estates and Bhoom                  |               |            |      | 200  |

### REPORT

ON

## THE SETTLEMENT

OF THE

## AJMERE & MHAIRWARRA DISTRICTS.

#### CHAPTER I.

#### GENERAL DESCRIPTION.

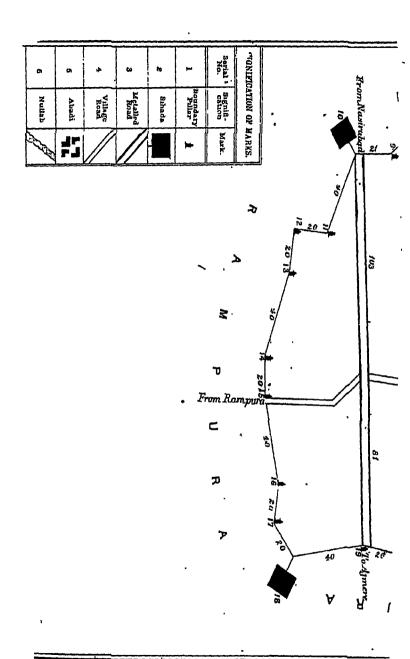
Boundaries.—The District of Ajmere is bounded on the morth by Kishenghur and Marwar, on the south by Mhairwarra and Meywar, of the east by Kishenghur and Jeypoor, and on the west by Marwar. It lies between north latitude 25°41'0" and 25°41'0", and east longitude 75°27'0" and 74°17'0", and contains according to the revenue survey of 1847 an area of 2,058°28 square miles. Its population according to the census of 1872 is 246,793 souls.

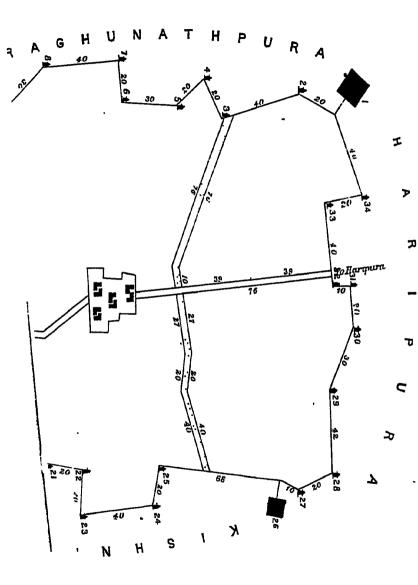
The district of Mhairwarra is bounded on the north by M Ajmere, on the south by Meywar, on the east by Ajmere and Meywar, and on the west of Marwar. It lies between north latitude 26°11'0' and 25°23'30", and east longitude 73°47'30" and 74°30'0", and contains a population of 69,234, with an area according to the revenut survey of 602'33 square miles.

The united districts contain an area of 2,660.61 square miles, with population of 316,032, or 119 to the square mile.\*

2. Sudder Stations and Jurisdiction.—The two districts were originally distinct and each possesses a history of its own. They were united

The statistics of the census of 1872 have been declared by the Government of India to be unreliable, and a fresh census will be taken in the cold weather of 1874-75. The area also probably requires correction and caunot be given with certainty till the revenue survey of 1847-48 was very hurriedly done, and in Mhairwarra only ose out of The recent settlement surveyed in the odinary way: six were laid down trigonometrically. Mhairwarra were laid down with the plane table. Hence the statistics of the total area followed in the caunot be implicitly accepted. By this survey the area of the khalsa portion of Amere is while the area of the jachire villages, 235 square miles, of Mhairwarra 677 square miles. The total area is thus 2,758 square miles, instead of 2,661, and the correctares probably intermediate between the two.





under one officer in A.D. 1842, and now form the charge of the Deputy Commissioner of Ajmere-Mhairwarra. The immediate revenue, magisterial, and civil jurisdictions of Mhairwarra are vested in an Assistant Commissioner whose head-quarters are at Nyanuggur, the only town in Mhairwarra. The sudder station, however, takes its name from that of the pergunnah in which it is situated and is known as Feawur. The headquarters of the Deputy Commissioner are at Ajmere, from which place Beawur is 33 miles distant. The united districts form also a Chief Commissionership under the Foreign Department of the Government of India, the Chief Commissioner being the Agent to the Governor-General for the States of Rajpootana whose head-quarters are at Mount Aboo. The controlling authority is vested in a Commissioner with the powers of a Sessions Judge, whose head-quarters are at Ajmere, and under whose direct management are placed the Police, Registration, Jails, and Education of the province; departments which in larger administrations are kept distinct.

- 3. The Aranali Range .- The Sanskrit word "Meru," a hill, is a component part of the names of both districts, and the distinguishing feature of the country is the Aravali Range, the "strong barrier," which divides the plains of Marwar from the high table-land of Meywar. The range which commences at the "ridge" at Delhi first crops out in any size near the town of Ajmere, where it appears in a parallel succession of hills, the highest being that on which the fort of Taraghur is built immediately above the city, and which is 2,855 feet above the level of the sea and between 1,300 and 1,400 feet above the Ajmere valley. The "Nagpahar," or Serpent Hill, three miles west of Amere city, is nearly as high. About ten miles from Ajmere the hills disappear for a short distance, but in the neighbourhood of Beawur form a compact double range by which the pergunnah of Beawar is enclosed. The two ranges approach each other at Jowaja, 14 miles south of Beawur, and finally meet at Kukra in the north of the Todghur Tehsil, from which village there is a succession of hills and valleys to the furthest extremity of the Mhairwarra District. The range on the Marwar side gradually becomes bolder and more precipitous till it finally meets the Viudhya Mountains near the isolated Mount of Aboo.
- 4. The Watershed.—From the hills which bound the Ajmere valley, the country slopes to all points of the compass, and the range of hills between Ajmere and Nusseerabad marks the watershed of the Continent of India. The rain which falls on the one side finds its way by the Chumbul into the Bay of Bengal, that which falls on the other side is discharged by the Looni into the Gulf of Cutch. Further south the watershed is still more clearly marked and is the high wall of rock which separates Marwar from Mhairwarra. The portion of Ajmere, east of the range which connects Srinuggur with Rajghur including the pergunnah of Ramsar and the estates of the Talookdars generally, is an open country with a slope to the east and broken only by gentle undulations. West of the Nagoshar the pergunnah of Pooshkur stands quite apart from the rest of the district and is a sea of sand.
- 5. Passes.—Mhairwarra is a narrow strip about 70 miles long and with a varying breadth of from 15 to 1 mile. There are no important

mountains; the highest hills are to be met with about Tedgher the peaks attain an elevation of 2,855 feet above the level. The average level of the valleys is about 1,800 feet. In I Mhairwarra, corresponding with the Tehsil of Beawur, there well-known passes. The Barr Pass on the west is a portion. Imperial road from Agra to Ahmedabad, is metalled throughout, kept up by Imperial Funds. On the eastern side are the Sheopoora Ghâts, the first leading to Massooda, and the seex Meywar, and both are under the District Committee. In I Mhairwarra or the Todghur Tehsil there are—the Kachball, I Umdabari and Diwer Passes, leading from Mhairwarra into Mr These are mere mountain tracks through which the salt of Pachl and the grain of Meywar are carried with difficulty on Banjara ball There are no passes deserving of the name in Ajmere; the ray Pooshkur six miles east of Ajmere passes through a dip in the Nagrange and is metalled throughout from local funds.

6. Rivers and Streams .- As a necessity of its position or watershed of the continent, the district is devoid of any stream ? can be dignified with the name of a river. The Banas River to take- its rise in the Aravali about 40 miles north-west of Oden touches the south-eastern frontier without entering the district affects only the istument pergunnah of Sawar. This river during rains is unfordable for many days, and as there are no ferries, in from Kotah and Deolee only cross into the Ajmere District by men boats extemporised for the occasion. Besides the Banas there we streams, the Kharee Nuddee, the Dai Nuddee, the Sagarmali, at ara-watee. These are mere rivalets in the hot weather over which foot-passenger walks unbeeding, but become forrents in the " Neither they nor the Banas are used for the transport of produce. Kharee Nuddee takes its rise in the State of Oodey poor, and after loss the boundary between Meywar and Ajmere falls into the Bunns northern extremity of the Sawar Pergunnah. The Dai Nuddee is an in the early part of its course by the Nearn embankment. The flows by Sarwar (belonging to Kishenghur) and Baghera and even also empties itself into the Banas. The Sagarmatee rises in the Sagar Inke at Ajmere, and after flowing through and fertilizing Ajmere valley, takes a sweep northwards by Bhaonta and Pisang Governdehur. Here it meets with the Saraswatee which carrie drainage of the Pooshkur valley, and the united stream from this till it falls into the Runn of Cutch is designated the Looni or Salty ! and it is on this stream that Marwar chiefly depends for what fer it has. The affinents of these streams are many, and there are independent streams running northwards into the Sambhur Laki none of them have obtained a name, and they are mere drainage che running only in the rainy senson.

7. Water-supply for irrigation.—There is no permanent supplet where district; they all depend upon the rainfall. It Ajmere Di-trict where the beds of the nullahs are sandy, a substantial of water is absorbed during the rains to supply the either bank, but wells can only profitably be made within a nice from the stream, and beyond that stretches unirrigated land

case of the hills on either side. In Mhairwarra where the beds of the trainings channels are rocky and the slope of the country greater, the cainfall if unarrested rapidly flows off into Marwar and Meywar, and not little benefits the country as the soil is shallow and unretentive of noisture. The configuration of the districts with a more or less rapid slope from the watershed, rendered it imperative to provide for the etention of the rainfall by artificial means, while the undulations of the ground and the gorges through which the hill streams had worn a massage, rendered it practicable to retain the rainfall by a system of unbankments.

- 8. Old Tank embankments.—The idea of such embankments was me which early presented itself to the minds of those conversant with the district. The Beesalya Tank was made by Beesil Deo Chohan thout the year 1050 A. D., his grandson, Ana, constructed the Ana Sagar; the tank at Ramsar was built by Ramdeo Pramar. In Mairwarra the large tanks of Dilwara, Kalinjar, Jowaja, and Baladlate from long before our rule. They are a wide earthen embankment generally faced on both sides with that stones laid horizontally, and closing gorges in the hills. With ordinary core they will last as long as the hills which they unite, and their construction furnishes a substantial proof that before our rule the principles of subordination and co-operation were not unknown in Mairwarra.
- 9. Description of these works .- The tunk embankments of the listrict at present number 419, of which 168 are in Ajmere, 183 in he Beawur Teheil, and 68 in the Todghur Teheil. They have been often lescribed, and Colonel Dixon, in his "Sketch of Mhairwarra", Chapter XII. et sequitur, has given a very full account of them. The best site or an embaukment is a narrow gorge, where by uniting the hills on each side the drainage of the valley above can be stopped, and the water thrown back to form a lake which will irrigate direct by a sluice and feed the wells below by percolation Such sites are however very limited in number and nearly all of them have been already utilized, though in many cases the embankment is capable of much improvement. In the open parts of the district, where Colonel Dixon made a. large number of tanks, the embankments run a considerable distance from one rising ground to the other. Some are nearly two miles in length. The centre portion of the dam arrests the flow of a drainage channel, and the water spreads on each side to the rising ground. Every, tank is provided with an escape to prevent the water topping the embankment during floods. There tanks are generally very shallow and: seldom have any water in them after the autmun harvest has been irrizated. Colonel Dixon attempted at first to form earthen embankments, out the soil is so devoid of tenscity that the plan was early abundoned There are three kinds of embaukments in the district: Firstly, a wall? of dry stone backed by an earthen embankment and faced with a conting. of mortar; there is generally a dry stone retaining wall in these embank-nents. Secondly, a masonry wall backed with earth, the masonry and hunbankment being of greater or less strength in proportion to the reight of the water to be retained Thirdly, a wall of masonry wil hout my embankment. This last is the hest and was adopted in the more filly parts of the district where the gorges did not exceed 100 yards

in width. Similar to these are the small masonry weirs threen a nullah in its course through the hills, in order to ensure a supply the wells on either bank.

- 10. History of their construction .- With the exception of the tanks constructed before 1818 and seven tanks built by Colonel Hall Mhairwarra, the remainder owe their existence to the unaided at untiling energy of one man who ruled Mhairwarra from 1836 to 1841 and the united districts from 1942 to 1857 when he died at Beauch The name of Colonel Dixon will be remembered in Airere and Mhairwarra for many generations. For years he worked steadily at this single object without help or sympathy, and without much excurage ment, for until the works were completed they attracted but little atta tion, and the district was too remote to allow of the Government of the North-Western Provin es taking at first an intelligent interest in the work. With such help as his Tehsildars and a few trained Chappaneer could give Colonel Dixon constructed all these works, and it was only it 1453, when the tanks had been completed, that the appointment of a Uncovenanted European Assistant was savetioned. Nothing worthy note was done after Colonel Dixon's death till the establishment of the Annere Irrigation Division of Public Works in the beginning of 1862. The tank, which has now been constructed at the jughire village of Bit, is a fine example of the best class of tank embankment.
  - 11. Effects of the tanks Colonel Dixon was of opinion that the tanks had raised the water level of the country, and there is no double that subsequently to their construction wells were made in many place where the experiment had before been tried and proved unsuccessful The opinion of a Committee assembled in 1874 to discuss the subject of water revenue assessment was that about half the wells in the district owed their supply to filtration from the tanks. Major Lloyd, Deput Commissioner, writing in 1860, was of opinion "that from the moisture preserved in the soil and the great increase of vegetation they have helped to create, the reservoirs have been to some extent instrumental id causing the increased supply of rain which has been measured in the last few years." There has been another undoubted effect of the rest voirs, and this is a deteriorating influence. The soil throughout the pergunnah of Ramsar is impregnated with salt, and the effect of the pressure of the head of water in the tank and the capillary attraction of the water used in irrigation has been to force up impure salts to the surface. Not much land has been rendered entirely unculturable, and if this land gets manure, it yields excellent crops, but without manure the lund yields a very inferior return. The village of Nearas, when is one of Colonel Dixon's largest reservoirs, is generally broughtforward as an instance of this effect, and here it has been found necessary reduce the assessment twice within the last 20 years.
    - 12. Produce of the tanks.—Nearly all the tanks are dry by the month of March, and the beds of the majority are cultivated for a spring are not grown, and fisheries are unknown. The people do not eat fish permanently exist, while religious prejudice prevents their being kills in the latter lake.

ŭ

- 13. Natural reservoirs Besides the artificial reservoirs there are four natural reservoirs in the district which in less dry countries would bardly deserve mention. These are the sacred lake of Poosbkur and the lake known as old Pooshkur near the former. Both are depressions smong sand hills without any outlet, but exercise a considerable influence by perrolation through the sand hills on the low sandy bottoms in their vicinity. In Mhairwarra there are two natural basins, that of Surgaon, and that of Karantia, both near Beawur. A passage for the escape of the water of the former has been out through the encircling sand hills, and the bed is now regularly cultivated for the spring crop. That of Karantia lies amongst hills and is of no use for irrigation.
- 14. Communications-Roads .- The famine of 1869 gave a great stimulus to the construction of metalled roads. Before that year the only metalled roads in the district were 14 miles between Ajmere and Nusseerabad, and seven miles between Aimere and Gangwana on the Agra road. Now the Agra and Ahmedabad road is metalled throughout from the border of Kishenghur territory to the border of Marwar. From Nusseerahad a metalled road extends to the Cantonment of Deolee, 56 miles, and another in the direction of Neemuch and Mhow now rapidly falling into disrepair. Mhairwarra was a country without roads before the famine, but it now possenses a tolerable read to Todghur and fuir roads over the Pakhuriawas and Sheopoora Passes into Massooda and Meywar. Except station roads and roads to Pooshkur, six miles, and to Srinuggur, ten miles, there are no metalled roads under the District Fand Committee.
  - 15. Railways. The Railway between Agra and Ajmere is rapidly advancing towards completion, and the earthwork has been finished to Ajmere. The Western Rajpootona Railway Survey has completed the regular survey of the line from Ajmere to Ahmedahad which will connect Agra with Bombay. A Railway from Ajmere to Nusseerabad has been sauctioned, and its extension through Neemuch to join the Holkar (State) Railway is only a matter of time. All these Railways have been or will be laid on the metre gauge.
  - 16. Telegraph.—There are two Telegraph Stations in the district, one at Ajmere, and the other at Nusseerabad. The total number of messages sent from the Ajmere Office in 1873 was 3,471; from the Nusseerabad Office 962, total 4,453. The Ajmere Office received 6,265. messages, and that of Nusseeraland 1,255, total 7,520. The telegraph receipts in the Ajmere Treasury for the year 1878-74 on account of Rajpootana were Rupees 16,793, the disbursements were Rupees 31,525. Until 1872 there was a third station at Beawur, but it was found not to pay, and was closed in that year much to the regret of the residents of the rising town of Nyanuggur. The Western Rajpootana Railway, however, will pass close to Beawur, so before long Mhairwarra may hope to obtain a Telegraph Office.
  - 17. Post Office. There are five Imperial Post Offices in the district Ajmere, Nusseerabad, Beawur, Deolee and Kekree, but the latter was converted into a branch office in 1871-71. On the reorganization in 1871, a Chief Inspector of Post Offices was sanctioned for Rajpootana, which had previously been under the Postmaster-General of the North-Western Provinces. The revenue of the Post Offices in Rajpootana for the years

#### AJMERE AND MHAIRWARRA DISTRICTS.

1873-74 was Rupees 1,04,485, the expenditure Rupees 1,3184 following statement shows the number of covers sent in through, and received for despatch from, the Imperial and Offices for the years 1860-61, 1865-66, and 1870-71. Similariet Post are not procurable for 1860-61:—

|                |    |          | Reci             | Posted.  |          |          |       |       |   |
|----------------|----|----------|------------------|----------|----------|----------|-------|-------|---|
| Name of tra    | X. | Lottors. | News-<br>papers. | Parcels. | Books.   | Letters. | News- | Park  |   |
| Imperial Post  |    |          |                  |          |          |          |       |       |   |
| 1861-62        |    | 804,850  | 12,130           | 3,013    | 2,129    | 282,290  | 6,053 | 155   |   |
| 1863-66        | •  | 354,895  | 26,209           | 9,753    | 3,149    | 856,245  | 3,864 | 1,573 |   |
| 1870-71        | •  | 867,996  | 81,337           | 3,533    | 6,598    | 572,687  | 3,930 | 2371  |   |
| District Post. |    |          |                  |          |          |          | l     |       | ĺ |
| 1805-66        |    | 21,635   | 879              | 238      | 10*      | 23,632   | 31    | 76    |   |
| 1870-71        | •  | 16,368   | 1,413            | 378      | <b>,</b> | 17,888   | 60    | 143   |   |

1". Menerals .- The Geological Survey has not yet bes. to this district, but the Aravali Hills well repay the labor of the Gri gist. They abound in mineral wealth, though for many year this we of revenue has been extinct. The Taraghur Hill is rich a lend, u conper and iron mines have been worked, but did not pay the exper-The lead mines of Taraghur were farmed by the Mahrattas for hy 5,000 yearly, the custom being for the miners to receive three fourth the value of the metal as the wages of their labor and toeser expenses in sinking shafts. Mr. Wilder, the first Supermentent Ajmere, took the mines under direct management, and the proof annually from 10,000 to 19,000 maunds of lead which was sold at had 11 per maund. The Ajmere Mugazine was the chief customer, and its censing to take the metal in 1846 the mines were closed. The is universally allowed to be purer and of a better quality than Europe pig-lead, and it is chiefly owing to the want of fuel and of proper me of transport that it has been driven from the market. Agra, which is the nearest market, the lead costs Rupees 16 amazon one-eighth more than the same quantity of English lead. Perhaps extension of a railway to Ajmere may revive this now extinct industi the miners who were the people of the Indurkot still live in Ajmere, but the demand for the metal, the offspring of the troublous times in the of the century, no longer exists.

19. Stone Products.—Good building materials abound the district, and stone is largely used for purposes for which employed elsewhere in India. Door frames are often make and the best roofing is formed of slab-stones resting on make stone beams, while thin slabs have lately been used as slates. stones are used for roofing, for flagstones, and for spanning

The best quarries in the vicinity of Ajmere are at Sillora (in Kishenghur territory) and at Srinuggar, where slabs 12 or 14 feet long by 3 or 4 feet or even more in width can be obtained. At the former place beams 20 feet or upwards in length by 12 feet in width are procurable. Near Beawur slabs not quite so large and generally too hard to be dressed with a chisel are quarried at Abitmand. At Kheta Khera, about 6 miles. north-east of Beawur, limestone slabs are found which can be dressed. Near Todghur good slabs have not been found, but beams 10 or 12 feet long and uneven in thickness are procurable. Good slab-stones can be got at Deoghur about 10 miles south-east from Todghur, but the roads are not good enough to allow of their being carried any considerable distance.

- 20. Suitable clay is not obtainable for bricks, and bricks are seldom used, but for rubble masonry stone is everywhere to be met with. best quarries are in the range of hills running from Kishenghur between Ajmere and Nusseerabac and down the east side of Mhairwarm. The stone here is found in slabs of almost any size, both sides perfectly parallel, and if it is carefully quarried one smooth face can generally be obtained. For Ashlar work limestone, granice, and marble of a coarse kind are procurable while sandstone is brought from a distance in Marwar.
- 21. Lime.—Lime is burnt from kankar and from limestone, and the latter description is preferred by the Natives. The limestone generally used in the city of Ajmere is a grey stone obtained near the village of Nareilli, about 6 miles from the city. The lime burned from this stone is not very pure, but is tenacious and bears a large admixture of sand. At Makhopoora, Kalesra, Kholai, and other villages a pure white limestone is found, but the stone is hard and difficult to burn. stone is also found in abundance near Beawur. Kankar is to be met with in all parts of the district, but varies considerably in quality as a carbonate of lime. That which breaks with a blue fracture, and which when breathed on causes the moisture to adhere, is considered fit for lime-burning. Kankar lime has higher hydraulic properties than stonelime and is generally used by the Department of Public Works. material however producing good hydraulic lime has yet been discovered in the district. A natural coment called "kaddi" is brought from Nagor, 80 miles north-west from Ajmere. It has been examined in Calcutta and pronounced to be "a very valuable and hydraulic cement" when carefully burnt. It is however generally over-burnt and disintegrates when exposed to water, and is consequently only used by the Natives for the i terior of their buildings.
  - 22. Road metal. Materials for road-making are everywhere abundant. For heavy traffic broken limestone, the refuse of a slab-stone quarry or granite, is more suitable and lasting than kankar, which, though very generally distributed, is not found in blocks, and which, though it makes a smooth even road, does not stand heavy traffic. For district roads any coarse britle stone if not too micaceous or an inferior kind of gravel called "barba" may be substituted for stone or kaukar. Both descriptions of material are to be met with in all parts of the district, are easily dug, and answer the purpose very well where the traffic is light.
  - 23. Forests. In old times the hills about Ajmere were probably covered with scrub jungle, and where the growth has been unmolested,

1873-74 was Rupees 1,04,485, the expenditure Rupees 1,33,654. The following statement shows the number of covers sent for delivery through, and received for despatch from the Imperial and Patriot Post. Offices for the years 1860-61, 1865-66, and 1870-71. Statistics of the District Post are not procurable for 1860-61:—

|                |          | Reci             | IVED.      |        | Posted.  |       |          |        |  |
|----------------|----------|------------------|------------|--------|----------|-------|----------|--------|--|
| Nake of tear   | Letters. | News-<br>papers. | Parcels.   | Books. | Letters. | News- | Pareels. | Books. |  |
| Imperial Post. |          |                  | <br>       |        |          |       |          |        |  |
| 1861-62        | 804,850  | 12,130           | 3,013      | 2,129  | 282,290  | 6,055 | 1255     | 447    |  |
| 1865-66 .      | 354,895  | 26,209           | 3,753      | 3,149  | 85G,245  | 3,861 | 1,578    | 521    |  |
| 1870-71        | 867,996  | 81,837           | 3,533      | 6,598  | 572,687  | 8,930 | 2374     | 2,860  |  |
| District Post. | ]        |                  | <b>\</b> ' |        |          |       |          |        |  |
| 1865-66        | 21,635   | 879              | 238        | ***    | 23,632   | 81    | 76       | ***    |  |
| 1870-71        | 16,368   | 1,443            | 878        |        | 17,388   | 60    | 141      | ***    |  |

14. Menerals .- The Geological Survey has not yet been extended to this district, but the Aravali Hills well repay the labor of the Geologist. They abound in mineral wealth, though for many years this source of revenue has been extinct. The Taraghur Hill is rich in lead, and cooper and iron mines have been worked, but did not pay their expenses. The lead mines of Taraghur were farmed by the Mahuattas for Rupees 5,000 yearly, the custom being for the miners to receive three-fourths of the value of the metal as the wages of their labor and to cover their expenses in sinking shafts. Mr. Wilder, the first Superintendent of Ajmere, took the mines under direct management, and the produced annually from 10,000 to 19,000 maunds of lead which was sold at Rupees 11 per maund. The Ajmere Mugazine was the chief customer, and on its censing to take the metal in 1816 the mines were closed. The lead is universally allowed to be purer and of a better quality than European pig-lead, and it is chiefly owing to the want of fuel and of preper means of transport that it has been driven from the market. When landed in Agra, which is the nearest market, the lead costs Rupees 16 amound, or one-eighth more than the same quantity of English lead. Perhaps the extension of a railway to Ajmere may revive this now extinct industry; the miners who were the people of the Indurkot still live in Ajmere, but the demand for the metal, the offspring of the troublous times in the beginning of the century, no longer exists.

19. Stone Products.—Good building materials abound throughout the district, and stone is largely used for purposes for which wood is employed elsewhere in India. Door frames are often make of stone, and the best roofing is formed of slab-stones resting on suches or on stone beams, while thin slabs have lately been used as slates. Slab-stones are used for roofing, for flagstones, and for spanning culverts

The best quarries in the vicinity of Ajmere are at Sillora (in Kishenghur territory) and at Sriouggar, where slabs 12 or 14 feet long by 3 or 4 feet or even more in width can be obtained. At the former place beams 20 feet or upwards in length by 1½ feet in width are procurable. Near Beawur slabs not quite so large and generally too hard to be dressed with a chisel are quarried at Abitmand. At Kheta Khera, about 6 miles north-east of Beawur, limestone slabs are found which can be dressed. Near Todghur good slabs have not been found, but beams 10 or 12 feet long and uneven in thickness are procurable. Good slab-stones can be got at Deoghur about 10 miles south-east from Todghur, but the roads are not good enough to allow of their being carried any considerable distance.

- 20. Suitable clay is not obtainable for bricks, and bricks are seldom used, but for rubble masonry stone is everywhere to be met with. The best quarries are in the range of hills running from Kishenghur between Ajmere and Nusseerabad and down the east side of Mhairwarra. The stone here is found in slabs of almost any size, both sides perfectly parallel, and if it is carefully quarried one smooth face can generally be obtained. For Ashlar work limestone, granive, and marble of a coarse kind are procorable while sandstone is brought from a distance in Marwar.
- 21. Lime .- Lime is burnt from kankar and from limestone, and the latter description is preferred by the Natives. The limestone generally used in the city of Ajmere is a grey stone obtained near the village of Nureilli, about 6 miles from the city. The lime burned from this stone is not very pure, but is tenacious and bears a large admixture of sand. At Makhopoora, Kalesra, Kholai, and other villages a pure white limestone is found, but the stone is bard and difficult to burn. Limestone is also found in abundance near Beawur. Kankar is to be met with in all parts of the district, but varies considerably in quality as a carbonate of lime. That which breaks with a blue fracture, and which when breathed on causes the moisture to adhere, is considered fit for lime-burning. Kankar lime has higher hydraulic properties than stone-. lime and is generally used by the Department of Public Works. material however producing good hydraulic lime has yet been discovered in the district. A natural cement called " kaddi" is brought from Nagor, 80 miles north-west from Ajmere. It has been examined in Calentta and pronounced to be " a very valuable and hydraulic cement" when carefully burnt. It is however generally over-burnt and disintegrates when exposed to water, and is consequently only used by the Natives for the i sterior of their buildings.
- 22. Road metal.—Materials for road-making are everywhere abundant. For heavy traffic broken limestone, the refuse of a slab-stone quarry or granite, is more suitable and lasting than kankar, which, though very generally distributed, is not found in blocks, and which, though it makes a smooth even road, does not stand heavy traffic. For district roads any coarse brittle stone if not too micaceous or an interior kind of gravel called "barha" may be substituted for stone or kankar. Both descriptions of material are to be met with in all parts of the district, are easily dug, and answer the purpose very well where the traffic is light.
- 23. Forests.—In old times the hills about Ajmers were covered with scrub jungle, and where the growth has been

ns on the west side of the Nagpahar Hill, there are still sometrees on the hill side. With this exception, however, the Ajmere District was deunded of trees long before the commencement of British rule, and the Mahrattas are generally given the credit of the deundation. The parts of Mhairwarra adjucent to Ajmere are described by Mr. Wilder, an eye witness in 1819, as an "impenetrable jungle," through now, except in the extreme south, where there is no local demand, and from where carriage till recently was quite impracticable, Mhairwarra is not much better off in this respect than Ajmere. The trees which existed could only have been scrub at the best, and the demand of the town of Beawur, of the Cantonment of Nussecrabad, and for wood to burn lime for the tank embarkments, joined to the absence of all attempts at replacing what was destroyed, has left but few trees in any accessible part of the district, and wood of all kinds is exceedingly scarce and dear.

- 24. The indigenous trees are the babul, nim, and khejra, which are generally found on the plans and on the low slopes on the bills; chao and kher are met with on the intermediate slopes, and salar occupies the summits. Of these the babul is the only tree which furnishes wood useful for any other purposes than fuel. The pipal and bar tree (ficus religiesa and Indica) are also found, but only in favoured localities. In place of trees the hills about Ajmere are covered with "tor" hush or Euphorbia, which is cut and dried and used largely for fuel in the city. The indigenous trees will all grow easily from seed, and if the rainfall is favourable planted trees require no artificial irrigation. The Euphorbia is easily transplanted and st ikes root at once. It is used for tences on the railway and elsewhere, but is with difficulty kept in order.
- 25. The exotic kinds of tree are difficult to rear and will only grow near wells or after having been artificially irrigated. They are the farmeh, siris, gular, tamarind, mohwa, mango, jamun, seesham, the conk tree, and a few others. None of these will grow on the hill sides and only thrive in good soil, while the necessity of irrigating the plants when young renders their nurture expensive. Colonel 1 ixon devoted much attention to the planting of trees and the gardens of Aimere, and nim trees of Beawur owe their existence to him. After his death, however, no attempt was made either to plant in the plains or to re-forest the hills as they rapidly became hare. In 1871 Government sanctioned the proposal for the appointment of an Assistant Conservator and Sub-Assistant Conservator of Forests, more for the purpose of creating than of conserving forests Forest operations in Ajmere are not intended as directly profitable speculations on the part of Government; their principal aim and object is an indirect and climaticadvantage to prevent the rainfall rushing down the bare hill sides carrieg in its course what little soil remains, and to cause it to penetrate into the crevices of the ricks and fill the springs. The roots of the trees and the vegetation will retain and create soil on the steep slopes, while the lowering of the temperature of the hills may ultimately have the effect of causing the clouds, which now too often pass over the district, to part with their moisture within its boundaries.

. Apart, however, from the intrinsic difficulty of re-foresting the ills it was not easy to obtain the land. The waste had been ver to the village communities by the settlement of 1850, and

they had of old been made use of by the people for grazing purposes, and as a support to fall back upon in years of distress by the sale of wood, and it was naturally the hills where there was most wood that the Forest Officer was most auxious to take up and the people most loth to part with. It was therefore determined to resume the management of certain chosen tracts and to take up the land under an ordinance of the Governor-General in Council, the proprietary tight to vest in Government as long as the land is required for forest purposes and the villagers being allowed certain privileges as to cutting wood and grass. A total area of 54.746 acres has been selected, 7.045 acre- in Ajmere, 7.5 16 in Beawar, and 40,185 acres in Todghur. It is intended to exclude all grats, cattle, and fires, and to reatter seed brondcast in the rains without going to the expense of artificial inligation. Several nurseries have been established in all parts of the district, especially in the Government Gardens near Ajmere, and land has been taken up and planted in the estates of the Talookdars under the Court of Wards. There are no fruit gardens except in the suburbs of Ajmere city, and mangoes, though tolerably plentiful, are stringy and bad.

- 27. Wild animals and game.—There is not much cover for large game in the district, but leopards are found in the western hills from the Nagnahar, where they are regularly trapped down to Diwer. Hyenas and welves are rare. Tigers are said to stray upwards now and then from the southern portion of the Aravali; but if they do come, they find no cover nor water and go back again. Rewards are given for the destruction of wild animals-Rupres 5 a female leopard, and Rupees 2 male leopard, female wolves, and hyenns. The males of the last two animals are paid for at 1 Rupee a head. The total amount expended in 1.73 on the destruction of wild animals was Rupees 43. No rewards are given for snake-killing. The number of deaths from snake-bite recorded in 1872 was 30. Wild pigs are preserved by most of the Thakoors who have large estates, for pig-shooting is the invorite amusement of Rajnoots. There is also a tent club at Nus-secabad which extends its operations beyond British territory, but the pigs love the shelter of the kills, and in many places the ground is too rough and stony to ride over. Antelone and ravine deer are in no great numbers, and are shy and difficult to approach. Of small game the bustard occasionally finds its way in from Marwar; and florikin are met with when the rains has provided cover for them. Geere, duck, and snipe are found about the tanks in the cold weather, but good snipe ground is very limited and three or four brace is a good day's bag. The small sandgrouse is found in abundance, the large sandgrouse is rare. Hares were nearly annihilated by the famine and have not yet recovered their numbers. The quail-shooting is tolerable, and the common, grey, useless, partridge cries in every direction.
- 28. Subdivisions.—The District of Ajmere in Colonel Dixon's time contained three Tahsils, Ajmere, Ramsar, and Rajghur, which were established in order to provide constant supervision of the tanks. The Rajghur Tehsil was abulished after Colonel Dixon's death, and the Ramsar Tehsil was abandoned on the reorganization of the district in 1871. Ajmere proper has now only one Tehsil at head-quarters. The owners of the Istumrar Estates, which in area are more than gouble the khalsa, pay their revenue direct into the Sudder Treasury without the interven-

tion of a Sub-Collector. Mhairwarra is divided into two Teleils, that of . Beawur and Tedghur, A third Teheil, that of Saroth, was after Colonel Dixon's death amulgamated with Beawur. Ajmere contains twelve pergunuals, of which Ajmere, Ramsar, Rajghur, and Poo-liker are chiefly Kekiee has one khal-a town, and the remaining p-rgunnah-Bhinas. Massooda, Sawar, Fisangua, Kharwa, and Baghers-are held by Istumrardars. The Military Contournent of Nucestrabad with the eurrounding villages forms a Civil Subdivision, and Kekree has been placed under an Extra Assistant Commissioner. The Tebell of Beawar contains the pergunnalis of Beawur, Jak, Ching, and Saroth. is British territory. July is British territory, but bolongs chiefly to the Thakour of Massooda and Kharwa. Chang belongs to Marwar, and Saioth belongs to Meywar. The pergunnah of Beamur went various times subdivided into four pergunnals and their names still occasionally crop up and breed confusion. The distant villages of Beamer pergunnal were formed into a separate pergunnali of 33 villages and aun-xed to the Saroth Tehsil under the name of Pergunnah Jowaja. The Pergunnah of Litana consists of eight villages founded by Colonels Ha'l and Dixon in Meywar waste, and the Barkochran Pergunnah has the rame origin and contains nine villages The Telesil of Todghur contains four pergunnahs. of which Bhaelan is British territory; Kot Kerana belongs to Marwar; and Diwer and Todghur belong to Merwar. At the recent settlement the land has been divided into assessment circles, and statistics have been compiled according to circles and not according to pergunals.

29. Rainfall.—A statement is appended showing the rainfall measured at the Stations of Ajmere, Brawnr, and Todghur from the year 180. Since 1868 the rain gauge at Ajmere has been placed in charge of the Meteorological Department, which is superintended by the Civil Surgeon. The registers of Brawur and Todghur are in charge of the Tebsildars.

| Year. | Vineur.   |  | BBAW   | eu.  | Тора   | 17B.  | _  |  |
|-------|---|--|--|--|--|---|--|--|
|       | Inches.   | Cents.   | Inches.  | Cents.   | Inches   | i Cents.  | Emilia.  |  |
| 1860  | 10<br>25<br>43<br>27<br>17<br>16<br>26<br>27<br>9<br>28<br>16<br>21<br>32<br>21 | 77<br>50<br>40<br>54<br>64<br>47<br>16<br>27<br>28<br>92<br>97<br>70 | 6<br>19<br>42<br>22<br>20<br>19<br>14<br>16<br>5<br>17<br>13<br>23<br>29 | 69<br>40<br>70<br>90<br>70<br>30<br>60<br>80<br>50<br>50<br>50 | 13<br>13<br>23<br>21<br>26<br>24<br>31<br>11<br>10<br>80<br>26 | 36<br>60<br>18<br>6<br>8<br>9<br><br>7<br>8<br>90<br>60<br>80 | Scarcity.  20 inches in August. 11 inches in August. Famine. 15 inches in September. |  |

- 30. This table, which is not perhaps quite reliable, gives an idea of the precariousness and partiality of the rainfull. The province is on the border of what may fairly be called the " and zone," and is the debatable land between the north-restern and south-eastern monsoons, and beyond the full influence of either. The south-west monsoon sweeps up the Nerbudda Valley from Bombay, and crossing the table land at Neemuch gives copious supplies to Malwa, Jhallawar, and Kotah and the countries which lie in the course of the Chambul Kiver. The clouds, which strike Kattywar and Kutch, are deprived of a great deal of their moisture by the influence of the hills in those countries, and the greater part of the remainder is deposited on Aboo and the higher slopes of the Aravali, leaving but little for Minirwarra where the hills are lower, and still less for Ajmere. It is only when this monsoon is in considerable force that Mhairwarra gets a plentiful sapply from it, and it is only the heaviest storms which get as far Jodhpoor, where the average rainfal does not exceed 4 or 5 inches, while beyond this is the ramless land of Sinde. The north-ca-tern monsoon sweeps up the valley of the Gauges from the B.y of B ngal and waters the northern part of Rajpootana, but bardly nenetrates furth r west than the longitude of Ajmere. On the conflicting strength of these two monsoons the rainfall of the district depends.
- S1. The prevailing wind during the rainy season is a south-westerly one, but there is but little rain which comes from this direction. The south-west monsoon is exhausted before it reaches even Mhairwarra, and if this monsoon is in the ascendant, the weather will be cloudy, and there will be light and partial showers, but no heavy rain. When the wind yeers round to the west, as it often does, there will be no rain. It is from the north-east that Ajmere, Beawur and Todghur obtain their heaviest rainfalls, though the south-western monsoon has naturally more effect at Todghur than at Ajmere. The central portions of the province often receive heavy falls from the north-west, the north-east monsoon being apparently diverted from its course by the winds from the desert. The direction of the wind is most changeable and the rainfall is exceedingly sartial.
- 32. Not only, however, is the rainfall most precarious and partial, varying in total amount very much from year to year and from place to place, and falling with fury upon one side of a hill, while the other side is perfectly dry, but it is most irregularly distributed over the rainy season, and most uncertain as to the intensity of the fall. This last question is a most important one with reference to the filling of the reservoirs. If the rain fall in light showers, even though it be on the whole an average fall, the soil will absorb it, the nullahs will not run, and the tanks will remain empty. If the fall is sudden and heavy and at the same time general within the catchment area of a tank, the chances are that the embankment will be damaged. The best-rainy season is one which includes a fall of 8 or 4 inches in the 24 hours in June, and a similar fall in September with intermediate showers; then the tanks fill, and are replenished for the rubbee harvest, and the khureef crop is not drowned with excessive rain.
- 33. These peculiarities may be illustrated from the history of the years for which the rainfall has been given. The years immediately

before 1860 were years of heavy rain, averaging in Ajmere over 30 inches, but the rainy season of 1860 was a very bad one: what rain then was fell in showers insufficient to fill the tanks, and there was no min in September. The khureef harvest failed, and but that Marwar had fortunately good rains and furnished supplies of both grain and grain. the scarcity which ensued would have amounted to a famine. The north-east monsoon faired over the North-Western Provinces this year, but Marwar got more than its usual supply from the south-west. In 1:61 the north-east moonsoon appears to have been in the ascendant, but hardly reached to Todghur. 1862 was a year of extraordinarily beavy rain, the fall was spread over a long time, and was not violent enough to damage the tanks. The khureef failed, however, from excess of muisture, but the rubbee was splendid. In 1864 there was an average fall but it all fell before the second week in August. In 1865 there was no rain till the second week in Angust, and it censed entirely in the second week of September, only 1 inch 18 cents, being registered in Ajmere in that month There were some heavy showers, however, which filled the tanks. In 1866 the rains began in the second week of August ard fell continuously till the end of the month. In some places the tanks were not filled, in others there were very heavy falls. for the tanks each of there three seasons would have been one of very severe distress. The year of 1867 was favourable, but the following year was one of famine, the average full of all the strtions being only 7'4 mehes The rains of 1869 were not unfavourable as regards the amount of the fall, but no rain fell till the middle of July, and there was no rain again for nearly two months. The rainfall of 1870 was below the average, but was pretty well distributed. The last three years have been average years, but the fall was irregularly distributed. In Ajmere in 1871 there were & inches during the month of June, and half on inch in August. In 1872 there was one inch in June, and 18 inches fell in August. The rainfall of July and September was nearly equal in both years. In 1873 the greater portion of the rain fell in July.

- 34 Chief Towns, Ajmere.—Ajmere has a population of 26,669 according to the census of 1872, and is the largest town in the district. It is built on the lower slope of the Thraghur Hill, is surrounded by a stone wall, and possesses five gateways. The town is well built, with some wide and open streets, and several fine houses. About one-third of the population is Mahomedan, nearly all Khadims of the shrine of Muhinend-din Chishi. The town was formed into a Municipality under Act VI of 1868, and the income in .872 was Rupees 26.0 6. Of this sum Rupees 22,278 are due to octroi, and Rupees 2,104 to nuzool gardens. The expenditure is well within the income; at the end of 1872—the Municipality had a balance to its credit of Rupees .5,602, of which Ruices 17,500 had been invested in Government Paper. A project of disinage of the valley, which is much needed and which has been very long in preparation, as well as other needestay improvements, will, it is hoped, soon absorb this balance.
- . 55. Seths. Ajmere is the residence of the heads of several important firms of Seths, who have establishments throughout Rajpootsus and in other parts of India, where they carry on a trade in grain, cotton

and opium. In Ajmere their chief occupation, almost their sole occupation, is that of bunking business proper, and is confined to the sale and purchase of hoondees, especially hoondees for the payment of tribute due by Native States. Their money-lending business has much diminished within the last few years, owing to the Istumrardars, who were their principal constituents, having been prevented from borrowing, and the action of the Courts in giving decrees with protracted instalments. The Seths complain that this procedure of the Courts has rendered the village bunnias indifferent about paying their debts when they are due, and the Seths find the return of their money so slow as to render it no longer profitable to lend.

- 36. Indurkot.—The original town of Ajmere was built inside the valley, through which the road leads to Taragaur, and this place, known as Indurkot, is still the residence of a number of Mussulman families, Sheikhs, l'athans, and Syuds. These people state they are the descendants of the soldiers who came to Ajmere in the time of Shahab-ud-din, and are a peculiarly dark race; they own no land and get their livelihood chiefly by farming the gardens around-Ajmere. The old "haoris" or setervoirs and the Jain Temple, to be hereafter described, are almost the sole relies of the nuclent town.
- 37. Water supply.—The city is well supplied with water from the Ana Sagar Lake, but for drinking purposes the people almost universally use the water of the "Jhalra," which is a deep cleft in the rocks at the base of the Taraghur Hill, and which is filled by a never-failing spring. There is a similar natural spring on the Nusseerahad side of the city, which was opened out by Colonel Dixon and is known as the "Diggee."
- 38. Objects of interest. The Durgah,—The chief objects of interest are the Durgah, the Jam Temple, and the fort of Taraghur. Khwaja Muhîn-ud-din Chishi, the saint known as Khwaja Sahib, emigrated from tor to Hindustan in the year 1143 A.D. He first took up his abode on the hill which overlooks the Dowlut Bagh and subsequent y at the Tripolica Darwaja, where he lived till his death, which occurred, according to tradition, in the 97th year of hisage. After his death; cople began to make pilgrimages to his tomb, which commands the veneration of all Mahomedans in India. The Durgah was commenced in the time of Shams-ud-din Altanish, enlarged in that of Ghiyas-ud-din, and in the reign of Akbar a mosque was built, now partially in runs. Shah Jehan built the present matble mosque. Gladwin relates how the Emperor Akbar performed a pilgrimage to this shrine, and the large pillars erected every two miles between Ajmere and Delhi to mark the route of the King are still in excellent preservation.

Urs Mels. An "Urs Mels" is held for six days in the mouth of Rajah at the tomb of this saint, for it is uncertain on what day he died. One peculiar custom of this festival may be mentioned. There are two large chaldrons inside the Durgah enclosure, one twice the size of the other, which are known as the great and little "deg." Pilgrims to the shrine, according to their ability or generosity, propose to offer a "deg." The smullest amount which can be given for the large "deg" is 80 mannels of rice, 28 mannels of ghee, 35 of sugar, and 15 of almonds and raisins,

### ADMERE AND MHAIRWARRA DISTRICTS.

besides saffron and other spices, and the minimum cost is Rupees 1,2 The larger the proportion of spices, sugar, and fruit, the greater is a glory of the donor. Thirty-two years ago the Nazir Ilms of Jod, offered a "deg" which cost Rupees 2,500, and its sweet savor is a redolent in the precincts of the Durgan. The donor of the large "deg, besides the natural cost of its contents, has to pay about Rupees 2018 present-to the officials of the shrine and as offerings at the tomb. The small "deg" costs exactly half the large one.

- 89. When this gigantic rice-pudding is cooked it is lonted biling hot. Bight earthen pots of the mixture are first set apart for the foreign vilgrims, and it is the hereditary privilege of the people of Indukot and of the menials of the Durga to despoil the chaldron d the remainder of its contents. One Indurkoti seizes a large iron lada and mounting the platform of the "deg" ladles away vigorously. All the men who take part in this hereditary privilege are swaddled up k the eves in clothes to avoid the effect of the scalding fluid. Each tokel a ladle-full of the stuff in the skirt of his coat and not aucommonly finds the heat so overpowering that he is obliged to drop it. When the chaldron is nearly sunpty, all the Indurkotis tumble in together and There is story that Imilad Khan, a Ressaldar of scrane it clean. Jodhpoor, wished on one occasion to make a fair and equible division to all, and partially accomplished his project, but on his return from the festival he was stricken by a bullet directed by an maseen, if not supernatural, hand and died. There is no doubt that the custom of looting the "deg" is very ancient, though no account of its origin can be given. The number of pilgrims at this festival is estimated at 20,000, but no buying or selling is done except that of pediars wares.
  - 40. "The Arhai-din-ka I tampra."-From an antiquarian point of view the most interesting sight in Ajmere is the remains of a very ancient Jain Temple in the old town, which is known as the "Arhaidin-ka-Jhompra, or the temple of two and a half days. Various accounts of the origin of this name have been given, the most proba le perhans, or at least the only one which does not rest on an ab-urd sametnatural basis, is that Shahab-ud-din on visiting Ajmere passed the temple on his way to Taraghur and enjoined that by his return in two half days it should be fit for him to pay his devotions in. Accordingly, by the appointed time, it was transformed into a Mahomedan mesque. building is constructed at a fine grained yellow san istone, and consists of two distinct portions. The inside is a hall with a domed roof supparted by lofty, graceful, and beautifully fluted pillars, after the fashion, of the Jain temple at Helhi. The outside portion is a screen of Sameenic architecture covered with Arabic inscriptions. Cunningham, Director-General of the Archeological Survey, writes at follows about this temple :- "There is no building in India which either for historical interest or archeological importance is more worthy of preservation. It is the second oldest musica in India, being only a few years later in date than the great Kuth Musjid at Delhi. In an archmological point of view, it is especially valuable as the great arch is surmounted by two small minurets, one of which is inscribed with the

name and titles of Sultan Altamsh, the third Mahomedan King of Delhi. These minarets are, as far as I know, the first specimens of small maximum attached to a musjid. The Kuth musjid at Delhi has one single loity minar, and we know that the two musjids at Ghuzuee had only one minar each, the minar in all these instances being detached from the building. I am specially anxious therefore for the preservation of the great arch and the two small minarets which surmount it." The building is much out of repair, and estimates have been framed for the preservation of what remains. To restore the building to its integrity, to raise the fallen pillars and rebuild the broken domes will certainly cost more than is likely to be allotted for the work.

- 41. Taraghur Fort .- The Hill Fort of Taraghur, which has played so prominent a part in the history of the province, overhangs the city of Ajmere and commands it at every point. The walls of the battlements where they have not been built on the edge of an innocessible precipice are composed of huge blocks of stone, cut and squared so as to make a dry wall of 20 feet thick and as many high. The space within the walls is 80 acres, and is much longer than broad with an acute salient angle to the south. There are several tanks inside the fort which are filled during the rains and generally contain water throughout the year. From 1x18 to 1832 the fort was occupied by a company of Native Infantry, but on the visit of Lord William Bentinck in 1832 it was dismantled. Since 1860 it has been used as a sanatarium for the European troops at Nussecrabed, and the accommodation was increased in 1873, so as to allow of the residence of 100 men. The summit is crowned by the shrine of Meeran Hossein whose history has been related in Chapter II. The shring is andowed with three villages, the average annual revenue of which is Rupees 4,367. Immediately, around the shrine are the residences of the khadims or servitors. Jubbar Khan, Chamberlain in the time of Akbar, built the mosque, and the present conspicuous gareway, from which there is a magnificent view of the surrounding country, was built by Gumanjee Rao Sindia.
- 42. Fort of Aimere.—There is a massive square fortified palace built by Akbar on the north side of the city which from 1818 to 1863 was used as the Rajputana Arseual, but has now been turned into a Tehsil and trensury. It is a prominent object in the landscape from all parts of the valley, but has no great pretensions to beauty. The marble palaces on the artificial embankment of the Ana Sagar are now occupied by the Commissioner and Deputy Commissioner as residences and offices; and their beauty has been much marred by the additions necessary to convert them into modernized houses. New and more commodious c uit houses have been commenced and the offices will be removed thither when they are completed.

The city of Ajmere is in latitude 26° 26' 30" and longitude 74° 39' 31'. It is 677 miles from Bombay and 228 miles from Agra.

43. Beassur.—The thriving town of Beassur or Nyanuggur next claims notice as the chief mart of the cotton trade and the only other municipality in the district. The income of the municipality in 1872 was kupers 17,085, of which sum Rupees 15,457 were contributed by octroi. The incidence of taxation per head of population was Rupees

- 1-12-6, while in Ajmere in the same year it was 13 annas 2 pies. The reserve in the hands of the municipality at the end of 1872-73 was Rupees 14,409. In the previous year it was over Rupees 17.000.
- 44. Nyanaggur is the only town in Mhairwarn and is the creation of Colonel Dixon. Before 1835 there was only a small village of som 30 or 40 houses, close to the Cantonment of Beawar, on the site of the present town. -Colonel Dixon issued notifications of his intention to build a town, and in due course candidates for 40 shops appeared. The work was then commenced; the streets were marked off at right angles the main streets having a breadth of 72 feet and being planted on each side with trees. Mohallas were allotted to the different castes, and as the town grew and prospered, Government sanctioned the building of a wal of stone set in mud and plastered outside, which cost Rupees 23,840 and which has lasted exceedingly well. Colonel Dixon estimated the population in 1848 at 9,000 souls, but at that time it was probably not so large. The town now contains 2,021 houses, with a population, according to the census of 1872, of 9,544 souls. The houses are generally o masonry with slab-roofs. There is a colony of smiths, whose iron work is exported to Ajmere. Meywar and Marwar, and also a colony of dyers
- 45. Kekree.—With the exception of the town of Nusseerabad which has grown up with the cantonments, there are no other towns it the district with a population above 5,000. Kekree has about 5,000. The town is 50 miles from Ajmere, and in the early years of British rule bid fair to rival Ajmere as a trading mart. It has, however, been long in a declining state. Except its position as regards native territory, the town possesses no advantages in itself. Water of any kind is scarce, and sweet water can only be obtained from wells sunk in the bed of the tank adjoining the town. Kekree has a wall, and is the residence of an Extra Assistant Commissioner, whose duties, since the Istumrardars of the adjoining pergunnabs have been invested with Magisterial and Police powers, have been much diminished. The present officer is a brother of the Raja of Bhinai, the chief talookdar in the district, and the appointment was made with the view of encouraging the gentry of the district to take a greater interest in its administration.
- 46. Pooshkur .- The great sanctity of its lake, equalled, according to Colonel Tod, only by that of Mansarowar in Thibet, and its annual fair, entitle Pooshkur to separate mention. The town is picturesquely situated on the lake with hills on three sides; on the fourth side the sands drifted from the plains of Marwar have formed a complete bar to the waters of the lake, which has no outlet, though the filtration through the sand hills is considerable. The lake is fed from the Nagpahar, and is in the form of an ellipse. On three sides, bathing ghats have been coustructed, and nearly all the princely and wealthy families of Rajpootana have houses round the margin. The principal ones are those built by Raja Man of Jeypoor, Ahelya Bai the Queen of Holkar, Jowahir Mull of Bhurtpoor, and Raja Bijay Sing of Marwar. The piety or shrewdness of the Brahmans has provided places of worship for pilgrims of every sect, and there are 42 temples in the town. Before creation commenced, rahma is said to have collected all the celestials to this place and to To here performed the Yuga. Here Savitre, the wife of Brahms.

1

disappeared on the hill to the south of the lake, where is her shrive. The most conspicuous and most famous temple in the town is that of Brahma, said to be the only one dedicated to him in India. It was built by Gokul Pak, a Minister of Sindia, and cost about a lakh and a half of rupees. Another temple, built by Ana Deo, about 600 years ago, is that of Varahajee or the Boar, the second incarnation of Vishnu. The whole place teems with sanotity, and in accordance with ancient charters no living thing is allowed to be put to death within the limits of holy Pooshkur.

- 47. The population is about 3,750 and consists almost entirely of Brahmans. Of these there are two sects, those of Bara Bas and those of Chhota Bas. The former are the older inhabitants and have held the lands of Pooshkur in jagire since long before the Mogul Empire. These two sects have been perpetually at variance, and in the oldest charter on record Jahangir provided for the division of offerings to the Brahmans allotting two-thirds to the Bara Bas, and one-third to the Chhota Bas. Sawai Jey Sing of Jeypoor is said to have investigated the claims of the rival sects, and, having come to the conclusion that the Brahmans of the Bara Bas were not of pure descent, to bave appointed the others his Purohits. The Brahmans of the Bara Bas number, however, among their Jajmans all the other Chiefs of Rajpootana.
- 48. The fair at Pooshkur takes place in October or November, and, like other religious fairs, is used as an opportunity for trade. It is attended by about 100,000 pilgrims, who bathe in the sacred lake. In 1872 the quantity of merchandize and the number of animals brought for sale was below the average—there were about 700 horses, 1,850 camels, and 1,200 bullocks. The horses are chiefly Marwaree and Katbiawar, and the Native Cavalry Regiments serving in Rajpootana generally send parties to purchase rembunts.
- 49. Other towns.—The remaining towns in the district may be more briefly dismissed. Bhinai, Massooda, Sawar, Baghera, and Pisangun are the chief towns of their pergunnabs, and the residence of their respective Thakoors. There is an old Jain Temple at Pisangun, which derives its name from its being situated near the Priya Sangama, or junction of the Saraswatee and Sagarmatee streams. Kharwa is celebrated for its tank. Deolia, Bandanwara, and Govindghur have each a population of about 3,000. Among the khalsa villages, Ramsar boasts of a large talao from which it derives its name. Srinuggur is famous as the seat of the former power of the Puar Rajpoots, who were dispossessed by the Gors, and whose representative is now Thakoor of Ranasar in Biokaneer. Rajghur was held by the Gor Rajpoots before the ascendancy of the Rahtores, and was given in jaghire in 1874 to the descendants of its original rulers.

#### CHAPTER II.

### History of Aj mere-Mhairwarra.

#### PART I .- Aj mere.

. 50. Legendary history of Aja.—The early history of Ajmere is, as might be expected, legendary in its character, and commences with the

rule of the Chohans, the last born of the Agni-kulas and the most valiant of the Rajpoot races. According to tradition, the fort and city of Ajmere were founded by Raja Aja, a descendant of Auhal, the first Chohan, in the year 145 A. D. Aja at first attempted to build a fort on the Nagpahar or Serpent Hill and the site chosen by him is still pointed out. His evil genius, however, destroyed in the night the walls erected in the day and Aje determined to build on the hill now known as Taraghur. Here he constructed a fort which he called Garh Bitli, and in the valley known as Indurkot he built a town which he called after his own name, and which has become famous as Aimere. This Prince is generally known by the name of Ajapal, which, Colonel Tod explains, was derived from the fact that he was a goat-herd," whose piety in supplying one of the saints of Pooshkur with goat's milk procured him a territory." The name probably suggested the myth, and it is more reasonable to suppose that the appellation was given to him when at the close of his life he became a hermit, and ended his days at the gorge on the hills about 10 miles from Ajmere, which is still venerated as the temple of Ajapal,

- 51. Other Chohan Princes, With the next name on the Chohan genealogy we pass into the region of history. Dola Rae joined in resisting the Mussulman invaders under Mahomed Kasim, and was slain by them in A.D. 685. His successor, Manika Rae, founded Sambhar, and the Chohan Princes thereafer adopted the title of Sambri Rao. From his reign till 1024 A.D. there is a gap in the annals. In that year Sultan Mahmood on his expedition against the temple of Somuath crossed the desert from Mooltan and presented himself before the walls of Ajmere. The reigning Prince, Beelundee, was totally unprepared for resistance: the country was ravaged, and the town, which had been abandoned by its inhabitants, was plundered. The fort of Taraghur, however, held out, and as Mahmood had no leisure to engage in sieges, he proceeded on his destructive course to Guzerat. Beelunden was succeeded by Beesaldeo, or Visala Deva, who is best remembered by the lake which be constructed at Ajmere, still called the Beesal Sagar. Beesaldeo was a renowned Prince. He extended his territory at the expense of the Rajas of Delhi and subdued the hill tribes of Mhairwarra, whom he made drawers of water in the streets of Ajmere. At the close of his life he is said to have become a Mussulman, to have resigned his kingdom and to have retired into obscurity at Dhundar. His grandson, Ana, constructed the embankment which forms the Ana Sagar Lake, on which Jehangir subsequently built the marble palace in which he received Sir Thomas Roe, the Ambassador of James I. Someshwar, the third in descent from Ana, married the daughter of Anangpal, the Tuar King of Delhi, and his son was Prithvi Raja, the last of the Chohans, who was adopted by Anangpal and thus became King of Delhi and Ajmere.
- 52. Prithei Roja, Cholan, and Shahab-ud-din.—It is matter of common history how Prithei Raja opposed Shahab-ud-din in his invasion of India in the years of 1191 and 1193 A.D., how in the latter year he was utterly defeated and put to death in cold blood. Shahab-udin shortly afterwards took Ajmere, massacred all the inhabitants opposed him and reserved the rest for slavery. After this execution

he made over the country to a relation of Prithvi Raja under an engagement for a heavy tribute. In the following year Shahab-ud-din prosecuted his conquests by the destruction of the Rahtore Kingdom of Kanouj, an event of considerable importance in the history of Ajmere, in that it led to the emigration of the greater part of the Rahtore clan from Kanouj to Marwar.

- 53. Kuth-ud-din. The new Raja of Ajmere was soon reduced to perplexities by a pretender, and Kutb-ud-din Eibak, the founder of the Slave Dynasty at Delhi, marched to his relief. Hemraj, the pretender, was defeated, and Kuth-ud-din, having appointed a Governor of his own faith to control the Raja, proceeded with his expedition to Guzerat. A few years afterwards, however, the Raja, uniting with the Rahtores and the Mhairs, attempted independence. Kubt-ud-din marched from Delhi in the height of the hot season and shut up the Raja in the fort. Here finding no means of escape he ascended the funeral pile, as is related in the Taj-ul Massir. Kutb-ud-din then marched against the confederated Rajpoots and Mhairs, but was defeated and wounded, and obliged to retreat to Aimere, where he was besieged by the confederate army. A strong reinforcement from Ghaznee, however, caused the enemy to raise the siege, and Kuth-ud-din annexed the country to the kingdom of !)elhi, and made over the charge of the fort of Taraghur to an officer of his own, Synd Hossein, whose subsequent tragical fate has caused him to be enrolled in the list of martyrs, and whose shrine is still the most conspicuous object on the hill fort he was unable to defend. On the death of Kutb-ud-din in A.D. 1210 the Rahtores joined the Chohans and made a night attack upon the fort. The garrison was taken unprepared and massacred to a man. Their tombs, as well as those of Synd Hossein and his celebrated horse, may still be seen on Taraghur in the enclosure, which bears the name of 'Gunj Shahidan' or Treasury of Martyrs.
- 54. Rana Kumbho of Meywar.—Shams-ud-din Altamsh, the successor of Kutb-ud-din, restored the authority of the Kings of Delhi, and it was maintained till the disastrous invasion of Tamerlane. By that time a number of independent Mahomedan kingdome had been established, of which the chief were Bijapoor, Golconda, Guzerat, and Malwa. Rana Kumbho of Meywar profited by the relaxation of all authority which ensued upon the sack of Delhi, and the extinction of the house of Tughlak to take possession of Ajmere, but on his assassination the territory fell into the hands of the Kings of Malwa, with whom the Rana had heen perpetually at variance and for 15 years had waged war.
- 55. Eings of Malwa.—The Kings of Malwa obtained possession in A. D. 1469 and held Ajmere till the death of Mahmood II in A.D.

  Maldes Rabtors. 1581, when the Kingdom of Malwa was annexed to that of Guzerat. The dome over the shrine of Khwaja Mueiyyin-ud-din Chisti was built by these Kings, and a mosque within the Durgah precincts was also built by them. On the death of Mahmood II, Maldes Rahtore, who had just succeeded to the throne of Marwar, took possession of Ajmere among other conquests. He improved the fortress of Taraghur and com-

menced the construction of a lift to raise water to the fort from the Nur Chashma spring at the foot of the hill. The work still stands as solid as on the day it was built, but the scheme was never carried to completion. The Rabtores held Ajmere for 4 years, but the country was one of the earliest acquisitions of Akbar, and from 1555 A. D. to the reign of Mahomed Shah, a period of 194 years, Ajmere was an integral portion of the Mogul Empire.

- 56. Mogul Emperors.—In the time of Akbar, Ajmere gave its name to a Subah which included the whole of Rajpootans. The district of Ajmere was an apparage of the royal residence, which was temporatily fixed there in this and subsequent reigns both as a pleasant retreat and in order to maintain the authority of the Empire among the surrounding Chie's. Akbar made a pilgrimage to the tomb of the Saint Khwaja Mueiyyin-ud-din Chisti, and built a fortified palace just ontside the city. Jahangir and Shah Jehan both spent much time at the "Dar-ul-Kheir," and during the war with Meywar and Marwar, which was brought about by the bigotry of Aurungzeb, Ajmere was the head-quarters of that Emperor, who nearly lost his throne here in 1679 by the combination of Prince Akbar with the enemy.
- 57. Raktores of Marwar .- On the death of the Synds, in 1720 A. P., Ait Singh, son of Jeswunt Singh of Marwar, found his opportunity in the weakness, consequent on the decline of the Mogul Empire, to seize on Ajmere and killed the Imperial Government. He coined money in his own name and set up every emblem of sovereign rule. Mahomed Shah collected a large army and invested Taraghur. The fort held out for four months, when Ajit Sing agreed to surrender his conquest. Ten years later Abbay Sing, the accomplice in the assassination of his own father. Ajit Sing, was appointed by Mahomed Shah Viceray of Ahmedahad and Ajmere, and Ajmere became practically a portion of Marwar. The parrioide. Bakht Singh, obtained Nagor and Jhalor from his brother Abhay Sing. Abhay Sing was succeeded by Ram Sing, who demanded the surrender of Jhalor from his uncle, Bakht Sing. The demand and the insolence of Ram Sing culminated in the battle of Mertra, where Ram Sing was defeated and forced to fly. He determined on calling in the aid of the Mahrattas, and at Ujain found the camp of Jey Appa Sindia, who readily embraced the opportunity of interference. Meenwhile the career of Bakht Sing had been terminated by the poisoned robe, the gift of the Jeypoor Ranee, and Bijay Sing, son of Bakht Sing, opposed the Mahrattas. He was defeated and fled to Nagor, which withstood a year's siege, though meanwhile all the country submitted to Ram Sing. the end of this period two foot-soldiers, a Rajpoot and an Afghan, offered to sacrifice themselves for the safety of Bijay Sing by the assassination of the Mahratta leader. The offer was accepted; the assassins feigning a violent quarrel procured access to Jey Appa and stabbed him in front of his tent. The siege languished for six months more, but a compromise was eventually agreed on. Bijay Sing surrendered to the Mahrattas in full sovereignty the fortress and district of Aimere as "Mundkati," or compensation for the blood of Jey Appa. The Mahrattas on their side abandoned the cause of Ram Sing. A fixed triennial tribute was to be paid to the Mahrattas by Bijay Sing. The tomb of

Jey Appa is at Pooshkur, and till 1860 three villages of Ajmere were set apart in jaghire for the expenses of the tomb. Ram Sing obtained the Marwar and Jeypoor share of the Sambhur Lake and resided there until his death. These events occurred in 1756 A. D.

- 58. Makrattas.—For 31 years the Mahrattas held undisturbed possession of Ajmere, till in 1787, on the invasion of Jeypoor by Madajee Sindia, the Jeypoor Raja called on the Rahtores for aid against the common foe. The call was promptly answered, and at the battle of Tonga the Mahrattas suffered a signal defeat. The Rahtores retook Ajmere driving out Mirza Anwar Beg, the Mahratta Governor, and annulled their tributary engagements. The success was however transient, for in three years' time the Mahrattas, led by De Roigne, redeemed the disgrace of Tonga by the battle of Patan, where the Kachhwahas held aloof and the Rahtores ignominiously fied. Madajee Siudia and De Boigne then marched on Ajmere. The Kahtore army was drawn out on the 'plains of Merta, but was surprised and cut to pieces by De Boigne, and Ajmere in the year 1791 reverted to the Mahrattas, who held it till its cession to the British Government in 1818 A. D.
- 59. Cession to the British Government.—Singhi Dhanraj was Governor of Ajmere during the three years it was held by the Rahtores. The best known of the Mahratta Subadars was Govind Rao, who appears to have been a strong and good Governor. By the Treaty of the 25th June 1818, Doulut Rao Sindia after the Pindari War ceded the district of Ajmere, valued in the Treaty at Rupees 5,05,484, to the British Government, and on the 26th July 1818, Mr. Wilder, the first Superintendent of Ajmere, received charge of the district from Bappu Sindia, the last Mahratta Subadars.
- 60. Dynastic changes.—The dynasties which have ruled Ajmere may thus be succinctly shown:—

| ,    | A. D.      |                 | A. D. | No. of years. |                 |
|------|------------|-----------------|-------|---------------|-----------------|
| From | 145        | to              | 1193  | 1,048         | Chohan.         |
| **   | 1191       | 1)              | 1469  | 275           | Kings of Delhi. |
| "    | 1470       | 1)              | 1581  | 61            | Kings of Malwa. |
| 17   | 1582       | **              | 1556  | 24            | Maldeo Rahtore. |
| 3)   | 1566       | 2)              | 1780  | 194           | Mogul Emperors. |
| 91   | 1791       | <b>&gt;&gt;</b> | 1766  | 24            | Rabtores.       |
| 39   | 1756       | 2)              | 1787  | 81            | Mabratics.      |
| **   | 1788       | 53              | 1791  | 8             | Rahtores.       |
| 77   | 1792       | 29              | 1817  | 25            | Mabrattas,      |
| 2)   | 1818 Briti | sh Government.  | _     |               | •               |

61. The nutiny of 1857.—The history of Ajmere from 1818 is the history of its administration. The long roll of battles and sieges is closed. The district worn out by the incessant warfare of half a century at length enjoys rest, and the massive battlements of Taraghur begin to crumble in a secure peace. The mutiny of 1857 passed like a cloud over the province. On the 28th May two Regiments of Bengal

Infantry and a Battery of Bengal Artillery mutinied at Nusseerabad. The European residents, however, were sufficiently protected by a Regiment of Bombay Infantry, and the Treasury and Magazine at Ajmere were adequately guarded by a detachment of the Mhairwarz Battalion. There was no interruption of Civil Government. The mutinous regiments marched direct to Delhi and the agricultural classes did not share in the revolt.

#### PART II.

#### HISTORY OF MHAIRWARRA.

- 62. First intercourse with the country.—The history of Mhairwarra before the occupation of Ajmere by the British authorities in 1818 is practically a blank. Hardly anything was known of the country except that it was a difficult hilly tract inhabited by an independent and plundering race who cared not for agriculture and who supplied their wants at the expense of the surrounding territories. Sawaee Jey Sing of Jeypoor had penetrated no further than Jak in an endeavour to subdue the country, and Ameer Khan had failed in an attempt to chastise the plunderers of Jak and Chang.
  - 63. Mr. Wilder, the first Superintendent of Ajmere, entered into agreements with the villages of Jak, Shamghur, Lulua, Kana Khera, and Kheta Khera, the nucleus of what is now Ajmere-Mhairwarra, binding them to abstain from plunder. The pledge, however, was little respected or could not really be enforced by the headnen, and in March 1818 a force was detached from Nusseerabad for the attack of these places. No opposition was encountered, the villages were taken one after the other, and all levelled to the ground. The inhabitants escaped into the adjacent hills, which Mr. Wilder, who accompanied the force, describes as an "impenetrable jungle." Strong police posts were stationed at Jak, Shamghur, and Lulua.
- A 64. Conquest of the country.—In November 1820 a general insurrection broke out. The police posts were out off, and the men composing
  them were killed. The thorough subjugation of the country was then
  determined on. A force stronger than the former retook Jak, Lulna
  and Shamghur, and after some correspondence with the Governments of
  Codeypoor and Jodhpoor, and promised co-operation on their part, the
  force advanced into Meywar and Marwar-Mhairwarra to punish the
  refugees of Jak, Lulua, and Shamghur, and the men who had given
  them an asylum.
- 65. Borwa was the first village of which possession was taken and the attack was then directed against Hathun, where, however, a repulse was sustained with a loss of 3 killed and 23 wounded. In the night, however, the garrison evacuated the fort. The troops then marched to Berar, which after some show of fighting fell into their hands. The capture of Mandlan and Basawara followed, and a strong detachment was then sent against Kot Kirana and Baggri in Marwar-Mhairwarra. These were taken possession of and made over to Jodhpoor, and the reverses of the Mhairs reached their culminating point in the capture of Ramghur, whither most of the chief men had retreated. These were

nearly all killed or wounded or taken prisoners, and the remaining strongholds submitted in rapid succession. A detachment of cavalry and infantry was left at Jak, and the main body withdrew at the close of January 1821, the campaign having lasted three months.

- 66. Arrangements for the administration.—Captain Tod in the name of the Rana undertook the administration of the portion belonging to Meywar. He appointed a Governor, built the fort of Todghur in the centre of the tract, raised a corps of 600 matchlockmen for this special service and commenced to collect revenue. A different policy was pursued by the Court of Jodhpoor. The villages which had been decided to belong to Marwar were made over to the adjoining Thakoors; there was no controlling authority and no unity of administration. Ajmere brought all its share under direct management, but at first the Thakoors of Massooda and Kharwa were held responsible for the establishment of order under the superintendence of Mr. Wilder. It soon appeared that this triple Government was no Government, the criminals of one portion found security in another, the country became infested with murderous gangs, and the state of Mhairwarra was even worse than before the conquest. Under these circumstances it was determined that the three portions should be brought under the management of one officer, vested with full authority in civil and criminal matters, and that a battalien of eight companies of 70 men each should be enrolled from among the Mhairs.
- 67. Treaties with Oodeypoor and Jodhnoor.—The negotiations with Oodeypoor resulted in the Treaty of May 1823 by which the management of Meywar-Mhairwarra, consisting of 76 villges, was made over to the British Government for a period of 10 years, the Rana agreeing to pay Rupees 15,000 a year to cover civil and military expenses.
- 68. In March 1824 a similar engagement was after some difficulty concluded by Mr. Wilder with the Jodhpoor Durbar. It was arranged that the sum of Rupees 15,000 should be annually paid on account of civil and military expenses, the Maharana and the Maharaja receiving in each case the revenue of their respective portions.
- 69. In March 1833 the arrangement with Meywar was continued for a further period of eight years, the Rana agreeing to pay Rupees 20,000 Chittoree or Rupees 16,000 Kaldar on account of civil and military expenses. On the 23rd October 1835 the arrangement with Marwar was extended for a further period of nine years. The transfer of the Jodhpoor territory was only partial; many villages, were left in the hands of the bordering Thakoors, though nominally under the Police apperintendence of the British authorities. Twenty villages were made ever by the first Treaty, and by the second Treaty seven villages were added, but these latter were returned to Marwar in 1842. The average yearly amount collected from the Marwar villages until Colonel Dixon's settlement was Rupees 6,403; Colonel Dixon's assessment was Rupees 7,972.
- 70. Administration of Colonel Hall.—Colonel Hall was the first officer appointed to the charge of the newly acquired district, and he ruled Mhairwarra for 13 years. He was fettered by no instructions, and was left to provide for the due administration of the country. In

his Report, prepared in 1834, he describes the system he adoted. Civil and criminal justice were administered by punchayet or arbitration. In civil cases the procedure was as follows :- The plaintiff resented his case in writing, and the defendant, being summoned, was required to write a counter-statement. An order was then passed for the parties to name their respective arbitrators, the numbers on each side being unlimited, but equal. The appointment of an umpire was found unnecessary. The parties then wrote a bond to forfeit a certain amount, generally one-fourth or one-third of the amount at issue if they should afterwards deviate from the decision of the nunchavet. The purchayet was then assembled and an agreement taken from its members to decide according to equity and to pay a fine of so much if they do not. native functionary then assembled the punchayet, summoned the. witnesses and recorded the proceedings to their close. When a decision was arrived at, the result was made known to the parties who were entitled to record their assent or dissent. If two-thirds of the punchayet agreed, the question was settled. If the losing side disserted and paid the forfeit, a new punchayet was chosen by special order of the Superintendent.

- 71. Crimical cases in which the evidence was unsatisfactory were also referred to punchayet. Four months' imprisonment is irons was the usual sentence on conviction for minor offences, unless the crime had been denied. The jail was made self-supporting: each resoner was supplied with one seer of barley-meal daily and with nothing else, but if the prisoner wished, he might furnish his own flour. Or his release, he was obliged to pay for his tood and for his share of the isl establishment as well as for any clothing which might have been given him, and this system of recovering the jail expenses from the prisoners and their relations lasted till Colonel Dixon's death, when on the representation of Captain Brooke it was abolished in the year 1858. The prisoners worked from daylight till noon in the hot weather and from noon till evening in the cold weather.
  - 72. The revenue was collected by estimate of the crop, sne-third of the produce being the Government share, except in some special cases. The estimate was made by a writer on the part of Government assisted by the patels, the putwaree and the respectable landowers. If a dispute arose, the worst and best portions of the field were cut and a mean taken. An appeal against the estimate was allowed to the Superintendent. The prices current in the country for 10 or 12 miles round were then taken an average struck, and this assumed as the mate for calculating the money payment to be made. Cultivators who bake up new land or made wells received leases authorizing them to hold at one-sixth and one-eighth of the produce. The headmen of the villages paid one-fourth.
  - 73. The system of administration adopted for Mhaiwarra has been given in some detail, since it possesses an historical value as being that under which the country throve till 1851, the year of Colonel Dixon's regular settlement, and which, according to the ominion of all competent observers, was eminently successful. Mhairwara was, no doubt, fortunate in obtaining rulers like Colonel Hall and Colonel Dixon,

and Government was fortunate in enjoying the services of such officers. Colonel Hall remained at his post from 1828 to 1836, and his successor, Colonel Dixon, governed Mhairwarra till 1842. In the year Ajmere was added to his charge, but though Mhairwarra was under an Assistant Commissioner, still Colonel Dixon as Commissioner lived there the greater portion of every year till his death at Beawur in 1857. Both officers devoted their whole time and energy to their charge, and to them is due the regeneration of Mhairwarra and the reclamation of the Mhairs from a predatory life to habits of honest industry.

74. Nothing can more plainly speak to the great social change which has been wrought in the inhabitants of Mhairwarra than the deserted and ruined state of their ancient villages. These were formerly invariably perched upon hills in inaccessible places for the sake of safety from the attacks of their fellowmen and of wild beasts. The adoption of habits of industry and agriculture has rendered the retention of such dwellings alike unnecessary and inconvenient. The old villages are now nearly deserted and are fast falling into decay. New hamlets have sprung up everywhere in the valleys, and the tend ency to settle near the cultivated land is still on the increase.

## CHAPTER III.

## On THNURES.

enures of Ajmere are, as might be expected, entirely prevailing in the adjacent Native States, and though nost systematically misunderstood at head-quarters, of the province has sufficed to prevent their being interfered with except in the one instance of the mouzahwar settlement of 1850. The soil is broadly divided into two classes, khalsa or the private domain of the Crown, and land held in estates or baronies by feudal/Chiefs originally under an obligation of military service. Khalsa land again might be alienated by the Crown either as an endowment of a religious institution or as a reward for service to an individual and his heirs. Such grants, when they comprised a whole village or half a village, are called jaghires, and 51 whole villages and 3 half villages have been alienated in this way.

- 76. Khalsa.—The basis of the land system of Rajpootana is that the State is in its khalsa lands the immediate and actual proprietor and an actual proprietor hading in the same relation to the cultivators of the soil as the feudal chiefs do to the tenants on their estates. The jaghiredars who are assignees of the rights of the State have the same rights as the State itself.
- 77. From ancient times it has been the custom in the khalsa lands of Ajmere that those who permanently improved land by sinking wells and constructing embankments for the storage of water acquired thereby certain rights in the soil so improved. These rights are summed up and contained in the term "biswadaree," a name which is synonymous with the term "Bapota" in Meywar and Marwar, and with the

term "miras" in Southern India, both words signifying beritable land. A cultivator who had thus improved land was considered protected from ejectment as long as he paid the customary share of the produce, and had a right to sell, mortgage, or make gifts of the well or embankment on which he had expended his capital, such transfer carrying with it the transfer of the improved land. These privileges were hereditary and practically constitute proprietary right, and home the term "biswadar" has come to mean "owner."

- 78. In a district like Ajmere, where the rainfall is no precarious, unirrigated land was hardly regarded, and possessed but little value. The State was considered owner of this as well as of the waste. No man, in fact, oultivated the same unirrigated fields continuously, and the village boundaries were undefined. The State had the right to locate new hamlets and new tenants; to give leases to strangers who were willing to improve the land, and to collect dues for grazing from all tenants, whether biswadars or not The State, in short, held exactly the same position in the khalsa lands as a large Talookdar in his estate.
- 79. Mr. Wilder and Mr. Middleton, the first Superintendents of Ajmere, have recorded their opinion that the waste lands were the property of the State. Mr. Cavendish, their successor, whose experience was gained in the North-Western Provinces, considered them the property of the community. Mr. Edmoustone, who made a ten year' settlement in 1885, inv hanted the question, and was clearly of opinion that the State was in himser. In his Settlement Report, dated 12th May 1886, he writes the line opinion of Sir Thomas Munro as regards the tenures in Arcot seems to him peculiarly adapted to the tenures of Ajmere, and is entirely consistent with all the information he possessed. The Sirkar from ancient times has everywhere granted waste land in "inam" free of every rent or claim, and appears in all such parts to have considered the waste exclusively as its own property. It may be objected that, if this is the case, the State may give away the whole lands of a village, and injure the inhabitants by depriving them of their pastures. certainly might give away the whole, but whether the exercise of the right would be injurious to the inhabitants would depend upon circumstances. If the lands, according to the general custom of the country, were left uninclosed, there would be no injury, as the cattle of the village would graze on them whenever the crops were off the ground. lands were inclosed, the inhabitants would be no worse off than those of many other villages whose lands are entirely cultivated and inclosed, and who are in consequence often obliged to send their cattle during the dry season to graze in distant "jungles." And again the Sirkar possesses by the usage of the country the absolute right to dipose of the waste in all villages which are miras as well as in those which are not.
- 80. When Colonel Dixon commenced his tank embankments in 1842, he acted as a steward to a great estate. He founded new hamlets where he thought fit; he gave leases at privileged rates to those who willing to dig wells; and distributed the lands under the new tanks strangers whom he located in hamlets in the waste. In no instance: the old biswadars imagine for a moment that their rights were being

invaded, nor did they consider that they were entitled to any rent or malikana from the new comers. Colonel Dixon classed old and new comers together as biswadars with the same rights as to sale and mortgage.

- 81. Such was the tenure of the khalsa lands of Aimere till 1949, when the village boundaries were for the first time demarcated, and under the orders of Mr. Thomason a village settlement was introduced. This restlement effected a radical change in the tenure. It transformed the cultivating communities of the khalsa, each member of which possessed certain rights in improved land in his actual possession, but who, as a community, possessed no rights at all, into Bhynchara proprietary lodies. The essence of the mouzahwar system is that a defined area of land, that namely which is inclosed within the village boundaries, is declared to be the property of the village community, and the community consists of all those who are recorded as owners of land in the village. now the change is hardly understood and is not appreciated by the people. Daily petitions are filed by men anxious to improve the waste land of a village, praying that Government will grant them leases in its capacity of landlord. In many cases, where Colonel Dixon established a new hamlet, he assessed it separately from the parent village; that is, the revenue assessed on each resident of the hamlet was added up and announced to the hamlet, the waste remaining the common property of the parent village and of the hamlet. In 1867 these hamlets were formed into distinct villages, the waste adjacent to the inlet being lattached to it, the biswadars of the parent village retai ug no right over this land nor imagining that they possess any. In this way there are now 139 villages in Ajmere against 80 at the time of Colonel Dixon's settlement.
- 82. Until the mouzahwar settlement of 1849, therefore, the tenure in the district was ryotwar. The State owned the land, but allowed certain rights to tenants who had spent capital on permanent improvements in the land so improved. This bundle of rights gradually came to be considered proprietary right, and since 1849 the State has abandoned its right of ownership over unimproved land.
- 83. Istumrar.—The tenure of the feudal Chiefs of Ajmere was originally identical with that of the Chiefs in the Native States of Rajpootana. The estates were jaghires held on condition of military service and liable to various feudal incidents. Colonel Tod, in his Rajusthan, Volume I, page 167, thus sums up the result of his enquiries into the tenure:—
- "A grant of an estate is for the life of the holder, with inheritance his offspring in lineal descent or adoption, with the sanction of the Truce, and resumable for crime or incapacity; this reversion and power of resumption being marked by the usual ceremonies on each lapse of the grantee, of sequestration (zabti), of relief (nuzzerana), of homage and investiture of the heir."

From all that can be discovered the original tenure of the istumrar estates of Ajmere is exactly described in the above quotation. The grants were life grants, carrying with them a condition of military service, but like all similar tenures they tended to become hereditary.

84. None of these estates ever raid revenue till the time of the Mahrattas in 1755 A. D. To enforce the condition of military service was for these freebooters as unnecessary as it would have been impolitic, and in lieu of service they assessed a sum upon each estate which presumably bore some relation to the number of horse and foot-soldiers which each Chieftain had up to that time been required to furnish. The assessment, however, was very unequal, and varied with the power of the Mahrattas to exact it, the smaller Chiefs paying a very much larger proportion of their income than their more powerful brethren who were likely to resist, and whom it might be difficult to overce. On the cession of the district in 1818, these Chieftains were found paring a certain sum under the denomination of "mamla" or "sin" and a number of extra cesses which amounted on the whole to half as muchagain as the mamla. These extra casses were collected till 1841, when on the rapresentation of Colonel Sutherland, Commissioner of Ajmere, they were abandoned. In 1830, 1839, and 1841 Government had declared that the estates were liable to re-assessment, but these orders were never acted upon, nor even communicated to those concerned, and the Chiefs who at a very early period of our rule, perhaps even before it, had acquired the title of istumrardars, no doubt considered themselves as holders at a fixed and permanent quit-rent. This belief of theirs was strengthened by the action of Government in 1841, when all extra cesses were remitted and the demand of the State limited to the amount which had been assessed by the Mahinitas nearly a century before. This tenure has been carefully investigated within the last two years, and the final orders of Government were conveyed in the letter from the Secretary to the Government of India to the address of the Chief Commissioner, No. 94R., dated 17th June 1873. His Excellency in Council consented to waive the right of G-veryment in the matter of re-assessment, and to declare the present assessments of the Chiefs to be fixed in perpetuity. The concession was accompanied by a declaration of the liability of the estates to pay nuzzerana, and the conditions on which the estates are held have been incorporated in the Sunned granted to each istomiardar. The estates descend to the eldest son, and a very strict system of entail has been established.

85. The tenure of land in the istumrar estates, as between the istumrardar and his tenants, has never formed the subject of judicial investigation, nor have the recent settlement operations been extended to the istumrar area. The prevailing opinion is that the caltivators are all tenants-at-will, but at the time of Mr. Cavendish's enquiry in 1829, many of the istumrardars admitted that their tenants possessed certain rights in improved land, and on this subject the opinion of Colonel Dixon, as conveyed in a Memorandum addressed to Sir Henry Lawrence, and dated 28th August 1854, is dees ving of attention, and is entirely consonant with the account of the land system of the district above given. "The Chiefs of villages are reckoned as Biswadars within their own estates. It is a right which is rarely exercised by them, for all cultivators who have sunk wells would, in the eye of the kw, be considered their owners, and not dispossessed without cause assigned and without being remunerated for their outlay. In barance and talabee lands the people cultivate according to the pleasure of the Thakoor."

There is no doubt that in khalsa and jnghire villages a cultivator who improves land acquires some rights in the land so improved, and the sprobability is that the same principle holds good for the istumrar. As a imatter of fact, disputes between an istumrardar and his tenants never some before our Courts.

- 86. Jaghire.—The subject of jaghire estates was investigated by a mixed Committee of Government officials and jaghiredars during the present year, and the Report of the Committee, dated 16th May 1874, Zontarus all that is known of the tenure. Out of a total area of 150,838 facres yielding an average reutal of Rupees 91,000, 65,472 acres belong to the endowments of shrines and sacred institutions and yield a revenue of about Rupees 43,000. The remaining jaghires are enjoyed by individuals and certain classes especially designated in the grants. No conditions of military or other service are attached to the tenure of any jaghire.
- .87. In all jaghire estates the revenue is collected by an estimate of the produce, and money assessments are unknown. The relative status of the jaghiredars and cultivators was judicially declared on the 18th August 1872, and is succinctly as follows:—
- First —All those who were in possession of land irrigated or irrigable from wells or tanks, which wells or tanks were not proved to be constructed by the jngliredar, were declared owners of such land.

Second.—The jagniredar was declared owner of irrigated land in which the means of irrigation had been provided by him, of unirrigated and, and of the waste.

- 88. Bhoom. An account of the tenures of Ajmere would be incomplete without a description of the tenure known as bhoom, which is peculiar to Rajpootana. The word itself means "the soil," and in the land system of Rajpootana the name Bhoomia properly signifies the "allodial proprietor" as distinguished from the fendal Chief and the tenant of Crown lands. According to Colonel Tod, Volume I, page 164, the Bhoomias in Meywar are the descendants of the earlier Princes. who on the predominance of new clans ceased to come to Court and to hold the higher grades of rank. They continued to hold their land, and became an armed husbandry, nominally paying a small quit-rent to the Crown, but practically exempt. In course of time various kinds of bhoom grew up which, unlike the original allodial holding, were founded on grants, but had this apparently in common that a hereditary property in the soil was inseparably bound up with a nevenue-free title. Bhoom was given as "mundkati" or compensation for bloodshed, in order to quell a feud, for distinguished services in the field, for protection of a border, or for watch and ward of a village. So cherished is the ittle of bhoomia that the greatest Chiefs are solicitous to obtain it even in villages entirely dependent on their authority.
- 89. Mr. Hallam defines allodial property as "land which has descended by inheritance, subject to no burden but that of public defence. It passes to all children equally; on failure of children, to the nearest kindred." There are in Ajmere 109 bhoom holdings, and the origin of nearly half of these is lost in the mists of antiquity. In

sixteen cases, chiefly those in which an istumrardar is also a bhoomis, the right of primogeniture is recognized. In the remainder the rights in the property are regulated by ancestral shares, and fiere are now 2,041 sharers, the average yearly rental of a share being Espees 17-8.

- 90. Whatever the origin of the bhoom holdings of Ajmere, and most of them are founded on grants to the younger sons and brothers of the talookdars, the rights and duties of all bhoomias is the district came in course of time to be identical. Till 1841 they had their land on a quit rent which was abolished in that year along with the extra cesses from istumrardars, and since that time they have held revenue-free. Their duties were three in number, first, to protect the village in which their bhoom is and the village cattle from dacaits; secondly, to protect the property of travellers within their village from theft and robbery; and thirdly, pecuniarily to indemnify any sufferer from a crime which they ought to have prevented.
- 91. This last incident was the peculiar feature of the Ajmere tenure, and grew out of the custom of Rajpootana that the Raj should compensate travellers for losses by thefts and robberies occurring in its territory. This custom is still carried out by the International Court of Vakeels. When the theft or robbery has occurred in a village belonging to a fief, the Chieftain to whom the village belongs is called on to indemnify the sufferers, and the istumrardars of Ajmere have always been compelled to compensate sufferers from thefts and robberies committed on their estates. When the theft or robbery is committed in a khalsa village, where the State occupies the position of landlord, the State itself has to pay compensation. Similarly, a jaghiredar to whom the State has transferred its rights and duties is pecuniarily liable. case has the cultivating community of a khalsa or jaghire village been called on to pay indemnity. The State, however, in course of time finding the responsibility inconvenient, transferred it to the bhoomia; but in villages where there were no bhoomias, the State still remained responsible.
- 92. However useful the system of pecuniary compensation may have been, and however well adapted to the times of anaroby in which it had its birth, there is no doubt that in Ajmere it has long been moribund, though it still shows spasmodic signs of existence. When the average rental enjoyed by a bhoomia is only Rupees 17 a year, it is hopeless to expect that more than a very few bhoomias could compensate even a very moderate loss. If the stolen property exceeded a few hundred rupees in value, none could from the assets of their bhoom indemnify the sufferers. The progress of civilization, roads and railways, and the freer intercourse which arises between States, inevitably doom this device of a rude state of society. The transition commenced sometime ago in Ajmere, when the Thakoor of Joonia, who is hereditary bhomia of the town of Kekree, was permitted to commute his responsibility of indemnifying losses by the establishment of a force of watchmen in the town. As soon as the Native States adopt a system of regular police, this distinctive feature of the bhoom tonure must vanish, and by a mixed Committee of officials and bhoomias, which gat in 1878, it was proposed to relieve the bhoomias at once from this obligation. The Commit-

tee proposed to revert to what seemed to be the original incidents of the tenure, to hold the bhoomias liable as an armed militia to be called out to put down riots and to pursue dacoits and rebels, and to take from them a yearly quit-rent under the name of nuzzerana.

- 98. The State. The above sketch will have shown that it is probable that the State still possesses much larger proprietary rights in the thalsa villages of Ajmere than it possesses in most other parts of the Bengal Presidency. To the State belong in sole proprietary right all mines of metals in khalsa villages, while for its own purposes it can quarry, free of payment, where and to what extent it pleases. This principle was recognized in the letter from the Secretary to the Government of India, No. 226 R., dated 10th November 1873. Two ranges of hills near Ajmere, that of Taraghur and that of Nagpahar, have been declared to be the property of Government. The tanks and embankments of Ajmere have almost all been made by the State, and Government is the owner of the embankments and of all that grows thereon as well as of the water in the tank. Under the proposed Forest Ordinance, the State has reserved to itself the right to resume from the village communities the management of any tract of waste or hilly land, the proprietary right subject to certain conditions being vested absolutely in Government as long as the land is required for forest purposes. istumrar estates, on the other hand, the State has little or no rights beyond that of taking a fixed revenue. In jagbire villages, where the State has conferred its rights on the jaghiredar, Government possesses, it is presumed, no rights.
- 94. Mhairwarra. Mhairwarra possessed no settled Government till 1822, when it came under British management. The people found the occupation of plunder more profitable and congenial than that of agriculture. No crops were sown except what was absolutely necessary for the scanty population. The tanks were constructed and used exclusively for the purpose of providing water for the cattle. No revenue or rent was paid. The Rajpoots were never able to obtain a firm footing in the country. Whatever small revenue they could get from it was obtained at a cost both of life and money far exceeding its value. Under such circumstances, tenures could not spring up. Colonels Dixon and Hall, to whom the civilization of the Mhairs is due, treated Mhairwarra as a great remindarce, of which they were the managers and Government the owner. Their word was law. They founded hamlets, gave leases, and made tanks, and collected one-third of the produce as revenue from the people. At the settlement of 1851 all cultivators who had recently been settled in the villages were recorded as owners of the land n their possession equally with the old inhabitants.
- 95. One peculiarity of the land tenure of Ajmere-Mhairwarra should not be omitted. It is the entire absence of the custom of sale, whether voluntary or enforced. Private sales of land appear to have been practically unknown till about a generation ago, nor has any laud ever been sold for arrears of revenue. Sale of land in execution of decrees of the Civil Court has been prohibited as contrary to ancient custom. Mortgages, however, are only too common and many of them differ in no respect from sales.

96. A non-proprietary cultivating class thardly exists in either district. Where tenants exist they pay generally the same rates of produce as the proprietors themselves paid before the regular settlement. The few Maurusee cultivators pay merely distributed shams of the Government revenue.

# CHAPTER IV.

## POPULATION AND CASTES.

- 97. Census Statistics.—The total population by the census of 1872 is 316,032, exclusive of Europeans, which were numbered previously at 558 souls. There were 91,199 houses of all sorts. Of the population 203,535, or 64 per cent. are males, 112,497 or 36 per cent. are females. Adults were counted at 213,402, of which number 141,049 were males and 72,353 were females; children were counted at 102,650, of which 62,486 were boys and 40,144 were girls, Classed by occupation, 182,702 are agriculturalists; non-agriculturalists are 183,310. Hindoos, with whom Sikhs numbering 72 and Jains numbering 34,616, have been classed, are returned as 252,996 or 80 per cent. of the population; Mahomedans are 20 per cent. or 62,456; Native Christians are returned at 249; and Parsees at 65. Of the Hindoos, 114,126 or 45 per cent. are agriculturalists, 55 per cent. or 133,870 are non-agriculturalists. Of the Mahomedans, 22,237 or 36 per cent. are agriculturalists. The results of the census of 1872 show a falling off of 109,678 souls, as compared with the census of 1865, a result partially no doubt to be ascribed to the disastrous famine of 1868-70, but no sound conclusions can be drawn from these figures, as the returns of 1872 are untrustworthy and have been pronounced to be so by the Government of India. In the census papers 82 castes are enumerated in Ajmere-Mhairwara, and of . these 56 castes comprise the Hindoo population, though probably the number of Hindoo castes is rather more. Including the thalsa and jughire villages, but excluding the istumrar villages, there are 190 villages in Ajmere. There are 241 villages, in the Beawur Tebsil and 88 in Todghur, and these numbers must be borne in mind in tracing the distribution of the castes.
- 98. Rajpoots.—If the account of the tenure in the khalsa and jaghire portions of Ajmera, given in the preceding Chapter, has been followed, it will not be a matter of surprise that Rajpoots own hardly any land except bhoom and istumrar, or that 67 castes have been found in possession of proprietary right at the recent revision of attlement. No Rajpoot would have cared to take land other than on bhoom or talookdaree tenure, and the Crown tenants as well as the tenants of the jaghire estates are mainly the descendants of the ancient cultivators of the soil, who have held their land in all the dynastic changes through which Ajmere has passed. Where every man who dug a well became owner of the land irrigated therefrom, and where a cultivator without a well is considered a waif, with no tie to bind him to the village where he may reside, the landowning castes must be nearly co-extensive with the cultivating castes, and such is found to be the case. Of the 190

Ajmere villages, 52 are held by Jats; 51 belong to various Mhairwarra clans; 35 belong to Goojurs; four to Rajpoots; two to Deswalee Mussulmans; eight castes hold one village each, Mali, Syud, Pathan, Mogul, Ranjara, Ahir, Fakir, and Christian. In the remaining 39 villages there is no exclusive caste ownership; the principal castes in these villages are 14 in number—Mahlis, Teblis, Mhairs, Merats, Deswalees, Goojurs, Brabmans, Rajpoots, Mahajuns, Kayeths, Kharols, Ahirs, Rebaris, Regars. The remaining landowning castes have few representatives and are scattered over many villages.

- The four villages belonging to Rajpoots are Arjunpoora Jaghire, Arjunpoora Khalsa, Golah, and Khoro, the two former belonging to Gor Rajpoots, the two latter to Rahtores. This exception, however, only proves the conclusion of the foregoing paragraph. Arjunpoorn Jaghire was given on condition of protecting the road and assimilates to a bhoom tenure. The land is subdivided among the descendants of the original grantee. Arjunpoora Khalsa stands quite alone by itself as the only zemindares tenure in the district (with the exception of Mahomedghur, where the tenure has been created by ourselves), and narrowly escaped being classed with the istumrar estates. Golah was held on istumrar tenure till shortly before the establishment of British rule. Khori was originally a Mhair village, but the Rahtores held a large amount of bhoom in it and gradually turned out the Mhairs. In short. where Rajpoots hold jaghire or khalsa land, it will generally be found · that it is the relic of a talookdaree tenure, or of a jachire grant, or an encroachment by bhoomias. -
  - Jats. The Jats were numbered at the census at 28,399, of whom 2,535 belong to Mhairwarra. They with the Goojura are the original cultivators of the soil, and considerably outnumber any other caste. Nearly the whole of the Ramsar Pergunnah belongs to them. They are settled in Kekree and in the best villages of the Ajmere and Rajghur Pergunnahs. Tabiji, Saradhua, Makrera, Jethana, Budhwara. and Picholian belong to Jats. In the Beawur Tehsil they hold seven villages, chiefly in and about the old town of Beawur adjoining the Ajmere District, for they never penetrated far into Mhairwarra and are not to be found in the Todghur Tehsil. They are divided into three main families-Puniyo, Seeshmo, and Harchitral, but their " gots " are more than a hundred. As elsewhere, they are strong men and hardworking cultivators. They hold no revenue-free land nor any bhoom. They have in Aimere double as much land as to the Goojurs, and pay three times as much revenue, partly no doubt owing to their having monopolized the best villages, but chiefly to their greater energy in making wells and improving their land.
  - 101. Legend of Tejaji.—The Jats worship a variety of gods, including Mata and Mahadeo, but the chief object of veneration for all the Jats of Marwar, Ajmere, and Kishenghur is Tejaji, whose legend is as follows:—Teja was a Jat of Karnala near Nagor in Marwar, who lived 860 years ago and had been married at Roopnagur in Kishenghur. While grazing his cattle he observed that a cow belonging to a Brahman was in the habit of going daily to a certain place in the jungle where the milk dropped from her udder. Further observation showed that the milk

fell into a hole inhabited by a snake. Teja agreed with the snake to supply him daily with milk and thus prevent the Brahman suffering loss. Once when he was preparing to visit his father-in-law, he forgot the compact and the snake appearing declared that it was necessary he should bite Teja. Teja stipulated for permission to first visit his father-in-law. to which the snake agreed. Teja proceeded on his journey, and at Rishenghur rescued the village cattle from a band of robbers, but was desperately wounded in the encounter. Mindful of his promise to return, Teja with difficulty marched home and presented himself to the snake, who however could find no spot to bite, so dreadfully had Teja been cut up by the robbers. Teja therefore put out his tongue which the snake bit, and so he died. The Jats believe that if they are bitten by a snake and tie a thread round the right foot while repeating the name of Tejaji, the poison will prove innocuous. There is a temple to Tejaji at Sarsara in Kishenghur, and a fair is held in July. Tejaji is always represented as a man on horseback with a drawn sword, while a snake is biting his tougue. Nearly all Jats wear an amulet of silver with this device round their necks. Colonel Dixon singled out Tejaji as the patron of the fair he established in his new town of Nyanuggur.

- 102. Customs of the Jats. Some customs of the Jats deserve mention. Marriage is not allowed within the same "got," and takes place generally later in life than in Upper India. A coccasut and a rupes, emblems of fertility and wealth, are sent to the house of the Then the brotherhood is collected and the contract is concluded by throwing the coccanut and the rupee into the lap of the bride. The day is then fixed by the bride's parents, and the "Barat" which consists generally of 25 to 30 men, reaches the village in the evening. At the appointed time the bridegroom proceeds to the bride's . house in red clothes and with a sword in his hand. The village carpenter affixes a frame of wood called a "toran "over the door, and this the bridegroom strikes with his sword and enters the house. The "toran" is a cross-barred frame resembling a wicket, and the custom is probably a relic of the marriage by conquest. All castes put up "torans, "and as they are not removed, they may be seen on half the houses in the district. When the bridegroom has entered the house, the Brahman causes him and the bride to go round a fire lit in the centre of the room. This is the ceremony called "Phem," and is the only one used. The second day there is a feast and the bridal party then disperses. The bride's father takes money, and Rapees 84 is the fixed amount. The bridegroom's father spends about Rupees 200, the bride's father nearly as much, and the subsequent "guna" when the bride's father gives turbans to his son-in-law's relatives. costs him about Rupees 150 more.
- 103. Custom of Natha.—The Jats are monogamous, and with them, as with the Goojurs, Maless and all the tribes of Mhairwarra, widow marriage is the rule and is called "Natha." A man cannot marry his younger brother's widow, but may that of his elder brother. The younger brother has the first claim on the widow's hand, but if he does not marry her, any one in the "got" may do so. No feast

to the brotherhood is given in "Natha," and consequently this species of marriage is much less expensive than the other. No disability of any kind attaches to the children of a "Natha" marriage, Young widows are married off by their busband's relations, who take about Rupees 100 or 150 from the second husband. Formerly the widows were not allowed much choice as to whom they should marry, and were generally given to the highest bidder, and in the early accounts of the Mhairs the custom is stigmatized as revolting under the name of sale of women. As a matter of fact grown up widows can now choose for themselves, though when they do the punchayut generally orders a certain sum to be paid to the deceased husband's relations. These orders are often contested and are not enforced in the Courts. If a widow chooses to remain so, she is not forced to marry, and in all castes a widow who has no sons retains her deceased husband's property till her death or her re-marriage. She cannot mortgage except in order to pay her husband's debts or to marry her daughter. The custom of Natha arose out of the right of property supposed to be derived from the sum paid to the bride's father on the occasion of the marriage engagement, and the condition of widows is infinitely preferable under the custom than if they were forced to remain unmarried all their lives. Colonel Hall has recorded that while he was complaining that women were sold as slicep, the women themselves, so far from considering it a grievance, were fluttered by the payment of a high price as a testimony to their beauty and usefulness. Raipoots and Brahmans are the only castes who do not practise Natha, and with the Raipcots the custom of Suttee is the alternative, Rajpoot wives and concubines all long to become Suttees, and were the custom not sternly repressed, it would now be flourishing in Rajpootana.

- 104. Other Customs.—The chief waste of money among the Jats and other Hindoo castes is on the occasion of a feast to the brotherhood on the twelfth day after the death of a relation. If, however, the feast is not given on the twelfth day, it may be given at any time, and the Mabajuns stir up the people to perform these ceremonies. Jats, Malees, Goojurs, and Mhairs eat three times a day. The early meal is called "Siraman" and consists of the food remaining over from the preceding day. The mid-day meal is called "bhat" or "rota" and consists of barley or maize-bread with greens and butter milk. The evening meal called "byaru," generally consists of soaked maize and butter-milk. All castes smoke tobacco and present it to strangers, and he who consumes most is the best man,
- 105. Goojurs.—The Goojurs hold 35 villages in all parts of the Ajmere District and three in Beawur Tehsil, where they are settled in the outlying villages of Jethghur and Bhyron Khera in the Meywar plain. They are returned in the census at 17,379. They are careless cultivators, and devote their energies to grazing cattle. Those who live near Ajmere sell milk and butter in the town. Their chief divinity is Deojee, who was a Goojur of Bednor in Meywar some 700 years ago, and who worked miracles. Their customs are identical with those of Jats, but the Goojurs in Mhairwarra have adopted a custom of inheritance from the Mhairs, by which the property is divided

according to wives and not according to sons. Goojurs and Jats will eat together. The chief men are called Mihr; the chief men of Jats hare called Chowdry or Patel.

106. Brahmans.—Brahmans are counted in the census at 15,389, of whom 1,945 are in Mhairwarra. These latter eat meat and are despised by the other Brahmans. Brahmans are not generally culti-

vators, but hold revenue-free land in nearly every village.

The Vaisya tribe are all Jains, and the two chief castes are the Agarwal, who derive their name from Agroda near Delhi, and the Oswals, who trace their birth-place to Osanaggri in Marwar. They are merchants and traders, and generally well off. The other Jain castes are Mahesrees, Saraogees, Bijahargees, Khandelwals Dusars, and Jatees.

107. Kaveths and other castes. - The Kayeths say they are a fifth caste, and some wear the Brahmanical thread. There are three distinct families in Aimere, known by the names of their pergunnals-Aimere, Ramsar, and Kekree-and these acknowledge no relationship. They have been hereditary canoongoes. Since the time of the Emperors, they hold about 1,000 acres of revenue-free land, and enjoy certain perquisites from jaghire and istumrar villages. Malees number about 8,000 and are good cultivators, and hold the greater part of Kusbah Ajmere. peculiar caste, Kir, very few in numbers, devotes its attention to the culture of melons. The Rebarees, very few in number, breed camels and cultivate rice. The menial castes are Bhangees, Balabees, Thorees, and Regars. The Balahees are the most numerous, numbering 18.000, and consider themselves superior to the Regars who correspond with the Chamars of the North-West Provinces. Meenas, Sansees, and Bheels are the thievish classes. None of them are numerous in the district. Meenas are abundant in the pergunnah of Jehazpoor in Meywar whence they make their incursions, and now and then the district is infested by Baorees, a thievish and robber caste from Marwar, who however have got no settled abode within the limits of the province. The names of the remaining castes point to the occupation of each. Kumhars (potters) number 9,500, Naces (harbers), khatees (carpenters), telees (oilmen), chakar (domestic servants), soonars (goldsmiths), lakheras (dealers in lac), lohars (blacksmiths), dhobees (washermen), are below 5,000. Durzees (tailors), kallals (liquor-sellers), chhipas (chintz printers), kahars (bearers). ghoses (milk and butter sellers), are below 2,000. Kunbess, tambolis (pan sellers), sikalgers (steel sharpeners), beldars (diggers), bharboojas (grain parchers), thatheras (braziers), barts (bards), raj (masons), are all under 500.

108. Makemedans.—Of the Mahomedans 53,282, including Merats 14,710, are classed as Shaikh, Syuds are 2,993, Moguls 1,779, Afghans are numbered at 4,758. Deswalees hold two villages in the north of the district, and say they are Rajpoots who were converted in the time of Shahab-nd-din. One village, Mahomedghur, belongs in zemindaree tenure to a Pathan. The Banjaras, who live in Ghegal, are Mussulmans and were, they say, converted at the same time as the Deswalis. The Mussulmans in the district are chiefly the attendants on the Mahomedan

shrines, and most of them hold revenue-free land in the jaghire villages attached to these institutions. They are poor and idle.

109. Christians and Parsecs.—Native Christians are returned as 249. The United Presbyterian Mission has occupied this field for thirteen years, but Christianity cannot as yet be said to have struck deep roots into the soil. Many of the Christians are orphans who were left destitute by the famine and taken charge of by the Mission. A hamlet has been founded near Nusseerabad under the name of Asapoora or Hope Town, where the boys of the Orphan School, as they grow up, who do not elect for trade, will form an agricultural Christian community, and the lands belonging to the hamlet have been separated from the parent village and formed into a distinct township. Parsees are only 65 in number and are Bombay shop-keepers in the Cantonment of Nusseerabad.

## CHAPTER V.

- 110. Mhairwarra class.—The tribes which at present inhabit Mhairwarra do not claim to be, nor do they appear to have been, the original inhabitants. Of these last, however, but little is known. The country must have been an impenetrable jungle and the majority of the sparse inhabitants were probably outlaws or fugitives from the surrounding States. The caste of Chandela Goojurs is said to have dwelt on the hills about Chang, the hills in the neighbourhood of Kalinjur, Saroth, and Bhaelau are assigned by tradition to Brahmans. On the east side on the Boowa Hills the caste of Bhattee Rajpoots is said to have been located, while the southern portion of the Todghur Tehsil was occupied by Meenas. There is a tradition that Bahattee Rajpoot, Ajeet Sing, bore the title of King of Mhairwarra.
- 111. The present inhabitants of Mhairwarra are all promiscuously designated Mhairs, a name which is derived from "Mer," a hill, and signifies "hillmen." The name is not that of any caste or tribe and is only a correct designation, in so far as it is understood to mean the dwellers on this portion of the Aravali Range. The two main tribes of Mhairwarra are those known by the appellation of Chita and Barar, each clan traditionally divided into 24 "gots," but new gots are constantly formed which take the name of their immediate ancestor, and there are now about 40 gots in each tribe.
- 112. Chohan Meenas.—Colonel Tod (Rajasthan, Vol. I., p. 680) asserts that the tribes of Chita and Barar are Meenas, and the traditions of the people themselves point to a Meena ancestry. Both tribes claim a common descent from Prithvi Raj, the last Chohan King of Ajmere, and the story is that Jodh Lakhun, the son of Prithvi Raj, married a girl of the Meena caste, who had been seized in a marauding expedition near Bundee, supposing her to be a Rajpootanee. When he discovered his mistake, he turned away the mother and her two sons, Auhal and Anup. The exiles wandered to Chang in Beawur, where they were hospitably entertained by the Goojurs of that place. Auhal and Anup rested one day under a bar or fig-tree, and prayed that if it destined that their race should continue, the trunk of the tree might

rent in twain. The instant occurrence of the miracle raised them from their despondency and the splitting of the fig-tree is a cardial event in the history of the race according to the following distich:—

Charar se Chita bhayo, aur Barar bhayo Bar-ghit Shikh ek se do bhaye : jagat bakhanî jat.

"From the sound 'Charar' (the noise which is supposed to have reached Auhal from the splitting tree) the Chitas are called, and the clan Barar from the splitting of the fig-tree. Both are descended from one stock; the world has made this tribe famous." In following the distribution of the clans it is necessary again to bear in mind that there are 51 Mhair villages in Ajmere, and that there are 241 villages in the Beawur, and 38 in the Todghur Tehsils.

- 113. Chita.—Auhal settled at Chang in the north-west of Mhairwarra, and his descendants in course of time exterminated the Goojuss who had given an asylum to Auhal and his mother. The dan waxed strong and multiplied, and gradually occupied all the strong places of Mhairwarra, where they founded the villages of Jak, Shamgar, Lulua, Hattun, Kukra, Kot Kirana, Nai, and others. They appear to have held the remaining Mhairs in subjection, for they enumerate 16 castes of Mhairs, who they say used to pay them one-fourth the produce of the soil and of all plundering expeditions. The clan now holds 117 entire villages in Beawur, besides portions of 58 and 16 entire villages in Todghur to the north of that Tehsil and including the Pergunah of Kot Kirana. In Ajmere there are 21 entire khalsa and jagine villages belonging to Chitas, and they are to be found in all the Ajmere-Mhair villages except four.
- 114. Of the subdivisions of this clan by far the most numerous and important is that of the Merats, a term which is generally used as synonymous with a Mahomedan Mer, but which is a patronymic derived from Mera, the common ancestor of the Katats and Goratz. Harraj, grandson of Meera, a Chita, in the reign of Aurungzeh, took service under the Emperor at Delhi. During a night of terrific rain be remained firm at his post as sentry with his shield over his head. The Emperor. to whom the matter was reported, is related to have said-"In the Marmar tougue they call a brave soldier Katz, let this man be henceforth called Kata." Harraj even after became a convert to Islam, and is the progenitor of all the Katat Memts, a very large family, who hold 78 villages in Feawur including all the principal places in the north and east of the Tebail. Gora was a brother of Haraj, and his descendants are Hindors and hold 21 villages in the entre and wuth-east of Beamur, of which Kalirjan and Kaim are the dief. The Courts spread southwards and dare compiled IS rillages in the north of Traighter. One village in Aimere, Makingrous, beings to them. The history, the most pushing of all the Clairs, spread porthward and hold Let the LI Chira villages in Afmers. There ther formed new gots of which the Kabadier Krance, generally called our excellence Cata, is the principal. Residenthe birain and jugaine rilliages four rilliages Ajmere recent are bed by Latars on Brunner secure, with Names, Bajaon, Afgreen and Kerraner Time tilliges were given them by 🛍 Mogal

Emperors for protection of the city of Ajmere and the adjacent passes. Shumsher Khan, the Chief of the Istumrardars of Rajacsi, is the head of the Bahadoor Khanee family, and is styled "Tikai." The chief men of Katats and Gorats call themselves Thakoors, but in Beawur the chief of Hathun, Chang, and Jak, who are Katats, are called Khans.

115. Of the remaining subdivisions of Chitas the most important are the Laget, who hold six villages in Beawur and Naaset, who own the villages of Burgaon, Palran, Pharkia, Manpoora, and Hathibata in Ajmere, besides portions of several others. The other gots which may be mentioned are the Rujoriya and Begariyat, the former holding three villages in Beawur, the latter three villages in Ajmere, and the Bajoriyat, Borwara, Bilodiya, Pithrot, Balot, and Nadot who possess a village or parts of several. The other gots live scattered throughout Mhairwarra.

116. Barar.—Anup, the brother of Auhal, settled in Todghur and founded the Barar clan. His descendants, less enterprising than the Chitas, have remained in Mhairwarra and are not to be found in Ajmere. They hold 11 villages in Beawur, the most important of which are Kalikankar, Saindra, Bhaelan, and Khera Sangnotan. They occupy the whole of the south of the Todghur Teheil and own 48 entire villages. They are more unsophisticated, honest, and straightforward than the Chitas. They call themselves Rawut, a petty title of nobility, and would be insulted by being called Mhairs. The chief men are called Rao, and they have a multitude of Tikais, of whom the principal are the Rao of Kukra and the Rao of Barar.

117. All these Chohan Meenas, with the exception of the Katats. are nominally Hindoos. Katats and Gorats eat together, and nothing is forbidden food to either. A Chita will not marry a Chita, nor. Barar a Barar, but a Chita seeks a Barar wife, and a Barar seeks a Chita-wife, A Barar woman, who marries a Katat or Mussulman Chita, is buried on her death. A Katat woman, who marries a Barar, is burned on her death. The marriage ceremony in either case is performed by " Phera." the officiating Brahman leading the bride and bridegroom seven times round a fire. The Kutats of Ajmere are beginning to understand that they are Mahomedans and have partially adopted some Mussulman customs. Thus they have discarded the "Dhote," which is universally worn by their brethren in Mhairwarra. They sometimes intermarry with other Chitas, but it is not the custom, nor looked on as the proper thing to do. The custom of Phera under the guidance of a Brahman is being abandoned in favour of the Nikah ceremony in their marriages, and under the influence of the Khadims and other Mahomedans, with whom they intermarry, they have begun to think they ought to keep their women secluded, though in Mhairwarra the women work in the fields.

Mahomedans or Hindoos, are identical. A souless widow retains possession of her husband's property till she marries again, or till her death. She can mortgage in order to pay her husband's debts, to discharge arrears of Government revenue, or to obtain funds for the expenses of marrying her daughters. Daughters do not inherit when there are sons

alive. All sons inherit equally, but in the event of there being sons from two or more wives, the property is divided per capita of the wives and not per capita of the sons. This custom called "Cheda-But" as opposed to "Paggriwand" or "Bhai-But" is universal smong all the Mhairwarra clans. There is no distinction between scestral and acquired property. A relation of any age may be adopted; the nearest relation has the first claim, and his children born before his adoption succeed in the adopted family. Sons by slave-girls, who see pretty numerous under the name of "Dhurmputr," get land to entivate, but obtain no share in the inheritance and cannot transfer the land. The custom of Natha or widow marriage prevails and has been already described in the preceding chapter. Much money is spent on funeral feasts.

119. Powar clans.—Among the tribes which boast other than a Chohan Meena ancestry, the most important are the two which claim descent from Dharanath Powar or Pramar, who founded the city of Dharanagor, said to have been 24 kos in circumference in Marwar, before the Pramar Rajpoots were obliged to give way before the Gehlots and Rahtores. Tradition says that Rao Bohar, a descendant of Dharanath, came and settled at Rudhana in the extreme south of the Beawur Pergunuah. From this place his descendants spread and founded the adjacent villages of Biliawas, Jowaja, Bahar, Barkochran, Rawat Mal, Lusanes now in the Beawur Tehsil, and Abhayjitghur, Naloi, and others in the Todghur Tehsil. The tribe is divided into six "gats"-Delat, Kallat, Doding, Boya, Kheyat, Pokhariya. Of these the Delatis the most numerous and holds 14 whole villages in Beawur and five in Todghur. The Kallat clan holds only one village, Kalathan Khera in Beawur, and the others hold no entire village in Mhairwarra. The Dehts appear to have pushed the other members of the tribe out of Mhairwarra, who therefore settled near Ajmere, and especially in the pergunnsh of Poosh-There are eleven villages in Ajmere held by this tribe, and they hold parts of eight others. The Dodings own Barla, Madarpoora, and Gwaree; to the Boya clan belong the villages of Hokran and Gudli; Khwajpoora and Kanakhera belong to Kheyats, and the Pokhariya clan holds the villages of Pooskhur, Ganahera, Naidla, and Nadokha. The men of this tribe like to be called Rawats, but are generally called Mhairs. The chief men are called "Gameti." They are an industrious race, generally taller and better built than the Chohan Meenas. Katats will not give their daughters in marriage to this tribe, but will take wives from them and they intermarry freely with Hindoo Chitas and Barar and other Mhair clans. Their customs are the same as those of the Chohan Meenas.

120. Motee.—The second tribe which claims descent from Dharanath is that of the Motee Rawats, who inhabit the pergunnah of Bhaelan, where they hold 14 villages. They own two villages—Fathpoor 1st and Bhojpoor in Beawur and only scattered representatives of this tribe are met with in Ajmere. The pergunnah of Bhaelan is supposed to have been originally inhabited by Brahmans. A descendant of Dharanath, Rohitas by name, came and lived at Bogmal as an accide in a cave in the hill now called Makutjes. A Banjara was passing through the hills with his wife, and deserted her at this spot. She lived some

time with the Jogee and then descending the hill sought the protection of Khemchand, Brahman in Bamunhera, and in his house was delivered of twin sons, of whom one remained in Bhaelan, the other in Marwar. In the fifth generation one Mahut was born, who expelled the Brahmans from Bhaelan. The hill, which was the cradle of the race was named after him, and he is still venerated by the Motees. A fair is held on the hill in September, at which time the hero is believed to traverse the 12 villages of Bhaelan in the twinkling of an eye.

121. Gehlot.—After the sack of Chitor by Ala-ud-din Ghori two brothers, Rajpoots of the Gehlot clan, fled to Borwa in the Saroth Pergunnah, where they intermarried with Meenas. This tribe is divided into 16 clans, of which the most important are Godat, Medrat, Kacchi, Dinga, Baniyat, Lohra, Balot, and Dhankal. They hold 11 entire villages in all parts of Beawur one village, Kukar Khera, in Todghur, and are found in 23 other villages in Mhairwarra. In Ajmere they own six villages, Parbatpoora, Ausari, Mayapoor, Lacchmipoor, Boraj, and Amba Massena. They consider themselves Soorajbansee Rajpoots, and call themselves Rawat. Like the tribes of Puar origin they intermarry with Hindoo Chohan Meenas. Merats will take wives from them, but will not give them their daughters in marriage.

122. Other clans.—The Balahee caste holds four villages in Beawur. Jats and Goojurs hold 10, and Nursinghpoora and Dungar Khera belong to Mahajuns. The remaining inhabitants of Mhairwarra belong to a few scattered clans who pass under the general designation of Mhair, and who as usual claim to be descended from Rajpoots but who have no Jagah and no history. The Pataliyal clan claims to be of the Istock of the Bhattee Rajpoots of Jeysulmere and bolds one village, Baria Nagga. The Chaurot claim the same descent and own one village, Kali Kankar Kishnpoora They are also found in Mohanpoora in Ajmere. The Bharsal clan lives in the village of Ramkhera Dhanar, and are to be met with in Kotra Saidaria, Bhawani Khera, and Kishnpoora of Ajmere. The Buch Mhairs inhabit Rajpoor Buchan and are found in couple of villages in Ajmere. The Kharwal Mhairs live in Nyanuggur and Fathpoor 2nd, and the headman of the town of Beawur is of this caste. Mannat Selot Bana: and Banna live scattered in a few villages.

123. Religion and customs.—Although the Mhairs consider themselves Hindoos and are generally classed as such, yet they are little fettered with Brahmanical rites and ceremonies. They eat three times a day, maize and barley bread being their principal food; but they will eat the flesh of sheep, goats, cows, and buffalos when it is procurable. Even the Brahmans of Mhairwarra will eat flesh. They observe no forms in the preparation of their food, and no interdiction exists as tothe juse of spirituous liquors. There is a proverb, "Mhair anr Mor unche par razi hain, ""Mhairs and peafowl love the heights," and probablyfrom this habit of living in high places they are exceedingly indifferent about washing. They are in short a very dirty race. In matters of religion they do not trouble themselves much with the orthodox divinities, of Brahmanism. Small-pox is a great scourge of the country, and the chief deity worshipped is Mata, to whom a stone called "Sitla" daubed with red paint is consecrated, and these stones are to be met with on all sides, chiefly under khejra trees, which are sacred to Mata. Allahjee is a common deity, and the deified heroes, Deojee and Ramdeojee, also find

worshippers. Deojee's temple is at Barsawara or Todghur. Ramdeo is a Balahee hero, who worked miracles and his priest is a Balahee. The hills of Makutjee and Goramjee, the highest in Mhairwarra, share in the veneration of the people, and this is probably a relic of a pristine fetich worship, though now the hills have modern hero, legends attached to them, The only important religious festival of Mhairwarra is the annual fair held at Todghur in the month of September in honour of Mata, called from the name of the place "Peplaj Mata." Tradition says that the Mhairs used to sacrifice their first-born sons to this goddess, and it is still oustomary to those who have had a first son born to them during the year to bring a buffalo to the sacrifice. The animals, after the touch of consecration by the priest before the shrine, used to be let loose, and the people each armed with a knife or a sword cut them alive into little pieces. This barbarity continued till 1865, when on the representation of Mr. Robb, the Missionary at Todghur, it was put a stop to, and orders were issued that the animals should be first killed with a sword. Before the famine there were some forty or fifty animals yearly acrificed, and in 1874 there were 18 buffalos thus offered to the goddess. The officiating priest first strikes the animals on the neck, with a long sword, it is then dragged away and out into little pieces in a few minutes. festivals of the Holee and Dewalee are kept in Mhairwara. The chief national peculiarity of the celebration of the Holes is the game called "Ahera" on the first and last day of the festival. The whole village turns out into the jungle, each man armed with two sticks about a yard long called Pokhree. Opium and tobacco are provided by the headmen, and having formed a line, the people commence beating for bares and deer, knocking them over by a general discharge of sticks as they start up. A number of hares are killed in this way. If the Mahajuns will pay, and the Mahajuns of Ajmere and Mhairwarra being Jains are exceedingly tender of life, the people will not kill on the second day. festival of the Holes concludes with a game like "touch in the ring." The people consume a good deal of tobacco, but very little opium. Tobacco they carry in an oval wooden box called "ghatta," and the principal men append a long wooden handle to this box which they always carry about with them. The handle signifies that all who ask will get tobacco.

124. Religious tendency. It has been already mentioned that there is a distinctly visible tendency among the Merats socially to assimilate with the orthodox followers of Islam, and to abandon their ancient customs common to them with their non-Mahomedan brethren. They have begun to adopt "Nikah" instead of the custom of "Phera" in their marriages; they have begun to keep their women secluded, and to intermarry with persons within degrees prohibited by the ancient customs. The tendency is without doubt destined to further development till the old customs fall into entire disuse. Among the Rawats of Todghur also the tendency to adopt the social rules of Brahmanism as prevailing among the surrounding Raipoots is clearly discernible, though the assimilation has not gone so far in this case as in the other. In neither case are there any religious feelings concerned; the question is simply one of greater respectability. Under the influence of the headman of Todghur, the Rawats have this year entered into an agreement to abstain from the flesh of kine and buffalos and to excommunicate all transgressors. This year for the first time they took no part in the dismemberment of the buffalos sacrificed to Mata, leaving the work to be done by Bheels and Balahees. It is safe to predict that in course of time the whole of Mhairwarra will have become either Brahmanised or absorbed in the orthodox religion of Islam.

## CHAPTER VI.

## RAJPOOTS AND OTHER NOTEWORTHY FAMILIES.

125. The settlement operations have not been extended to the istumrar estates, but pedigree tables have been prepared of all the istumrardars of the district, and the connection between them and the devolution of the estates have now been for the first time clearly ascertained. It has consequently become easy to give a more complete account of these Chiefs than has been heretofore possible, and the object of the following Chapter is to explain how the estates have come to be subdivided, and to place on record for future reference the facts which are known about the several estates, without any discussion on points which have been already settled by orders of Government.

126. The accompanying statement shows the names of the Chiefs who pay revenue direct to Government with the revenue they pay, and their estimated income, the latter being derived from the enquiries instituted by the Commissioner's Court under the Regulation for the relief of embarrassed Thakours and Jaghiredars. The number of villages and the area of each estate according to the revenue survey of 1847-48, and the number of persons enjoying maintenance are also shown. The estates which are under the management of the Court of Wards have been measured by the Settlement Department, and the statement given in Appendix C shows the detailed area of those estates which have been measured in the recent khusra survey. It will be seen that there are 66 estates paying revenue to Government, and there are 27 istumrardars who do not pay revenue direct, but who hold on a fixed tenure and pay revenue to the head of the clan, which revenue is not liable to enhancement nor are the estates liable to resumption. In the district lists of estates paying revenue to Government 76 are mentioned. The estates of Aloli Bhimrawas and Deopoora Kacharia belong to the Thakoor of Mehron and are separately assessed. The Raja of Pisangun pays revenue separately for the village of Bhatsuri: the village of Undri is included in the Para estate. The assessment on the Bhinae estate includes the revenue of Surkhand and Kacharia, which were resumed in 1836 and made over to the head of the clan as well as that of Piplia. The revenue of Mithana is included in the assessmnt of the Tantote estate, the assessment on Kirot includes the revenue of Cadolai, and Jadana was originally distinct from Jethpoors. All these villages. however, now form integral portions of the larger estates to which they belong, and there is no object in keeping them separate.

127. Of the 66 estates, one belongs to a Gor Rajpoot, 58 belong to Rahtores, two belong to Sesodia Rajpoots, four belong to Chohan Meenas, and one belongs to a Charan. The revenue of the whole is Rupses 1,14,784-9-11, and the assessment of each estate is fixed in annas and pies.

Statement showing the area and revenue of the Istumrar Estates of Ajmere.

| , Remarks,                                      |                        | Junis, Ogoge, Mecde, Pharkis, Naiki,<br>Tikatis, Jalka, Khem, Bajrangpoor,<br>Aminjikakbera, Ambapoor,<br>Bogia Kalahera, | Aloli Bhimrawas pay Rs. 934-10-7. Deopoora Kacharia pay Rs. 1,432-11-6. The remaining four villages are Mebron, Sudinari, Borware, Dundri.  The Village of Blactauri is separately ansussed at Rs. 164-60 and included, in arco and revenue of Pisnapun. Other villages are Pisnapun. Tra, Rampoora, Sarsari, Jedighur, Nadh, Fratappoora, Rammantpoora, Nadh, Fratappoora, Rammantpoora, Fan Sattel is esparately assessed at Rs. 463-3-0cher villages are Pan. Ugan ka khera, Mulka lOhapariesa, Eal Surgha. |   |                        |  |                        |  |
|---|------------------------|---|--|---|------------------------|--|------------------------|--|
| Mamber of persons<br>-niam gaivoine<br>-senanet | ī                      | 5 : 1° 583  | E  | 82 .40  | 31                     | :: 1:00 to   | 15                     |  |
| Government<br>revenue.                          | Rs. a. p.<br>1,050 G 6 | 5,723 15 0<br>249 0 0<br>285 0 0<br>1,600 3 2<br>1,713 5 1<br>799 13 9  | 0,837 5 0  | 5,559 8 1<br>1,023 4 10<br>612 9 7<br>407 0 0<br>1,914 7 9              | 9,316 14 3             | 4,563 14<br>1,937 135 9<br>1,937 135 9<br>1,699 98 7<br>148 88 8<br>159 7 9<br>851 7 6<br>851 8 6                        | 13,666 8 11            |  |
| Estimated income.                               | Rs.<br>4,000           | 33,056<br>640<br>3,000<br>2,100<br>4,277<br>1,500   | 44,673   | 15,708<br>2,100<br>1,400<br>1,700<br>10,255                             | 31,163                 | 2000 - 42<br>0000 - 42<br>0000 - 42<br>0000 - 42   | 51,700                 |  |
| Total area in<br>aores,                         | 8,750                  | 34,475<br>1,729<br>2,103<br>5,403<br>2,597<br>2,153   | 50,460   | 22,585<br>1,669<br>3,836<br>5,836                                       | 36,705                 | 8. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1.  | . 82,031               |  |
| Number of Vil-                                  | -                      | *****   | ន  | 8   | 2                      | <u> </u>   | 2                      |  |
| Name of Istumrardar,                            | Thakoor Fath Sing      | ". Kalyan Sing Amir Sing Thukor Heltab Sing Man Sing Doo Sing   | Total, Junis family .  | Thukoor Kala Sing '' Chetrash '' Mod Sing '' Dhonkal Sing '' Durjan Sal | Total, Mehron family . | Rais Pratap Sing. Thakoor Mebpal Sing. Raghuash Sing. Rashuash Sing. Mebunin Sing. Jayahi Sing. Jayahi Sing. Arjan Sing. | Total, Pisangun family |  |
| Tribe,  | Gor .                  | Rahtore,<br>Ditto<br>Charans<br>Rahtore<br>Ditto  |  |   |                        |  |                        |  |
| Name of Estato.                                 | Mancharpoor .          | Junia<br>Manda<br>Lasaria<br>Bogla, Kalahera.<br>Kuronj<br>Dewalia Khurd  |  | Mohron<br>Tieweria<br>Nimod<br>Sankaria<br>Kadhera                      |                        | Pisngun<br>Khawas, Sarari<br>Parakora<br>Para<br>Mastia Khawa<br>Kodah<br>Sadara<br>Galgaon                              |                        |  |
| SEELD MUREER                                    | H (                    | 24 to 410   |  | 200040  |                        | 222222<br>222222   |                        |  |

Statement showing the area and revenue of the Istumrar Betates of Aimers—continued.

|    | Radanke.  | •         |                                |                          | Kharwa, Chawunda, Khyria, Leeroe,<br>Landona, Piploj, Mohanpoor, Mahlan,<br>Amrghur, Kashipoora, Rodhali, Sarue- | The Therefore of Blavenikhera and | CThe villages of Surbhand. Kasharia | and Piplic included in the Bhinso | Re. 1,199-9-7, respectively. Other<br>Yellages are Bhinas, Kumbariys, | Alter, Florida Datel, Bartin, Chumpaneri, Diatel, Ranchal Khurd, Sohai Kalan, Sobai Tilarrabiping, Chavunda, Ekal Singha, Dhaui, Singhawul, Chiobundra, | l Abyrio.<br>Bachavrara, Doorio, Paranga, Chandema Rakkat, Goolo, Karanti. Sendre,<br>Burlo.  |
|----|---|-----------|--------------------------------|--------------------------|--|-----------------------------------|-------------------------------------|-----------------------------------|---|---|---|
| -T | Nambor of porson<br>e u joying mair<br>tenance. |           | ¥ ;                            | 18                       | 111  | :                                 | ٠                                   | 19                                | ::*   |   | .:  |
|    | Дотогитень готорио.                             | Rs. a. p. | 2,418 4 0                      | 2,418 4 0                | 2,318 10 0   | 1                                 | 2,319 10 0                          | 445 15 3                          | 7,717 7 11<br>630 0 0<br>455 8 0                                      | •   | 5,306 5 0<br>1,207 7 0  |
|    | Estimated<br>income.                            | Re.       | 8,000<br>1,500                 | 9,500                    | 29,000<br>2,500<br>1,000   | 1,000                             | 33,500                              | 2,000                             | 53,674<br>3,500<br>1,000  |   | 25,525<br>800<br>3,750  |
|    | Total ares in Estimated<br>acres. income.       |           | \$ 10,362                      | 10,362                   | 50,901<br>3,682<br>ineluded in   | 778                               | 55,361                              | 3,885                             | 79,674<br>6,502<br>2,714  |   | 34,845<br>1,858<br>5,883  |
| -  | Number of Vil                                   |           |                                | C2                       | 22<br>1  | -                                 | 8                                   | <u>  -</u>                        | 8   |   | 0 m m   |
|    | Name of Istumearder.                            |           | Thakoor Luchman Sing           | Total, Gorindghur family | Thakoor Jaswant Sing "Nathu Sing "Bhagwant Sing  | 3, Sheodan Sing .                 | Total, Kharwa family.               | Thakoor Jogi Dass                 | Raja Mangal Sing<br>Thakor Chandra Sing<br>,, Chiman Sing             | •   | Branjit Sing Jasynut Sing Brim Sing Jasynut |
|    | Tribo.  |           | Rabtero.<br>Ditto .            |                          | Diffe<br>Diffe<br>Diffe  | Ditto .                           |                                     | Ditto .                           | Diffo<br>Diffo  |   | Ditto<br>Ditto  |
|    | Namo of Estato.                                 |           | Govindghur .<br>Jaswartpoora . |                          | Kharwa<br>Nason<br>Bhawani Khera   | Deoghur                           |                                     | Mewaria .                         | Bhinne<br>Sarana<br>Sholinn   |   | Bandunwarra .<br>Aurghur<br>Jotayan .   |
| 1  | REEMON JAIRER                                   |           | 33                             |                          | ន  |                                   |                                     | 77                                | 8 8   |   | ส ∤ स   |

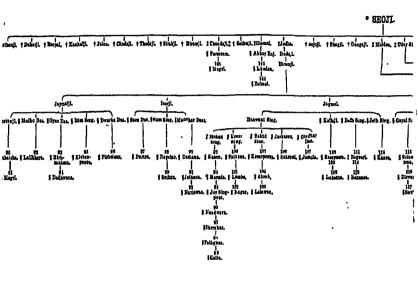
|  |                       |  |   |   |   |                                     |   | -  |
|--|-----------------------|--|---|---|---|-------------------------------------|---|--|
| The village of Mithana included in the<br>Tantoti celate is coparately assessed<br>at Es. 193-9.2. The other villages<br>are Tantoti and Sherghur. | •                     | Dovalia, Bagtai, Kheri, Laugatah,<br>Khyra.                  | Barli, Piproli, Jhabrakia, Jhana,<br>Hawalia, Ganahera, Nimbhera, Kan-<br>dhara, Sanodia, Dhigaria,<br>Deegaon, Baghera,<br>Nandsi, Gudha, Khurd. | Kybania, Godha.<br>The Village of Kadolai included in the<br>Kirch catate is separately assessed at<br>Ro. 298-13-0. The other villagos | nre Kiret and Nimbakera.<br>Jethpoora, Fs. 1,000, Jadana,<br>Rs. 479-7-3. |                                     | Massoda, Barol, Bari, Deopoore,<br>Lorari, Laditiane, Jalon, Hangantie, | rangint, Joseps, Jiwang-Tianwas,<br>Bagliawas, Sundawas, Kanpoora<br>Kusalpoora, Ukni, Balestra, Chundsiya,<br>Khempoora, Kirwal, Karrojpoora,<br>Molun, Kirab, Mohkanpoora, Kalarari, |
| 20427  | 46                    | en + 14 es   | :: <sub>0.0</sub> 242   | ~~~~~<br>∞~~41 :  | ;   | 83                                  | 9 H   | : <sup>2</sup> : :   |
| ದಿ ಇದ ಬ  | 6                     | 00000-0  | <b>a</b> bea we   | 7-00004   | 80  | 0                                   | 4800  | 0000   |
| ~~4E@  | ေ                     | 802020   |   | ~0~X00  | <b>~9</b>   | 9                                   | <b>∞</b> ⊣50  | 0000   |
| 1,424<br>1,429<br>483<br>2,897<br>420  | 21,342                | 380<br>680<br>1,257<br>1,365<br>25,65                        | 3,595<br>2,138<br>1,020<br>1,020  | 646<br>1,486<br>1,886<br>1,854<br>8554  | 1,479   | 27,952                              | 51<br>600<br>8,555<br>281   | 598<br>640<br>275<br>175   |
| 3,100<br>1,700<br>2,000<br>2,000   | 1,06,049              | 18,000<br>1,500<br>1,300<br>1,900<br>1,900                   | 4.0.4.4.0.1.6.<br>0.0.0.0.1.6.<br>0.0.0.0.1.6.  | 55,4,6,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4,4  | 4,000<br>2,000  | 96,561                              | 70,000<br>1,400<br>2,000<br>2,000                                       | 1,500  |
| 5,386<br>4,624<br>22,571<br>12,620<br>2,455  | 159,162               | 18,415<br>2,889<br>1,288<br>5,028<br>2,663                   | 22,23,4<br>22,401<br>3,139<br>6,058<br>22,538<br>6,79   | 8,84,7,86,6,8<br>9,86,9,86,8,8<br>8,86,7,8,8,8<br>8,8,7,8,8,8   | 6,332<br>3,613  | 111,919                             | 6,239<br>2,647<br>98,778<br>Included in                                 | 2,450<br>1,256<br>1,256<br>2,450<br>2,450  |
| нанон  | \$3                   | 200000   |   |   | 8-  | 8                                   | 727   |  |
| Karan Sing Chandra Sing Bloopal Sing Bhabut Sing Bhabut Sing Bhawani Sing  | Total, Bhinne family. | Thakoor Hari Sing Blum Sing Balwant Sing Mod Sing Zalim Sing | Madho Sing<br>Madho Sing<br>Savant Sing<br>Sheedan Sing<br>Hall Sing<br>Ram Sing<br>Ram Sing  | Hiey Sing Isti Sing Strant Sing Prate Sing Margal Sing Shee Sing  | Davi Sing   | Total, Dewalia family with Santola. | Thakoor Chatra Sing Bahn Sing Bahndoor Sing                             | 99 Balwant Sing. 20cmar Singh 19 Bhim Singh 19 Protab Sing   |
| 00002  |                       | 00000  |   | 000000  |   |                                     |   |  |
| Ditte  |                       |  |   |   | Ditto   |                                     |   | Pitte<br>Pitte<br>Pitte  |
| • • • • •  |                       |  |   | • • • • • •   | g·  |                                     | • • • •   | ••••   |
| 26 Padlan .<br>27 Jaola .<br>28 Kalyanposra<br>29 Tantoti .  | · ·                   | Dowalia<br>2 Arvar<br>3 Shokli<br>Shokla<br>Regionatigha     |   | Kichmeloon Salari. Kybonia Kirot. Kurthal   | Joshpoora Jadana<br>Santela   |                                     |   | Nandwara .<br>Shorghur .<br>Fathghur .<br>Kaila .  |
| <b>ଜାଜା</b> ଶ୍ରହ   |                       | 22222  | 52268 Se  | 44444   | <b>4</b>  | 20                                  | 22  |  |

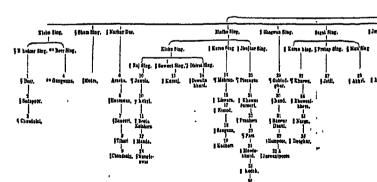
TStatement showing the area and revenue of the Ielumrar Belates of Ajmere-concluded.

| ·e-concluded.  | BARTNAG.  |   |   |                        |   | _   |
|--|---|---|---|------------------------|---|---|
| A) mei   | Mumber of persons<br>enjoying main-<br>tenance. | : 171 :   | : 4 <u>1</u> eest   | 8                      | 8213  | 8 :   |
| 6  |   | ,0000   | 0400  | -                      | 80  | ω «   |
| 255  | ппо,  |   | 0 6416<br>1140  | "                      | 90  | 2,132 15  |
| ar Bet   | Government<br>revenue.                          | Rs. a. 24. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25     | 715<br>1,597<br>413<br>422<br>1,082   | 12,021                 | 1,410   | 2,133 15, 2   |
| 364471   | Total area in Estimated<br>acres.               | 83.000 3,000 2,000                                    | 1,600<br>7,000<br>1,812<br>2,400<br>3,000   | 1,06,112               | 9,500   | 8,000   |
| ye 7   | Haga<br>in                                      | ·   |   | 7                      |   |   |
| 2 60 2   | ron in<br>36.                                   | dod in<br>boda<br>908<br>908<br>555<br>560            | 2000 in<br>2000 in<br>2000 in<br>2000 in<br>2000 in<br>2000 in  | 149,053                | 4,619   | 15,127  |
| nuene  | Total a   | Included in<br>Massoodna<br>1,564<br>6,258<br>2,560   | Included in Massocia. 11,212. 2,550 2,573 6,255   | 1.8                    | 24  | 2   |
| ושמ ב  | Number of Vil-                                  | e esse  | н начи  | 4                      |   | 62  |
| Diatement snowing the area and revenue of the Islumrar Belates of Afmere-concluded | Name of Istamrardes.                            |   | Jooha Rawnland others Thakor Sadul Sing Others Sal Dhirth Sing Uday Sing  | Totals Massoods Family | Thekoor Nahar Singh .<br>Thakoors Raghnath<br>Singh and Balwant-<br>Sing. | Total, Baghanri Family Phul Sing, Saman Sing, and others, |
| Diateme.   | Tribe.  | Rahlore. Ditto. Ditto. Ditto.                         | Ditto .<br>Rahtrio .<br>Ditto .<br>Ditto .  |                        | Ditto .   | Ditto .   |
| ~  | <u>ė</u> .                                      | . ,   |   | <del></del>            | • •   | •   |
|  | <b>函</b>  | 5   | • • • • •   |                        | • •   | •   |
|  | Name of Estate.                                 | Kesurpoora<br>Akrol<br>Lalawas<br>Jamola<br>Sheopoori | Asan<br>Sathans<br>Lomba<br>Nagar<br>Sakrani  |                        | Baghauri<br>Bobawa  | Karel.  |
| . {  | SERIAL NUMBER                                   | 71 40.144   | Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvino<br>Salvin |                        | in in   | 25  |

| Savaz<br>Anci<br>Padi<br>Ohni<br>Chiti  |                       |   |                       |  |                       |
|---|-----------------------|---|-----------------------|--|-----------------------|
|   | ;                     | 1 111   | ÷                     | : :::  | :                     |
| 0 0 0 00 0  | 0                     | 0 000   | ဗ                     | G 00000  | 11.0                  |
| e   | 8                     | a -155  | -                     | 6 6884 <b>6</b>  |                       |
| 7,415 8 Service. 213 0 Service. 176 0 Service. 85 0   | 7,477                 | 1,386<br>105<br>212<br>202  | 1,907                 | 1,050<br>1,050<br>1,05.176<br>1,507  | 1,14,734              |
| 32,000<br>1,600<br>1,100<br>1,100<br>800<br>600<br>800  | 45,010                | 2,600<br>1,200<br>500   | 5,100                 | 800<br>4,000<br>5,04,258<br>5,100<br>5,100   | 5,59,198              |
| 61,443<br>1,080<br>1,080<br>2,108<br>2,075<br>2,101<br>1,452<br>4,054   | 76,601                | 10,645<br>1,175<br>4,457<br>2,213   | 18,520                | 800<br>3.750<br>719.849<br>76,604<br>18,520  | 819,523               |
| 2000 B  | 53                    |   | -#                    | 1 H30244   | 240                   |
| Thakoor Natha Singh Kafan Sing Karan Sing Chatra Sing Chara Sing Mahanath Sing . Mohth Sing and others Baghadan, Prabhadan, and others. | Total, Sawar Family . | Shamaber Khan Dard Khan and others Coula Akha, and others Rupa and others others. | Total, Chankan Meenas | Chutturbujb'and others<br>Total, Gor Rajpoots<br>Total, Rahkores<br>Total, Chanhan Reous<br>Total, Chanhan | Grand Total, Istument |
| Secodia Ditto Besodia .   |                       | Charling.<br>Bird.<br>Difto.<br>Difto.  |                       | Charan .   |                       |
| m   |                       | • • • •   |                       | •  |                       |
|   |                       | • • • •   |                       | •  |                       |
| Sawar Dockherl Basaucdui, Chand The li Chunsle Tha kawas, Mohron Khurd Bhandawas  |                       | Rafaosi<br>Nansar<br>Ewsekri<br>Ajaysar   | •                     | Kotri  |                       |
| 69 29   |                       | 888 8   | <del></del>           | 9  |                       |

## **GENEALOGICAL**





DISTRICTS. TABLE. ng y Sar Sing, ton Sing, t Jacoust, f Ajit Bing, f Abary + Ran Sing | Brate Sing Sing † TelM og. | Kerbe Des | Chapvan Das, | Manghar Das, f Layunit. 5 Sede Riog. 1 de Kiebn fing

| Kairan Slag. § This anomaly had its origin in the time of Mr. Wilder, who commuted the amount payable in Srishahi Rupees to an equivalent sum in Farukhbad Rupees by allowing a reduction of 9 per cent., the difference between the value of the two coinages in 1818, and since that year the revenue of the estates has remained unchanged. The Thakors of 14 out of the 66 estates are known by the name of "Tazimi," or entitled to precedence. In order of precedence these are, the Raja of Bhinae, the Thakor of Sawar, the Thakor of Masooda, the Raja of Pisangun, the Thakor of Junia, the Thakor of Deolia, the Thakor of Khurwah, the Thakor of Bandanwara, the Thakor of Mehron, the Thakor of Para, the Thakor of Deogaon Baghera, the Thakor of Govindghur, the Thakor of Tontote, the Thakor of Barlee. The real heads of clans, however, as will afterwards be apparent, are only five in number:—The Raja of Pisangun, and the Thakor of Khurwah.

128. The Sunnuds on which the istumrar estates were held had been lost before the commencement of British rule; but the original estates were only 12 in number, and are Manoharpoor, Pisangun, Govindghur, Khurwah, Mewaria, Bhinae, Richmalian, Sethan, Massooda, Baghsuree, Karel, and Sawar. The villages held by the Chohan Meenas became istumrar only by an accident. These 12 estates were nearly all grants on service tenures for life by the Emperors, but became hereditary; and the origin of the remaining 54 talookas is to be sought for in the sub-divisions of the original estates of the operation of the law of inherit-Originally all brothers were considered to have a share in the parental inheritance, though the eldest son, called Patwee, was generally considered to be entitled to a larger share than his younger brothers. It was in the earlier times that most of the 54 talookas which my revenue direct had their origin. As the estates became smaller the system of giving grants of one village was introduced. These grants are called " gras " and the 27 sub-talookdars, who are Rajpoots, are holders under a "gras" tenure. It was evident, however, that if an estate was to be kept up at all there must be a limit to subdivision, and in the third stage of the history of inheritance the estate ceased to be further subdivided, and the provision for the younger sons was limited to the grant of a well and a few beeghas of land for life. This is the stage which has now been reached, and the custom of primogeniture obtains in all the talookas though some provision for younger brothers is considered imperative on the successor to the Pat or guddee.

129. The istumrardars have always claimed to be owners of the soil, and their claim has been recognized. Mr. Cavendish's enquiries extended to 296 villages, and in 158 villages the Thakoors disclaimed the right of ouster of cultivators from irrigated and improved land, when the means of irrigation or the improvement had been provided by the labour or expense of the cultivator. It was generally admitted that such land could not be mortgaged or sold, but the istumrardars allowed that the cultivators had the right of re-entry on their land on their return to the village within a reasonable time. In 161 villages there were hereditary cultivators whose rights were the same as those of the owners of wells. Unirrigated and unimproved land was universally admitted to be held on a tenure at will from the istumrardar. Mr. Cavendish recommended the

extension of the principle thus admitted by most of the Thakors as to the rights of owners of wells to the estates of those Thakors who had boldly claimed the right of ouster from all land. The principle that those who have expended capital on the improvement of the soil acquire thereby a right in it is perfectly in unison with the land system of the country, and if ever a further enquiry be made into the rights of individual cultivators and a record prepared, this principle must form the basis of adjudication on the subject.

130. Chohan.—Rajpouts are returned in the consus papers of 1872 at 13,931, of whom 314 belong to Mhairwarra. It is a curious fact illustrative of the great vicissitudes of early times, that though Ajmere was held for over a thousand years by Chohans, they are not now to be met with in the district except in one holding in the pergunnah of Sawar. They must be looked for in Haravati and in the desert of Nagor Parkhar whither they have been pushed by the Rahtores, who have occupied their place, as the ruling tribe and who, in numbers, wealth, and power, greatly prependerate over the other Rajpoot claus, who hold laud in the district. These are three in number: Gor, Sesodia, and Kachwaha; and it will be convenient to consider the Rajpoot claus in the order of their arrival in the province, for a definite period can be fixed for the arrival of each.

131. Gor .- In the time of Prithvi Raj Chehan, Raja Bachraj, and Raja Bawan, Gor Rajpoots from Bengal came to Ajmere on the customary pilgrimage to Dwarka. Prithvi Raj engaged the brothers in an expedition against Daya Sing of Nagor which was successful, and subsequently each of them married a daughter of Prithvi Raj. Raja Bawan settled at Kuchaman in Marwar, Raja Bachraj remained in Ajmere. In course of time Junia, Sarwar, Deolia, and the adjacent country fell into the hands of the Gor Rajpoots, and to the head of the clan Hunsyun gave a mansab of 7,000. In the time of Akbar, Raja Bithal Dass founded the town of Rajghur and called it after the name of his grandson, Raj Sing. The son of the latter took Srinuggur from the Powar Rajpoots who have now disappeared from the district. The Rajghur family was at this time by far the most powerful in the district; but they had reached the climax of their prosperity, and soon afterwards they were ejected from Rajghur, and all their territory by Kishn Sing Rahtore. After 25 years of dispossession, Gopal Sing recovered Rajghur, and the Gors were in possession of that town when the country fell into the hands of the Mahrattas. The Mahrattas in 1817 resumed Rajghur, and the twelve villages attached to it, as the Raja was unable to pay a contribution of Rupees 10,000 Fouj Khurch. On the establishment of British rule, these villages were returned on the condition of payment of nuzzerana, but as the nuzzerana was not or could not be haid, the whole was resumed with the exception of one small village Kotaj and until the present year remained khalsa. In March 1874 the sown of Rajghur was presented in jaghire to Raja Davi Sing, the representative of this ancient but fallen house, and the graceful generosity of Government has been thoroughly appreciated by all classes of the community. The Gor Rajpoots now hold land in 14 villages, but only one Istumrar Estate, that of Manoharpoor, belongs to a Gor Rajpoot. The descendants of Raja Bithal Dass are Jaghiredars of Rajghur and

Kotaj and Bhoomias in Daunta and Jatia. The descendants of Balram, a younger brother of Bithal Dass, are the istumrardars of Manoharpoor, and the Bhoomias of Sanod, Nanla, Nearan, Lavers, Dudians, and Jharwasa. Four generations ago the Thakor of Junia seized on the Manoharpoor Estate, in the same manner as other Rahtores seized in the Gor possessions in the pergunnah of Kekree. The dispossessed Thakor, however, found aid from the Raja of Kishenghur who caused him to be restored to his estate. The village of Nearan was originally held on Talookdaree tenure, but it was not accepted as an istumrar estate on the establishment of British rule. The descendants of Raja Bawan are jaghiredars of the village of Arjunpoora jaghire, are owners and Bhoomias in Arjunpoora khalsa, and hold bhoom in Tabijee which like Nearan was originally held on talookdaree tenure.

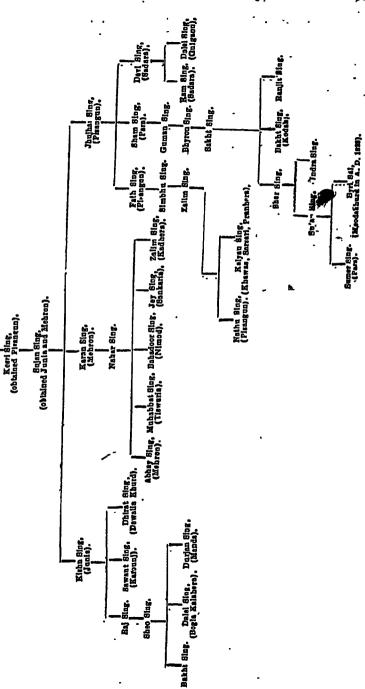
132. Rahtore.—The accompanying genealogical tree is an abridgment of the genealogical tree of the Rahtores of Ajmere, and shows the descent of each of the holders of each bhoom and istumrar tenure, will be observed that they all claim descent from Seojee, the founder of the Marwar monarchy; and five Kings of Marwar are the progenitors of all the Rahtores of Ajmere. Of these five, however, two, Rinmal and Chandaji, are comparatively unimportant, as their descendants only have three bhoom holdings. The three great ancestors of the Aimere Rahtores are, Ooday Sing, called Mota Raja, the son of Maldeo and the friend of Akbar, to whom his sister Jodha Bai was married, Chandra Sen, the fourth son of Maldeo, who wasthe favourite son of his father, and who for many years, resisted Akbar and steadily refused to acknowledge the supremacy of the Empire, and Dudajes, the son of Jodha, who founded Jodhpoor, and transferred to it the seat of Government from Mandor. The history of Marwar may be read in Colonel Tod's Annals of Rajasthan and it is unnecessary to repeat it here. I propose therefore to begin with the descendants of 'Uday Sing and to explain as briefly as possible how each of the present families obtained possession of their estates; thence to pass to those of Chandra Sen; thence to those of Dudaji; and finally to conclude with the descendants of Rinmal and Chandeji, respectively, 10th and 12th in descent from Seojee. The numbers above the name of each estate refer to the number of the family in the detailed genealogical tree of the Rahtores.

133. Kishenghur Bhoom.—The first estate is a bhoom holding belonging to the Maharaja of Kishenghur. It is in the jaghire village of Bir, and was given by the Khadims of the Durgah for the protection of the village at the time when Bahadoor Sing of Kishenghur held a farm of Ajmere from the Maharatas. The bhoom consists of 153 acres and the Maharaja keeps some men in the village for watch and ward. The bhoom holdings in Sadapoor and Chandolai are held, the former by Himmat Sing, a relation of the Maharaja of Kishenghur, and the latter by the Thakoor of Fathghur, the recently insubordinate dependant of that State. In these three bhooms the custom of primogeniture prevails:

4. Gangwana Jaghire.—Raj Sing, fourth in descent from Uday Marwar, had five sons, three of whom inherited. Beer Sing got Karkeri-equal to Rupees 60,000, and Sawant Sing and Sing divided the rest of the property equally. Sawant Sing abode at Rupnagar, Bahadoor Sing, the ancestor of the present

Maharaja of Kishenghur, at Kishenghur. The son of Sawant Sing, Sirder Sing, died childless, but he enjoined that Ameer Sing, son of Beer Sing, should succeed him. On the death of Sirdar Sing, however, Bahadoor Sing refused to recognize the adoption of Ameer Sing and himself seized upon Rupnagar, which has since remained a portion of the Kishenghur territory. With the help of the Maharaja of Jodhpoor, however. Beer Sing and Ameer Sing, for a short time, obtained possession, but Bahadoor Sing applied to Holkar, and by the bribe it is stated of a lakh of Rupees, procured the expulsion of Ameer Sing from Rupnagar and of Beer Sing from all his property, with the exception of Ralacta to which he had succeeded on the mother's side. Beer Sing joined the Marhatias and distinguished himself in the battle of Panipat, where he was killed. In recognition of their father's worth. Madoji Sindia gave six villages in jaghire to Ameer Sing and Suraj Sing, vic., Sarana, Magri, Ararka, Gangwana, Untra, Magra. By a subsequent arrangement Ameer Sing obtained the first three: Suraj Sing obtained Gangwana, Untra, and Magra, Ameer Sing took service in Jeypoor, and Sindia confiscated his villages, which have since been khalsa. Suraj Sing had three sons, to the eldest Jaswant Sing he gave Ralaota, and the descendants of the two younger sons, Arjan Sing and Sher Sing, are now jaghiredars of Gangwana, Untra, and Magra.

135. Pisangun, Junia, and Mehron.—Kesree Sing, the son of Madho Sing, the fifth son of Uday Sing of Marwar, came to seek his fortune in Ajmere, and by the favour of the Emperor Shah Jehan, ejected the Puar Rajpoots from Pisangun and obtained a grant of the fief. His son, Sujan Sing, further extended the property by taking Junia, from the Gor Rajpoots and Moren from the Sesodians. On his death the property was divided among his three sons. The youngest son obtained Pisangun, because, as is stated, he had avenged the death of his uncle Bhim Sing, on Gudar Khan of Shamghur. The eldest son obtained Junia, and the second son obtained Mehron. The subsequent divisions in each estate will be best understood by the following Genealogical Table:—



MADEO BING.

136. The town of Junia is an old one, the fort was built by the Gor Rajpoots. The Thakor of Junia is hereditary Bhoomia of the town of Kekree where he holds 1,500 acres and keeps up an establishment of watchmen. The Thakor of Manda pays revenue to him, and the village of Lasaria has been granted in Jaghire to the Charans who pay a fixed quit-rent and the village is not resumable. Mr. Cavendish has recorded that land held on "milk" tenure, can be sold, if not given to temples or for religious purposes. The istumrardar admitted that the holders of irrigated land could not be ousted as long as they paid their revenue and regained possession whenever they returned to the village. There are hereditary cultivators in all villages. The Talookdar claimed the right to increase the grain rents up to one-half the produce, but admitted that he had no right to increase the "Zabti" or money rates.

137. Four estates were divided off from Mehron in "gras" tenure in the second generation. In the year 1811 A.D. Thakoor Lal Sing of Kadhera, who complained that his "gras" was too small, made a night attack upon the fort of Mehron. Jagat Sing, the Thakoor of Mehron, he treacherously murdered after having promised him safety, and caused his son, Bharat Sing, to be hurled from the battlements. He then made himself master of Mehron, but was forced to give it up and to return to Kadhera by the Sesodia Raja of Shahpoora who marched against him. The widow of Bharat Sing was placed in possession of the estate and remained in possession till 1842. She adopted Jowahir Sing, but on the death of the latter without heirs, his consin, Kalu Sing, succeeded in 1867. The village of Kadolai was originally a portion of Mehron, and was given on a service tenure to Gaj Sing, Thakoor of Kirot, on condition that he should do service with two horses and two footmen, and should pay nuzzerana. The Thakoor of Kirot, however, gradually ceased to do service till on the murder of Jagat Sing the village was merged in the Kirot Estate.

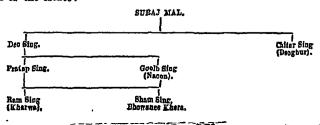
138. The Pisangun estate, which fell to the share of Jhujhar Sing, included Pisangun, Khawas, Sarsari, Pranhera, Para, Meoda Khurd, Kodah, Sadara, and Gulgaon. In the year 1785 A.D. a large balance of revenue was due from Kalyan Sing of Pranhera, and Pranhera and Sarsari were attached and made over to Nathu Sing, who held for six years till Kalyan Sing paid the arrear. Nathu Sing had two brothers, Sadul Sing and Bagh Sing, by another mother, to whom he and his successor, Man Sing, refused to give any "gras," but eventually Kalyan Sing gave them Sarsari and agreed to pay Rupees 300 of the Government revenue, About this time there was a conspiracy of the Pisangun Thakoors, and they imprisoned the Mahratta Subadar in Kalvan Sing's fort. For this a fine of Rupees 18,000 was exacted, and the greater part of the fine was paid by a mortgage of Khawas to Bagh Sing. Bagh Sing had no heirs and was succeeded by his brother, Sadul Sing, and Khawas Sarsari has since been a separate estate. The Thakoor of Para sits in the front row at Durbars, and the Thakoors of Kodah and Meoda Khurd sit behind him. The estate of Meoda Khurd is the last example in the district of a village having been given in "gras," and its separation from Para dates from the year 1823. Sham Sing added the villages of Ekal Singha and Chaparean to his inherited property, and his son, Guman Sing, acquired Naulakha from the Manawat Rajpoots. The heirs of Runjeet Sing and Indra Sing obtained

no "gras" and are cultivators in Para. Devi Sing, the third son of Jhujhar Sing, obtained Sadara and Gulgaon. He had four sons, the eldest obtained Sadara, and Dalel Sing, the second son, got possession of the whole of Gulgaon and only gave his younger brothers maintenance. The present Thakoor, Arjun Sing, takes Rupee I per beegah in Chahi land, and quarter share of the produce in other land from these who hold land for maintenance.

The Thakoor of Pisangun has obtained the title of Raja from the Maharaja of Jodhpoor, but the title is not recognized in Durbar. There are no jaghire estates in Pisangun, and Mr. Cavendish has recorded that the Raja claims the sole proprietary right in all villages and the right of ouster from all kinds of land. The people denied the right as regards improved land.

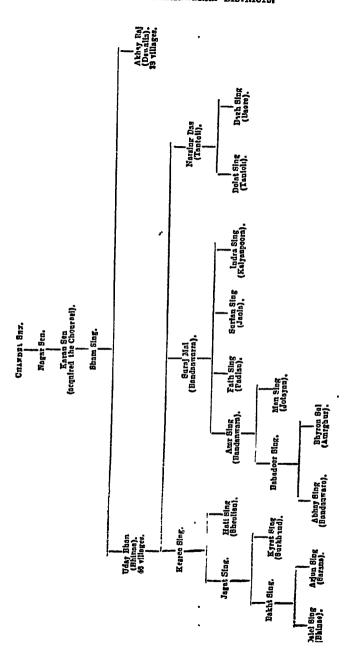
139. Govindghur .- The Thakoor of Govindghur is a descendant of Gavind Dass, a grandson of Mota Raja, who founded the fort at Govindghur. The estate is a small one, consisting only of one Asii and three Dakhilee villages. One Dakhilee village, Jaswantpoora, bas been given in "gras," and the Thakoor of Govindghur gives maintenance to 14 persons. The family is a large one, and the estate was small, and the younger members of the family became Bhoomias. When Abhay Sing, who had been appointed Vicerov of Ajmere and Guzerat, fought with Sarbuland Khan in Guzerat, Hunmat Sing, a great-grandson of Govind Dass. joined the expedition with his three sons, one of whom, Dalel Sing, was killed in battle. Abhay Sing on his return gave a bhoom holding of 1,331 acres in Nand to Himmat Sing and his surviving sons; and on the death of Himmat Sing the property was divided by ancestral shares. At present there are eleven sharers. The village of Ramner Dhani was given in jughire to Bheem Sing, a grandson of Govind Dass, by Shah Jehan. The revenue-free tenure was resumed by Aurungzeb, and the village given on a quit-rent of Rupees 1,500. This tenure the Mahrattas resumed, but left 2,000 bergahs as bhoom. In this holding the right of primogeniture is recognized, and the present head of the family, Bijay Sing, gives maintenance to 22 persons. The bloom holding in Rampoora was obtained by Askaran, also a grandson of Govind Sheodan Sing, Goolah Sing, and three widows are at present in possession.

140. Kharwa.—The pergunnah of Kharwa was khalsa in the time of Akbar, and the tradition is that Sakht Sing, a son of Mota Raja, saved Akhar from drowning and thus obtained the jaghire. For seven generations the estate was undivided, but in the 5th generation the estate of Deoghur was separated, and there are now three sub-talookas paying revenue to Kharwa. The following Table will explain the divisions of the estate:—



One village is held on istumrar tenure by Charans and is not resumable. They pay yearly Rupees 65. The pergunnah of Kharwa was formerly much exposed to the depredations of the Mhairs, and 19 of the 37 villages of which it nominally consisted were made over to Captain Hall when the district of Mhairwarra was established. The present Thakoor, the son of Ram Sing, is one of the most prosperous in the district. There are two bhoom holdings, those of Jatlee and Akhree belonging to this family.

- 141. Mewaria.—The Thakor of Mewaria is a descendant of the youngest son of Mota Raja. Ram Sing, the great-grandson of Jeth Sing, is said to have founded this village in the waste. The estate descends to the eldest son, but the Thakor has 19 relations, who hold land and are considered Bhoomias, the land which had originally been given for maintenance being considered bhoom.
- 142. Chourasi of Bhinae.—We now come to the second great division of the Rahtores, those descended from Chandra Sen, the brother of Mota Raja, and the fourth son of Maldeo. Karan Sen, the grandson of Chandra Sen, so the story runs, came to Ajmere, and having intoxicated the Bheels, who then held the pergunnah of Bhinae, he slew their Chief, Madla, and received in jaghire from Akbar the pergunnah of Bhinae with seven other pergunnahs, but what these other seven pergunnahs were is not known. Bhinae was considered a Chourasi or estate of 84 villages. Sham Sing, the son of Karan Sing, had two sons, and the estate was divided between them, the eldest son taking Bhinae and 46 villages, the younger taking Dewalia with 38 villages. It would thus appear that the rule which in division of a property allows the eldest son a larger share than his brother was observed. The following table will make clear the subsequent division of the Bhinae Estate. The divisions of the Dewalia Estate will be afterwards explained.

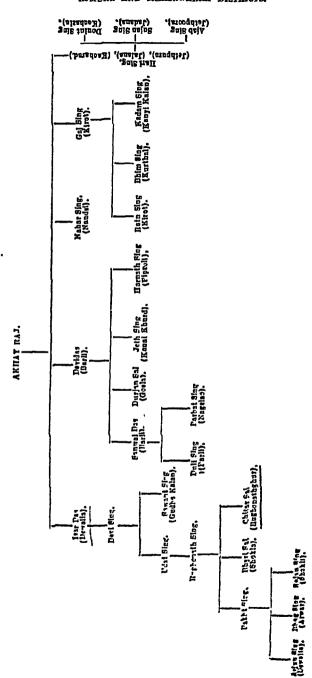


148. Bhinac.—The Raja of Bhinae has precedence before all the other Thakoors in the district. His income was estimated by Mr. Cavendish at Rupees 35,000, and is now over Rupees 50,000. Besides the estate of Bhinae and the village of Piplia he holds and pays revenue for the villages of Surkhand and Kacharia, estates which in the year 1836 were resumed owing to the inability of the Thakoors to discharge the Government revenue, and which were made over to the head of the clan. Mr. Cavendish has recorded that though the Raja claims the proprietary right in the soil, yet he cannot oust the cultivators of Chahi, Talabi, and manured land, and whenever these return to their villages they regain possession of these kinds of land. The Thakour of Sarana pays revenue to the Raja of Bhinae, and is the Bhoomia of the jughire village of Kesurpoora adjoining his estate. By an old arrangement he takes onefourth of the revenue of the village from the Jaghiredar, Nawab Abdool Karim Khan. Thakoor Chiman Sing of Sholian is the owner of an estate which formerly paid a revenue of Rupees 815, though the present assets of the Thakour are estimated only at Rupees 1,000. In the time of Mr. Cavendish, the Thakoor having failed to obtain relief at either Aimere or Calcutta, resigned his talooka. The estate was farmed for three years at the amount of the fixed revenue, but the farmer was unable to discharge his obligations and ran away. The Thakoor again tried but was unsuccessful. Finally in 1836 the revenue was reduced to Rupees 622-8-0 and on the abolition of Fonj khurch to Rupees 455-8-0.

144: Bandanwara.—Suraj Mal, the ancestor of the Thakoor of Bandanwara, was dissatisfied with the amount of his "gras" and went to Delhi to complain. Here he was favourably received; he obtained a mansab of Rupees 1,000, and orders were issued to give him the towns of Ramsar and Srinuggur in jughire. When Ajit Sing of Marwar obtained Ajmere, the Thakoor failed to present himself, and the Maharaja resumed Srinuggur and Ramsar and demolished the fort. The present Thakoor, Runjit Sing, has no immediate relations, and was himself adopted from the Kalyanpoora family. The revenue of Bandanwara includes that of Amrghur, the remaining subdivisions of Bandanwara pay revenue direct to Government.

Narsing Dass, the ancestor of the istumrardar of Tantoti, was an adopted son of Uday Bhan, to whom Kesri Sing and Suraj Mal were afterwards born. Narsing Das obtained Tantoti, Sherghur, and Baori; and on his death Baori fell to the share of his second son. The Thakoor of Tantoti has a masonry fort in Sherghur.

145. Devalia.—The second son of Sham Sing, Akhay Raj obtained by division 38 villages of the Chourasi of Bhinae, and founded the Dewalia family, which has spread into a number of branches, as may be most easily seen by the following genealogical arrangement:—



three villages, Jethpoora, Jadana, and Kacharia, and they were divided among his three sons. The eldest, Ajab Sing, died without beirs, and the Thakoor of Jadana succeeded to and holds both Jethpoora and Jadana. The village of Kacharia was with Surkband made over to the Rain of Bhinae on account of arrears of revenue, and the descendants of Doulat Sing, as well as those of the Thakoor of Surkhaud, are now cultivators in their respective villages.

- 149. The estate of Santolah was separated from Bhine by Karan Sen and given to Girdhar Sing, his brother. This estate is mortgaged for Rupees 5,000 to the Maharaja of Kishenghur, who is still in possession. The Thakoor Mod Sing has a seat in Durbar behind the Raja of Bhinae. The bhoom holdings of Dabrela, Dhigaria, Sampeda, and Rignot descend by ancestral shares and are held by the descendants of the younger sons of Karan Sen.
- 150. The third great division of the Ajmere Rahtores are the descendants of Dudaji, the son of Jodha, Raja of Marwar; and among them the principal is the Thakor of Massooda. Dudaji had five grandsons. The descendants of the eldest, Jaymalji, are the Thakor of lichmalian and the Bhoomias of six villages. The second son, Isaji, is the progenitor of the Thakor of Settran and of five families of Bhoomias. The third son, Jagmal, is the ancestor of the Massooda house and its branches and of four families of Bhoomias: the descendants of the fourth son, Chandaji, are the istumrardars of Karel, and 32 families of Bhoomias. Har Singji, the youngest, is the progenitor of four families of Bhoomias.
- 151. Richma'ian and Sethran.—It is not known how Gyan Dass obtained possession of Richmalian, probably in the same way as Sur Sing became talookdar of Sethran by founding a village in the waste. The younger branches of the Richmalian family hold four wells in that estate on bhoom tenure and are called Bhoomias.
- 152. Massooda.—The pergunnah of Massooda is said to have derived its name from Masud Ghazi, a son of Salar Sahu, who in the time of Sultan Mahomed founded a town and called it after the name of his son. This account is not verified in any of the historical authorities. The pergunnah was given in jaghire tenure by Akbar to Hanwant Sing and his brothers, who expelled the Powar Rajpoots, who had attacked the imperial thanna. On the return of

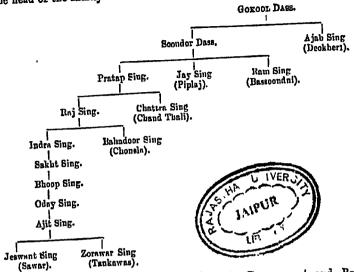
Baghanri. Hauwant Sing after obtaining the grant from Akbar he saw a tiger and a pig fighting at the place now called Baghauri. The augurers said that a fort built on this spot would be invincible, and Ladh Sing, the younger brother of Hanwant Sing, built a fort which became a separate estate. Man Sing and Sheodan Sing, the sons of Ladh Sing, obtained Bobania in "gras" and the Thakoors Raghunath Sing and Balwant Sing have seats in Durbar behind the Thakoor of Baghauri. The three younger sons of Ladh Sing, Bhoop Sing, Guman Sing, and Chand Sing obtained no gras, but hold land for maintenance in Baneoria, and their descendants pay each Rupees 30 yearly to the Baghauri Thakoor.

163. The Massooda estate was not divided till the death of Ajab Sing, the great-grandson of Hanwant Sing. The divisions which have taken place will be best understood by the following table:—

The estates of Sathana, Lamba, Nagar, and Sakrani pay revenue direct to Government, the remaining Thakoors pay revenue to the Massooda estate. The estate of Massooda is the largest and richest in the district. Mr. Cavendish has recorded that four villages have been granted to Charans and Jogis, of these three pay a fixed quit rent, and one is not charged with any tax. Lachman Rawal of Skeopoori and Jodha Rawal of Asan appear in Durbar.

- 154. Karel.—The estate of Karel stands alone among the Rajpoot istumrar estates; as in it the property descends by ancestral shares and not by the custom of primogeniture. Kishen Sing, the younger son of Choudaji, expelled the Karel Mhairs and possessed himself of the village. The canoongoes in the time of Mr. Cavendish stated that the village was Khalsa, but it had paid a fixed revenue under the Emperors and was included in the istumrar. The revenue, Rupees 2,132-15-2, is assessed on 51 wells, thought now there are many more in the village. The two chief men of Karel are Saman Sing and Phul Sing, who also are Bhoomias of Kanas and Naidla, and these two attend Durbars. Recently a petition has been given by several of the Karel istumrardars to have the village measured, and when this has been done, it will be possible to determine the rights of the very numerous descendants of Kishen Sing. The younger sons of Kishen Sing became Bhoomias in the Pooshkur pergunnah.
- 155. Descendants of Rimnal and Choudaji.—The descendants of Akhay Raj, the son of Rimnal, are Bhoomias in Khodan and Bobani, and the descendants of Parasram, younger son of Caoudaji, are Bhoomias in Mogri.
- 156. Sesodia.—The pergunnah of Sawar at the south-eastern extremity of the Ajmere District is held on istumrar tenure by Sesodia Rajpoots, and the estate is a portion of a grant made by Jehangir to Gokool Dass, who is said to have received 84 wounds in the service of the Emperor at Benares. The pergunnah of Phoolia was originally part of the Khalsa of Ajmere, and was given in jaghire by Shah Jehan to the Raja of Shahpoora, a scion of the Royal House of Meywar. For many years the Superintendents of Ajmere exercised an interference in the affairs of this pergunnah, but in 1847 it was permanently assessed at Rupees 10,000, and the Raja of Shahpoora is no longer reckoned among the istumrardars of Ajmere. He is considered a tributary Prince, and is independent in his territory. There is a family of Sesodias who are Bhoomias in Nepoli. Besides these there are no other Sesodias in the district.
- 157. Sawar.—The estate of Sawar is the only one in the district in which the orders of Government, under date the 18th May 1830, in which it was decided that the revenue paid by the Talookdus should be increased to one-half the assets of the estate, have been carried out. On the death of Thakoor Jeswant Sing, on the 13th April 1856, Madho Sing succeeded by adoption, and, with the sauction of Government, Colonel Dixon enhances the revenue from Rupees 2,012-12-0 to Rupees 8,000 exclusive of cesses. Major Lloyd, on the 20th February 1860, reported the arrangements he had made for the distribution of

the increased sum among the sub-talookdars whose relationship with the head of the family will be best understood by a genealogical tree—



Of these estates Piplaj pays revenue direct to Government, and Bassoondni and Chonsla pay revenue to the Thakor of Sawar. The other estates pay no revenue, but are held on a service tenure. Besides these estates the villages of Mehron, Khurd, and Bhaodawas with Rajpoora are held by Charans and pay rovenue to Sawar. The revenue of all is fixed except that of Piplaj which will pay Rapees 1,202-10-0, instead of Rupees 262 on the death of the present incumbent. The village of Chattapoora is held by Amra Chohan, who does service with four horsemen and four foot-soldiers.

158. Chokan Meenas.—The villages of Rajaosi, Nansar, Karekri, and Ajaysar are held on istumrar tenure by communities of Chitas. The villages are all close to the city of Ajmere and were granted to communities of Mhairs on condition of protecting the town. The canoongoes stated in Mr. Cavendish's time that they were khalsa villages, but unlike the rest of the khalsa, they paid a regular money revenue and have been included in the instumrar area. The canoongoes stated that Rajaosi was originally held in jaghire by the Gor Raja of Rajghur, but it was resumed by the Maharaja of Jodhpoor and farmed to the ancestors of the present Mhairs. Shimsaer Khan of Rajaosi is the bead of the Chita clan in Ajmere.

by a Charan.—One village, Kotri in the Bhinae Pergunnah, is held by a Charan and pays revenue direct to Government. The possession of the Charan dates from Karan Sen, the founder of the Bhinae estate. In Massonda, Junia, Sawar, and Kharwa there are villages held by Charans on a precisely similar tenure, but this is the only one which pays revenue direct.

160. Kachwaha.—The Kachwaha Rajpoots, like the Sesodias, are to be found in the villages adjoining their respective States of Jeypoor

and Oodeypoor and hold bhoom in five villages of Ajmere. They are settled principally in the villages of Harmara and Tillornia in the extreme north of the district. The most noteworthy family, that of Thakoor Harnath Sing of Harmara has had a chequered enser. The ancestor of this family, Harnath Sing, received a jaghire of six villages from Aurungzeb, but the estate was partially resumed by the Rahtores and wholly by the Mahrattas, and the present representative of the family, Thakoor Harnath Sing, who alone of all the bhoomias in the district is entitled to the appellation of Thakoor, holds now some 800 acres of bhoom in Harmara and Tillornia.

161. Nawab Abdool Karim Khan is the largest jagbiredar in the district. He is a descendant of Tahawir Khan, who accompanied Aurungzeb on his expedition to Ajmere against Dara, and whom Aurungzeb, suspecting treachery on his part, caused to be put to death at Doomara, where is his tomb. Farokhsir made a grant of 5½ villages to Sher-ud-din Khan, the son of Tahawir Khan, and the property has since lineally descended. The printed Report of the Committee on Jaghire Estates, dated 16th May 1874, contains all that is known regarding this and the other jaghire estates, and it is unnecessary to recapitulate it here.

## CHAPTER VII.

### History of the Land Revenue Administration.

162. The khalsa villages of Ajmere have been practically identical since the cession of the district in 1818 to the present time. The only change of importance has been the addition of five villages in accordance with a Treaty with Sindia in 1860. The khalsa villages of Mhairwarra have been identical large the conquest and cession in 1823. The temporary arrangement the lear which seven Marwar villages were, for a few years, placed under "fitish management will not vitiate a comparison of different periods. The administration of the istumrar estates of Ajmere has been confthe to collecting from them a fixed assessment; the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the Thakoors and Journal of the istumrar estates of the chief all of Ajmere proper for each year from 1818, and the prices of the chief grains grown in the district are also given for each year.

Statement of demand and collections in the khalsa villages of Ajmere from 1817-18 to 1873-74.

|              | Serre per euper. |          |          |          |                                  |                       |   |  |  |  |
|--------------|------------------|----------|----------|----------|----------------------------------|-----------------------|---|--|--|--|
| Year,        | Theat.           | Barley.  | Maire,   | Motb.    | Demand.                          | Collection.           | Renaus,   |  |  |  |
|              |                  |          | Ì        |          | Rs.                              | Re.                   |   |  |  |  |
| 1818         | 14               | 22       | 22       | 18       | 1,28,976                         | 1,15,000              | Collected by the Mahrattas.   |  |  |  |
| 1819<br>1820 | 15<br>15         | 28<br>21 | 27<br>24 | 24<br>21 | 1,79,457                         | 1,69,740              | Mr. Wilder's direct collections at half producs.<br>Mr. Wilder's three years' progressive settlement.                           |  |  |  |
| 1821<br>1822 | 16<br>21         | 22<br>30 | 28<br>36 | 23<br>20 | 1,61,700                         | 1,04,700              | )<br>} Mr. Wilder's five years' settlement.   |  |  |  |
| 1823<br>1824 | 21<br>20         | 38<br>35 | 45<br>35 | 36<br>30 | 1.61,700                         | 1,62,670<br>1,69,270  | )   |  |  |  |
| 1825<br>1826 | 17               | 21<br>29 | 21<br>29 | 21<br>29 | 1,61,700                         | 31,920*<br>1,37,630   | Revenue collected kham at balf produce.<br>Collected at half produce by Mr. Middleton.  |  |  |  |
| 1827<br>1828 | 25<br>27         | 42<br>82 | 49       | 36<br>37 | 1,41,073                         | 1,41,071              | ]   |  |  |  |
| 1820<br>1830 | 25<br>24         | 45<br>89 | 51<br>44 | 42<br>89 | 1,44,071                         | 1,28,846<br>1,24,936  | Mr. Middleton's five years' settlement conti-   |  |  |  |
| 1831         | 20<br>82         | 38<br>66 | 86       | 40       | 1,44,072                         | 1.23,350              | nued for two years.   |  |  |  |
| 1832<br>1833 | 25               | 3B       | 86<br>35 | 47<br>27 | 1,41,072                         | 1,24,613<br>1,24,029  | No. 74 constants over one collections   |  |  |  |
| 1834<br>1635 | 12<br>17         | 19<br>29 | 19<br>83 | 14<br>80 | 1,10,301                         | 80,813*<br>1,18,792   | Mr. Edmontone's summery collections,  |  |  |  |
| 1838         | 22<br>23         | 33<br>29 | 83<br>83 | 30<br>28 | 1,29,872                         | 1,27,613              | Mr. Edmonstone's ten years' settlement, but   |  |  |  |
| 1838         | 18<br>17         | 24<br>23 | 23<br>24 | 10<br>21 |                                  | 1 05,872              | after the tirst year half the villages gave up their leases, and the revenue was collected                                      |  |  |  |
| 1840<br>1841 | 11               | 20<br>25 | 23       | 20       | :::                              | 07,216<br>72,017      | direct at half produce.   |  |  |  |
| 1842<br>1849 | 193<br>20        | 26<br>28 | 30<br>28 | 22<br>24 | :::                              | 1,22,996<br>1,05,837  | Colonel Dixon's collections partly on Mr. Ed-<br>monstone's settlement, but chiefly direct at                                   |  |  |  |
| 1844<br>1845 | 181              | 23<br>28 | 28<br>28 | 2!<br>24 |                                  | 1,25,707<br>1,57,787  | two-thirds the produce.   |  |  |  |
| 1848<br>1847 | 19               | 28<br>26 | 80       | 28<br>29 | -                                | 1,49,907<br>1,45,605  | Culonel Dixon's diamt collections at two-thirds   |  |  |  |
| 1848<br>1849 | 14<br>14         | 19       | 25<br>23 | 16<br>10 |                                  | 1,67,237              | of the produce.   |  |  |  |
| 3880<br>1861 | 18               | 22<br>29 | 29       | 23<br>22 | 1,71,210                         | 1,60,100              | h _   |  |  |  |
| 1063         | 22               | 23       | 84       | 27<br>20 | 1,71,762<br>1,73,622             | 1,64,636<br>1,71,917  | ibc   |  |  |  |
| 1863<br>1864 | 36<br>27         | 33<br>30 | 33<br>81 | 24       | 1,73,559                         | 1,73,888              | 'ers  |  |  |  |
| 1885<br>1886 | 24               | 35<br>38 | 85<br>39 | 80<br>38 | 1,75,019                         | 1,78,010              | 11  |  |  |  |
| 1857<br>1858 | 20               | 89<br>42 | 26<br>36 | 87<br>86 | 1,75,240                         | 1,70,381              |   |  |  |  |
| 185+<br>1860 | 21<br>18         | 28       | 33<br>25 | 26<br>25 | 1,73,797                         | 1,71,739              | Colonel Dixo.mpi years' regular settlement.   |  |  |  |
| 1801<br>1862 | 17               | 21       | 21 20    | 27<br>16 | 1,73,380                         | 1,61,250              | Golonel Dixo. mul. years' regular settlement, exclusive of retronsfor Road Fund Rupess 1,763, and Ild. Fund Rupess 5,125, which |  |  |  |
| 1963<br>1864 | 14               | 20       | 17       | 19       | 1,72,834<br>1,72,844             | 1,72,831              | were collecte h year, the deficiencies being shown ag It land revenue proper.   |  |  |  |
| 1866<br>1866 | 11               | 10       | 18       | 13       | 1,72,863<br>1,73,347             | 1,72,853              | 4   |  |  |  |
| 1887<br>1688 | 18               | 20<br>18 | 18       | 16<br>18 | 2,11,543<br>1,60,765             | 2,10,335<br>1,60,591  |   |  |  |  |
| 1889<br>1870 | 6                | 8        | 15       | 12       | 1.81 Rt4                         | 1 02 028              | eredited to the Personal Ladger for six years   |  |  |  |
| 1871<br>1872 | 13               | 21       | 20       | 10       | 2,02,978<br>2,17,644<br>1,89,436 | 1,82,4#5<br>2,13,150‡ | Rupees 42,406 remitted.   |  |  |  |
| 1873<br>1874 | 15               | 25<br>23 | 28       | 21       | 1,81,505                         | 1,80,023              | 1,909 a ed the arrears paid   |  |  |  |
| 1876         | 13               | 17       | 16       | 17       | 1,80,318                         |                       | † Present assessment not, with cesses Rupess  |  |  |  |
|              | <u> </u>         | <u> </u> | <u> </u> |          |                                  | 1                     | 1,66,302.   |  |  |  |

<sup>163.</sup> Administration of Mr. Wilder.—Mr. Wilder, Assistant to the Resident at Delhi, was the first Superintendent appointed to Ajmere. He received charge from Sindia's officers on the 26th July 1818 and "found the city almost deserted and the people, though peaceable and industrious, sadly thinned by oppression." On the 27th September he reported on the newly-acquired province. Neither Tantia nor Bapoo Sindia had ever collected more than Rupees 3,76,740 from the district,

and of this sum Rupees \$1,000 was the amount at which the had been farmed, the remainder was land revenue \* Of the land ... amounting to Rupecs 8,45,740, the assessment of the istumar . Rupecs 2,16,762, that of the khalsa Rupees 1,28,978. The system. Mahratta administration was practically to exact all that could be mil but about nive years before the cession a kind of settlement had be concluded in the istumrar and khalsa in accordance with which it has been arranged that instead of the recent arbitrary enhancements of it. istumrar revenue, all future augmentations should take the form of tax or levies, and the land revenue of the khalsa was shown as a fixed == called "acn" Rupees 87,689, while the remainder was to be collected in the shape of a number of extra cesses. The object of this arrangement was two-fold. The istumrardars were anxious that the arbitrary -tions should not be consolidated with the original revenue, lest on change of rulers it might be difficult to procure their remission, and the Governor of Ajmere only sent to Gwalior the land revenue proper, " appropriated to himself the extra collections. The khalsa villages farmed for the amount of the "aen" and the extra cesses were ... under 44 heads. Of these a tax called "nandrak" equal to 2 per over and above the nen" was the perquisite of Sindia's wire, a similar tax was denominated, "Bheut Bai Sahiba" and was n offering to his sister; and his daughter and his Pir received respectively Rupres 2 and Rupee 1 from each village. The produce d these four cesses were sent to Gwalior, and the Governor appropriated the produce of the remaining 40 exactions. The chief were Four khurch levied on account of the expenses of maintaining troops for the protection of the villages. This was uncertain in amount and varied with the ability of the people to pay and the power of the Governor b compel payment. Patel, bab, and bhoombab were percentages levied from Patels and Bhoomias, there were numerous offerings at all the Hinda festivals, charges on account of every act of Civil Government, and sundry arbitrary cesses uncertain in amount. The actual collections from the khalsa in the year before the cession amounted to Ruper 1,15,060.

Wilder some difficulty. None of the Company's coins were current further south than Jeypoor, but there were six principal mints whose coin was current in Ajmere, and for all of whom the chief source of supply of bullion for coinage were dollars imported from Bombay or Surai via Palee. No crude bullion was used. The Ajmere mint had been established since the time of the Emperor Akhar and turned out yearly about a lakh and a half of rupees called Sri Shahi. The Kishengkur rupee was struck at Kishenghur and the mint had been established about 50 years, though it had frequently been suppressed by the rulers of Ajmere. The Kuchawau rupee was struck by the Thakoor of Kuchawai in Marwar, without the permission of the Maharaja, who was too weak to assert his rights. The Thakoor was supposed to clear 5 per ceat, by bringing the dollars to his melting pot. The Shahpoora mint had

<sup>\*</sup>Rots.—In the Trenty of cession with Sindia therevenue of Ajmere was valued at 505,434 Sri Shahi, or 4,50,986 Furrukabad Rupees, It was admitted, however, by the Resident at Gwalior that the recense was much exaggreeated.

## REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

been established for some 70 years, in spite of the attempts of the Rana of Oodeypoor to suppress it. The Chilloree rupes was the standard coin of Meywar, and the Jharshahi rupes was struck at Jeypoor. Mr. Wilder cut the knot of the coinage difficulty by concluding all transactions on the part of Government in Furrukabad Rupees, and receiving only these in payment of Government revenue. The fixed revenue of the istumrar estates he converted from Sri Shahi into Furrukabad currency by allowing a deduction of 9 per cent., and it is on this account that the present istumrar revenue of each Thakoor consists of Rupees, annas, and pies.

165. Mr. Wilder proposed to abolish what he calls "the very objectionable and disgusting system heretofore practised," and to take the revenue in the khalsa by reverting to the ancient custom of estimating the crops and dividing its value. The people willingly agreed to pay one-half the estimated value of the crop, this being the old rate of assessment and that customary in the adjacent States. The collections for the year were Rupees 1,59,746, and Mr. Wilder writes that the measure of an equal division of the crop had been productive of all the benefits he had anticipated. The people had acquired confidence in the moderation and justice of their new government, and though it would not be advisable for the next two years to demand any great addition to the increase that had already taken place, yet he was confident that on the third year the jumma might be raised to double what it had reached under any preceding Government without at all pressing on the inhabitants. Accordingly Mr. Wilder proposed a three years' progressive settlement, in the first year Rupees 1,79,457, in the second year Rupees 2,01,691, in the third year Rupees 2,49,303. He was of opinion that "if the jumma is so apportioned that half of the produce be found sufficient one year with another to meet the Government demand, the remaining share is quite enough to provide every necessary comfort for the husbandmen." This way of putting the case sounds peculiar, but is quite in accordance with Mr. Wilder's views, whose dominant, if not sole anxiety was to increase the Government revenue. Mr. Wilder furnished no information of the principle on which the demand had been fixed, nor of the grounds on which a progressive assessment had been resolved on, and the settlement was confirmed with some hesitation by Government, who remarked on the proved disadvantages of an assessment framed on anticipated improvement, which checks the rising spirit of industry and the accumulation of capital.

166. The settlement, however, was not destined to run its course but broke down the first year. The khureef was injured from excessive rain, and in February there were successive frosts, which so destroyed the rubbee that the straw even was not fit for use. Mr. Wilder proposed to relinquish the balance and to make a settlement on a fixed annual jumma of Rupees 1,64,700. Both these proposals were sanctioned by Government, the term of the settlement being fixed for five years. The assessment was fairly collected for the first four years, though in the last year the people were obliged to borrow to pay their revenue; but the fifth year was a year of famine. There were occasional showers till the 10th of June, but from that date there were only two showers, one on

the 12th and another on the 20th August. A hot westerly wind provided, the tanks dried up, the wells began to fail, and the khures most. Forage was as scarce as grain, many of the cattle had died have August, and most of the remainder had been driven off to Main Grass was selling at 20 seers a rupee. Two severe frests in March had been the service was had been collecting one-half the produce, the amount realized was Rupees 31,92. The next year was a good one, but the people objected to pay according to Mr. Wilder's settlement, and the revenue was again collected kind.

167. In December 1824, in the middle of the famine year, Mr. Wilder was promoted to the charge of the Saugor and Nerbudda tem-His six years' administration had not been productive of any great results. He made no radical inquiry into any of the institution of the province. He continued many old abuses both in the Customs Revenue Departments, simply because they brought in money. It are not be said that he took much pains to ascertain the value of the last he assessed or the condition of the people, and the era of material improvement had not yet dawned. He united in his person the offer of Superintendent of Aimere and of Political Agent for Jodhpos, Jeysulmere, and Kishenghur, and kept up a semi-regal state with the phants, horsemen, and chobdars. On the other hand, his administration The whole cost of the Revenue and Police establish was rather starved. ment of the district was Rupees 1,374 a month, or less than half of Mr. Willer's salary which was Rupect 3.000. There was not a copy of any Regulation in the Office in 1923, and a copy of the Calentia Gazelle was refused. After a time an European Assistant was appointed. The great. solicitude of Mr. Wilder was to develop the trade of Ajmere and be invited merchants from all quarters to come and settle in the city. On curious feature of l'is correspondence is the number of letters of recommendation he gave these merchants and bankers. Many of these letters were written to Judges and Magistrates requesting them to assist in collecting money due to the merchants.

168. Admin stration of Mr. Middleton.—Mr. Henry Middleton, also a North-West Civilian, succeded Mr. Wilder in December 1824. He was of opinion that Mr. Wilder's assessment was very high, that fixed assessments of any kind were unpalatable to the people, and if confidence could be reposed in the Subordinate Officers, the system of taking in kind would be best. The experience, however, of the year 1825-25 rendered Mr. Middleton loth to adopt this system. Accordingly he proposed a five years' settlement and reported its completion on the 26th November 1826. He had rough measurement rolls prepared, but he chiefly relied on the collections of the previous year as a criterion of resources. He remarks upon the poverty of the people and the extortions of the money-lenders. Many cultivators who had come to the district in the first years of British rule had been driven away again by bad harvests and high assessments. The wells were falling into disrepair, and the people had no money to repair them. Mr. Middleton's settlement was sanctioned at Rupees 1,44,072 for five years.

169. The assessment, however, was only collected in the first of the years the settlement had to run, and that with considerable difficulty. The rains commenced favourably, but from the middle of July till the

first week of September there was no rain. The bajm and jowar all came to nothing. The rains of September, however, were pleutiful, the people who had begun to drive their cattle to Meywar and Marwar for pasturage returned, and the rubbee harvest was good. Mr. Middleton did not remain long enough in the district to collect the next year's revenue and made over charge to Mr. Cavendish in October 1827. Ho was an officer of mediocre ability and initiated no useful measures.

170, Administration of Mr. Cavendish .- Mr. Cavendish, his successor, was a great reformer and left the impress of his energy on every department of administration. To him the district is indebted for a very valuable collection of statistics regarding istumrar, bhoom, and jaghire tenures. He carried out, however, little of what he put his hand to, and the sanction which had been accorded to Mr. Middleton's settlement prevented his interference in the assessment of the khalsa. In forwarding the accounts for the year 1828, he explains the method of collection and gives a long account of the circumstances of the district and of his own views as to the weight of the assessment. The custom of collection as handed down from the Mahrattas was for the patel with the putwarec, where there was one to estimate the crop. half the estimate was the Government revenue. Almost always a loss or inability to pay the assessed revenue from the produce of the land was the result of the estimate and then followed an annually varying contribution from all village residents to make up this real or supposed loss. The contributors were not permitted to interfere in the valua-tion and the Tehsildar enforced payment.

171. Mr. Cavendish considered "that Mr. Middleton's assessment was high for several reasons, because the cultivated area has remained stationary since the time of the Mahrattas, who only collected Rupees 87,689, because the rate of assessment exceeds one-half the produce; because no cultivator in the soil of Ajmere which requires much labour and expense can afford to pay one-half the produce; because the assessment is collected not from the produce of the soil, but by a fluctuating and arbitrary tax, and because the assessment has been made on the basis of a favourable year's collections when corn was dear." Cavendish applied the rates to which he had been accustomed in Saharunpoor to Mr. Middleton's areas and calculated that the assessment ought to be Rupees 87,645, instead of Rupees 1,44,072. gives three main causes of the original over-assessment of the district, all of which no doubt worked to that end. First the strength of the Mahratta Government who took all that the people could give, and who were unfettered by any prescriptive rights; secondly, the exaggeration of the revenue by Sindia at the time of transfer which made Mr. endeavour to work up to an impossible standard; and thirdly, that the year 1818-19 was a very good year in Ajmere, while owing to the devastations of Ameer Khan in the territory of Meywar, Marwar, and Jodhspoor, there was a large demand on all sides for grain, and prices were wery high. This last is a most important point and seems to be the real key to the over-assessment of the district. Mr. Cavendish proposed a revision of settlement, but if this were not sanctioned he recommended that the people should not be pressed for their revenue in bad seasons. He also introduced partially a knewat or assessment of individual holdings, a measure unknown to Mr. Middleton's settlement. He lays sizes on the point that remissions granted in a lump sum benefit not the real sufferers, but the Tebsildars, Canoongoes, Putwarees, and Patels. He introduced, for the first time, Putwarees' accounts, and appointed Putwarees for many villages where there were none, and directed every putwaree to give a receipt. Government approved of Mr. Cavendish's innovations generally, but with regard to the weight of the assessment decided that a more detailed investigation must precede a general revision, and directed that the unexpired period of the settlement should be diligently employed in ascertaining the capabilities of each village. It is certainly a matter of regret that the settlement of Ajmere did not fall into Mr. Cavendish's hands rather than into those of Mr. Middleton.

172. Holding these views as to the weight of the assessment, it was not to be expected that Mr. Cavendish should press the people to pay where he found there was a difficulty in paying. As a matter of fact remissions were regularly applied for and granted, and the settlement was not worked up to in any one year. In only one of the four years that Mr. Cavendish was, in the district, were there any rains in December and January. He left the district at the end of 1831, the year of the expiry of the settlement. He writes that he had intended to make the settlement with patels and to give to each tenant a knewat. He adds that he had never been stationed in a district where the seasons were so uncertain, the soil so poor, and which was so highly may oppressively over-assessed.

173. Major Speirs. - There was no rain in 1831 till the 7th August, but the rubbee was good. Mr. Moore, the Assistant Superintendent, to whom Mr. Cavendish had made over charge, collected on the principle established by Mr. Cavendish. The year 1832 was marked by destructive flights of locusts in September and October, and Major Speirs, who succeeded Mr. Cavendish, found himself obliged to allow the khureef kists to lie over till March. Major Speirs did not attempt a settlement, he collected all he could and the remainder was remitted by Government. In the year 1883-34, however, even the pretence of working on the settlement was abandoned. on the settlement was abandoned. The year was one to be marked with a black cross in the calendar of Ajmere. It commenced with a cattle epidemic in April which carried off one-half or two-thirds of the cattle; there were only two hours' good rain from June to September; there was no forage and no khureef, for the locusts in September de-voured nearly every green thing. Major Speirs collected the khureef instalments by an equal division of the scanty produce, and proposed to give the rubbee revenue to the people to enable them somewhat to recoup their losses. In December 1833, Major Speirs was promoted to the post of Officiaing Commissioner and made over charge to Mr. Edmonstone, who collected the rubbee instalments by "taking from such of the village communities as would consent on any reasonable terms, engagements to pay revenue for their villages according to a fair and just estimate of their resources calculated with reference to the deteriorated state of the country from the drought." In the following year he made a summary settlement on the same principle, the demand of which was Rupees 1,19,302. If the villages did not consent to the terms, the revenue was collected kham jut half produce.

Mr. Edmonstone's Settlement .- In the cold weather of 1835-36. Mr. Edmonstone proceeded to make a regular settlement, which as it was subsequently sanctioned for 10 years, is generally known by the name of the decennial settlement, and which was reported on the 26th May 1836. Mr. Edmonstone gives a rapid sketch of the previous administration of the land in order to prove that " the district instead of advancing had receded and that independent of drought and failure of seasons, in no one year had a fair assessment been fixed on the land. " His endeavour had been to avoid the custom which had hitherto prevailed of fixing the jumma at the highest amount, which could be collected in any year, and then each year remitting, generally indiscriminately, all sums about which there was a difficulty. Mr. Edmonstone did not assume rates as Mr. Cavendish had proposed to do, but adopted a method of his own for assessment. The villages were measured and the cultivated area amounting in all to 36,257 acres classed into Chahee 8.888 acres, Talabee 2.180 acres, and Barance 25,055 acres. He then assessed the cash-paying produce (Indian-corn and cotton) on the dofusli area at the current money rates during kham tebsil and estimated the average produce per beegah of other crops. The Government share, one-half except in the case of patels and mahajuns, he converted into money by the average price current of the previous five years. He thus obtained a rough jummabundee amounting to Rupees 1,57,151, and then visited each village, and fixed his demand with reference to the past fiscal history, present circumstances, and future capabilities of each No villages were given in farm. Two small ones were held kham as they could not be brought up to his standard, the rest accepted his terms. The amount finally assessed was Rupees 1,27,525, or adding the kham villages 1,29,872.

175. Mr. Edmonstone describes the people as reckless, improvident, poverty-stricken and much in debt. The Bohras were masters in the villages; they weighed the grain, helped themselves, and allotted the remainder: they advanced the Government revenue and gave advances of seed grain and for the purchase of cattle. They regulated the expenditure of the community even to the sums employed on marriages and other festivals. Their right was hereditary; they furnished no accounts and the debt to them ran on from generation to generation. Mr. Edmonstone settled with the headmen of each village, who, he believed, acted generally in accordance with the wishes of the village community. The incidence of his assessment was Rupees 3.9 an acre, while the unirrigated area was nearly 69 per cent. of the cultivated. The settlement returns show 5,621 cultivators, 2,675 non-cultivators, 3,185 ploughs, and 1,575 wells.

176. The decennial settlement was the first which was based on the cultivated area, and personal enquiry and the assessment of individual villages seems to have been very fairly and judiciously carried out. The great defect of the settlement was the very imperfect and inequitable manner in which the village assessment was distributed over the holdings. Ritherto the people had paid one-half of the estimated pro-

duce to the patels and the deficiencies were 'levied from the non-agricultural residents. Mr. Cavendish had partially introduced a knewat, but the principle of the joint responsibility of all khewatdam was practically unknown in the district, and was introduced for the first time by Mr. It is evident that a cultivator assessed at one-half the Edmonstone. produce of his fields, and obliged to pay in good and bad years, cannot pay for other cultivators who emigrate in years of difficulty, or who being left without resources turn for a livelihood to manual labour. These two classes are still well-known in the district as the "Firar" and "Nadar Assami." In the first year of the settlement, the khewat was proved to be quite inequitable, and the people begin to clamour for a return to collections from the actual produce. Mr. Edmonstone had left Ajmere in the end of 1836, and Lieutenant Macnaughten, his successor, proposed to make a fresh distribution of the revenue, and "to give to each cultivator a separate lease specifying the quality and quantity of land in his possession and the rent which Government will expect to receive from him." In sending up the proposal, Colonel Alves, the Commissioner, remarked that it was tantamount to a proposal to change the settlement from mouzahwar into ryotwar, and Government, adopting this view, decided that the change was undesirable and disallowed the proposed measure. Though, however, a re-distribution of the revenue was refused, yet the villages were offered the option of returning to kham management or of relaining their leases, and 41 out of 81 villages preferred the former alternative.

177. Colonel Sutherland's proposals .- During this correspondence ? Colonel Sutherland succeeded Colonel Alves as Commissioner. He took very great pains to make himself thoroughly acquainted with every thing concerning Ajmere, and his Reports on the Khalsa Administration and on the istumrardars are standard papers of reference. After an exhaustive retrospect of the previous administration from which a good deal of the preceding sketch has been taken, he came to the conclusion that "the system of village assessments is quite inapplicable to Ajmere, that they have produced extensive injury to the Government revenue and to the condition of the people, and that in a few more years they will leave us hardly any revenue, and reduce them to utter poverty. He looked for a remedy to the repair and construction of anks, which render the country almost proof against famine and advocates the mode of assessment, which had been carried out by Captain Dixon in Mhairwarra as that suited to the country and consonant with the wishes of the people, viz. :--

1st.—Lands under cotton, maize, sugar, and opium to be charged with a money-rate.

2nd.—Other rubbee and khureef crops to be estimated or measured, and 3rd of the produce to be taken as the Government share by a money assessment fixed according to the average yearly value of produce in the principal neighbouring markets.

 $\partial rd$ .—Land newly broken up to pay  $\frac{1}{6}$  th the produce, for the first year,  $\frac{1}{5}$  th for the second, and 4th for the third and fourth years. In the 5th year and thereafter the full rate of  $\frac{1}{6}$ rd to be charged.

4th.—A remission in the amount of share to be given to those who construct embankments or dig new wells.

178. The four years from 1837-38 to 1840-41 were years of severe distress, and at the time of Colonel Sutherland's Report which is dated 26th January 1841, the khalsa villages had reached the lowest depths of poverty. The Superintendent reported that 500 families had left the district owing to the pressure of revenue which they were unable to pay. Half the tanks had been broken for years and many of the wells worn out of repair. The people were too demoralized to permit of grants of advances for agricultural improvements. They preferred to pay half the produce to accepting the reduced assessment of Mr. Edmonstone. The houses were generally dilapidated and the whole khalsa in the eyes of the Commissioner bore a poverty-stricken look, which was a painful contrast to the condition of the talookdars' estates.

179. Retrospect.-Here then we may pause, for a new era opens for the district with the beginning of the year 1841, and briefly gather the lessons to be derived from the foregoing account. The outcome of British administration for 23 years had been to reduce the district to a state of abject poverty. The collections had dwindled down to less than they were in the time of the Mahrattas. The initial over-estimate by Mr. Wilder of the resources of the district had extended its baneful effects over the whole period. The settlements of Mr. Wilder and Mr. Middleton exceeded the collections of the good years on which they were founded, and were far too oppressive to be paid. Mr. Edmonstone's settlement, the lowest of the three, was founded on an estimate of half the actual produce, and as an equal average assessment to include good and bad seasons was a complete failure. Its incident was 3.9 an acre on 31 per cent. of irrigation, or about twice as heavy as the settlements made in the North-Western Provinces under Regulation IX of 1833. With the experience gained in these settlements, the Government of the North-West might have concluded that its "trust that the settlement would prove moderate and he realized without distress to the people" was fallacious. The decennial settlement, however, broke down, chiefly because no proper arrangements were made for the collection of the individual quotas. The old order under which the headmen and putwarees had collected one-half the produce from each cultivator, had given way to the principle of joint responsibility, but the latter was an impossible system where each cultivator held a defined amount of land, and was assessed for it at a sum which left him merely the means of subsistence. During these 23 years one tank embankment, that of Ramsar, was repaired by Government, no new tanks were constructed, nor any suggestions made for that purpose.

180. Colonel Dixon's Administration.—The success of Major Dixon's administration of Mhairwarra had for some time attracted the attention of Government and the Commissioner, and at the end of 1840, the Superintendent of Mhairwarra was instructed to proceed into the Ajmere District and report on the local facilities for the construction of tank embankments in the khalsa villages. Major Dixon forwarded estimates for Rupees 55,507 for the construction and repair of thirty works, and these estimates Colonal Sutherland sanctioned on his own

responsibility. The kham villages in the pergunnahs adjoining Mhairwarra were in 1841 placed under the charge of Major Dixon, and in February 1842, on the departure on furlough of Mr. Macnaghten, Major Dixon was appointed Superintendent of Aimere in addition to his other duties as Superintendent of Mhairwarra and Commandant of the Mhairwarra Battalion. From the date of his assuming charge a new era commences in the history of the administration of the country. Within the next six years Rupees 4,52,707 were expended on the construction and repairs of embankments, advances were made for agricultural improvements. and the Superintendent succeeded in infusing a good deal of his personal energy into the people. To enable Government to reap abenefit from the new works, sanction was procured to allow such villages as desired it to abandon their engagements. All were invited to return to kham management, and when a tank was made or repaired in one of the few villages which insisted on retaining their leases, percentage of the cost was levied in addition to the assessment. The rate of collection at the same time was reduced from one-half to two-fifths and the zabti or cash rates also lowered. Colonel Sutherland and Major Dizm were both auxious that the rate of collection should be reduced to one-third, but this was not sanctioned by Government. On the expiry of the ten years' settlement the whole district was held kham and managed as Major Dixon had managed Mhairwarra.

- Mr. Thomason's visit to Ajmere. In 1846 Mr. Thomason, the Lieutenant-Governor of the North-Western Provinces, visited this outlying portion of the territory under his charge, and he is the only Lieutenant-Governor who has ever visited Ajmere. With megard to the land revenue, the chief points requiring orders were, first, whether the rate of kham collections should be reduced; secondly, whether there should be a return to fixed assessments. The Lieutenant-Governor decided that as long as the kham system of management was maintained. there should be no alteration in the scale of rates; and his visit to the district confirmed the opinion which he had previously farmed of the expediency of returning as soon as possible to the system of village settlements. He remarks that a mode of administration which depends upon the experience and energy of one man is not fitted for general The people had learned fully to recognize the principle of joint responsibility, and their land from the means of impation with which it had been provided possessed a higher and more wiform value than was formerly the case. Arrangements were therefore made for a Revenue Survey, and instructions were issued to Major Dixon for the formation of a village settlement. Moderation was inculcated and the standard to be aimed at was "the punctual realization of a jumma equal to Mr. Edmonstone's assessment, and yielding over and above that amount a moderate profit on the money invested in tanks and reservoirs. This moderate profit was afterwards put at 5 or 6 per cent.
- 182. Colonel Dixon's regular settlement.—The season of 1848-49 was a year of very severe drought which wholly eclipsed in reverity the calamitous season of 1833-34. Of the many talaos in limere and hairwarra only one had the benefit of a good shower. The drought as equally severe in the whole country from Marwar to Bundi. No p were produced except in well-land and in the beds of the tanks.

There was an utter failure of forage and the cattle by Colonel Dixon's estimate died. At one time it was doubtful whether engagements for a fixed assessment could be entered into. The succeeding year, however, was favourable and the settlement commenced from the khureef harvest of 1849.

183. In making his assessment, Colonel Dixon was guided chiefly by the experience he had gained of the capabilities of each village while it was held under direct management. His method of assessment was as follows: He took Mr. Edmonstone's assessment and added to it 8 per cent. of the sum expended on tanks in that village. This was the standard. If the past history of the village or its "latent capabilities" warranted Colonel Dixon in believing that this amount could be paid, he assessed the village at this amount. If he thought it could pay more, he assessed it at more. If he thought it could by no possibility pay this amount, he reduced the standard. No rates were worked out until afer the assessment, nor was any attempt made to compare the incidence of the revenue in different villages or to explain its variations. The inequality of the assessment was no doubt tempered by Colonel Dixon's intimate knowledge of the district, but the system necessarily produced inequality. The increase in the assets of a village is by no means proportionate to the cost of the embankments which may be made on it. The cost of an embankment depends on the local facilities for making it, and in Ramsar where the tank-beds are generally unculturable from cosar, 8 per cent. was much too high a rate to take. Many new wells had been made in land within the influence of the new tanks and under the system adopted. Supposing Mr. Edmonstone's settlement to have been exactly fair, these did not come under assessment at all. In the village note books which are all drawn up on one stereotyped plan, it is nearly invariably recorded that the jumma fixed "appears equitable with reference to the experience of past years and the latent capabilities."

184. For all practical purposes of assessment, the measurement of the villages in Colonel Dixon's time was superfluous. If six per cent. of the outlay on the tanks be added to the assessment of Mr. Edmonstone the amount will be Rupees 1,58,278, and this is the sum proposed as a fair amount to distribute by the Lieutenant-Governor. The highest amount which had ever been collected was in 1847-48 when at 3rds the produce the revenue stood at Rupees 1,67,237, and this included all cesses. Colonel Dixon's actual assessment excluding the one per cent. road cess, but inclusive of the tank cess of 1 per cent. on the outlay, which was merely a deduction from the Government revenue set apart for a particular purpose, was Rupecs 1,75,756, or adding the assessment which was subsequently made on Nearan and Keranipara, Rupees 1,85,161. The assessment was lighter than Mr. Edmonstone's, but the unirrigated area had increased in greater proportion than the irrigated, and the rate of assessment was Rupees 2-0-8 on 28 per cent. of irrigation. The best description of the settlement is that given by Colonel Dixon himself in a demi-official to Sir Henry Lawrence, dated 25th January 1856. "If the season be moderately favourable and the talaos be replenished, the rents will be paid with ease and cheerfulness by the people. If drought ensues, we have been prepared to make such a remission that distress in paying the revenue shall not reach the peo-

ple. It is necessary to bear in mind that we have given the profit to the people, ourselves bearing the onus of loss. In a country like Ajmere-Mhairwarra where the seasons are so extremely irregular, to burden the zemindars with arrears of rent on account of what was not produced, would check the energies of the people and render them less industrious than they now are, when they know we shall only claim the rent or a portion of it when it has been assured to them by Providence. To have made the jumma less would have been to have left zemindars of partially employed, while in a season of scarcity we must still have relaxed the demand." This extract clearly sets forth the nature of the settlement. It was not intended to be an equal annual jumms to be collected in all years except what in other parts of India would be called famine years, but the assessment was pitched at the highest amount that Colonel Dixon believed should be collected in good years, and he was prepared to apply for remissions whenever they were required. The seasons in Ajmere are indeed too irregular and the rainfall too partial ever to permit of such a settlement being made, but the plan of assessing a water-rate separately, though suggested in Colonel Dixon's time by Colonel Sutherland, was new, and its application to the tank s of Ajmere presented insurmountable difficulties in practice.

The people accepted the settlement with reluctance. Dixon (paragraph 14 of his Report ), in speaking of Ajmere Pergunnah, says-" Our labours to convince the people that their welfare and benefit had been mainly studied in the proposed arrangements were unbecded As all the patels and headmen were of one mind, it was evident they had been instructed by some evil-disposed people who loiter in the vicinity of the Courts to reject our offers." Rajghur Pergunnah assented more readily: Ramsar, the most heavily assessed, was reluctant, but the persussions and influence of Colonel Dixon eventually induced all to accept the terms. In sanctioning the settlement the Lieutenant-Governor expresses a fear that the assessment will be found in some degree higher than the country can easily bear, but trusts to Colonel Dixon's local experience and intimate knowledge of the country, and is ready to believe that the assessment has been so fixed as to draw forth rather than discourage the exertions of the people. The Court of Directors shared the apprehensions of the Lieutenant-Governor, but the settlement as proposed was sauctioned for 21 years. The Lieutenant-Governor, however, desired it to be understood "that, except after Report to Government and special sanction, no other penalty was to be attached to the non-fulfilment of the settlement contract than annulment of the lease and return to kham management."

186. The settlement thus sanctioned was a mourahwar settlement only in name, and the system of collection adopted by Colonel Dixon rendered it practically a ry otwar one. Before the instalments were due, the villages were divided into circles and a chupprassie was appointed for each circle. It was the duty of this official in company with the patel and putwaree to collect from each individual tenant the sum recorded against his name in the putwarees' register. If the cultivator himself could not pay, the bunia with whom he kept his accounts was called up and the money generally produced. When the revenue could not be collected Colonel Dixon made up his mind as to how much

should be remitted about the month of May and applied for sanction for the remission of the amount proposed. Thus in May 1854 he applied for leave to remit Rupses 16,325, and his request was at once granted. It is a matter of common tradition in the district that when the revenue of any village was found to come in with difficulty, the Deputy Collector was sent out and arranged for a fresh re-distribution of the assessment. Such a mode of administration, though the best suited to the district and perfectly consonant with the wishes of the people, differs very considerably from the mouzahwar system and could only succeed when the Collector was intimately acquainted with the sources of each village.

- Settlement of Mhairwarra .- Having completed the settlement of Aimere, Colonel Dixon took the assessment of Mhairwarra in hand. As regards Mhairwarra the Lieutenant-Governor had no desire to embarrass him with any instructions. He remarks that the district had been raised to its present state so entirely by Colonel Dixon's exertions and arrangement, that he alone was the best judge of what should be done. Colonel Dixon, therefore, marched into Mhairwarra in the cold weather of 1849-50 and reported his settlement of the district on the 27th September 1850. It was sanctioned for 20 years at a net demand of Rupees 1,81,751 and a gross demand of Rupees 1,88,742. In all Mhairwarra totals, however, it is necessary to remember that Meywar-Mhairwarra was assessed in Chittoree Rupees, the value of which as regards Company's Rupees was 127 to 100 at the time of settlement. toree Mint ceased to issue coins in 1860, and the value of the Chittoree Rupee rose to 116 to 100, but in 1862 the general average was 120. Major Lloyd, the Deputy Commissioner, proposed in his letter, dated 15th August 1802, that the people should be allowed the option of paying in Government Rupees at a fixed rate of exchange, viz., 125 to 100, and this was sanctioned by Government. Since then the revenue has been collected in Government Rupecs, the Chittorce coin arrangement and the batta fund possess now only an antiquarian interest. The settlement of Mhairwarra was made on the same principles as had been adopted in Ajmere. It was founded on his history of past collections, and here also Colonel Dixon discounted the probable rise in the prosperity of the country. The incidence of the assessment was Rupees 2-11-2 on 38 per cent. of irrigation.
- 188. For several years after the settlement, there was a succession of favourable seasons, and the remissions for which Colonel Dixon found it necessary to apply were but small in amount. He continued to impress upon the people the advantages of wells and tauks; many were made by the people themselves and the country was prosperous and contented. Colonel Dixon administered the districts of Ajmere and Mhairwarra, to which duties was added the command of the Mhairwarra Battalion, till June 1857. He was at Beawur, where he generally lived during the hot weather and rains, when he heard the first news of the mutinies, and when the news of the mutiny of the troops at Nusseerabad arrived, he laid himself down and died. His tomb is in the Beawur churchyard and is still an object of veneration to the Mhairs. Colonel Dixon had lived in the district for 37 years. Originally belonging to the cantonment of Nusseerabad, he as an officer of the Bengal Artillery had taken part in the subjugation of Mhairwarra in 1821. Shortly afterwards he

was appointed Deputy Commissary of Ordnance and placed in charge of the Ajmere Magazine. In this post he remained till 1836 when he became Superintendent of Mhairwarra, and in 1842 he became Superintendent of both districts.

189. Close of the era of material improvement.—With the death of Colonel Dixon closes what may be called the second period of the history, the era of material improvement; and the era of inflexible realization of the revenue commenced. The principle of Celonel Dixon's settlement was forgotten, and the idea gradually gained ground that the assessment was an equal annual demand to be collected in full each Captain B. P. Lloyd, who had been Colonel Dixon's Assistant from 1849 to 1853, when he had been placed in charge of the Neemuch Settlement, was appointed Deputy Commissioner, the Commissioner of Ajmere being the Agent, Governor-General for Rajpsotana. In the year 1858 Colonel Dixon had been appointed a Commissioner and corresponded direct with the Government of the North-Western Provinces, in whose administration Ajmere had been placed in 1832 and Mhairwarra Before 1858 the officers in charge of Ajmere and Mhairwarra had been styled Superintendents and corresponded with the Resident at Delhi, subsequently with the Resident in Malwa and Rajpootana, and after 1832 with the Commissioner. From 1858 the united districts remained a Deputy Commissionership under the Agent, Governor-General and Commissioner, who in is latter capacity was subordinate to the Government of the North-Western Provinces, till 1871, when the province was formed into a Chief Commissionership under the Foreign Department of the Government of India and was given a Commissioner of its own, the Chief Commissioner being the Agent to the Governor-General for Rajpootana.

Captain Brooke .- Captain Lloyd went on firlough immediately after his appointment, and Captain Brooke sneeded to the Officiating charge of Ajmere-Mhairwarra. On the 24th July 1858, he submitted a long and interesting report on the condition of the country, which has been printed in Volume III (New Series) of Selections from the Records of Government, North-Western Provinces. He found the cultivators in the Ajmere and Rajarh Pergunnahs better off than those in Ramsar who were generally very poor. He remarks on the great want of cattle. The country had suffered very severely from the famine of 1848; the cattle had died in thousands both in the districts and in the countries where they had been taken to graze, and the country had not Almost the only manure available consisted of the deposit in the beds of tanks. Mhairwarra was better off in this respect, and the cultivation of poppy had advanced with rapid strides in the pergunnah of Todghur since the settlement. The cultivators about the town of Nyanaghur were poorer. The putwarees' papers he found were merely transcripts of the Settlement Record. Each cultivator had been led to consider his revenue as a fixed sum, and that it was a great injustice to demand more from him to make up the deficiencies of defaulters. Mhairwarra the sepoys of the battalion were regularly defaulters, and where the settlement was not light took no trouble to make any arrangements for the oultivation of their fields. Colonel Dixon, who was both Commandant of the Force and Superintendent of the District, had been in the habit of deducting the amount of land revenue due from the men's pay, but this anomalous procedure was impossible when the offices

#### REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE .

of Superintendent and Commandant had been separated. Each cultivator whose crop had failed was obliged to pay his own quota by borrowing. There had been no "bachh" or distribution of the deficienoies caused by defaulters over the village community since the settle-No account had been kept of the profit of common land, and any remissions received from the State were appropriated by the whole village giving a very small modicum of relief to those really requiring it. The putwarees were miserably paid and generally acted as moneylenders to the people. Captain Brooke revised the putwarees' establishment and doubled up the smaller villages so as to enable him to give a more fitting remuneration to those who undertook the duties. He calls attention to the manner in which land submerged in the bed of tanks had been assessed at high rates, and proposed to strike out of the settlement all lands liable to constant submersion and to take revenue from them only when they should be cultivated. He was of opinion that the settlement had pressed beavily and shows that the prices of wheat and barley had fallen 50 per cent. below what they were for the three years preceding the settlement. He discussed the question of tanks at some length, and to remedy the utiling up of weirs and tanks proposed to construct sluices one-third the ordinary width of the river bed and level with the floor of the bed. Many of Captain Brooke's suggestions were valuable, but the principle of laisses faire was now in the ascendant and nothing was done.

191. Captain Davidson. 1st Assistant Commissioner, succeeded Captain Brooke in his officiating charge in February 1859. In reporting the result of the annual tour on the 10th June 1859, he remarks that the season was peculiar, as the whole of the annual rainfall took place between the 16th July and 1st August 1858. The rain fell in a deluge in Ajmere and Beawur. All the tanks were filled suddenly and many burst. The nullahs flowed with such violence that acres of land in many places were washed away. The Ramsar Lake which had never been known to have filled before overflowed; the Ana Sagar Lake rose five feet in as many hours, the water flowed over the embankment which was considerably injured, and the houses on the bund were all under water. The khureef crop rotted in the ground, and when after the waters had subsided, a re-sowing took place, the seed for want of further rain failed to germinate. Though the rain was so heavy in Ajmere and Beawur, the pergunnahs of Todghur and Saroth were parched with drought. Captain Davidson's attention was specially directed to the repairs of the tanks, especially in Ramsar, where they had been made without foundations in bad soil, and where all the embankments were much shaken. The rubbee crop was very good, and the revenue of the year hardly suffered.

192. Major Lloyd.—Major Lloyd returned from furlough and took charge on the 12th July 1859, and on the 7th December he reported on the condition of the district and on the points raised by Captain Brooke's Report. Five villages had come under kham management in Ajmere and seven in Bcawur. In three out of the twelve the recall of direct management had been to show that there was no actual loss, and these were resettled at Colonel Dixon's assessment. In the others a summary settlement was concluded for a less sum than that assessed, or they were held kham. The history of one of these kham villages may be given as a forcible example of the evil effects which sometimes followed Colonel

Dixon's method of assessment. The village of Akhri in the Aimere pergunnah had been assessed by Mr. Edmonstone at Rupees 650, the average collections for the previous ten years having been Rupees 608. Colonel Dixon constructed a tank in the village, which cost Rupees 10,813. The tank had been in full working order for several years before the 21 years' settlement and the highest collections ever obtained were Rupees 1,226. Colonel Dixon added 8 per cent. on the outlay of the tank to Mr. Edmostone's assessment which gave a standard assessment of Rupees 1,515. The actual assessment was Rupees 1,530. As long as Colonel Dixon lived, remissions were yearly granted, amounting in 1854 to Rupees 450, and in 1856 to Rupees 570. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the village became kham, and Rupees 889 were Kham management was continued till 1871, the average collections of the years from 1857 to 1866 being Rupees 1,230 at two-thirds of the produce. In 1871 a farm was given of the village for Rupees 1,530. The farming lease has utterly ruined the village. the old assessment. The average gross collections of the farmer for two years were Rupees 1,285, and this he only obtained by screwing the last anna out of the people. In the year 1873-74 the people practically refused to cultivate. The earthworks on the railway had been started and the village preferred gaining a subsistence on them to working the soil for the benefit of the farmer. The village has now been assessed at Rupees 858, including Rupees 150 water revenue. Major Lloyd proposed to remedy the silting up of the weirs by two or three times ploughing decayly the dry beds of the streams during the hot winds. He remarks that the plan of making sluices was tried and abandoned by Colonel Dixon. In May 1860, after a lengthened tour through the district, he submitted a long and interesting report on its general condition and the measures he had adopted for its improvement. In comparing his recollection of the district from 1849 to 1858 with its state in 1860, Major Lloyd was struck with the signs of increasing prosperity which were discernible. Lands which he remembered covered with briars and low jungle presented sheets of luxuriant cultivation. New houses were springing up and the carefulness of the petite culture in Upper Mhairwarra excited his admiration. He formed the putwarees into circles, a measure commenced by Captain Brooke, and arranged for a systematic revision of the settlement records, and a fresh distribution of the revenue. As regards the land subject to submersion he made some temporary arrangements, and proposed to exchange it for common lands on the completion of his records.

193. Seasons from 1860 to 1866.—The rainy season of 1860 was a bad one. What rain fell fell in showers insufficient to fill the tanks before the end of August, and there was no rain in September. The khureef failed, and but for the favourable season in Marwar the district would have suffered as much as the greater part of the North-Western Provinces. The work of re-distribution of the revenue was held in abeyance and never recommenced. Major Lloyd made an estimate of the probable outturn in each estate and fixed the amount to be collected, the balance to be suspended and the sum to be remitted. Subscriptions for the relief of the distress were collected in Ajmere to the amount of Rupees 6,000, and charity was distributed through the principal Seths. Major Lloyd made over charge to his 1st Assistant, Major Davidson, on the 15th August 1862, and with him departed the idea that judgment was requisite in controlling the machinery of collection. The year 1862

was a year of extraordinary rain averaging 45 inches; the rain was spread over a long time and was not violent enough to damage the tanks. The khureef failed : the rubbee was magnificent. The revenue was collected in full and the scarcity which prevailed in the adjoining States kept prices very high. The rainy seasons of 1864, 1865, and 1866 were remarkable illustrations of the great value of the tanks, for without the tanks each of these years would have been one of considerable distress. In 1864 there was an average fall, but all the rain fell before the second week of August. In 1865 there was no rain until the second week in August, and it stopped in the second week of September; a few heavy showers, however, generally filled the tanks. In 1566 the rains began in the second week of August and fell continuously and lightly t'll the end of the month. In some parts the tanks were not filled, in others there were very heavy falls. There was a violent hail-storm in March 1867, which destroyed the crops about Beawur and many of the wells dried up owing to the deficient rain for three years. The revenue, however, was collected in full,

194. Mr. Ridsdalc, Settlement Officer.—At the commencement of the year 1867, Mr. S. O. B. Ridsdale was appointed Sctilement Officer in Ajmere and joined his appointment on the 12th January. settlement did not expire till 1870 and Mr. Ridsdale was sent thus early into the field in order to provide for the instruction of the putwarees, and that all preliminary difficulties might be surmounted. Mr. Ridsdale writes that he found the putwarees entirely ignorant of surveying, while only one of them was acquainted with Nagri. Classes were formed for their instruction, but the work progressed but slowly; and it was not till November 1867 that the survey was commenced. A number of boundary disputes were decided, and in the case of several of the large villages, which consisted of a parent village and several hamlets, Mr. Ridsdale, with the sanction of the Board of Revenue, formed the hamlets into separate villages. On the 26th Nov ember 1808 settlement operations were closed on account of the famine which was impending. By this date a total area of 134,447 acres had been measured out of a total of 580,685 acres at a cost of Rupecs 42,178. Owing to the changes caused by the famine, however, it was found necessary to have all this work done over again at the present revision.

195. Major Davidson, Deputy Commissioner .- The season of 1867 was a favourable one, the average fall at 15 stations was 21.5 inches. In the previous year the Deputy Commissioner had unnoticed introduced a most important change into the system of collecting the revenue. Hitherto the revenue had been collected from each individual tenant, through the lumberdar indeed, but by means of a Tehsil Chupprassie who assisted the lumberdar in summarily collecting the sums due. The system was a rough and ready one, but was suited to the tenure and had worked well. Major Davidson, however, now suddenly refused to allow the Tehsil Chupprassies to be thus employed. The headmen were reminded that it was their duty to distrain the property of those who neglected to pay their quotas, and that the only duty of Government was to collect the revenue from the headmen and to adopt processes of coercion against them should the revenue not be paid. system of dastaks was introduced and 1,747 dastaks each charged with its fee were issud in 1866-67. Captain Repton succeeded Major Davidson in April 1868, and strictly adhered to the arrangements of

his predecessor. The putwarees were kept at settlement work and the aid of Tehsil Chupprassies was refused; 2,159 dastaks were issued in this year. The revenue was realized with difficulty and in eight rillages it was eventually found necessary to concede the aid of a

chupprassie for whom the village paid.

Famine of 1868-69.—The following year will long be memorable in Rajpootana as the commencement of the most disastrous famine. which within the memory of the existing generation had visited the Scaroity is seldom absent from some part of Rajpootana and it is chronic in the eastern part of Marwar and in Bikaneer. In ordinary years of scarcity, the people in afflicted tracts taught patience by constant adversity, emigrate with their families and cattle to more favoured regions and return to their homes in time for the sowings of the succeeding year. It is only when both the south-western and northeastern monsoon fail that a general and disastrous famine is experienced. Then Rajpootana, has hitherto been destined to the miseries of a terribie famine of the three great necessaries of life-grain, grass, and water, called in the county a " tirkal " or treble famine. The first famine in Rajpootana, an account of which has been handed down in writing, occurred in the year 1661 A.D. The memorial of it is preserved in the beautiful marble bund erected at Kankrouli in Meywar at the expense of a million sterling by Maharana Raj Sing of Oodeypoor to save his people during the dire calamity. Other famines occurred in 1746, and in 1789, the latter of which is supposed to have exceeded in intensity even the terrible one of 1812, which is said to have lasted five years, and has gained the name of Panchkal. Three-fourths of the cattle died, and as stated in the record of the famine of 1661 man ate man. Large tracts of country were depopulated by the famine and traces of the devastation caused by it were visible in Ajmere at the beginning of Since the famine of 1812 no general famine had occurred in Raipootana. There had been abundance of local scarcity, and, as has been already related, there was severe scarcity in Ajmere in 1819, in 1824, in 1833, and in 1848. The famine of 1861 which was so severe over the North-Western Provinces, only affected the eastern portions of Rajpootana including Jeypoor and Ulwur, and the countries dependent on the south-western monsoon including Marwar were blessed with a plentiful harvest.

197. For some years previous to 1868 the seasons had been irregular, and as we have seen the rainfall of 1564, 1865, and 1866 was very deficient in Ajmere. In 1864 the rains broke up very early and the khureef was only half an average crop; in 1865, the rains commenced very late so that all the early crops were lost and only half the latter crops were saved. In 1866 the rains were late and light, 1867 had been better than its predecessors, but the country entered on the

famine with its stocks of grain exhausted.

198. The rainfall of 1868 was unfavourable from the commence-The early rains of June were not sufficiently heavy to allow the cultivators to plough the land and put in the seed. From the 1st June 1868 to 1st June 1869, the average fall for all the stations of Ajmere-Mhairwarra was only 7.4 inches or about one-third of an average fall. The state of Jeypoor was as bad and at Jodhpoor no rain whatever fell durthe rainy season or at least not enough to be measured by a pluviometer. he south-west monsoon failed entirely west of the Aravali. East of

#### REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

the Aravali the rains fell only over the Indore Districts but did not extend over Central India and Bundelcund, the starving population of which provinces flocked into Malwa. In Guzerat a terrible flood in the early part of August swept all before it. The people saved themselves by getting on eminences and climbing trees, and the country was under water for days. Cattle and stocks of grain and fodder were swept away. and the element searched out and destroyed the stores of grain below ground. No rain fell subsequently and Guzerat itself had to undergo the hardships of scarcity. The north-eastern monsoon had equally failed and great scarcity overshadowed the North-Western Provinces. Aimere was thus isolated in the midst of a famine tract; it had no supplies of its own, and owing to the utter failure of forage the price of which was in many places actually dearer than grain, no carts could travel, nor could the pack bullock of the Banjaras of which there are hundreds of thousands in Rajpootana and Central India traverse the country. The only means of transport which was available was camels. All the kafilas employed traders, however, cease, travelling in the rains, partly because no return loads of salt can be carried during that season, and partly because agreeably to the time-honoured custom of the country camels are then turned out to graze. No regular organization for the supply of grain by camels was attempted by the local Administration. 199. Towards the end of August 1868, emigration commenced

from Aimere-Mhairwarra. Wheat at this time was selling in Aimere at 10 seers; barley, jowar, and grass were 12 seers per rupee. Such was the scarcity of fodder that cows were offered for sale at Rupee 1 each and good plough cattle at Rupees 10 a pair. No grass could be procured by the Cantonment of Nussecrabad. The horses of the Artillery Battery were sent away altogether, and the small cavalry detachment which remained had to fetch forage from Neemuch, a distance of 150 miles. Relief works were commenced, and in November 1868 the Deputy Commissioner who had either personally or through his subordinates visited every portion of the district, reported on the condition of the country. Half the cattle had been driven to Malwa owing to absence of fodder. The khureef had practically failed entirely. The water in the wells was scanty and had become so brackish that it was unfit for purposes of irri-In some places where the crops had sprouted, no grain owing to lack of moisture had been formed and the stalks had been cut to feed the cattle. The people were apathetic and entirely in the hands of the money-lenders who would make no advances. In January, February, and March 1869, 1.2 inches of rain fell, but there was no barance cultivation, and the area under crop in the rubbee was confined to those localities where well-irrigation was procurable, for none of the tanks had any Mildew and hail-storms attacked the scanty crop and there was practically a total loss of both crops. The distress was intensified by the crowds of emigrants from Marwar who came with their herds in search of food and pasture, and who trenched considerably on the scanty supplies of food remaining and consumed the little grass in the district. Emigration from Ajmere-Mhairwarra now went on with re-doubled speed, and the people were reduced to the necessity of supporting themselves on the bark of the khejra tree and roots, which they mixed with grain and ground up to make bread. Poor-houses were now established and the country waited in eager expectation for the rains of 1869.

200. The hot season of 1869 was unusually protracted, and it was not till the middle of July that the long-looked for rains set in and the people were enabled to plough their fields. In many places where there were no cattle, the men making small ploughs for the purpose, yoked themselves in place of their oxen, and laboriously turned up a furrow. while the women dropped in the grain. There was hardly any rain. however, in August (only 11 inch was measured in Aimere) and the distress now began to reach its culminating point, as the prospects of a khursef harvest gradually disappeared. Barks and roots even were scarce, and the mortality was frightful. A copious rainfall in September to some extent revived the hopes of the people, but these were soon destined to be dashed. Swarms of locusts hatched in Jeysulmere and Bikaneer invaded Marwar, Ajmere, Tonk, and the northern parts of Meywar and devoured every green thing. The estimated loss was of maize 46 per cent., of jowar 56, of bajra 67, of cotton 58, of til 78, of pulses 82 per cent. Grain was literally not now procurable, barley was selling during the month of September according to the price lists of Ajmere at 51 seers; the highest price it reached was three seers, but men with money in their hands could not get food in the city of Ajmere. Importation from Bhawani and Rewari now commenced and convovs of camels coming for the Sambhur salt daily brought large supplies. In August 1869 an application was made to the Government of the North-Western Provinces to despatch grain from Agra, but the consignment arrived after grain had become cheap. At the close of the famine the Deputy Commissioner estimated the losses at 25 per cent. of the population of 420,000, at 33 per cent. of the cattle, and 50 per cent. of ploughs. Government had spent altogether Runees 15.20,074, and of this amount 2,30,000 are calculated as having been given in gratuitous relief by Government.

20L. Into the vexed question of the adequacy of the relief administration it is no part of the object of this sketch to enter. A full account of what was done will be found in Colonel Brooke's " Account of the famine in Rajpootana," which was published in the Gazette of India of the 25th February 1871. The District Officers did all that men could do, but no addition whatever was made to the ordinary district staff, and in August 1869 there was no grain in the country wherewith to feed the people who necessarily died. The rains of 1870 were rather below the average. Ajmere got 21 inches, Beawur 10.7, Todgbur 10.8, but no rain fell after August. The Deputy Commissioner reported that the state of apathy and demoralization of the people, owing to the misery of the last two years, was such that nothing availed for the collection of the revenue, save active coercive measures and these except in two instances had been effectual. In Beawur this year seed wheat was selling at 5 to 6 seers per rupee, barley at 7 seers, gram at 4 seers, and was generally repayable with 100 per cent. interest. In Todghur seed wheat was selling at 2½ to 3 seers, barely at 3½ to 5 seers, repayable at 12 seers and 18

seers, respectively.

202. History of collections during the famine.—The history of the collections during the famine years may be briefly related. Though there was an utter failure of the khureef crop of 1868, yet the first instalment only was suspended; 2,152 dastaks were issued in this year, and the attachment of the movable property of the patels was resorted to. The patels were allowed the aid of chupprassies to realize the autumn instal-

#### REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

ments from their co-sharers, for the rubbee they collected without assistance. The number of private sales and mortgages largely increased, and many mortgages are recorded to have been made in order to procure subsistence and to discharge the Government revenue. Yet in this year Aths of the Government revenue were collected and the people borrowed the money to pay it. Rupees 42,000 were remitted and the balance by a procedure hitherto unknown in Ajmere-Mhairwarra added to the demand of the succeeding year. In that year when as we have seen locusts devoured more than half of a very indifferent khureof harvest, and when Government was feeding the agricultural population on the relief works, a sum in excess of the settlement demand was collected. In 1870-71 when seed grain was at famine prices and the country was struggling to recover from the effects of the famine, thirty villages and nearly all the largest ones were given in farm from the rubbee harvest for the amount of their arrears, some 40,000 Rupess. The Deputy Commissioner wrote that the people though quite capable of doing so declined to pay and anticipated the best results from the measure. The amount collected in this year was Rupees 2,13,160. In five villages the proprietors of their own accord transferred their engagements to lessees. The last three years present nothing particularly worthy of record. The revenue has been collected and the years have been average ones. In accordance with the orders of the Government of India in letter No. 116R., dated 3rd May 1872, summary settlements have been made in ten of the most distressed villages, five of which had been given in farm to Seth Rajmal who had lost heavily on his lease.

203. Collections in Mhairwarra.—In Mhairwarra it was found utterly impossible to collect the revenue during the famine years, and eventually the arrears have been remitted. A summary settlement was made for Mhairwarra from the year 1872-73, which was at a reduction of 32 per cent. on the settlement demand. The collections from Mhairwarra during the period of settlement are shown in the accompanying

table for periods of five years :-

| Tensiu.                   | CIRCLE. |                                 | Averago collections from 1851-52 to 1857-58, | Avorage collections from 1858-59 to 1862-63. | Average collections from 1863-64 to 1867-68. | Average collections from 1868-69 to 1872-73. |                                   |
|---------------------------|---------|---------------------------------|--|--|--|--|-----------------------------------|
| Beawur<br>Ditto<br>Ditto  | •       | Beawur .<br>Chang .<br>Shamghur | :  | Rs.<br>55,579<br>10,164<br>25,279            | Rs.<br>51,686<br>10,241<br>24,489            | Rs.<br>55,387<br>10,689<br>26,132            | Rs.<br>84,9357<br>6,256<br>15,871 |
|                           |         | Total                           |  | 91,022                                       | 86,416                                       | 91,208                                       | 57,062                            |
| Todghur<br>Ditto<br>Ditto | •       | Bhaclan .<br>Dawer .<br>Todghur |  | 12,816<br>28,930<br>35,270                   | 12,816<br>28,697<br>35,112                   | 12,817<br>28,816<br>35,108                   | 8,457<br>21,088<br>22,498         |
|                           |         | .Total                          |  | 77,022                                       | 76,625                                       | 76,741                                       | 52,038                            |
| Grand Total               | ·       | Mhairwarra                      | $\cdot$                                      | 1,68,044                                     | 1,68,041                                     | 1,67,949                                     | 1,09,100                          |

This table is instructive. The first period shows the favourable years after the settlement, during the second remissions were allowed. The revenue during the third period was rigorously collected, and the fourth period, which includes one year of the summary settlement, shows the average paid by Mhairwarra during the famine and subsequent years.

204. Results of the Famine. The result of the famine has been to throw the district into a state of indebtedness from which it in doubtful if it will ever recover. The assessment has never been light. and the people have always been a cultivating tenantry, living from hand to mouth, and with no resources beyond those of the current harvest. It is much to be regretted that instead of removing Mr. Ridsdale at the time of greatest need, that officer had not been directed to conclude a summary settlement on the assets of the villages as deteriorated by the famine. Instead of this the Government revenue was rigorously exacted from men whom at the same time Government was feeding at the relief works, and who from the nature of the case . had nothing wherewithal to pay. The experiment of farming the villages while it has conclusively proved how heavy the assessment was, has been productive of nothing but injury to the furmers and the cultivators. One effect which follows on every year of scarcity was specially observable in the district during the famine, and this is the opportunity which is given to the grain-dealers to secure what would otherwise be bad There is always a large amount of unsecured debt which has descended from father to son, or consists of extortions of the grain-dealers which they could not recover in a Civil Court. A starving man is not overcautious as to what he puts his name to, and the grain dealers found their opportunity in the necessity of the cultivators who, if they required food, were obliged to sign bonds or to mortgage their lands for the full amount which the grain-dealers stated was due to them. This process was very extensively carried out in M hairward and especially in the Todghur Tebsil.

205. Mortgages and Sales .- The accompanying table shows the amount of mortgage debts found existing at the present revision of settlement in each assessment circle, as well as the sales which have taken place since last settlement. Many mortgages have no doubt escaped record, and many of them are of old standing and cannot be laid to the account of the fumine, but the indebtedness on mortgage debts alone which exists in the district is sufficiently appalling, amounting as it does in all three tehsils to Rupees 11,55,437. The mortgages in the district are almost all of the usufructuary kind, but it is only in rate cases that the mortgagee takes possession of the land. The custom is for the mortgagor at the date of writing the mortgage bond to write what is called a "Gugri Khatt" covenanting to pay the mortgagee as rent yearly either so many maunds of grain per hundred rupees of the mortgage debt (generally ten to fifteen maunds), or, when cash is paid, from 50 to 18 per cent. interest on the mortgage debt is the sum stipulated for. The rent of the land bears generally no relation whatever to the value of the produce. In Mhairwarra there has been a kind of metayer system established between the mortgages and the mortgage; the grain-dealer gives half the seed grain and takes half the produce, the cultivator having to pay the Government revenue out of his share, 1

# REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

have assumed a rate of 24 per cent. as the average interest on the debt. The figures then go to prove that an annual sum of Rupess 2,77,328, or more than the net Government revenue, passes into the hands of the money-lenders. In Todghur Tehsil the amount of indebtedness is surprising, amounting as it does to an annual drain on the cultivators of three times the Government revenue. Besides these debts secured on the land, there are large sums due on unexecuted decrees by agriculturalists in the Ajmere-Beawur and Nusseerabad Small Cause Courts, and an unknown amount secured by bonds.

Statement of mortgaged lands and lands sold since last settlement.

| On                      | BOLE    |     |        | Land mortgaged<br>in acres. | Mortgago dobt. | Interest on murt-<br>gago dobt at 24<br>por cent. | Area<br>sold. | Amount of pur- | Rate of mortgage<br>dobt per acre. | Rate of sale mo-<br>noy per acro. |
|-------------------------|---------|-----|--------|-----------------------------|----------------|---|---------------|----------------|------------------------------------|-----------------------------------|
|                         | _       |     |        |                             | Rs.            | Rs.   |               | Re.            | Re.                                | Re.                               |
| Ramsar                  | •       | •   | •      | 4,056                       | 87,789         | 21,095  | 1,829         | 19,801         | 22                                 | 15                                |
| Rajghur                 | ٠       | •   | -      | 2,295                       | GG,178         | 15,882  | 319           | 13,182         | 29                                 | 88                                |
| Gangwana                |         | •   | •      | 2,593                       | 40,241         | 9,658   | 400           | 5,409          | 16                                 | 14                                |
| Ajmero                  | ٠       |     | •      | 2,898                       | 1,24,392       | 29,855  | 756           | 40,125         | 43                                 | 58                                |
| Poshkur                 | ٠       | •   | •      | 719                         | 26,817         | 6,436   | 44            | 2,745          | 87                                 | 62                                |
|                         | Total . |     | 12,561 | 3,44,412                    | 82,896         | 2,878   | 80,762        | 27             | 28                                 |                                   |
| Beawur                  |         | •   |        | 3,725                       | 96,565         | 23,176  | 1,927         | 82,411         | 12                                 | 17                                |
| Chang .                 |         |     |        | 473                         | 19,016         | 4,561   | 37            | 2,200          | 40                                 | 63                                |
| Shamghur                | •       | •   | •      | 1,343                       | 53,041         | 12,730  | 861           | 13,156         | 89                                 | 86                                |
|                         | To      | tal |        | 5,541                       | 1,68,624       | 40,470  | 2,325         | 47,797         | 80                                 | 21                                |
| Bhaolan                 |         |     | ٠      | 1,315                       | 67,400         | 16,176  | 90            | 8,541          | .51                                | 95                                |
| Dawer .                 | •       | •   | ٠      | 3,746                       | 3,03,843       | 72,922  | 91            | 15,034         | 81                                 | 165                               |
| Todghur                 | •       | •   | •      | 3,869                       | 2,70,158       | 61,854  | 278           | 50,012         | 80                                 | 180                               |
|                         | To      | tal | ٠      | 8,430                       | 6,41,401       | 1,53,962  | 459           | 73,587         | 77                                 | 160                               |
| Total Mhairwarra        |         |     | 13,971 | 8,10,025                    | 94,432         | 2,784   | 1,21,885      | 58             | 44                                 |                                   |
| Total Ajmere district . |         |     | 26,532 | 11,55,437                   | 2,77,828       | 5,662   | 22,147        | 44             | 86                                 |                                   |

<sup>206.</sup> Instance of indebtedness.—A particular instance will illustrate the state of indebtedness, and I take the village of Rasulpoora in Pergunnah Ajmere, composed half of Deswalis and half of Gujars, and

where there were no mortgages before the famine. The mortgage debts in the village are now Rupees 4,205. Half the chahi and more than half the abi is mortgaged; there is practically no talabi. In 32 beegahs the mortgagees are in possession; in 64 beegahs instalments have been agreed on for the payment of the mortgage debt, and bonds-written accordingly and the owners are in possession: in 166 begans the owners are in possession and pay gugri which amounts to 195 maunds, and Rupees 48. The rate of interest was originally fixed much higher, but the bunias could not collect it, and as the people threatened to leave the district altogether if not relieved, the rent at first exacted has been much reduced. In one case when 18 maunds was stipulated as rent it had been reduced to three maunds. The village is a very poor one, and the bunies have been content to take here some 12 per cent. on their debt rather than lose their money. The village was assessed at last settlement at Rupees 732, and the present assessment is Rupees 572, yet in reality the produce of the village has to meet a demand of about Rupees 1,100 now, instead of Rupees 732 before the famine. A succession of good seasons may help the people out of their difficulties, but a succession of good seasons is a thing more to be wished for than expected in this part of Rajpootana. To protect the people against the bunias in the matter of these gugri bonds, and to ensure that the rent stipulated for shall bear some proportion to the produce of the land mortgaged, it has been deemed expedient to introduce a tenant law into the draft regulation on substantive law, which is now before the Government of India.

207. Remarks on the system of collection.-The history of collections has sufficiently demonstrated what was already abundantly clear, from a consideration of the tenure that a mouzahwar settlement cannot succeed in Ajmere-Mhairwarra. By the term mouzahwar I mean a settlement where the assessment is based on the average of good and bad seasons, and where the principle of joint responsibility is enforced in the collection of the revenue. The seasons present too great vicissitudes to allow of an equal annual demand being assessed, but this difficulty has been partially surmounted in the present revision by the assessment of water revenue (amounting in Ajmere-Mhairwarra to Rupees 55,432 out of Rupees 2,61,557) separately from the land reverse on the unirrigated aspect. The assessment on the dry aspect includes the assessment of well-land, but in each village where the tanks fail to fill, the water revenue will be remitted each year The principle of joint responsibility has not been formally abolished, for cases may arise (though the cultivated area cannot be largely increased in any village) in which it would be just to enforce it. Its evils, however, have been reduced to a minimum. All well known and recognized divisions of a village have been allowed to choose a headman and to each cultivator has been permitted the option of deciding through which of the patels he will pay his revenue. The total amount payable through each patel has been added up, and a list of each headman's constituents given to the headman and filed with the record. Thus in a village paying Rupees 1,000 there may be five patels, two responsible for Rupees 250 each, one for 290, one for 125, and one for Rupess 75. The Tehsildar knows exactly how much he should collect from each patel, and if the representative of any thok or patti cannot be made to pay, very valid reasons indeed should be adduced

#### REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

before the representatives of the other divisions of the village should be called on to make good the deliciency. Prima facie in such a case the sum should be remitted. In the draft Regulation on substantive law it has been proposed to abolish the power of distraint now possessed by headmen but never exercised, and to allow each patel summarily to sue defaulters among his constituents in the Court of the Tehsilder. Here the causes of default must be enquired into, and it is provided that the Tehsilder after giving a decree shall himself proceed to execute it on the verbal application of the headman. If the decree is impossible of execution, he shall report to the Deputy Commissioner who shall give orders for the arrear being collected from the representative, or for its being included in the list of remissions or suspended balances. In all ordinary years the headmen will collect, but if any difficulty arises, the Tehsildar is forced to enquire into its causes, and if he cannot collect it from the defaulter, to give his reasons for further action. If this system is fairly worked and it is simple enough, the difficulty of collecting the revenue will be much reduced, and an assurance will be obtained that the remissions which may be sanctioned reach the actual sufferers.

History of Prices .- The history of prices during the last 55 years shows that high prices and low revenue are generally co-existent. Prices were high in the first year or two of our rule, less from deficiency of produce than from the demand of the adjoining States which were suffering from the devastations of Ameer Khan. Since then deficiency of produce has been the main cause of high prices. Any system of assessment, therefore, founded on the prices of grain and rising as they rise, is quite impracticable in this part of India. The difficulty of rescuing the people from the debt which now weighs them down is enormous. In the case of the istumrardars Government has out the knot by itself liquidating the debts and taking a moderate interest from the indebted Thakoors, but this could not be proposed in the case of the petty owners of the khalsa. Something might be done by the establishment of Savings Banks on a popular basis, but these would be only useful after the people had got out of debt, and when the bunias could not touch their little hoards. At present the Civil Courts allow of no savings. The whole population is in debt, and their creditors leave the people a mere subsistence. In going through a village when the crop is ripe, one is sure to meet a Civil Court Mazkuri Peon. His duty is to prevent the owner of a field touching a blade of the produce. the crop is fit for the sickle, the Government revenue is first discharged, and the remainder swept into the coffers of the grain-dealer, who allows the cultivator merely enough to prevent him abandoning the ungrateful task of cultivating. A provision has been inserted in the substantive law, forbidding the Civil Courts to decree a higher amount as interest than the amount of the original principal. ordinary rate on loans is that known as "Shakh Siwaya" or 25 per cent. per harvest, equal to 50 per cent. per annum. The proposal to establish a State gravary at Ajmere and to take the revenue from the worst villages in kind, might not be undeserving of consideration, but that the Railway now nearly completed from Agra to Ajmere, and which is destined to be extended to Bombay, will rescue the district from its isolated condition and prevent the recurrence of any such calamity as that of the years 1868 and 1869.

#### CHAPTER VIII.

#### Corps and value of produce.

209. The accompanying Statement shows the acreage of the various crops on the ground during the year of measurement, and is an attempt to estimate the average produce of each tehsil and its total value. The acreage under crops includes do-fusli land or land growing two crops, and the price currents on which the calculation has been framed are the averages of the actual prices current at each Tehsil for the last 21 years. The prices actually ruling now are slightly higher than the averages in which have been included the years of famine, but I have preferred to leave the averages as they are then to strike other ones. Prices have been falling steadily since the famine, and the result of the advent of the Railway will be to keep them permanently at a rate slightly above that prevailing in the Agra market, but lower than the normal rates of the district.

## ORT ON THE SETTLEMENT OF THE

| -             | <del> </del>  |   |  | AJMEBE !   | Persil.   |   |  |   | Brawur   |
|---------------|---|---|--|--|---|---|--|---|--|
|               | CROP.   | Arca in acres.  | Aretago<br>produco<br>per acre.  | Amount o   |   | Value in  | Area in acres.   | Average<br>produce<br>por acre.                               | Amount of produce.   |
| Fras Case.    | Forgoteano Poppy Vezetables Melons Lucerno grass Forpor | 267<br>9<br>30  | Mr. S.  B 0  3 30 per nere.  | 258 30<br>Rupeec.  | 87 0 0<br>26 0 0<br>100 0 0<br>M, S. C.                           | 11,680 0 0<br>1,635 0 0<br>10,620 0 0<br>7,175 0 0<br>900 0 0   | 551<br>53<br>43<br>13  | 2f. 8. Peracro M. S. C. 0 G 8 Per acro.                       | Rupees. M. S. C. 50 21 8 Rupees. " 20 0 0  |
| įsi           | Tobacco   | 20<br>14  | 10 0<br>18 0<br>20 0   | 576 C  | PerRupee<br>M. S. C.<br>2 0 0                                     | 150 0 0   | <u>62</u><br>  | 10 0 0  | 620 6 0  |
|               | Tatal .   | 1,141   |  |  |   | 30,550 0 0  | 732  |   |  |
| SECOND CLASS. | Cotton { Irrigated Dry                                  | 6,216<br>602<br>0,177<br>505<br>2,617<br>67<br>10,675<br>10,476<br>503<br>8,150<br>00 | 4 10<br>1 10<br>10 0<br>1 20<br>7 20<br>1 0<br>10 0<br>2 0<br>6 0<br>7 10<br>2 20<br>4 0<br> | 22,103 30<br>740 0<br>61,770 0<br>11,512 20<br>18,877 20<br>1,00,760 0<br>1,00,760 0<br>1,218 0<br>8,039 20<br>20,375 0<br>276 0 | 0 22 0<br>0 22 0<br>0 10 0<br>0 10 0<br>0 24 0<br>0 24 0          | 1,10,818 12 0<br>1,12,991 1 6<br>2,410 14 7<br>47,184 12 7<br>47,184 12 7<br>12,75 0 0 0 0<br>12,000 0 0<br>14,000 0 0<br>0,002 0 6<br>35,131 12 0<br>1,201 11 6<br>2,0 2 8 | 1,077<br>350<br>8,182<br>1,502<br>1,208<br>17,897<br>47,<br>47,<br>47,<br>47,<br>123<br>209<br>121 | 4 0 0 0 1 10 0 0 2 0 0 0 1 0 0 0 0 0 0 0                      | 0,703 0 0 0 145 0 0 0 0 1,850 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0                          |
|               | Total .   | 42,517  |  |  | ***   | 6,03,211 11 B   | 30,502   | •••   | •••  |
| CIED CLASS.   | Jowar Bajm Bajm Bajm Bajm Bajm Bajm Bajm Bajm           | 20,161<br>12,165<br>2,718<br>10,696<br>166<br>33<br>13,730<br>80<br>623               | 2 20<br>2 20<br>2 30<br>2 30<br>1 20<br>3 0<br>1 10<br>4 0                                   | 05,402 20<br>80,420 0<br>0,400 20<br>29,411 20<br>23,2 20<br>80 0'<br>17,170 0<br>37 20<br>2,48,2 2<br>8,                        | PerRupee 0 23 8 0 19 12 0 16 12 0 20 0 0 10 0 0 13 4 0 11 0 1 0 0 | 1,11,323 0 5<br>01,010 2 0<br>11,668 16 0;<br>65,928 0 0;<br>691 4 0<br>294 11 0;<br>02,138 5 10<br>170 5 10<br>2,492 0 0   | 5,267<br>4,215<br>1,490<br>1,185<br>10 -<br>47<br>8,207  | 3 3 0<br>2 89 0<br>5 22 8<br>5 0 0<br>5 0 0<br>5 0 0<br>6 0 8 | 36,190 0 0<br>12,530 26 0<br>8,263 86 0<br>6,025 0 0<br>978 20 0<br>235 0 0<br>18,663 86 8 |
|               | Indigo<br>Chaula<br>Maddoon<br>Kuluth<br>Unsown         | 401<br>11<br>1,365<br>427   | 0 8<br>4 0<br>1 8<br>2 0   | 1,616 0<br>15 0<br>2,770 2   | 0 0 B<br>0 20 0<br>0 20 0<br>0 26 0                               | 24 0 0<br>3,232 0 0<br>30 1 7<br>4,201 8 7  | 097<br>3<br>1,132<br>1,800   | 7 20 0<br>5 0 0<br>5 0 0                                      | 5,227 20 0<br>15 0 0<br>5,660 0 0  |
|               | Total .   | 09,051  |  | 107  | •                           | 3,19,819 16 9   | 18,837   |   | 611  |
|               | Geand Total .   | 1,11,712  |  |  | ***   | 9,61,014 11 6   | B0,071   |   | ***  |

### AJMERE AND MHATEWAREA DISTRICTS.

| T   | BHSIL,   |  | *  | Todgev   | r Trustl.                               |   | Д Ди   |
|---|--|--|--|--|---|---|--|
| Avera<br>pric<br>curren                               | Autre II   | Area acres   |  | ice Amount   |   | ice yaitto it   | Area n acres.  |
| 28. a. 35 0 Per eee: 8 15 30 0 25 0 50 0 M. S.        | 0 175 0<br>10 82,196 8<br>0 1,590 0<br>1,075 0<br>0 650 0  | 8 2,2<br>0<br>0<br>0   | Per ac   | re. Ruposs   | Per s                                   | 0 2,900 0<br>8er.<br>0 1,08,851 10<br>0 1,850 0   | P-<br>0 855<br>0 2,849<br>0 462<br>0 834<br>22                 |
| Per maun<br>10 8                                      | 6 125 7<br>d. 7 6,836 5  | . [  | 9 720  | 0 144 0  | 0 0 7<br>8.<br>0 10                     | C.  | 9 80 128   |
| \$44.00<br>\$\$*\$00                                  | **************************************   | ******   | ******   | ******   |   |   | 20<br>14   |
| ******  | 42,149 0   | 10 2,39  | 1  | *****  | 400                                     | 1,11,794 7  | 9 4,264  |
| 0 23<br>0 29<br>0 18<br>0 25<br>0 7                   | 0   33,540 0   2,225 0   2,225 0   1,15,0-7 7   4,225 6   19,330 12   6   19,621 3   19, | 0 26<br>0 1,28<br>9 1,08<br>9 1, | 7 12 20<br>7 3 20<br>1 10 0<br>1 12 20<br>1 12 20<br>1 2 20<br>1 3 0<br>1 | 315 0<br>2,950 0<br>2 20   | 0 31 20 20 0 30 80 80 29 0 26 0 20 0 32 | 8 423 16<br>10 1,04,006 0<br>6,025 13<br>5 21,557 G<br>21,557 G<br>8 1,05,8-6 4<br>8 2,044 14 | 487<br>270   |
| ****  | 3,97,898 9 1   | 1 17,021   | *****  | 400,000  |   | 2,62,141 16   | 7 80,040   |
| Per Bupee. 0 24 5 0 23 8 0 17 6 0 23 4 0 18 14 0 28 5 | 20,510 1 6<br>21,342 15 8<br>18,826 8 1<br>10,163 15 0<br>2,073 10 3<br>532 0 1<br>52,898 14 0<br>570 11 4   | 431<br>848<br>76<br>327<br>82<br>1,264   | 4 0 0<br>2 0 0<br>3 0 0<br>2 0 0<br>4 0 0<br>2 20 0  | 502 0 0<br>2,554 0 0<br>229 0 0<br>054 0 0<br>128 0 0<br>3,136 0 0 | 20 8<br>25 0<br>23 4<br>25 0<br>17 10   | 14,01 5 2<br>1,02 13 10<br>5,09 11 8<br>35,12 4<br>1,125 2 7<br>20,13 9<br>7,111 14 5         | 16,864<br>4,552<br>11,957<br>072<br>112<br>18,257<br>80<br>005 |
| 0 21 10<br>0 28 5<br>0 24 7                           | 9,669 5 6<br>21 3 2<br>9,204 7 3   | 590<br>67<br>2,589<br>831  | 2 0 0<br>4 0 0<br>4 0 0  | 1,180 0 0<br>267 0 0<br>10,366 0 0                                 | 22 2<br>26 5<br>31 9                    | 407 6 7<br>13,124 7 0   | 1,691<br>84<br>5,108<br>2,084                                  |
| en  | 1,51,003 6 10  | 8,965  |  |  | ***                                     | 45,504 0 8  | 95,856   |
| ******  | 6,90,458 1 7   | 28,877   | ******   | 101000   | ui                                      | 4,09,451 7 7  | 1,90,160   |

- 210. The estimate of the average produce has been founded more on the results of inquiry among the cultivators and inspection of jugliredars and farmers' accounts than on actual experiments of cutting and weighing the produce. Such experiments were made by Mr. Ridsdale in 1868 and by myself in 1878 and 1878, but the results gave such unaccountable variations that the method was abandoned as untrust-To obtain anything like a true average in this way, the trials should extend over large areas and a series of years. None of the higher officials have leisure to superintend more than a few experiments, and it is impossible to make the lower grades of officials careful and to prevent the best fields only being chosen. The weight of grain depends a good deal on the time when it is cut, that out early in the year being much heavier than that cut later; yet no one can tell the exact deduction which should be allowed on this account. The experiments, however, are useful as a test, and they go to prove that the best well-irrigated land will give about 20 maunds of barley or maize and 15 maunds of wheat per acre. The amount which has been assumed as the average in Ajmere is exactly half of this.
- 211. The crops have been divided into three classes, the first comprising sugarcane, poppy, and what may be called garden produce; the second consisting of the main staples which are sown in irrigated land, or in land submerged in the tanks; the third comprising the grains which are sown almost exclusively in unirrigated land. In Ajmere the barani area is 74,256 acres, the area of crops of the third class is 68,054 acres, and if the area of unirrigated cotton, maize, wheat, and barley be added, there are about 4,000 acres of unirrigated land occupied by gram and bejar, which are generally sown in abi land. In Beawur the barani area is 19,840 acres, that of Todghur is 8,933, closely approximating to the area of the third class. The classification, therefore, shows pretty fairly the graduations from fully irrigated to unirrigated crops, the intermediate class being of those crops which generally are irrigated, and in the four crops of cotton, maize, wheat, and barley, the unirrigated area is separately sown, bejar, goji, and gram are generally grown in abi land.
- 212. It will be seen that the chief crops of the district are barley and jowar which occupy respectively 20 and 17 per cent. of the crop area. Maize occupies 18 per cent., til and bajra occupy 9 and 8 per cent., respectively, and after these at a considerable interval comes cotton with 8,219 acres, and gram with 9,543. The cultivation of sugarcane is confined in Ajmere to the Pooshkur valley where it is grown without irrigation, and where a crop is taken for three consecutive years without re-sowing. In the jaghire villages of this circle Rupees 10 per acre is the regular rent paid for sugarcane. The rates of rent in the jagbire estates, where except in the case of sugarcane, maize, and cotton, the revenue is taken in kind, are generally equivalent to one-fourth the produce, and this would make the produce worth about Rupees 40 per acre. The cultivation of melons is almost exclusively the occupation of a particular caste called Keers, and is chiefly carried on in the sandy beds of nullahs as at Saradhna in Ajmere, and at taindrah in Beawur. The Keers do not pay more than Rupees 2 a beegah or Rupees 5 an nore to the village community, and in Beawur the rate is generally one Rupee a beegah. . Poppy is not made into opium in the Ajmere District, but sold under the form of poppy-heads. In Bouwar and Todghur the juice is extracted in the usual toilsome manner by a number of incisions on

the head of the plant. It will be seen that the price current of Beauty differs considerably from that of Todghur, which is to be explained by the fact that in Todghur the price current is that of the raw juice called "dudh." This is either sold on the spot to bunias or carried by the people themselves to Palee, where it is manufactured into opium. As has been pointed out in the following chapter, nearly the whole of two opium produce may be considered an export trade.

218. Jowar is grown almost entirely in unirrigated land, and is a very different crop from the jowar of the North-Western Provinces. where it is generally irrigated and manured. Here it is stunted and seldom more than five feet in height, the stalks are thin and the heads small. Except in the Todghur Tehsil, the barani land of the district is very poor and possesses hardly any value. It is for the most part, partially disintegrated rock, and if there is a lengthened break in the rains, as is very often the case, the crop sown on it dries up. There was an abnormally large amount of land sown in the year of measurement. Bajra in this district gives much the same outlurn as jowar, and is very inferior to the bajra of Marwar. The til in Ajmere-Mhairwarra is sown by itself, and it and the remaining crops of the third

class have both a small and uncertain outturn.

214. It is more difficult to arrive at a fair average outturn for crops, such as cotton, maize, wheat, and barley which are grown in chahi, talabi, abi, and barani land, and for these four staples I have made a separate estimate for the unirrigated area, though the abi has been included in the irrigated. The result of the investigation in the North-Western Provinces into the outturn of cotton for 1873-74 points to about 90 lbs. of cleaned cotton, or 3 maunds 30 seers of kapaes as the average outturn per acre. There can be no doubt that the outturn of the crop in the Doab, where cotton is chiefly grown in the Barah and Munjah fields around the village side, is much larger than the outturn of Ajmere. Still the present estimate is 4 maunds 10 seers in Ajmere and 5 maunds 10 seers in Tode har of uncleaned cotton, or considerably more than the North-West average. It seems to me there can be little hesitation in believing the latter calculation to be erroneous. In the jughire villages where rent or sevenue ffor the two terms are synonymous in the jaghire) is taken according to the crop, Rupees 2-10 a beegah, or Rupees 6-9 an acre, is the ordinary rate paid for land on which cotton is grown, and if the expenses of cultivation which may be taken at two-fifths of the total value of the produce be added, it is clear that it would not pay any man at present prices to cultivate the crop if the value were only Rupees 15 or 16 per acre. Yet it is notorious that the crop does pay and the people themselves seldom speak of less than 8 or 9 maunds of uncleaned cotton for a good crop. The estimate has been made in uncleaned cotton as the cultivators do not themselves clean the cotton, but make it over as picked to the merchants. The outturn of wheat, tharley, and maize may be discussed together. The irrigated area of these crops includes chahi, talabi, and abi land, but the outturn of these three classes is by no means equal, nor is the outburn of the land in each class anything like the same. It is only in the most favoured vallers that the wells have a permanent supply of water, while in years of unfavourable rain many on the high grounds dry up entirely. It has been sufficiently shown elsewhere that the value of tank-land depends on the capacity of

each tank, and this varies from full irrigation to no irrigation for the rubbes. Maize is a very precarious crop, and is often entirely drowned. Barley is largely grown in abi land, which round the margins of the tanks is little better if at all than unirrigated land. Taking all these facts into consideration, the estimate framed is not. I believe, too low.

215. The value of the average produce of Ajmere-Mbairwarra is thus estimated at Rupees 19,61,524. In this estimate is not included the value of straw and "bhoosa," but in this district the value is almost nominal. There are no large towns which have a demand for this produce, and what is sold in the towns is brought in on men's heads from the adjacent villages and sold at four annas or so a bundle without being weighed, and the rate does not more than cover the wages of the carriers. In the villages straw and bhoosa is wasted. Grass lands are abundant in every village, and grass is regularly cut in most villages. The cattle thrive better on it than on the less nutritious bhoosa, and as long as they have grass the people do not use bhoosa at all.

216. The prices current on which the calculation has been made are the market rates; but the price at which the cultivator has to sell his produce is much lower than these. On the whole about 10 per cent should be deducted from the estimate on this ground. Allowing for bhoosa, however, the value of the average produce to the cultivators may be stated at Rupecs 18,00,000. The assessment of the whole district is Rupecs 2,61,557 without cesses, or with cesses Rupecs 3,04,593. The incidence of the assessment, however, is discussed at full

in a subsequent chapter.

217. Number of owners and tenants.—The accompanying Statement shows the number of owners and tenants and the number of holdings in each assessment circle. The number of holdings in Ajmere is 18.278, giving an average of nearly six acres per holding:—

| nbor.                 |   |         |      |     | Num<br>Owi                              | BER O         | litiva.                               | Nu                                      | MBER                    |                                   |   | IVAT-                                     |
|-----------------------|---|---------|------|-----|---|---------------|---------------------------------------|---|-------------------------|-----------------------------------|---|---|
| Serial Number.        | (   | Circle. |      |     | Gultivațing.                            | Non-cultivat- | Number of cultiva-<br>tors (tennuts). | Held by                                 | Hold by                 | Held by te-                       | Owners and mortgagess.                        | Tenants.                                  |
| 1<br>2<br>8<br>4<br>5 | Ramsar<br>Bajghur<br>Gangwana<br>Ajmere<br>Pooshkur |         | :    | :   | 7,052<br>3,208<br>3,491<br>2,677<br>701 | 146<br>207    | 1,758<br>892<br>931<br>947<br>286     | 4,495<br>1,942<br>1,947<br>1,878<br>398 | 537<br>1,299            | 1,459<br>757<br>611<br>841<br>136 | 28,164<br>16,328<br>24,832<br>17,330<br>3,710 | 4,627<br>4,470<br>4,810<br>4,122<br>1,028 |
|                       | ļ   | Total   |      |     | 17,332                                  | 1,30          | 4,764                                 | 10,660                                  | 8,809                   | 3,804                             | 90,864  | 18,556                                    |
| 1<br>2<br>8           | Beawur<br>Ohang<br>Shamghur                         | : :     | :    | :   | 4,423<br>1,015<br>3,170                 | 430           | 1,412<br>445<br>782                   | 4,009<br>1,332<br>2,583                 | 1,666<br>504<br>1,406   | 364                               | 22,396<br>4,103<br>8,497                      | 4,759<br>635<br>1,376                     |
|                       |   | Total   |      |     | 9,210                                   | 2,086         | 2,580                                 | 7,874                                   | 8,576                   | 2,183                             | 34,996  | 6,770                                     |
| 1<br>2<br>8           | Bhaelan<br>Diwer<br>Todghur                         | : :     | :    | :   | 1,028<br>5,496<br>6,558                 | 29<br>28      | 954<br>1,778<br>1,585                 | 1,892<br>2,974<br>8,097                 | 2,429<br>6,167<br>6,192 | 1,166<br>1,960<br>4,448           | 5,595   | 1,122<br>2,200<br>1,990                   |
| - {                   |   | Total   |      | -   | 16,077                                  | 57            | 4,267                                 | 8,868                                   | 14,788                  | 7,569                             | 15,418  | 5,312                                     |
| .                     | Total 1   | Mhairwa | erra | . } | 25,287                                  | 2,093         | 6,847                                 | 16,787                                  | 18,864                  | 9,752                             | 50,414  | 12,082                                    |

In Beawur there are 13,633 holdings giving an average of two-thirds of an acre only. This last result is due to the enemeus number of mortgaged holdings, which however are not really separate holdings, as the mortgages allows the mortgaged fields to be cultivated by their owners. The number of owners and tenants, however, in Todghur is 20,401, so that there is just one acre per sharer of cultivated land. Subdivision can hardly go much further.

218. Average profits of a cultivator.—With the aid of this stated. ment, the crop statement, and the statement of indebtedness given in the preceding chapter, it becomes possible to make an attempt to calculate the average profits of a cultivator in each Tehsil. The value of the average outturn is assumed to be that shown in the grop statement less 10 per cent. : from this must be deducted the Government revenue with cesses, the cost of production including the subsistence of the husbandman, and interest on mortgage debts. The balance will be the net profit or income of the agricultural classes in Ajmere. The cost of production has been variously stated. In Mr. Hume's Cotton Report the details showing the total value of the produce of several food-orops work out to about half the value as absorbed by the cost of production. In old times Government used to take one-half the produce from the cultivators, who probably had then but little more than the means of subsistence, but one-half is a high estimate for the cost of production, and two-fifths cost and three-fifths residue is perhaps marer the truth. The account will then stand as follows:-

| al j mui v i       |                    |
|--------------------|--------------------|
|                    | Deduction          |
|                    | Rupees.            |
| Revenuo            | , 1,66, <b>862</b> |
| Cost of production | 3,36,182           |
| Interest           | 82,896             |

5,85,440 leaving a balance of Rupees 2,80,014 to be divided among 28,403 owners

# and cultivators, thus giving Rupees 12 per annum to each sharer. Beawur.

Aimere.

Value of produce.

Rupees.
8,65,454

| Value of produce.     |   |   | Deductions.                            |
|-----------------------|---|---|--|
| Rupess.<br>- 5,31,412 | Revenue<br>Cost of production<br>Interest | : | Rupees.<br>75,142<br>212,564<br>40,470 |
|                       |   |   | 228 176                                |

leaving a balance of Rupees 2,03,286 to be divided among 13,826 owners that and cultivators, thus giving Rupees 14 per annum to each sharer.

| Todghur |
|---------|
|---------|

|                     | ±00gioni                            |   |
|---------------------|-------------------------------------|---|
| Value of produce.   |                                     | Deluctions.                                   |
| Rupees.<br>3,68,506 | Revenue Cost of production Interest | 2spees.<br>. 63,089<br>. 147,402<br>. 152,962 |

# "" ON THE SETTLEMENT OF THE REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

leaving a balance of Rupees 4,058 only to be divided among 20,401 cultivators and tenants.

- 219. The average profits of the agricultural classes are thus Rupees 4,87,303, and in Todghur where the land is as a rule mortgaged, and where the mortgagers pay generally one-half the produce to the mortgagees and discharge the Government revenue besides, the people are a hand-to-mouth peasantry, with a mere subsistence and with no resources beyond those of the current harvest. In Ajmere and Beawur there is a certain amount of profit, but the produce of talabi land is a fluctuating item, and if there is no rain there will be no produce. In a bad year the profits will be nearly all absorbed by the loss of produce on talabi land. In Todghur the produce is much more constant as it depends on wells. The results are certainly provocative of criticism, but there is no doubt that the people have no accumulations. The number of owners includes nearly the whole male population, and in Todghur at least they are much too numerous for the soil.
- 220. The income of the landowners in the district is no doubt supplemented by the profits on the common pasture land of the village; they can get wood for fuel and for agricultural implements free of cost, but they make but little profits; they are overwhelmed with debt, and each year of scarcity increases the amount of debt, until practically the land no longer belongs to the recorded proprietor.

#### CHAPTER XI.

Trade, Manufactures, and Education and Institutions.

- 221. Ajmere Trade.—The city of Ajmere was in ancient times an entrepôt for the trade between Bombay and Upper India, and a factory was established here in the early years of the East India Company subordinate to that of Surat. The position of the district must always render it a mart for Rajpootana for the produce of Upper India and of the Bombay Presidency, including European goods; but the province itself has no manufactures and produces but little in excess of its own consumption. What import and export trade there is, is almost entirely a transit trade, and an import trade can only exist in proportion as the province has something to offer in exchange.
- Baujara bullocks, and till recently was much hampered by customs and duties. There was a transit duty, an export duty, town duties, and a tax called muppa. During the last years of the Mahratta rule the customs were farmed for Rupees 31,000, and the taxes were retained in their integrity by Mr. Wilder. Muppa was the most vexatious tax, and was the duty levied on the sale of every article in every village. Originally it was levied at the rate of Rupee 1-6 per cent, from persons not residing in the place in which the articles were sold, so that the every day transanctions between the inhabitants of the same place were exempt, and the burden fell on what may be called the external trade of the village. The chief innovation introduced by Mr. Wilder was to levy the transit duty on the maund instead of on the bullock or camel-load as had before been customary, but his successor, Mr. Cavendish, introduced other provisions which still further fettered trade. He extended the mupps

tax to all towns as well as villages, and to the transactions between the inhabitants of the same place, and raised the rate to 2-6 per cent. He established a new duty in the towns of Ajmere and Kekree on the sale of sugar, tobacco, rice, and ghee, and for the transit trade introduced a system of rawanahs which fell with unmitigated severity on all but the richer merchants. No goods were allowed to enter the district without a pass, and all the merchants were required to file a petitical to take out that pass, and again on the arrival of the goods within the precincts of the district or at the city of Ajmere, to subject them to examination and weighment, and thus prove their exact identity with the species and quantity mentioned in the sawanahs. In order to prevent their goods being stopped on the frontier, the mercautile firms at Ajmere were obliged to obtain from their correspondents previous information of any despatches of goods particularizing every article, and then a pass had to be procured and sent to meet the goodson the frontier. On the recommendation of a Committee in 1836, Government abolished this system and restricted the customs taxes to a transit duty to be levied once for all on the import of foreign goods into the district. whether intended for domestic consumption or re-exportation. To avoid veratious inquiries the tax was directed to be taken on the bullock or camel-load at a fixed sum.

223. These orders do not appear to have been acted on, for many of the old abuses seem to have been as rife as ever in 1859 when the Deputy Commissioner complains that if a cultivator in a village a mile from Ajmere wishes to sell a seer of ghee in the city, he has to procure a pass from the Customs Agent in his village, stating his name and abode, and specifying the goods taken for sale. On arrival at the town he must have his goods examined again to see if they agree with the pass. An export duty was still levied. In 1860 Government sanctioned other reforms all in the direction of the orders of 1836. Export duties were abolished and the customs tax remitted on 18 articles, while the duty on 17 articles was considerably reduced. The whole district was consolidated into one circle, whereby the separate duties formerly levied in Mhairwarra and the pergunnah of Sawar ceased. By these reforms the dutiable articles were reduced to 37, of which the duties on cotton, ghee, salt, tobacco, clothes, blankets, and opium chiefly affected the produce of the district. The revenue from the customs before 1860 averaged about one lakh, and from that year till 1868 averaged about Rupees 1,12,000. In 1869 oustoms were entirely abolished and all trade is now free as far as Ajmere is concerned. Each Native Prince. however, still levies transit dues in his own territory, but the opening of the Railways now in progress will probably invest the transit duties of Rajpootana with a merely historical interest.

224. The trade of Ajmere city has of late years fallen off considerably owing to the development of the towns of Nyanuggur and Nusseerabad and the pressure of the octroi in Ajmere. There is no suitable bonded warehouse in Ajmere. In Beawur, the only other municipal town in the district, there is a good bonded warehouse, but the merchants in both the towns prefer to pay the octroi and assert that the trade is not sufficiently large to warrant their leaving their goods elsewhere than at their own godowns.

225. The import trade of Ajmere city is estimated for the year 1873 at Rupees 11,44,000, of which sugar and cloth of all kinds are the chief items. European cloth is estimated at Rupees 3,00,000, of which about half is re-exported. Country cloth and sugar are about equal in value and are estimated at Rupees 1,00,000 each. The greater part of the sugar is re-exported to Meywar. It comes almost entirely from Bhawani in Hissar. Hardly any sugar is grown in Rajpootana, and this trade employs large droves of camels who return empty to Sambhur about 50 miles, and thence take return loads of salt for Upper India. A great deal of the Meywar trade is now carried direct from Bhawani and Rewari, and the goods are not unloaded at Ajmere. The export trade of Ajmere city is estimated for 1873 at Rupees 6,05,189.

226. Beauur trade.—The new town of Beawur is rapidly absorbing the greater part of the trade of the district, and is becoming the exclusive entrepôt of the cotton trade. The camels which bring down sugar from Hissar for Meywar are laden with cotton at Beawur, and despatched to Ahmedabad whence they return with European cloth, cocoanuts, and other articles of minor importance. The cotton is packed in loose bales of about three maunds weight each, and two of these form a camel-load. It apparently does not pay to press the cotton, for though there are two presses in Beawur, one belonging to the Municipality, they are hardly if ever used. The value of the cotton exported in 1873, as nearly as can be ascertained from the merchants, was about Rupees 12,00,000, and of this amount 81 lakhs is stated to be the produce of Meywar. There is also an export trade of grain in most years from Meywar to Marwar which passes through Beawur. Marwar, however, is too poor to import according to its needs, and in years of famine the people have no other resource but to emigrate to more favoured countries. The exports of Beawur are estimated at Rupees 19,27,000, the imports

at Rupees 23,19,170.

227. Exports from the district.—It is difficult to form even an approximate estimate of the value of the exports from the district itself. The istumrar estates have never been measured, and there are no returns of the crops grown in this portion of the Ajmere District. The exports consist of grain, cotton, and opium. Without returns of the area under grain-crops in the istumrar estates, which in area exceed one-half of the Aimere District, it is impossible to calculate how much more grain is produced in average years than is necessary to supply local consumption. In the longitude of Ajmere the harvests are so prevarious that the grain trade observes no fixed rate. Some estimate, however, may be given for cotton and opium. The area measured under cotton at the recent settlement in the khalsa villages of Ajmere-Mhairwarra is 8,219 acres. and the estimated produce of the crop is \$1,665 maunds of uncleaned Allowing two seers per head for local consumption, the annual amount retained at home by the inhabitants of the khalsa villages is 6,785 maunds, leaving a surplus to be exported of 26,576 maunds; the value of which is Rupees 1,29,400. Cotton is largely grown in the istumrar estates, the soil of which is much more suited for it than that of the khalsa, and adding the jaghire villages, the value of the export trade may be set down at about 34 lakhs, or the amount at which it is estimated in the trade returns of Beawur.

229. The area measured under poppy in the khalsa villages of Ajmere-Mhairwarra is 2,849 acres, and the crop is valued at Rupees

- 1,39,233. Almost the whole of this is exported to Pale in Marwar, as of the whole area under crop 2,229 acres are in the Todghur Tehsil. There is comparatively little opium grown in the istumar estates, and the value of the export may be assumed at a lakh and shalf.
- 229. Manufactures.—Ajmere possesses no manufactures deserving of special mention, with the exception perhaps of the salt-pans of Ramsar Pergunnah. The salt which in years of heavy rain exides abundantly-from the soil is scraped up and thrown into large pans where it is discoved in water. The water is allowed to run off into a lower pan where it is evaporated. There is a separate caste called Kharol engaged in this manufacture, but during the dry years of famine of 1868-69 the salt did not exude, the Kharols who have no land nearly all died, and the manufacture was ordered to be stopped under the impression that it deteriorated the soil.
- 280. Education and Institutions.—As regards Public Instruction the province is in a very backward state. There is no lettered class in Ajmere, and the agricultural classes are quite apathetic on the subject. Out of a total number of 1,143 headmen of villages appointed at the recent settlement only 54 can write their names.
- 281. Aimere College.—With the exception of a monthly subsidy of Rupees 300, which was given to a reverend gentleman who had established a school at Ajmere, no attempt was made by Government to provide for the education of the people till the year 1851, when a school which had been sanctioned by the Court of Directors in 1817 was opened at Ajmere. The school was affiliated to the Calcutta University in 1861, and since that time 37 pupils have passed the Entrance Examination, and eight of this number the First Arts Examination. In 1868 the school was raised to the position of a College, but with a staff of teachers limited to the requirements of the First Arts Examination of the Calcutta University.
- 232. The College at Ajmere is a commodious building situated about a mile from the city. The present staff consists of a Principal, a Head Master, a teacher of mathematics, an assistant teacher of mathematics, and 17 assistant masters. The number of pupils at the rolls at the close of 1872 was 235, of whom 181 were Hindoos and 54 Mahomedans. Of these 90 studied English and Urdu, 35 studied English, Urdu, Persian, and Arabic, and 107 studied English with Hindiand Sankrit. The total income of the school was Rupees 32,708 including a Government grant of Rupees 27,921, and the expenditure was Rupees 32,063. Attached to the College is a boarding-bouse for the excommodation of boys from the village schools who have obtained scholarships, and 43 boys resided here in 1872.
- 233. Elementary Schools.—There are 18 Elementary Schools supported by Government in Ajmere, and 11 in Mhairwarra. The former are attended by 671 pupils, the latter by 236, giving a total of 932, including 25 pupils attending the College with scholarships. Of this number 910 are Hindoos, and only 22 Mahomedans. Of the Hindoos 412 belong to the shopkesper class, 131 are classed as agriculturalists, and 94 as artizans and labourers. The total cost of these schools during the year amounted to Rupees 13,244, of which Rupees 12,778 was a Government grant. The average daily attendance was only 688.

234. No arrangements were made at Colonel Dixon's settlement in 1850 for the levy of a school cess, but shortly after the announcement of the assessment, 75 schools were established in Ajmere-Mhairwarra, and Colonel Dixon possessed sufficient influence to induce the people to defray a large portion of their cost. The number was subsequently reduced to 57, and the contributions were continued as long as Colonel Dixon lived. After his death, however, the clamours of the people against the coss became so violent that Government authorized the cessation of the contribution, and all schools except those supported by Government were closed. The intensity of the unpopularity of the cess may be gathered from the fact that when the sister-in-law of the Bhinaic Raja performed suttee in 1857, the last request of the Brahmans who surrounded the pile was that she might use her influence for the abolition of the cess for village shools.

235. Mission Schools. -On this subject the labours of the Rajpootana branch of the United Presbyterian Mission deserve notice. whole cost of the schools etablished by the Mission is borne by the Mission Board, and grants-in-aid though offered have been refused. The Mission has established four Auglo-Vernacular Schools, one at Ajmere, one at Beawur, one at Nusseerahad, and one at Declee, besides 52 Vernacular Boys' Schools and six Vernacular Girls' Schools; 2,142 boys and 290 girls are taught in these schools, total 2,432, and the average attendance in 1872 was 1,975. Most of the girls and a small proportion of the boys are the orphans who were left destitute in the famine of 1869 and who have since been fed, clothed, and educated by the Mission. The boys are taught useful trade, and the hamlet of Asapoora near Nusseerabad and another near Ajmere have been founded on land purchased by the Mission for the purpose of opening a career of agriculture to the voung community. The Missionaries of whom there are nine including medical practitioners in the district, complain of the difficulty in getting the children of the cultivating classes to attend, school, which they attribute to the apathy of the parents and to the influence of the bunias who are steadily opposed to the enlightenment of the cultivators.

236. Literature and the Press.—There is no indigenous literary class nor was there any Printing Press in Ajmere till 1871, when a Native gentleman from the Punjab established one. From this Press the Rajpootana Official Gazette issues in triglot form—English, Hindi, and Urdu, and the publisher is allowed to add a supplement which is an ordinary newspaper. The Gazette is largely subscribed for in the Native States of Rajpootana, as it contains all official orders affecting Rajpootana as well as the province of Ajmere. The present circulation (August 1874) is 325 copies; the Government subsidy is Rupees 1,200, and 50 copies are weekly distributed among Government officials.

237. Mayo College.—In the latter part of the year 1870 the late Earl of Mayo visited Rajpootana, and in a Durbar held at Ajmere suggested to the Princes and Chiefs there present that a College should be established at Ajmere, where the future rulers and nobles of Rajpootana might receive such an education as would fit them for their high position and important duties. The proposal was warmly espoused by the Chiefs and a sum of Rupees 6,26,000 promised for the endowment of the College. The principles on which Government aid is to be given

have been laid down as follows by the Government of India:- "The contributious promised by the Chiefs amount to Rupers 6,26,000, and it is expected that they will eventually attain the sum of seven lakks. Supposing, however, that they do not exceel the former sum, this at 4 per cent, would give an endowment of Rupers 25,040 per annum, which it has always been understood would be available for the salar of the Principal and the edgrational establishment or for a part of the cut thereof. To this sum it will probably be found necessary that Government should give some addition for the educational staff. The amount needed may be assumed at Rugers 1,000 a month, or £1,200 a year which represents a capital sum of three lakes of supees.

235, "His Excellency in Council considers that the axistance to be given by the Government of India should take the form of the great of a sum count to the contributions of the Chiefs tempels the endowment which may be taken at p-ven laklis. In this calculation will be included -(1) the capitalized value of the addition which it may be found necescary to make to the sun contributed by the Chiefe, to the endowment at estimated above; and (1) the rost of the College building and the houses for the Principal and one Unglish Master. As the boardinghouses to be erected by the Chiefs for the studente from their States will be paid for by them in a littion to their contributions to the endonment, to His Excellency in Council excludes from the sum now sanotioned the charge of the boarding-house to be erected by Government for pupils from Ajmere."

239. The site chosen for the Callege is that of the old. Residency of the Agent to the Governor-General about two miles east of Ajemre city, and the area of land which has been appropriated for the College boarding-houses and grounds is 150 acree. The general acheme is that of a main building with a reparate boarding-house for the students of each State and houses for the masters disposed on three sides, the west front looking towards Ajmere city and the Taraphur Hill. has no yet (August 1874) been sanctioned for the main building. The plan originally prepared at Simla in the cummer of 1571 under the supervision of Lord Mayo was of the Greek order, but at the end of that year an alternative design in Hindoo prehitecture was called for, and subsequently a design on the model of the Kohlapsor High School was prepared. Meanwhile Government sanctioned Rupees \$6,000 for a boardinghouse for the Ajmere students, and the Maharana of Ondeypoor, the Maharaja of Jeypoor, and the Maharaja of Jedhpoor have sauctioned similar sums for the boarding-houses of the pupils from their States. The Durbars of Ulwar and Tonk have also contributed. Pive boardinghouses are now in progress, and it is intended to open the College as soon as these are ready, the present Residency being used as the College proper until the main building is completed.

Dispersaries,-Ajmere-Mhairwarm contains seven dispensaries, the Sudder dispensary at Ajmere, and the dispensaries at Kekree, Massooda, Pisaugun, and Ramsar being under the charge of the Civil Surgeon. The other dispensaries are at Beawur and Todghur, and are under the charge of the Assistant Surgeon at Beawur, who is a native of Bengal. The income of the dispensaries during the year 1872 was Rupees 4,985, of which Rupees 2,512 was an Imperial charge.

The expenditure was Rupees 4,368, of which Rupees 3,542 was the cost of establishment. The balance in the treasury at the end of the year was Rupees 2,282. The number of in-patients was 356, of out-patients 14,656. In 1859 the revenue of the dispensaries was Rupees 1,751, of which Rupees 1,460 was a Government grant. The number of patients was 119 in-door and 5,158 out-door. The great want of the district in respect of the dispensaries is that of competent native doctors, and it has been proposed to establish a medical school at Ajmere, as it has been found that the Bengali Baboos do not make these institutions popular with the people. It may be added that a small enclosure adjoining the Ajmere dispensary has been set apart for lunaties, but there is no Lunatic Asylum in the province.

241. Poor-houses.—In this place may be given an account of the institution attached to the Dargha Khwaja Sahib, which is known as the "Langer Khana," and is the only institution resembling a poorhouse in the district. The custom of giving a daily dole is as ancient as the shrine itself, and is alluded to in all the old grants. Two maunds of barley are daily cooked in a chaldron with salt and distributed at daybreak to all who come. The average daily attendance is about 400. No enquiry is made as to the recipients. Besides the 730 maunds of grain, which are thus yearly consumed, 604 maunds are annually distributed to infirm women, widows, and other deserving persons at their own houses. The whole charity is in charge of two Darogahs who receive pay. The cook, water-carrier, and other servants receive pay in grain. In times of scarcity a second dole is issued in the evening. The hormal cost of the charity is about Eupees 3,000 per annum, of which amount, Eupees 666, a large percentage, is the cost of supervision.

#### CHAPTER X.

Operation of the present revision prior to assessment.

I joined my appointment in Ajmere on the 5th December 1871, and by the end of the month the survey was commenced in all the three Ichsils at once. The sanctioned staff for each Tehsil, though subsequently it was considerably increased in Ajmere, was a Superintendent, Sudder Munsarim, and five Munsarims. The services of Punna Lall, Tehsildar of Todghur, and of Ajodhya Prasad, Tehsildar of Ajmere, were placed at my disposal by the Deputy Commissioner, and they were appointed Superintendents in their respective Tehells. Ramnath joined his appointment as Superintendent of Beawur from the Punjah, and Pundit Maharaj Kishn, who had been nominated Extra Assistant Commissioner, arrived at Ajmerc on the 14th February 1872. The work of survey was finally completed in June 1873. The efforts of Mr. Ridsdale to instruct the putwarees had been fairly successful, and sanction had been accorded to the employment of two putwaree instructors during the intermediate period. The Ajmere putwarees measured 272,741 acres, the Beawur putwarees 97,582 acres, and the Todghur putwarees, who were the most ignorant, 80,188 acres. Out of a total area of 792,413 acres exclusive of jaghire, the putwerees have measured 400,506 acres or rather more than one-half.

248. At the time of Colonel Dixon's settlement there were two separate standards of measurement adopted in Ajmere and Mhairwarra,

The Ajmere beegah was a square of 44 yards, or 1,936 square yards. The Mhairwarra beegah was a square of 42 yards, or 1,764 square yards. Two and a half Ajmere beegahs are the exact equivalent of an acre, the relation of the Mhairwarra beegah to the nore is expressed by the fraction 2.7437. There were no kacha beegahs known in either district, and as it appeared that there was no popular feeling or desire among the Mhairs to retain their local beegah, orders were issued that the whole district should be measured with the Ajmere chain.

- 244. No classification of soils is recognized in Ajmere or Mhairwarra, and the people know no other division of the land than that founded on its means of irrigatom. They divide the soil into chahi or land irrigated from wells; talabi or land irrigation from tanks, or by lifts from a nullah; abi or land submerged during the rains in the beds of the tank; and barani or unirrigated land. This was the classification adopted by Colonel Dixon, and this classification was adhered to in the present measurement. It seemed worse than useless to attempt a classification of soils, which was locally unknown, and which could not have been relied on for assessment purposes. One addition was, however, made in distinguishing the manured fields, both on the map and in the khusra.
- 245. The measurement was carried out by means of the plane table, and to each four or five measuring parties a Munsarim was allotted, whose duty was to test the measurements and the entries in the khusra. The work was again tested by the Sudder Munsarim or Superintendent, and the measurement in a large percentage of villages was again tested by the Extra Assistant Commissioner or myself. The outside boundary of the village was in all cases laid down and thoroughly tested by diagonal lines before the field survey was allowed to be begun, but in the larger villages it was found convenient to divide the area into several "chaks" and to complete the boundary line of these before the rest of the boundary was commenced.
- Form of khusra adopted.—A form of khusm (new at least to me) was adopted at the suggestion of Mr. Saunders, the Commissioner. In the North-Western Provinces and the Punjab the khusra is a list of fields numbered and entered in the khusra in succession as each field is measured. From this list it is necessary subsequently to pick out the several fields belonging to each owner or tenant, and the paper thus made which shows the amount of land held by each individual, is called the khuteoni. It is a clear advantage if the two papers can be combined into one, and a khuteoni made out on the ground, and it is possible to do this if there be a correct list of holdings made out before the measurement commences. This was done while the boundary survey was being made, a Munsarim prepared pedigree tables of all owners of land in the village; the chief tribe in the village coming first and the remaining castes following in alphabetical order. Each owner or body of owners where the holding was undivided had a separate number attached to his name, the numbers being consecutive from the cldest of the first to the youngest member of the last caste. The khusra was then made ready by entering at appropriate distances the names of the owners in each holding and the number of the holding. The measurement of the fields then began, each field, as it was measured, being placed in the vacant

space under the holding to which it belonged. For sake of reference, an index was simultaneously prepared on which consecutive numbers for the fields had been printed, and which was completed by entering opposite the number of each field the number of the holding in which it would be found. If any fields were found mortgaged or cultivated by tenants, such fields were shown separately as a subordinate holding of the principal number. Thus, if 25 was the number opposite the name of Baldeo Jat in the pedigree table, the land held by Baldeo himself was shown as No. 25. If he had mortgaged part of his land the mortgaged fields were shown as  $\frac{25}{10}$ ,  $\frac{25}{10}$ , etc., according to the number of mortgagees, and the fields held by tenants were shown as  $\frac{25}{10}$ ,  $\frac{25}{10}$ , etc., according to the number of tenants. In this way there was no difficulty in immediately ascertaining the amount of land belonging to each individual.

247. There was some difficulty at first in getting the putwarees to understand the system, though in a short time they thoroughly mastered it, and the pedigree tables in the larger villages were not always ready when they ought to have been. To make a k huteoni on the ground requires more care, and perhaps the exercise of a little more intellect than is required for the preparation of a list of fields. Still the entries in the khutconi are the same as those in the old form of khusra, the constant attendance of the Zemindars is equally necessary in either case, and the khutconi as formed in the North-Western Provinces is merely an excerpt from the khusra, and contains all the errors which may have crept into that paper. There is undoubtedly a great saving of time and money under the new system, both in the labour of subsequently picking out the fields and in the cost of fairing. A second man, generally a relation of the putwaree, was given to each measuring party to write the khusra, and with two men, one of whom need receive but a very small salary, the work I believe proceeds as rapidly as with the ordinary khusra, and if the pedigree tables are properly drawn up, it is just as free from liability to error. On the whole the plan has worked well, and were I commencing another settlement, I should re- . commend its adoption. A few experienced men should be sent into the district previously, however, to make out pedigree tables in the larger villages, and the staff of Munsarims should be increased, so as to give not more than three chains to each Munsarim. If this is done and the Munsarims will work, all subsequent attestation, except that of the Superintendent, might be dispensed with, and the papers sent to be faired immediately after the completion of the measurement. The plan, however, demands an intelligent and painstaking staff of Munsarims, but intelligence and unremitting attention are not always met with in combination.

248. Boundaries.—Comparatively little difficulty was experienced in the matter of boundaries. There were not many disputes, and Mr. Ridsdale had decided several. What disputes arose were generally about some barren ridge of rock or piece of stony waste for the exclusive possession of which neither party could offer any evidence. Such disputes were decided by a reference to Colonel Dixon's maps and the boundary laid down as nearly as possible according to the line then taken. This was the method which both parties desired, and the only one practicable except arbitration, a method which only breeds further disputes in this dispute.

disputes in this district.

#### CHAPTER XI.

#### General principles of assessment.

249. Mode of assessment hitherto adopted .- The mode of assessment, which has bitherto been adopted in Ajmere-Mhairwarra, has been sufficiently explained in the Chapter on the Land Revenue Administration. The chief peculiarity is that owing to the small number of villages to be assessed and the perpetually recurring kham system, the assessments have never been founded on or checked by rates, but bave been exclusively based on the history of past collections. The assessment of the North-Western Provinces under Regulation IX of 1833 were deductive, that is the Settlement Officers from estimates of Tebsildars, past fiscal history, and other general data, first calculated the amount of revenue which a given tract ought to pay, and then distributed the sum over their soil areas so as to obtain rates to be applied in the assessment of individual villages. The process in the recent revision of settlement in the North-Western Provinces has been inductive : the rent-rates which each class of soil actually paid have been investigated and discovered with more or less certainty, and the total demand for the tract is found by applying these rates to the soil areas. In no settlement of Ajmere or Mhairwarra has any attempt been made to employ either the inductive or the deductive process, nor have rates of any kind ever been worked out. The assessment of each individual village has been a deductive guess of the assessing officer.

250. Preliminary orders of Government.—The first orders of the Government of India, as regards the present revision, were conveyed in letter No. 377R., dated 28th October 1871. It was determined to renew the settlement operations which had been suspended owing to the distress of the country during the famine, and the Settlement Officer was directed to conduct the settlement generally in accordance with the principles of the North-West system as embodied in Mr. Thomason's Directions to Settlement Officers, and in the first of the four circulars of the Board of Revenue. The North-West system, however, was not to be rigidly adhered to, but to be modified so as to be adapted to local usages. In paragraph 4 it was ordered that a separate waterrate should be assessed on land irrigated from tanks being fixed (on the supposition of the full supply of water in the tanks) at a maximum, which might be lowered or altogether remitted by the Chief Commissioner, according as the quantity of water during the agricultural

season of each year fell short of that maximum.

251. Subsequent orders of Government.—Assessment in the North-Western Provinces are based on rental, and on the 22nd December 1871, instructions were requested as to the principle on which the revenue should be assessed and the share of the produce which should be taken as the due of the State. It was shown that the decennial settlement was based on collections at one-half the produce, and Colonel Dixon's settlement on collections at two-fifths of the produce in Ajmere, and at one-third in Mhairwarra, and it was assumed that one-fourth of the gas produce is about equal to two-thirds of the rental or net produce, and hat one-sixth of the gross produce was about equal to one-half the rental or net produce. The Commissioner recommended one-sixth as the standard, and the Chief Commissioner, in his No. 96, dated 6th February 1872, remarks on the

rates paid in the adjacent Native States:—"Where the barani (raincrops) area is small as in Meywar, 25 per cent. of the gross produce is levied. In Marwar where the areas are extensive and where the sandy loam gives heavy barani crops, 33 per cent. of the gross produce is taken from ordinary cultivators. In Jeypoor both rates prevail; Jats paying as high as 50 per cent. One-third is the regular rate paid for rubbee crops." Colonel Brooke was of opinion that one-quarter of the barani crop is lost every fourth year in Rajpootana, which would be tantamount to a loss of a whole crop every sixteenth year, or an average loss of 6½ per cent. yearly. On the whole he calculated that the Native States take 25 per cent. of the gross produce or with exactions 32½ per cent., and on account of the extra cesses for roads, schools, etc., he proposed to restrict the demand to one-fifth of the gross produce.

252. The reply of the Government of India is contained in letter No. 116R., dated 3rd May 1872. In the opinion of His Excellency in Council the province is far from having reached a state of advancement. at which the assessment could safely be based on any calculation or estimate more or less conjectural of the amount either of the gross or of the net produce. The preferable method is the empirical one prescribed in Section 81, et seq., of the Circular dated 9th April 1839, which the Board of Revenue in the North-Western Provinces issued to guide the Settlement Officer in effecting the now expiring settlement of the pro-The authorities who issued that circular had to face much the same difficulties, and to provide a remedy for much the same evils as those which have now to be encountered in Ajmere. There was great inequality in the assessment, great difficulty in collecting the demand, and a constantly recurring need for remissions as to the proper amount of which there was the utmost uncertainty. The point of importance therefore was to discover, not to what the Government was entitled, but what the several villages could pay for a series of years with some degree of certainty and ease. With this view the object set before Settlement Officers in the circular referred to was to ascertain in what villages an appropriate demand had been collected without consequent impoverishment. and taking them for their standard to assess the rest accordingly. In Ajmere evils similar in character, though probably more aggravated in degree, should, His Excellency in Council conceives, be met by an application of a similar method, and with this view I am desired to convey the following instructions for the guidance of the Settlement Officer :--

He will of course at first divide the villages to be assessed into groups, so as to avoid applying an uniform rate to those of which the characteristics are markedly different.

In every group he should then select some specimen villages in which the records of the Deputy Commissioner's Office and local enquiry will show him that the revenue has been paid with a fair amount of ease. In this inquiry he will, of course, leave out of sight the experience derived from seasons of exceptional drought, which seasons will, when they recur, continue to be treated exceptionally by the grant of suitable remissions.

From the statistics in these specimen villages he should then work out fair rates for the different kinds of soil in the fashion well-known to Settlement Officers.

As a last step in the operation he should apply these soil-rates to the remaining villages, the accounts of the past collections and remissions in which he should carefully examine, with the view of judging whether the amount indicated by his soil-rates could fairly be paid, making such abatement or enhancement as the experience of the past may seem to dictate for the future. In working out this detailed assessment the Settlement Officer should, I am to remark, aim at fixing an amount which can be paid in a year of not exceptional drought; extraordinary bad seasons being, as has been above prescribed, left to be dealt with by the application of extraordinary remedies.

253. In a subsequent letter No. 93 R., dated 17th June 1873, the Governor General in Council, "while considering the plan described in letter No. 116R., for calculating the revised assessment to be very suitable to the circumstances of the district of Aimere and Mnairwarra, had no objection to the Settlement Officer basing his initial calculations on the standard of one-sixth of the gross produce. The gross produce, however, must be taken as only one of many data required to enable the Settlement Officer to equalize the assessment and judge what the lands assessed can fairly be expected to pay with reference to their past fiscal history and present condition.

254. The sum of the instructions given for the settlement was therefore as follows:—

Firstly.—To divide the villages to be assessed into circles of assessment.

Secondly.—To assess the water revenue of tanks separately.

Thirdly.—To equalize the demand, and from data of all kinds to fix the assessment at such a sum as the village could fairly be expected to pay in a good average year, regard being had to what they had hitherto paid, and to their condition now after the famine of 1868-69.

255. Division into assessment circles.—For purposes of assessment the district of Ajmere has been divided into five circles, and each Tehsil of Mhairwarra has been divided into three circles. The circles correspond pretty closely with the natural division of the country by ranges of hills, on which the distribution into pergunnahs was originally based, but no classification except that of forming circles without regard to proximity in place can prevent inferior villages being classified with superior. The real source of wealth is the water-supply, and where there are no real springs in any of the wells and the country is not level, the question of water-supply has to be considered in every willage almost for every well.

256. Ajmere assessment circles.—In the Ajmere District the main grounds for a division into circles are the saline nature of both soil and water in the Ramsar Pergunnah, the Ana Sagar Lake, and the Pooshkur Sand Hills. The first circle is conterminous with the Ramsar Pergunnah, and is a plain stretching eastward from the further range of the Aravali Hills. The water in the wells is generally brackish especially where the supply is small, and the soil is saline except round Srinuggur where it is sandy. It is here that Colonel Dixon made the majority of his Ajmere tanks, which have long and low embankments with shallow beds. The second circle includes the hilly villages round Rajghur and

the plain stretching towards Pisangun. In this plain the wells are on the banks of sandy water-channels, there is less tank irrigation than in Ramsar, but more than in the Gangwana Circle; and the water-supply generally is rather better than in the Gangwana Circle. The third circle comprises the villages north of the Ajmere valley, and has been called the Gangwana Circle from the jaghire village in its centre. The tract is for the most part a broad unirrigated plain with a gradual slope from the hills, which bound it east and west towards the centre into the drainage channel, which runs northwards into the Sambhur Lake. There are hardly any tanks in the circle, nor any sites suitable for them. The wells are situated on the banks of the drainage channel or of its tributaries, and the quantity and quality of the water-supply varies in proportion to the distance of the wells from a nullab. Towrds the hills the water is brackish and deficient in quantity, and only found at a cosiderable depth. The fourth circle is that of Ajmere and comprises the villages which lie in the valley of the Sagarmati, and those beyond the Ajmere valley which are similar in characteristics. Here the wells possess generally a constant supply of water, cultivation is careful, and the soil, except immediately under the hills on each side of the valley, is fertile. The fifth circle is that of Pooshkur, which is peculiar and unlike the rest of the district. The pergunnah consists of a series of sand hills with natural ponds in the hollows. In these hollows and round the margins of the larger depressions, sugarcane is grown without irrigation. Unirrigated wheat and barley are also grown in the moist land of this pergunnah, and not elsewhere in the district except in abi land.

257. Beawar assessment circles. - In the Beawar Tehsil the Benwur Circle comprises the villages between the high ranges of the Aravali, which separate the pergunnah from Massooda and Marwar. The circle depends for its irrigation almost wholly on tanks. The soil is poor, the rock is very close to the surface, and the rainfall unless re-tained by an embankment rapidly finds its way into Marwar. Except to the north of the Station of Beawur there are but few wells. On the eastern side there is a succession of tanks whose gathering ground is the land between the high range to the east and the lower range towards the centre. In this latter range are situated some of the best embankments in the district, Dilwara, Gohana, Kalinjar, Sarbena, Dewatan, Jowaja; while in the centre of the circle are the large reservoirs of Kalikankar and Kabra. The second circle, that of Chang, contains the hilly villages on the Marwar side of the Tehsil. The valleys are not so rich as on the eastern side, nor is the water-supply so good. The centre portion is the worst, the southern portion where are the large tanks of Lusani, and Jalia second is the best. The third circle comprises the small British pergunnah of Jak, Shamghur, and the Meywar Pergunnah of Saroth, and the cultivated land mostly lies in the Main beyond the range. The soil is the best in the Tehsil, and the water is sweet, but the rock is very close to the surface, and the supply in the wells very much dependent on the rainfall. There are but few tanks, and, with the exception of Lotana, what exist are all small ones.

258. Todgbur assessment circles.—The Todgur Tebsil has a much larger percentage of irrigation than either Beawur or Ajmere. It consists generally of narrow valleys, the fields on each side of the central

water-course being formed into terraces by dry stone walls. The first circle is that of Bhaelan, which includes the pergunnahs of Bhaelan and Kot Kirana and the talabi villages on the western side of the Tebsil. The pergunnah of Kot Kirana contains only four villages, Bhaelan contains 17, and of these 16 have been founded since the commencement of This circle resembles the Marwar Circle of Beawur, of which indeed it is a continuation. The second circle is that of Diwer and includes the Diwer Pergunnah and the villages south of the Todghur Irrigation depends nearly entirely on weils. On the Marwar side the country is very hilly and the cultivation is confined to very small valleys. On the east the circle adjoins the table-land of Meywar, but there is but little land and that poor barani within the plain itself. The town of Diwer lies on a high ridge, and in years of deficient rainfall, suffers from deficiency of water in the wells. The third circle is that of Todghur, and except on the eastern boundary which extends a short distance into the plain the cultivated land lies in small valleys among the hills. The villages of Barar, Mandlan, and Todghur are as good as the best of the Diwer Circle, but the cluster of villages between Mandian and Bali pulls down the average of the circle.

259. Assessment of water revenue .- The question of assessment of water revenue is one which abounds in disliculties owing to the varying canacity of the tanks, and it was only after the measurements were completed and the statistics of each village had been prepared, that any thing like a satisfactory solution of these difficulties pre-ented itself.

The assessment of the Beawar Tehsil was the first taken in hand, and in Beawar that of the Beawar Circle. In this circle are all descriptions of tanks, and the majority of the large tanks are to be found here. The largest fanks when full will arrigate both harvests, and the people can obtain from them as much water as they like. The smallest tanks in the most favourable years contain only water for an insufficient irrigation of the khureef, and if the rains are too heavy the khureef crops are drowned. It was apparent that no one rate could be fixed on which would be an equitable assessment on all the land classed as talabi, and it was consequently necessary to classify the tanks. Having formed a rough classification and having fixed on rough working rates for each class, I proceeded to examine each village. The main distinction between tanks which irrigate the rubbee and tanks which do not is generally unmistakable, especially during the winter season following a year of more than average rainfall. I then found the rates in the old knewat which the land under each tank had been paying and which the people considered fair, and compared these with my rough classified rates. I continued this work in each village till by the time that the inspection of the Tehsil was completed I had fixed on five classes and made our separate rates for each class. That the classification of tanks is perfectly correct it would be perhaps presumptuous to hope, but I visited every tank myself, and that at a time when the smaller tanks had all dried up, and I believe that the classification and rates are not much in error. The rates are average rates for each class of tank, and though I was guided by them in assessing the land under each tank, yet I did not adopt them in every instance. I followed the same principle in Todghur and Ajmere, in the latter of which Tehsils the tanks are nearly all of the

· 260. Classification of tonks.—The classification and rates as finally determined on were as follows:—

First.—Tanks which irrigate both harvests when filled. The beds of these tanks are submerged, and they were excluded from the assessable area. The rates for the land under these was Rupees 5 per acre, of which 10 annas is soil revenue, and Rupees 4-6 water revenue. In good villages a rate was charged for manured land which brought the soil revenue up to 15 annas.

Second.—Tanks which irrigate the rabbee once, perhaps twice, but insufficiently. The beds are generally sown, but not till late in the season, and the crop in the bed is poor. My rates for these, for talabi, and abi were:—

#### Water revenue. Soil revenue.

|         | $R_{i}$ | , α, | p. | $R_{i}$  | ۲, | a. p. | Rs | a, | p. |
|---------|---------|------|----|----------|----|-------|----|----|----|
| Talabi  | 3       | 12   | 0  | of which | 2  | 156   | Ü  | 12 | 6  |
| Abi     | 1       | 4    | 0  |          |    |       |    |    |    |
|         | -       | -    |    |          |    |       |    |    |    |
| Total . | 5       | 0    | 0  |          |    |       |    |    |    |
|         |         |      |    |          |    |       |    |    |    |

The rate of 0-12-6 including manure advantage.

Third.—Tanks containing water sufficient to give a sowing watering for the rubbee, but no irrigation. The beds of these tanks emerge in good time and the water has been sufficiently long on them to penetrate and moisten the soil. These were assessed as follows:—

Water renenue.

Roll revenue.

|        |   |    |    |    | 17 140   |     |    |    | <br> | , ,,,,, |    |
|--------|---|----|----|----|----------|-----|----|----|------|---------|----|
|        | R | z. | a. | p, | •        | Rs. | a. | p, | Rs   | . α.    | p. |
| Talabi |   | 2  | 13 | 0  | of which | 2   | 0  | 6  | 0    | 12      | 6  |
| Abi    |   | 1  | 14 | 0  | ,,       | 0   | 15 | 0  | 0    | 15      | 0  |
|        |   | -  |    |    |          |     |    |    |      |         |    |
| Total  |   | 4  | 11 | 0  |          |     |    |    |      |         |    |
|        |   | -  | -  | _  |          |     | ,  |    |      |         |    |

Fourth.—Tanks which only give a watering for rubbee sowings when the rains are so favourable that there is little or no water expended in khureef irrigation, but which fully irrigate khureef. My rates for these, and the majority in Beawur belong to this class, were:—

| •      |       |    |    | Tra      | iter s | epei | ue. | Soil revenue. |
|--------|-------|----|----|----------|--------|------|-----|---------------|
|        | $R_8$ | ø. | p. |          | Rs,    | a,   | p.  | Rs. a. p.     |
| Talabi | 2     | 8  | 0  | of which | 1      | 8    | 0   | 0 10 0        |
| Abi    | 1     | 14 | 0  | ,,       | 0      | 15   | 0   | 0 15 0        |
| Total  | 4     | 1  | 0  |          |        |      |     |               |

Fifth.—Tanks which never have any water for rubbee sowings and which no not fully irrigate the khureef when much water is required. The water does not remain long enough upon the beds thoroughly to pene-

٠.

trate and moisten the soil, but the rubbee crop which can always be grown in the bed except in years when there is no rain at all is generally quite as valuable as the khureef crop below the dam.

Water revenue. Soil revenue.

The distribution of the talabi rate between soil and water revenue was effected by assessing the highest rate for barani as soil revenue. It must be remembered that if there was no water in the tanks there would be practically no cultivation, for in such a year the rainfall would exignothesi, as the tank received no water, be insufficient or nil in and about that particular tank, and without a good rainfall unirrigated land in this district is worthless and hardly repays its cultivation. The soil rate therefore was kept low and the water charged with the larger portion of the rate.

261. Alternative schemes for the collectson of the water revenue.-The question then arose as to the system under which the water revenue amounting in the whole district to Rupees 55,432 should be collected. It had been proposed to contour the tanks and fix a gauge which would show the supply of each season, and to charge for the water by the cubic foot, leaving the distribution to the village community. This would perhaps he the most perfect system, but the task of contouring all the tanks in the district would require a staff of Engineers for several years. It had been suggested to form the tanks into zones of rainfall and to give the Chief Commissioner authority to allow remissions of water revenue when the rainfall of that zone as measured at an appointed station within it fell below a certain number of inches. But here the extreme partiality of the rainfall frustrated the scheme. It will often be raining heavily on one side of a hill, while the other will be perfectly dry, and when the rainfall depends now on the eastern and now on the western mousoon, no zones can be formed. Besides which, the filling of the tanks depends on a burst of rain of three or four inches at a time; when the rains are light no water finds its way into the tanks, though the raingauges may indicate an average fall. Moreover much depends on the time of the fall. If the fall is early in the year, the water may evaporate before the time it is required for the rubbee. There seemed no alternative, therefore, except that of annually examining the area irrigated from each tank,

262. Explanation of the system adopted.—It seemed impracticable, however, to test each year the area irrigated by all the small tanks, nor in their case did it seem necessary to do so, since even a moderate shower will fill them, and they never do irrigate for the rubbee. In all tanks, therefore, except those of the first class in Beawur and Todghur, the water revenue though separately recorded for the whole village, and for each holding, has been included in the khewat or record of individual responsibility. An engagement has been taken from the village to pay

so much including water revenue. It will be for the revenue authorities to determine whether the whole amount should be collected in any one In all ordinary years the whole amount will be collected, and the Deputy Commissioner has no data on which to found his proposals for remission. The villages irrigated from the tanks of the first class in Beawar and Todghur and nearly all the tank-irrigated villages in Aimere have been assessed differently. In their case the water revenue has been entirely excluded from the knewat and the villages have been assessed at so much plus a lump sum for revenue. A list of all these villages showing the soil-rate, water-rate, and amount of water revenue assessed, is given in Appendix A. The total water revenue thus excluded from the khewat is Rupees 37,172 out of Rupees 55 432, so that this class is by far the more important of the two. It will be observed that the rates of water revenue are not quite uniform even in tanks which have been put in the first class in each tehsil. This is partly owing to the poverty of the soil under the lowly assessed tanks, and partly owing to the deteriorated state of the villages in question where I found it impossible to take full rates. Allowance for the first cause should more properly have been made in the soil-rate, yet having, in the first instance, fixed that low, since without water no tank land will grow anything more than a precarious baraui crop. I was obliged to make the remission out of the water-rate.

263. This lump sum then is a maximum, which, supposing the irrigated area to remain each year the same as in the year of measurement, each village should pay during the term of settlement in each year. It remained to provide machinery for its collection, for its reduction when the irrigated area should be reduced, and for its enhancement when the irrigated area should be increased. It would have been easy to declare that all land irrigated from the tank in any year should pay the rate at which the measured area had been assessed, but the defects of a fixed rate seem to be, first, that no incentive to economy in the use of water is offered, (and when the duty of distribution must, in a great measure, be left in the hands of the village community, this is a most important consideration); and, secondly, no motive is supplied to the headmen and the village community which would cause them to take care that none of their number take water without paying for it. On the coatrary it is every man's interest to defraud Government as much as possible. On the other hand it having been decided that it was necessary each year to test the irrigated area in order to discover the amount of water revenue which should be taken, it was imperative that any proposed system should combine with it the advantages of a waterrate, and should be framed so as those only who received water should pay water revenue. This was the more essential since it is the custom for those fields which are nearest the tank first to obtain water, and if there is any deficiency the fields furthest from the sluices get none.

264. The system which has been adopted is explained in full in my No. 154, dated 24th April 1874, and the engagements have been taken from the villages accordingly. The lump sum is to be made good from the fields actually irrigated each year, unless its incidence on the irrigated area exceeds a certain fixed maximum or falls below a certain fixed minimum. Thus in the case of Dilwara Tank there were 244 acres

measured as talabi. The water revenue of the village was assessed at Rupees 1,068, being at a rate of Rupees 4-6 per acre, as the irrigated area appeared to represent the full capacity of the tank as it now exists. and the rate and the resulting assessment seemed fair and reasonable. It was provided in the engagement that this sum, Rupees 1,065, should be yearly made good by the irrigated fields except when its incidence on the irrigated area exceeded Rupees 5, when the actually irrigated area should be assessed at Rupees 5, and the balance remitted. It was provided further that when the incidence of the assessed water revenue fell below Rupees 8-12, the actually irrigated area should be assessed at Rupees 3-12, and the excess credited to Government. As long as the irrigated area fluctuates between 213 and 289 acres the revenue is unchanged, though the water-rate varies each year. As soon as the incidence of the assessment shows pressure the pressure is relieved; and if the existing tank is extended or by greater economy in the use of water the irrigated area is enlarged, Government will reap a benefit during the term of settlement. Well-land below the dam has all been assessed as such; and as it will no longer pay owners of well-land to take water from the tank, they must use their wells and the water may be carried to fields which are now unirrigated. The advantages of the system seem to be-

First.—A certain amount of stability is secured for the water revenue, for in all ordinary years there will be neither remissions nor enhancements.

Second.—When water is scarce, it may safely be presumed that those who get it can make larger profits out of it than they can when it is plentiful. In such years they pay a higher price for the water. On the other hand when water is cheap and plentiful, those who get it pay less than the assessed rate. In no case does any man who does not get water pay anything.

Thirdly.—It is the interest of the headmen and each zemindar within the minimum, i. e., in all ordinary years, to economize and spread the water, for each man's revenue is lightened thereby, while for the same reason it is the interest of each to bring within the irrigated area all land actually irrigated, and to prevent any one of their number defrauding Government.

In the detailed working of this plan difficulties will no doubt arise, but I foresee none which are insurmountable. Even now most of the putwarees thoroughly understand it, and there is nothing which the people will not understand when it begins to work.

256. Treatment of submerged land.—The land submerged in the beds of the large tanks has been left unassessed, but a clause has been inserted in the engagements of those villages which have land both above and below the dam, providing that it shall be optional with the Deputy Commissioner to levy revenue on such land as emerges and is cultivated in any year in which a remission of water revenue is allowed. The revenue thus to be levied has been assessed at a fixed rate, generally 12 annas a beegah or Rupec 1-4 an agre. There are several villages, however, which while they hold land in the bed of a tank, yet have no land below dam and pay no water revenue. They are enumerated in the last column of Appendix A and consist of 26 villages in Beawur Telsil,

and the Telis' Thok in Ajmers kushah. There are no such villages in Todghur. In these villages the submerged area has been left unassessed and treated as a fluctuating mahal. It has been provided in the engagements that these villages shall be yearly inspected and the excluded land which shall be found cultivated shall be assessed at a fixed rate generally, also, Rupee 1-14 per acre. In this way the difficulty which has hitherto always attended the collection of revenue from submerged lands has been removed, a difficulty which was perpetually cropping up during the currency of Colonel Dixon's settlement.

266. Rate-Report.—During the cold season of 1872-73 I was engaged in forming circles and in collecting materials for a Rate-Report which was submitted on the 7th May 1873. The measurement of the villages in no one circle had been completed, and consequently it was impossible to verify the rates which were framed by reasoning from Colonel Dixon's rates, and the general rise in prices and such rates of collection as could be obtained from the imperfect statistics of the jaghire villages and such villages as had been let in farm. The rates fixed for each circle are shown in a Statement in Chapter XIIII, but they were rather too high, and I have not been able to work up to them. More particularly as regards the rates for talabi land I had not been able to arrive at any definite conclusion at the time of writing this Report. The aim was to form rates which should represent one-sixth of the produce, and the result of the application of the rates to the areas gives a total of 309,920. The value of the produce of a good average year has been estimated in Chapter VIII, at 13 lakhs.

#### CHAPTER XII.

#### ASSESSMENT STATISTICS.

#### Section I, Simere.

267. The accompanying Statement shows the area, past and present, of the khalsa villages in each assessment circle. The figures of present State include,

Statement of Area, Tehnit Ajmere.

|                     | 7                    | ž        | 67.0      | No. OP TIL-<br>LAGES. |                     | ğ.      | URABBABBARCE. |         |             |              | Масоо   | MALGOORARER OR ASSESSABLE, | 79888V   | n: #.       |         |         |                    |
|---------------------|----------------------|----------|-----------|-----------------------|---------------------|---------|---------------|---------|-------------|--------------|---------|----------------------------|----------|-------------|---------|---------|--------------------|
|                     | bəsaqın              |          |           |                       |                     |         |               |         |             | Cultura b.e. |         |                            |          | Califorates |         |         |                    |
| No. And<br>Circles. | Past and present con | Khalse.  | .orldscl. | .fatoT                | Tolas at gota faloT | Barren. | Ronl-fres,    | -faloT  | enoliat LiO | New fallow.  | JeioT   | Jdad?                      | .ldslaT  | mr          | Janeal. | .ldul.  | Total, assessable. |
|                     | Past                 | 8        | 12        | 6                     | 113,778             | 45,1.70 | 11,795        | 141,73  | 11,027      | 13,617       | ES, 178 | 4,135                      | 6,167    | 12.         | 17,780  | 30.814  | 86. 944            |
| I. Kamen . 1        | Present .            | 2        | 11        | 73                    | 141,095             | 15, 673 | 11,111        | 86,938  | 17,313      | 7,307        | 61,110  | 4, 198                     | 5,416    | 2,367       | 20,613  | 33,701  | 67,210             |
| • D-feb.s           | Past .               | 22       | 2         | 33                    | 67,320              | 10,667  | 2,213         | 21,000  | 12,019      | 9,115        | 10,173  | 4,123                      | 2,036    | 1,460       | 0,213   | 16,018  | 35,611             |
| ~ ·                 | Present .            | 61       | 9         | 3                     | 63,003              | 10,050  | 2,317         | 20,906  | 19,708      | 2,503        | 21,299  | 4,313                      | 1,73     | 1,005       | 12,860  | 20,705  | 43,097             |
| S. Gangwann         | Port .               | 73       | ۵         | S                     | 69,628              | \$1,935 | £.73          | 20,575  | 11,67       | 6,531        | 14,991  | 2,000                      | 795      | £           | 19,470  | 13,087  | 40.061             |
|                     | Present .            | 8        | ۵_        | 22                    | 78,151              | 25,930  | 0,0,0         | 32,640  | 5,033       | 166'5        | 13,119  | 3,613                      | 93.<br>8 | 139         | 23,515  | 20,163  | 43,537             |
| 4. Almere           | Part .               | =        | 10        | 2                     | 63,209              | 24,872  | 3,493         | 10,171  | P.077       | 6,363        | 16,330  | 8,153                      | 210      | 1,013       | 11,093  | 17,495  | 31,876             |
|                     | Present .            | =        | 0         | 2                     | 55,935              | 35,250  | 8,671         | 13.00   | 8,103       | 2,310        | 10,611  | 5,623                      | 275      | 1,235       | 14,360  | 21,461  | 31,995             |
| 6. Possbing         | Past .               | 10<br>1  | 2         | 2                     | 12,216              | 6,112   | 1,041         | 0,140   | 1,059       | 1,103        | 3,077   | <b>#</b> 29                | ;        | 1997        | 1,611   | 2,963   | 6.040              |
|                     | Protent .            | ۰ ۱      | ឧ         | ۵                     | 21,220              | 6,073   | 2,169         | A, 153  | 0,575       | 1,678        | 8,010   | 631                        | ä        | 010         | 1,091   | 4,738   | 12,778             |
| Tofal . {           | Part                 | 2        | E         | 136                   | 313,253             | 110,025 | 23,683        | 142,618 | 108,77      | 31,978       | 100,349 | 10,819                     | 9,163    | 2,93        | 68,095  | 91,200  | 200,674            |
| -                   | Present .            | <u> </u> | =         | 8                     | 359,421             | 111,303 | 31,490        | 142,753 | E0,703      | 18,019       | 107,721 | 18,553                     | 8,303    | 7,748       | 78,350  | 108,920 | 216,641            |

however, the statistics of Nand, Rampoora, Khori, and Kholai in the Poosh-120 kur Circle, with an area of 446 acres chabi, 97 abi, and 1,284 baraui; and those of Harmara, in the Gangwana Circle, with an area of 222 acres chabi, 41 abi, and 1,374 barani. These five villages were added to the Tehsil in 1860. If these areas be deducted, the result for the whole Teheil, as compared with the figures of last settlement, shows an increase of 1,087 acres irrigated by wells, a decrease of 800 acres irrigated by or 1,007 meres irrigated by wells, a decrease of 513,508 acres tanks, and increase of 510 acres abi, and an increase of 13,508 acres barani. Nearly the whole amount of increase in barani was measured by Colonel Dixon in fallow, and the extent of the barani cultivation is of the particular year in which the entirely dependent on the rainfall of the particular year in which the measurement took place. The greater part of the increase in chahi is accounted for by the fact that wells have been dug since last settlement in land below the tanks. Practically, therefore, the cultivated area is entirely stationary. There are 189 khalsa villages now as against 85 at last settlement, but only the five mentioned above have been added to the Telisil. The remaining 49 villages are hamlets which have been separated from the parent village and assessed as distinct villages. The average area of each village is 2,585 acres. The following Statements show certain percentages on the cultivated area, the percentage of cultivated to assessable, and the agricultural statistics of the tehsil at last settlement and at the present revision :-

| show certain pe<br>vated to assessa<br>settlement and | ble, and t<br>at the pre   | he ag<br>seut | revis   | ion :-         | •<br>                                    | -             | and A          | NEA.              |                   |                     | B 88 cg.                           |               |
|---|----------------------------|---------------|---------|----------------|--|---------------|----------------|-------------------|-------------------|---------------------|------------------------------------|---------------|
| 1   |                            |               | r       | ERCFET         | GES ON                                   | BULTIT        | 1              |                   | $\neg$            |                     | 2                                  |               |
| NAME OF CIRCLE.                                       | past and present compared. | Mannted land. | Chald   | respons        | Abi.                                     | Haraul.       | _              | Crops, 1st class. | Crops, 2nd class. | g Crops, 3rd class. | Percentage of cultirated to asses- |               |
| Ramaar  | Past .                     | 10            | 3       | 13<br>14<br>25 | 20 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | , \ e         | - 1            | ,   1<br>.        | $\cdot   \cdot$   | 40                  | . 6                                | 8<br>19<br>19 |
| Rejghar •   | Past                       | :\            | 8 6     | 20             | 3  | 1             | 61             | \ .               | \                 |                     |                                    | 68<br>68      |
| Gaugnaus .  | · { Past Present           |               | B 7     | 12             | 9<br>1                                   | 6             | 63             | -                 |                   |                     | 68                                 | 53<br>67      |
| Ajmere .  | Past Present               | ·:\           | 12      | 26<br>15       | 1<br>                                    | 5<br>33<br>20 | 68<br>52<br>64 | 25<br><br>20      | 6                 | 3B                  | <br>5U                             | 49<br>87      |
| Logspp.   | Presen                     |               | 21<br>B | 18             | 10                                       | E 8           | 81<br>67       | 26                | <br>              | 38                  | 61                                 | 45<br>50      |
| \$ otal   | Press                      | nt .          | 11      | 17             | <u> </u>                                 |               | <u> </u>       | <u> </u>          | <u> </u>          | <u>.</u>            | -                                  | <u></u>       |

| •             | ared,                      |                |                  | ,                 |             | Nexa           | 22 OF | Value       | DEF        | LIGH<br>E OF<br>LIN<br>ET, | of eatths.                              |
|---------------|----------------------------|----------------|------------------|-------------------|-------------|----------------|-------|-------------|------------|----------------------------|---|
| Name of Circu | Past and present compared, | Ploughs.       | Plough bullocks. | Head of cattle.   | Population. | old.           | Nen.  | Out of use, | To maler.  | To bottom of well.         | Arerage number of agree of a            |
|               | Past .                     | 2,405          | 5,316            | 41,165            |             | 1,130          | 4.    |             |            | 800                        | 2)                                      |
| Ramear        | El Present .               | 3.114          | 6,424            | 41,184<br>11 010  | 22,669      | 1,114<br>696   |       |             |            | • <b>2</b> 5               | 21                                      |
| Rajghur       | Past Present               | 1,620          | 2,841<br>3,360   | 19,403            | 11,927      | 761            | ice   | 204         |            | 31                         | 1                                       |
| Gangwana      | C Part .                   | 1,085          | 2,117            | 10 049            | 15,602      | 870<br>203     | "žic  | •••         | 22         | 36                         | *************************************** |
|               | Present .                  | 1,789          | 4,210            | 21.419            |             | 1,07,          | ***   | -           | 694        | ***                        | 1                                       |
| Ajmere        | Present                    | 1,131          | 3,410            | 18,950            | 10,005      | 781            |       | 183         | 16         | 32                         | 1                                       |
| Pecshkur      | Past<br>Present            | 112            | 20 t             | 4,376             | 2,319       | 116            | " c   | 71          | <b>"31</b> | 20                         | 3                                       |
| Total         | Past<br>Present :          | 8,001<br>8,420 | 15,213<br>18,320 | 69,607<br>101,770 | 69,674      | 6,012<br>3,153 | 1,181 | 1,000       | 16         | 24                         | 3                                       |

268. In the whole Tchsil there is 11 per cent. of the cultivated area manured, and 25 per cent. protected by wells and tanks. There is only 26 per cent. of rubbee crops and 50 per cent. of the culturable area still remains to be brought under cultivation. There are 4,285 wells worked as against 4,042 in Colonel Dixon's time, giving an average of 4½ acres per well. The large number of 1,009 wells have been recorded as not worked. Some of these are entirely out of repair, but many of them are those which have been dug in situations whose they only hold water in years of favourable rain. The well area can hardly be appreciably increased except by the construction of new embankments and the extension of old ones. There are on an average two acres of uncultivated land per head of cattle.

269. Comparison with former statistics.—It will be instructive to compare the statistics of agricultural wealth with those collected at the settlements of Mr. Middleton ir, 1826, and of Mr. Edmonstone in 1836. In Mr. Middleton's time 1.850 wells were recorded with 3,675 ploughs. Ten years later, and after the famine of 1833-34, Mr. Edmonstone found 3,185 ploughs and 1,575 wells. Ploughs are now 8,420, giving an average of 13 acres per plough. In Colouel Dixon's time there were only 6,004 ploughs enumerated. Plough bullocks and cattle have also increased since Colonel Dixon's time. It would seem, therefore, that the losses during the famine fell upon the accumulations of the years succeeding Colonel Dixon's settlement, and that though the Deputy Commissioner estimated that the cattle had diminished by one-third, and the ploughs by one-half during the disastrous years of 1868-69, yet the district is more full of agricultural wealth now than it was at the time of last settlement. The same fact as hereafter remarked is observable in Mhairwarra.

270. Past and present demand.—The arrangements made at the present revision about cesses are in accordance with the orders of the Government of India in letter No. 52 R., dated 9th March 1874, liable to revision at next settlement. The arrangements are the same in all

three Teheils. From the Government demand six per cent. have been deducted; five per cent. being allowed as the pay of lumberdars, and one per cent. as the pay of zaildars or circle headmen. The remainder constitutes the net Government demand. To this has been added 10 per cent. 3f per cent. belonging to the district funds, and the remainder of per cent. belonging to the Putwaree Fund. At last settlement the headmen were paid by being allowed to hold at privileged rates, and the Road Fund and Talao Fund were included in the assessment. For purposes of comparison, therefore, the former assessment should be compared with the present gross demand, excluding putwarese fees. The subjoined table shows the previous gross demand, the demand proposed by the Superintendent, the demand by revenue rates, and the present assessment:—

| •  |          |                          |                 |  |                             |                  |                                       |            |           |
|----|----------|--------------------------|-----------------|--|-----------------------------|------------------|---------------------------------------|------------|-----------|
| 2  | . 1      | 3                        | \$              | 6  | 6                           | 8                | 7                                     | 8          | 9,        |
| •  | _        | of Part                  | f 1672.         | proposed<br>perinten-                      | 11070000                    | net de-          | gross de-<br>excluding<br>rees' fees, |            | 7 on 60-  |
|    | Cyrole.  | Demand of<br>softlement. | Demand of 1672. | Demand proposed<br>by Superlaten-<br>dent. | Demand by rovenna<br>rates. | Present<br>mand, | Present &<br>mard e                   | Ineresse.  | Degresse. |
|    |          | Rupees                   | Rupees,         | Rupees.                                    | Bupeec.                     | Rapees,          | Rupees.                               | Rupees,    | Rupees,   |
|    | Bampar   | 77,133                   | 78,478          | 57,659                                     | 53,343                      | 51,708           | 6,063B                                | <b>644</b> | 37        |
|    | Bajghar  | 25,074                   | 85,963          | 35,622                                     | 85,005                      | 29,894           | 81,640                                | •••        | 10        |
| ٠, | Gaugwaus | 80,377                   | <b>32,89</b> 9  | 80,254                                     | 32,529                      | 24,803           | 27,017                                | ***        | 11,       |
|    | Ajmere   | 87,241                   | 87,243          | 33,217                                     | 83,751                      | 81,076           | 84,033                                |            | 9.        |
| :  | Pooshkur | 3,844                    | 8,739           | 9,200                                      | 6,530                       | 833,0            | 7,184                                 | 46         |           |
|    | Total .  | 1,83,680                 | 1,00,821        | 1,70,078                                   | 1,65,683                    | 1,42,698         | 1,60,512                              | ***        | 14 .      |

271. Ramsar was by far the most henvily assessed circle at last settlement. Two-thirds of the talabi area are in this circle, and it was owing to Colonel Dixon's system of assessing tanks, as explained in the Chapter on the past revenue administration, that this circle was assessed at so much more than it could bear. It has already been mentioned that five villages, formerly jaghire, have been added to the Pooshkur Circle since last settlement. The present assessment is a reduction of 14 per cent. on Colonel Dixon's settlement. The loss on the circle rates in the Raighur and Gangwana Circles is chiefly in the class of talabi. The villages which lie on either side of the Ajmere valley could not bear the circle rates of the Ajmere Circle.

#### SECTION II.

#### MHAIRWARRA,

272. The accompanying Statement shows the area, past and present, of each circle of assessment. The total area of the revenue survey of 1348 is 386,503 acres, that recorded in Colonel Dixon's books is 832,837, acres. By the present measurement the area is 432,989 acres. The discrepancy is very large, and till the results of the topographical survey are known, the real area must remain involved in doubt.

# Statement of Area, Mairwarra.

|                  | ,                        | A151         | inna '2150A        | 88               | 6119             | 12.6<br>13.6    | 1 200.20                     | 35               | 198              | 11,681         | 900              | ##<br>  ##  |
|------------------|--------------------------|--------------|--------------------|------------------|------------------|-----------------|------------------------------|------------------|------------------|----------------|------------------|---|
| -                |                          |              | 1 Jajor            | -}               | 4,750            | 10,373<br>0,673 | 2.2<br>265<br>265            | 250              | 7.780            |                | 88<br>85<br>7    | 28  |
|                  |                          | 1.           | Lossall            | 13.73            | ###<br>B##       | 2,173           | 5.8<br>5.8                   | 20,1             | 3,417            | 3,594          | E 80             | 1.8<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5<br>1.5 |
|                  | IL BEN.                  | Califorted.  | · ,IdA             | 6.2nd            | 1,163            | 9,183           | 85°                          | 83               | 816              | 15.5           | 8.50<br>8.23     | 100 mg  |
|                  | on Aren                  |              | LidalsT            | 6,027            | 269<br>23        | 1,33            | 7,992                        | 28               | SI               | 1,304          | 2,406<br>2,406   | 10,398  |
|                  | Margoonlyn or Assessars. |              | Chahl,             | 8,818<br>8,683   | 200              | 1,740           | 25.0<br>25.0<br>25.0<br>25.0 | 88.8<br>888      | 3,618            | 3,695          | 800,4            | 1,532   |
| ;                | Mats                     | •            | Total.             | 11,769           | 1,353            | 6,285<br>5,811  | 11,465                       | 28               | 2,101<br>2,000,4 | 2,218<br>4,783 | 6, 108<br>10,676 | 12,830<br>83,177  |
|                  |                          | Calturable.  | Mellal willow.     | 4,361<br>9,196   | 223<br>249       | 900             | 6,638<br>3,285               | 015<br>005       | 88               | 255            | 1,139            | 6.00.8  |
|                  |                          |              | •wellal plo        | 7,428<br>10,637  | 2,213            | 3,658<br>8,267  | 11,647<br>18,016             | 25.<br>25.       | 3,078            | 1,063          | 3,04e<br>163     | 18,656  |
|                  |                          |              | ,lajo <sup>T</sup> | 41,135<br>40,125 | 36,276<br>41,670 | 64,796          | 103,001                      | 83,718<br>63,706 | 21.910<br>191,03 | 22,672         | 160,230          | 300,324<br>630,316  |
|                  | Unionerrendo.            | -            | Rent-Izes.         | ää               | on               | 55              | 271<br>201                   | 22               | ŽĘ.              | 52             | 424<br>479       | 708<br>678  |
| <u>'</u>         | Ď                        | •            | Berren.            | 40,863<br>39,863 | 36,267<br>4,667  | 68,601          | 146,725                      | 63,635<br>60,816 | 43,708<br>61,923 | 74,673         | 159,794          | 337,448   |
| _                |                          | 10204 0      | i acra latoT       | 89,765<br>80,016 | 42,515           | 73,331          | 196,601<br>2v9,693           | 88,093<br>69,783 | 65,00<br>65,046  | 74,383         | 186,236          | 283,837<br>433,989  |
| Restaus Co VIII. |                          |              | Total              | 25               | 44               | 55              | 85                           | 22               | 48               | 22             | 83               | 606   |
|                  | 9                        |              | Jentidae't         | íı               | 11               | 1:              | ; :                          | 11               | 11               | 1:             | 11               | , î I I   |
| -                | ٠,                       | 10.<br>1 +   | Ebalsa.            | 25 <u>/</u>      | 38               | 22              | 題業                           | 25               | _<br>            | SE             | 32               | 10 B  |
| ١.               | ٠.                       | •bori        | ıd                 | Present.         | 4                | "               | <u> </u>                     | : :              | <br>#            |                | ::               |   |
| _                | -moo inseere has sea ?   |              |                    |                  | Present.         | Present.        | Present.                     | Past.<br>Present | Past.<br>Present | Present.       | Part,            | Past.<br>Presont  |
|                  |                          |              | •                  |                  | <u>ٿ</u>         | ÷               | ÷                            | ŵ                | <del>-</del>     | <u> </u>       | ₩.               | <del>ښ</del>  |
|                  |                          | イン<br>(*) *賞 |                    | •                | •                | •               | T T T                        | •                | •                | •              | .•               | . g   |
|                  | ~ 7                      | Craoene,     | ;                  | •                | •                | •               | Total, Beawar                | •                | •                | •              | t par            | Mbalemaria  |
| e.               | , (;<br>, (,             | ***          |                    | Bearus .         | Cheng            | Shamghar        | Tota                         | Phaelan .        | Direc            | Todgbur .      | Total, Todghur   | Total,  |
| 4                |                          | *19qu        | N C                | -                | æ ,              | -               | ٠,                           |                  | <u>, a</u>       | <del>-</del>   | 12.5             | 30  |

It must be remembered that of seven pergunnahs only one was regularly surveyed in 1848, six pergunnahs were laid down trigonometrically. Colonel Dixon's khusra measurement extended only to the oultivated area, the hilly parts of the district were drawn roughly on his maps by hand, and the total area of his villages was taken from the results of the revenue survey which was carried out very hurriedly. At the present revision, the whole area has been measured with the plane table and nearly entirely by experienced Ameens. Only by such a measurement was it possible to put a stop to the interminable boundary disputes which are ever rife in Mhairwarra.

273. The cultivated area is 467 acres less than at last settlement. The area protected by wells has increased by some 600 acres, talabi has fallen off by 300 acres, abi by 3,200, while barani has increased by some 1,500 acres. The decrease in the telubi area is confined to the Beawur Tehsil. This is partially, but very slightly, I believe, owing to the silting up of tanks. The real cause of the deliciency is due to the succession of dry years preceding the measurement. All fields which were regularly irrigable from a tank were classed as talabi, whether they had actually been irrigated in the previous year or not, but some of the more distant fields had not received water for several years and were classified as barani. The great decrease in abi is due to two causes, one affecting chiefly the Beawur Tehsil, the other the Todghur Tehsil. The heds of the large tanks which are only freed from water in years of very deficient rainfall were at last settlement measured and assessed as abi, while at the present revision they have been excluded from the assessable area and will come under assessment when actually cultivated. In Beawur Circle 1,412 acres are thus submerged, in the Chang Circle 141 acres, in the Shamghur Circle 34 acres, and if these arens be added to the present total, the cultivated area of Beawur Tehsil is as nearly as possible the same as before. The second cause of the diminution of abi is the different system of classification which was adopted now and formerly for the fields known in the district as "Paraband." These are terraced fields in the hilly portions of the district, which are supported by a wall of dry stones. In some cases the wall is substantial and retains water to moisten the field, but in general it merely prevents the field being washed away. These fields were at last settlement recorded as abi. but have now been measured as burnni, and it is on account of these fields that the barani rate of Todghar is so high as it is. On the whole, then, the cultivated area in both Tehsils is stationary; in Todghar Tehsil the land protected by wells has increased by between 5 and 6 per cent. The following Statements give the same statistics as have already been given for Ajmere :--

|                 | sent                          |                  | 1        | 'sros:   | 17101    | 15 OX C  | DLTETAT          | ED YEE               | 1,          |                      | of Cu.                                   |
|-----------------|-------------------------------|------------------|----------|----------|----------|----------|------------------|----------------------|-------------|----------------------|--|
| Name of Circle, | Past and present<br>compared. | Manured<br>land, | Chahl,   | Talabl.  | Abi.     | Barens.  | Rabbee<br>erops. | Crore, 1st<br>Clare, | Crops, 2nd  | Crops, 3rd<br>Class. | Percentage of cul-<br>tivated to arrest- |
| Beawer {        | Past<br>Present               | 21<br>13         | 34<br>13 | 23<br>21 | 19<br>15 | 45<br>51 | 42               | "ï                   | 50<br>50    | 43                   | 69<br>70                                 |
| Chang {         | Past<br>Present               | 20<br>17         | 36<br>39 | 14<br>11 | 21<br>18 | 46<br>62 | 45               | <br>3                | 65          | <br>43               | 77<br>63                                 |
| Shamghur . {    | Past<br>Present               | 25<br>17         | 17<br>19 | 12<br>14 | 31<br>29 | 40<br>38 | Öï               | • <u>"</u> 3         | 70          | <b>'2</b> 1          | 71<br>63                                 |
| Total . {       | Past<br>Present               | 22<br>15         | 15<br>15 | 19<br>19 | 22 10    | 41<br>43 |                  | ï                    | <b>:</b> ii | 38                   | 71<br>86                                 |
| Bhaelan {       | Past .<br>Present .           |                  | 23<br>21 | 25<br>25 | 21<br>8  | 32<br>41 | ——<br>50         | i.e                  | ::<br>63    | 23                   | 873<br>66                                |
| Diwer {         | Paet<br>Present               | 20               | 47<br>43 | 3 2      | ĩ        | E3 49    | <b>43</b>        | <br>B                | ä           |                      | 79<br>6 <b>6</b>                         |
| Todgbar {       | Past<br>Present .             | 15               | 37<br>43 | 14<br>13 | 31       | 39<br>40 | i;               | iö                   | 62          | 28                   | 81<br>65                                 |
| Total . {       | Past<br>Present :             | ij               | 38<br>40 | 12<br>12 | 174      | 39<br>41 | 62               | ı.                   | 100         | :::                  | 80                                       |
| Total Mhair- {  | Past .<br>Present .           | ïö               | 22<br>21 | 16<br>16 | 10       | 43<br>46 | äö               | ::                   | ë           | 35                   | 74<br>60                                 |

| •                   | reat com-                  |                | ske.             | <u>.</u>           |             | None           | FR OF T     | \ZL13         | DE        | RIGE<br>TH OF<br>LL IN | Arcrase number of seres of unscaltivated per head of calille. |
|---------------------|----------------------------|----------------|------------------|--------------------|-------------|----------------|-------------|---------------|-----------|------------------------|---|
| NAME OF<br>CIRCLE.  | Past and present<br>pared. | į              | Plongh bullocks. | Head of cattle,    | t fon.      | In use.        |             | use.          | <u>.</u>  | tom.                   | s of an<br>bead o   |
| •                   | Past and<br>pared.         | Pionghe.       | Plougi           | Head               | Population. | Old.           | New.        | Out of ure,   | To water. | To hottom<br>of well.  | Avera<br>Ber<br>per   |
| Beawar .            | Past<br>Present            | 2,622<br>2,613 | 5,211<br>5,094   | 25,956<br>37,166   | 25,071      | 701<br>851     | 230         | 352           | ië        | <br>31                 | 2<br>1  |
| Chang               | Past<br>Present            | 518<br>917     | 1,036<br>1,831   | 5,950<br>10,792    | 3,832       | 21)<br>212     | i<br>37     | 137           | 16        | <br>50                 | 8<br>8  |
| Shamghur .          | Past<br>Present            | 1,2°0<br>1,651 | 2,560<br>3,303   | P,4-5<br>25,7J0    | 10,999      | 425<br>420     | <b>41</b> 5 | äiı           | 17        | ***<br>31              | 7<br>8  |
| Total .             | Past<br>Present            | 4,420<br>5,113 | 8,840<br>10,226  | 41,227<br>79,708   | 30,022      | 1,457<br>1,183 | <b>8</b> 1? | 700           | 17        |                        | 6<br>2  |
| Bhaelan .           | Past<br>Present            | 884<br>934     | 1,59 i<br>2,122  | 0,852<br>14,819    | 10,820      | 299<br>822     | 281         | 243           | iõ        | ***                    | 8   |
| Diwar               | Licator.                   | 1,269<br>1,879 | 2,357<br>3,398   | 9,900<br>21,185    | 11,474      | 1,006          | 229         | 859           | 33        | <br><b>3</b> 9         | 5<br>8  |
| Todgbur .           | Present .                  | 1,789<br>1,907 | 3,746<br>4,008   | 15,918<br>32,929   | 19,923      | 1,301<br>1,50I | 303         | <del>;;</del> | 27        | <br>84                 | 4 2   |
| Total .             | Past<br>Present            | 8,941          | 7,731<br>9,526   | 32,630<br>69,933   | 86,217      | 2,895<br>2,486 | 702         | 1,292         | 26        | *52                    | 5   |
| Total<br>Mhairwaina | Past<br>Present            | 8,361<br>9,833 | 16,571<br>19,762 | 73,857<br>1,48,641 | 70,139      | 4,053<br>4,167 | 1,604       | 1,992         |           | ::                     | 4<br>2}   |

274. In the Beawur Tehsil there is [15 per cent. manured and 33 per cent, protected by wells and tanks. In Todghur 19 per cent, is manured and 52 per cent, protected by wells and tanks. In each Tehsil the cultivated area is 66 per cent. of the culturable. At last settlement it was 74 for Mhairwarra, but the present measurement has been much more searching than the last, and probably nearly all the isolated spots which can by any possibility become cultivated, have been brought within the culturable area. It will be observed that while Aimore has only I per cent, of crops of the first class and only 88 per cent. of crops of the second class, Mhairwarra has 4 and 61 per cent., respectively. There is 49 per cent, of rubbee against 26 in Ajmere. The manured area in Todghur at last settlement has not been procurable; but no doubt it was higher than at present, and there is a falling off of 7 per cent. in the manured area of Beawar. In Beawar there are 1,995 wells working as against 1,457 in Colonel Dixon's time, giving an average of 31 acres per well. In Todghur there are 5,771 wells working as against 4.052 at last settlement, giving an average of only 14 nores per well. There are nearly 2,000 wells in Mhairwarn which are permanently or temporarily out of use. Ploughs and plough cattle have increased considerably in both tehsils in spite of the destruction caused by the famine. Cattle, including sheep and goats, have nearly doubled in the Beawar Tehsil, and have more than doubled in Todehur, but the figures of last settlement as regards small cuttle are probably not reliable. Water, it will be observed, is found nearest the surface in Ajmere, and gets further from the surface as one goes south till at Diwer the wells are very deep. The height of water in the wells, however, depends entirely on the season. In the dry season of 1871-72 I measured a dry well at Diwer which was 60 feet deep, and next year this well was brimming over. The next table shows the previous gross demand, the demand of the summary settlement, that proposed by the Superintendent, the result by revenue rates, and the present assessment.

|                                   |   |   |                               |                 | 18. 18. 15. 18. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15 |              |                      |   | posed<br>inter- | 10.       | ę ę | groen de-<br>excludinc<br>ives' Fees. | PERCEPTION OF<br>DOL. 7 OF DOL. 2. |  |
|-----------------------------------|---|---|-------------------------------|-----------------|--|--------------|----------------------|---|-----------------|-----------|-----|---------------------------------------|------------------------------------|--|
| Circus,                           |   |   | Demand of lest<br>settlement, | Demand of 1872. | Demand propored<br>by Superinten-<br>dents.            | Dersand by r | Present net<br>mand, | Present groe<br>mand excli<br>Palmatrees' | Increase.       | Decresso. |     |                                       |                                    |  |
| 1                                 |   |   | 2                             | 3               | 4  | 6            | 6                    | 7   | 8               | 0         |     |                                       |                                    |  |
| Beswar .                          |   |   | 008,83                        | 38,885          | 43,378   | 41,458       | \$8,623              | 42,544                                    |                 | 25        |     |                                       |                                    |  |
| Chang                             |   |   | 12,161                        | 6,893           | 7,077  | 6,461        | 7,278                | 7,980                                     |                 | 84        |     |                                       |                                    |  |
| Shamghur .                        | • | • | 26,782                        | 18,270          | 21,417   | 24,460       | 19,383               | 20,161                                    | ,               | 25        |     |                                       |                                    |  |
| Total                             | • | • | 95,503                        | 63,050          | 72,769   | 77,401       | 64,478               | 70,678                                    |                 | 26        |     |                                       |                                    |  |
| Shaolan .                         |   |   | 12,810                        | 8,012           | 10,125   | 10,832       | 0,088                | D.83n                                     |                 | 23        |     |                                       |                                    |  |
| Diwar .                           |   |   | 29,930                        | 20,740          | 23,299   | 20,814       | 20,500               | 22,658                                    |                 | 32        |     |                                       |                                    |  |
| Todghur .                         | • | ٠ | 25,80B                        | 22,041          | 28,928   | 29,710       | 24,625               | 20,861                                    |                 | 24        |     |                                       |                                    |  |
| Total                             | • |   | 77,080                        | 60,908          | 83,258   | 68,850       | 64,183               | 59,359                                    |                 | 23        |     |                                       |                                    |  |
| Total Bibairwara<br>Total Almere- |   |   | 1,72,502                      | 1,13,858        | 1,85,307   | 1,41,257     | 1,18,681             | 1,20,038                                  | -               | 25        |     |                                       |                                    |  |
| Mhairwara                         | • | ٠ | 8,50,231                      | 3,04,179        | 8,05,183   | 3,09,020     | 2,01,687             | 2,88,549                                  | •••             | 19        |     |                                       |                                    |  |

- 275. The present assessment of Mhairwarra is a reduction of 25 per cent. from the revenue fixed by Colonel Dixon, but is an increase of 12 per cent. on the amount of the summary settlement. I have been unable to work up to the rates in any circle. There was a considerable loss in water revenue. The rate for barani in Beawur Circle, was too heavy, and when the villages of Mhairwarra jut out into the Meywar plain, as in the pergunnals of Jak, Shamghur, and Todghur, the barani could not bear the proposed rate. The rates generally were suitable for the good villages; those which strike one's eye in passing through the country, but an examination of each village whith the map and the knowledge of the capacity of a village, which can only be obtained by a comparison and collation of statistics, showed that the revenue rates were pitched rather too high. Including cesses, the assessment of Ajmere-Mhairwarra is 3,04,593, the result of the application of revenue rates gives Rupees 8.09.920. The reduction in the assessment of Ajmere-Mhairwarra amounts to 19 per cent.
- 276. Meywar and Marwar-Mhairwarra—The land revenue of the villages of Marwar and Meywar-Mhairwarra is not borne on the rentroll. The receipts are paid into the personal ledger and credited periodically to the States concerned subject to deduction on account of costs of management. Statements D and E in the Appendix show the revenue and area of each territorial division of Mhairwarra.

#### REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE

274. In the Beawur Tehsil there is (15 per cent. manured and 88 per cept. protected by wells and tanks. In Todghur 19 per cent. is manured and 52 per cent. protected by wells and tanks. In each Teheil the cultivated area is 66 per cent. of the culturable. At last settlement it was 74 for Mhairwarra, but the present measurement has been much more searching than the last, and probably nearly all the isolated spots which can by any possibility become cultivated, have been brought within the culturable area. It will be observed that while Aimere has only I per cent. of crops of the first class and only 38 per cent. of crops of the second class. Mhairwarra has 4 and 61 per cent., respectively. There is 49 per cent, of rubbee against 26 in Aimere. The manured area in Todghur at last settlement has not been procurable; but no doubt it was higher than at present, and there is a falling off of 7 per cent, in the mauured area of Beawur. In Beawur there are 1,995 wells working as against 1.457 in Colonel Dixon's time, giving an average of 31 acres per well. In 'lodghur there are 5,771 wells working as against 4.052 at last settlement, giving an average of only 14 acres per well. There are nearly 2,000 wells in Mhairwarn which are permanently or temporarily out of use. Ploughs and plough cattle have increased considerably in both tehsils in spite of the destruction caused by the famine. Cattle, including sheep and goats, have nearly doubled in the Beawur Tehsil, and have more than doubled in Todghur, but the figures of last settlement as regards small cuttle are probably not reliable. Water, it will be observed, is found nearest the surface in Ajmere, and gets further from the surface as one goes south till at Diwer the wells are very deep. The height of water in the wells, however, depends entirely on the season. In the dry season of 1871-72 I measured a dry well at Diver which was 60 feet deep, and next year this well was brimming . over. The next table shows the previous gross demand, the demand of the summary settlement, that proposed by the Superintendent, the result by revenue rates, and the present assessment.

|                                  | _ |                               | i, ii           | 1873.                                       | postd<br>Inten-         | , i                  | de-                        | gross de-<br>excluding<br>trees' Fres. | PERCE!<br>OOL, 7 O | TAGE OF |
|----------------------------------|---|-------------------------------|-----------------|---|-------------------------|----------------------|----------------------------|--|--------------------|---------|
| Circre.                          |   | Demand of lest<br>rettlement, | Demand of 1873. | Demand propored<br>by Superinten-<br>dents. | Demand by<br>nue facts. | Present net<br>mand. | Present grosmand exclusive | Increase,                              | Becrenst,          |         |
| 1                                | - | 2                             | 3               | 4   | 6                       | 6                    | 7                          | В                                      | 9                  |         |
| Beawar .                         |   |                               | 885,08          | 38,985                                      | 43,375                  | 64,698               | 39,822                     | 42,541                                 |                    | 25      |
| Chang                            |   | •                             | 12,161          | 0,893                                       | 7,977                   | 8,481                | 7,278                      | 7,980                                  |                    | 84      |
| Shanghur .                       |   | ,                             | 26,783          | 10,270                                      | 21,417                  | 24,450               | 18,883                     | 20,764                                 |                    | 25      |
| Total                            | • | •                             | 05,503          | 83,050                                      | 72,709                  | 77,401               | 64,478                     | 70,678                                 |                    | 20      |
| WBhaolan .                       | • |                               | 12,810          | 8,012                                       | 10,125                  | 10,833               | 0,008                      | 9,036                                  | <b>1</b> 41        | 22      |
| Diwar .                          | • | ٠                             | 28,936          | 20,749                                      | 23,298                  | 20,814               | 20,500                     | 22,658                                 | <b>"</b> ,         | 22      |
| Todghur .                        | • | -                             | 35,108          | 22,048                                      | 28,026                  | 29,710               | 24,825                     | 20,804                                 |                    | 24      |
| Total                            | • | ٠                             | 77,080          | 50,809                                      | 62,338                  | 80,856               | 64,183                     | 59,365                                 | **                 | 23      |
| Total Mhalewara<br>Total Almere- |   | ٠                             | 1,72,562        | 1,13,859                                    | 1,85,107                | 1,41,257             | 1,18,661                   | 1,00,086                               |                    | 25      |
| Mhairwara                        | • | •                             | 8,50,231        | 8,04,170                                    | 8,05,189                | 3,09,020             | 2,61,687                   | 2,80,648                               | ne                 | 19      |

275. The present assessment of Mhairwarra is a reduction of 25 per cent. from the revenue fixed by Colonel Dixon, but is an increase of 12 per cent, on the amount of the summary settlement. I have been unable to work up to the rates in any circle. There was a considerable loss in water revenue. The rate for barani in Beawur Circle, was too heavy, and when the villages of Mhairwarra jut out into the Meywar plain, as in the pergunnahs of Jak, Shamghur, and Todghur, the barani could not bear the proposed rate. The rates generally were suitable for the good villages; those which strike one's eye in passing through the country, but an examination of each village whith the map and the knowledge of the capacity of a village, which can only be obtained by a comparison and collation of statistics, showed that the revenue rates were pitched rather too high. Including cesses, the assessment of Ajmere-Mhairwarra is 3,04,593, the result of the application of revenue rates gives Rupees 8,09,920. The reduction in the assessment of Ajmere-Mhairwarra amounts to 19 per cent.

276. Meywar and Marwar-Mhairwarra—The land revenue of the villages of Marwar and Meywar-Mhairwarra is not borne on the rentroll. The receipts are paid into the personal ledger and credited periodically to the States concerned subject to deduction on account of costs of management. Statements D and E in the Appendix show the revenue and area of each territorial division of Mhairwarra.

## BEFORE ON THE SETTLEMENT OF THE

they represent a full two-fifths of the produce. Several of the farmers and especially Seth Raj Mal, who had more farms than any one cles, were so inexperienced in collecting rents and were so badly served that they did not collect nearly what they should have collected. Still some of them collected their full dues. Malji, the Kamdar of the Bandunwarra Thakoor, was not deceived by his tenants. Chectar Sing and Saligram Jyotishi probably collected rather more than their due. Seth Fath Mal had very good gomashtas, and both he and Chand Mal spent a very large percentage in the cost of collection. On the whole, I cannot think, that they collected less than one-third. The total of the rent-rolls is Rupecs 80,000, and the gross produce of these villages would therefore be valued at Rupecs 2,40,000. The present assessment of these villages is Rupecs 51,408 without cesses and Rupecs 59,835 with cesses. From this it would appear that the assessment with cesses is very nearly equal to one-fourth of the produce.

281. Aroument from Jaghiredars' collections .- With this may be compared the average collections in the jughire estates for the last 10 venus. where the revenue is always taken in kind. The jughiredars have collected revenue for generations, nor have they any motive to understate their receipts. The average collections for 50 villages for which rentrolls were procurable, were Rupees 70,876 without cesses, with extras of all kinds. Rupees \$1,636. The rates of collection in the jngbire estates vary: in two or three one-half the produce is paid, in a few one-fourth only is taken, but the general rate of collection is one-third; and where quarter only is taken there are generally special cesses. In paragraph 69 of the Report of the Committee on jughire estates, it is stated that the collections with extras may be taken as equal to one-third the produce. The average value of the produce of these villages will therefore be equal to Rupees 2.53.908. The inghire villages are in every circle of Ajmere, and the result of the application of the circle rates to their areas gives an assessment of Ropecs 58,823. In the khalsa villages it will have been seen that the result by circle rates is equal to the assessment with cesses; and from this reasoning the conclusion would follow that the assessment with cesses in the khalsa of Ajmere is between one-fourth and one-fifth of the produce. The jaghire villages have been assessed for the purpose of levying cesses for roads, schools, and village post, and the actual assessment is Rupees 62,642, or as near as possible one-fourth of the estimated value of the gross produce. The villages were assessed at the same rates as the khalsa, but it should be added that though the assessment was not intentionally pitched at a higher rate than the khalsa, yet that whenever I was in doubt I leaut to the side of severity. Thus the rent-rolls of the farmers and of the jaguiredars corroborate each other. and go to prove that the present assessment with cesses is equal to about one-fourth of the average produce.

232. Argument from Colonel Dixon's direct collections.—Colonel Dixon in his report on the settlement of Ajmere has given no estimate of the share of the gross produce, which he considered his assessment of Rapees 1,83,569 to take. The assessment, however, was based on the collections during the previous years when the revenue was collected direct and the records of these collections are extant. The highest collections were in the year 1847-13, when the revenue reached Rupees 1,67,237.

By this year the tanks had all been constructed and the year was a good The rate of collection was two-fifths the produce from all cultivators, except a few privileged individuals. Colonel Dixon had had great experience in direct collections and himself superintended the esti-The collections, therefore, allowing for privileged rates and light assessment of freshly broken up land, ought to be equal to one-third the produce, and the produce would thus be valued at Rupees 5,01,711. It has been shown that irrigation and cultivation is stationary since last settlement. The only cause, therefore, which can have affected the value of the gross produce is a rise in prices, for certainly no greater care is expended in the cultivation of the soil than heretofore, and the manured area has actually decreased. Here reference must be made to the table of prices since 1818 at the commencement of Chapter VII; and, apart from the disturbing effects of scarcity years, there are grounds for asserting a general rise in prices. The average price of harley for the five years before 1847-48 and of that year itself. is 28 seers, the average of the years 1861-67 is 20 seers, and there is no year of scarcity in either of these periods. The rise therefore is about 30 per cent, the amount which was calculated in the ratereport. Other things being equal, therefore, if Rupees 5,01,711 be the value of the produce in 1847-48, the value of the produce now will be increased by 80 per cent. and will equal Rupees 6,52,221. The present assessment, with cesses, of Ajmere is Rupees 1,66,862, and four times this sum gives Rupees 6,65,449. The difference may be credited to the account of the five Gwalior villages added to the district in 1360. By this argument the same conclusion is arrived at as has been reached by the statistics of collection in the jaghire and farmed villages, viz., that the present assessment with cesses is about equal to one-fourth the gross produce.

283. Colonel Dixon's Mhairwarra assessment .-- In the report on the settlement of Mhairwarra, Colonel Dixon has calculated the incidence of his assessment. He says (page 13%) :- "The standard may be taken at 75 per cent. of the Government share when the talaos are filled and the barani crops ripen. Thus in moderately good seasons we shall take an equivalent to one-fourth of the late assumed produce from patels and one-third from the cultivators. In good seasons each may be benefited to the extent of 25 per cent. on the Government share. Mental anxiety, forethought, and precaution cannot supply deficiencies of rain. Our exertions are limited to its preservation and retention on its reaching the soil. We must, therefore, prepare our minds for remissions according to circumstances whenever and wherever a deficiency of rain prevails. Our assessment has been fixed at 75 per cent. of the Government share (one-third) during good seasons. We might have reduced this rate to 50 per cent. Still the necessity for remissions would occasionally exist, for it is a fact which must always be kept in mind that the partial replenishment of the talans is a sine qua non of the ability of the people to pay the rents as fixed by settlement. Pecuniary motives have not alone been regarded in fixing the standard. To have settled the rent at a lower amount would have called for the exercise of little exertion on the part of the people. Our policy, for many years past, has been to obviate idleness, or, in other words, to keep the people so closely employed for their immediate benefit as to check any desire in

132

their minds to return to their pristine habits of irregularity." The calculation is a little obscurely worded, but what is meant is that assuming the produce of a moderately good year to be represented by the figure 225, the Government demand wiill be represented by 75 or one-third the produce. The value of the produce in a good year may be represented by the figure 300, in which years the assessment will fall at the rate of one-fourth the produce, while in bad years remissions must be allowed.

234. The former revenue of Mhairwarra may therefore be taken as equivalent to one-third the produce of a moderately good year. The assessment was Rupees 1,72,562, and the value of the produce would therefore be Rupees 5,17,636. There are no lists of prices obtainable before the settlement, but 30 per cent. may be added for the rise in prices. Other things being equal, therefore, the value of the produce of Mhairwarra now would be Rupees 6,73,028, and the value of the produce of the whole district would be 13½ lakhs, whereas it is esti-

mated in Chapter VIII, at 18 lakhs,

285. Conclusions .- Which then of these estimates is correct? And does the present assessment with cesses fall at the rate of one-fourth or one-sixth the produce? In Chapter VIII, the out-goings of the cultivators have been calculated at Rupees 3,04,593 for revenue, Rupees 2,77,328 for interest on debt. Rupees 6,96,148 for cost of production. The total is thus Rupees 12,78,069, leaving but half a lakh of rupees for the profits of the agricultural classes in the whole of Ajmere-Mhairwarra. if the whole produce is worth only Rupees 181 lakks. In favourable years, no doubt, they would make a profit, but in ordinary years it would appear they have just enough to live on and no more. I believe myself that the assessment with cesses in Beawur and Ajmere is about one-fifth of the gross produce of an ordinarily good year, and that in Todghur it is Aimere and Beawur are absolutely, stationary. In about one-sixth. Todghur irrigation has increased between 5 and 6 per cent., and an allowance must be made for a considerable increase in the cultivation of poppy which is a most paving crop. The land in Todghur is so minutely divided that it is cultivated to the highest degree. Still the assessment of Todghur is not really lighter than that of the rest of the district. The rawuts are a stay-at-home race, and the average size of a holding is less than an acre. The cultivated area is half that of Beawur, while the population is much the same, and the people would starve if much more land were devoted to opium, or be obliged to buy food. But if they come into the market as purchasers of food, they will find that the purchasing power of the money they have made by opium has largely diminished.

286. Though the assessment is certainly not light yet it would have served no good end to have reduced it further. The people are accustomed to pay a heavy assessment, and if suddenly relieved by too much would be demoralized, while the grain-dealers and mortgagees would have reaped the profit. The orders, in accordance with which the settlement was made, were to equalize the demand and to fix a sum which the people could pay in an ordinarily good year, regard being had to the demand which hitherto they have discharged. This has been done, and if remissions are allowed when the tanks fail to fill, the demand is not, I think, too heavy.

#### CHAPTER XIV.

#### REVENUE-FREE HOLDINGS.

- 287. Jaghire.—The revenue-free holdings of Ajmere have from ancient times been distinguished into jaghire and milk, but the only difference between these two is, that a jaghire is understood to mean the grant of an entire village or of a share of a village, while milk means the grant of a definite number of beegahs. There are 54 jaghire estates, 51 being entire villages, three being in villages which are half jaghire and half khalsa. The total alienated revenue of these estates is Rupees 63,407, and of this amount Rupees 29,557 is the revenue of the endowments of institutions and sacred buildings, the remainder is enjoyed by individuals or by corporations. The printed Report of the Committee on jaghire estates, dated 16th May 1874, contains a careful summary of the history and statistics of each estate, and it is unnecessary in this place to do more than refer to that Report.
- 288. Bhoom no longer a revenue-free tenure.—Besides jagbire and milk there is also the peculiar tenure known as bhoom which has been sufficiently described in Chapter III. This tenure is now under the orders of the Government of India as conveyed in letter No. 230R., dated 24th September 1874, no longer revenue-free, and the tenure of the bhoomias has been assimilated to that of the istumarardars. They are a feudal militia bound to attend when called upon to put down riots or to pursue dacoits and rebels. Each bhoom holding is bound to furnish either a horseman or a footman on such occasions, and yearly to pay a fixed amount of nuzzerana. The statistics of each bhoom holding are given in Appendix H.
- 289. Orders of Government regarding revenue-free holdings.—Ordinary revenue-free holdings fall broadly into three classes:—
- 1st .-- Grants on account of charitable institutions and sacred buildings.
  - 2nd .- Personal grants which are hereditary.
  - 3rd.—Grants for a life or term of lives.

On this subject the orders of Government given in letter No. 403R., dated 14th December 1871, should be quoted in full:—"3. It is well known that rent-free tenures were rarely given in perpetuity by a Native Ruler, except for the purpose either of endowing a religious or charitable institution, or of perpetuating a succession of hely men whose vows bound them to celibacy, neither of which cases would alienations have been recognized by a Native Government. As a general rule other grants were either hereditary or without further specification, than that annual payment was to be made to a particular individual. The former under Native Governments were invariably limited to the lineal heirs of the grantes, and were continuable as long as such heirs survived. The latter were often renewed to heirs by the issue of fresh Sunnuds on the death of the holder.

290. "The transfer for a consideration of grants of this description would, His Excellency in Council believes, have been as little recognized by a Native Ruler as that of grants of the description first mentioned,

and the inability to alienate is to be inferred from the admitted fact that the tenures would lapse on the failure of heirs. But His Excellency in Conneil is willing to commute the prospective liability of these holdings to entire resumption for the payment of a regular annual quit-rent of one-fourth of the amount at which, if resumed, they would be assessed. In consideration of the payment of this quit-rent, the holders would be left to deal with the land as they pleased, and to sell or mortgage it under the ordinary law applicable in Ajmere to such transactions. This then should be one of the operations to be undertaken in the course of the re-settlement now commencing in the province. It should be applied only in the case of personal grants, grants in favour of sacred buildings or charitable institutions remaining in force as beretofore entirely rent-free, but not transferable."

- 291. These orders were reiterated in letter No. 67R., dated 9th March 1872:—"It is the object of Government to get rid for ever of the liability to resumption and to permit unreserved sale or mortgage in return for a quit-rent of one-fourth of the ordinary assessment, and His Excellency in Council considers it advisable to offer these terms in cases, and the the land granted is still in the possession of the original grantee, and to impose them without offer when the land has been alienated.
- 292. fiules observed in the investigation—In July 1873 a set of Rules to be observed in the investigation of the revenue-free holdings of the district was submitted to the Commissioner, and these rules received the sanction of the Chief Commissioner in his No. 805, dated 29th September 1873: the gist of these rules is as follows:—
- 1. The Register prepared by Colonel Dixon under the orders of Government, conveyed in letter No. 4311, dated 23th September 1814, shall be accepted provided the grantee is in possession.
- 2. Grants made to charitable institutions and sacred buildings are in perpetuity so long as the institution or building exists, but are not transferable. All mortgages of land held under such grants shall be considered null and void, the mortgages being left to recover his money in the Civil Court from the mortgager personally.
- 3. Hereditary grants which have been transferred by sale or mort-gage shall be assessed at one-fourth the ordinary rates.
- 4. The rate of one-fourth is a perpetual rate, though the sum assessed is liable to variation at each revision of settlement.
- 5. In life grants where more than one life is mentioned in the grant, no portion of the grant shall be resumed until all the lives are extinct.
- 6. Life grants made by Colonel Dixon to patels in Mhairwarra on account of good service to Government shall be continued during the good behaviour of the grantees and their lineal heirs.
- 7. When the land held revenue-free by a manifedar is shown by measurement to exceed by more than 5 per cent, the amount to which he is satisfied, the excess shall be resumed, and a settlement made with the ex-manifedar if he is also the owner. The manifedar shall be allowed to point out the fields belonging to his grant.

- 8. Commutation from grain to cash payments shall be made at village rates when both the owner of the land and the manfeedar desire such commutation, but not when the manfeedar objects.
- 9. All resumptions shall take effect from the commencement of the agricultural year following the date of resumption.
- 293. Procedure a lopied.—The whole duty of investigating the maafee grants was assigned to the Extra Assistant Commissioner, Pundit Maharaj Kishen, who has performed this laborious task with care and judgment, and the results of this enquiry have been separately reported. The first step was to collect all the files in the Office of the Deputy Commissioner relating to the maafee holdings. Their number was 1,537 1,130 in Ajmere, 105 in Beawur, and 302 in Todghur. Cases already settled by the inclusion of the holding in the khalsa, or by the execution of an order for the resumption of a life tenure were separated from the file, and the remaining cases were divided into five classes—

1st .- Grants to charitable institutions and sacred buildings.

2nd .- Personal grants which are hereditary.

3rd.-Life grants,

4th.—Grants during pleasure of Government on condition of good behaviour.

5th.—Grants held on condition of service (Chakirana).

The only inquiry made in Colonel Dixon's time was us to the liability of each holding to pay revenue. No distinction was made between grants to institutions and personal grants, nor were the number of sharers in the alienated revenue and their shares recorded. The next step in the procedure therefore was to summon all the manfeedars and to record their evidence as to the nature of the holding, the number of shares, and the share held by each and the question of transfer. A genealogical tree of the manfeedars in each holding was added to the file. The evidence of the transferees was also recorded, and a statement in the subjoined form was prefixed to each misl:—

| =              |          |              |                      |               |  |                            |                    |         |            |              |          |          |       |
|----------------|----------|--------------|----------------------|---------------|--|----------------------------|--------------------|---------|------------|--------------|----------|----------|-------|
|                |          | ERTRIB<br>MA | TARE AIT<br>S YCODED | ING TO<br>BS. | ENTRIES                                  | ACCOMBIN                   | O TO PRE           | RENT    | excess.    |              | أنوا     | sottie-  | ١.    |
| Berfal Number. | Nambor   | dojenu.      | Amoun<br>land        | of E          | maafet-<br>shares.                       | Amonn<br>land              | t af               |         | regards ex |              | [후]      | 2        | Í     |
| Serfs! !       | Village. | 9.4          | Cultivated.          | Abstract of   | Po P | reted.                     | . 8                |         | 5          | Final order. | rt of co | nt mier. | Bruca |
| _              |          | Names        | Cultiva              | Abst.         | Names of a                               | Califrated.<br>Uncullivat- | Total.<br>Decrease | Excess. | Order      | Float        | Repo     | no. of b |       |
|                |          |              |                      |               |  |                            |                    |         |            | _            |          |          |       |
|                |          |              |                      | } }           |  |                            |                    |         |            |              |          |          |       |

Form of Maafee Statement.

294. Statistics of these holdings.—The following Statement shows the detailed area of each class of manfee in each tehsil. There are 744 holdings in Ajmere, 78 in Beawur, and 166 in Todghur. The classified

abstract shows the area of land which has been alienated by Government and the amount of the alienated revenue:-

Statement of Manfee holdings by tersils.

|                  |                              | - |                   |                  |                          |                         |          |                            |                            |                             |  |
|------------------|------------------------------|---|-------------------|------------------|--------------------------|-------------------------|----------|----------------------------|----------------------------|-----------------------------|--|
| ber.             | beil.                        |   |                   | ings.            | DETAIL OF AREA IN ACRES. |                         |          |                            |                            |                             |  |
| Serial Number.   | Name of tehsil.              |   | Nature of Masico. | No. of boldings. | Chabli.                  | Tslabi.                 | Abl.     | Barani.                    | Uncultiva-<br>ted.         | Total.                      |  |
| 1<br>2<br>8<br>4 | Ajmere<br>Do.<br>Do.<br>Do.  | : | Institutions      |                  |                          | 262<br>262<br>2         | 146<br>8 | 1,378<br>3,638<br>264<br>9 | 1,709<br>1,690<br>124<br>9 | 4,242<br>7,605<br>485<br>80 |  |
|                  | Total                        | • | # 95 re\$         | 744              | 3,182                    | 857                     | 202      | 6,180                      | 3,432                      | 12,862                      |  |
| 1<br>2<br>3<br>4 | Benwar<br>Do,<br>Do,<br>Do.  |   | Institutions      | 57<br>18<br>1    | 12)<br>21<br>"1          | 84<br>7<br><sub>2</sub> | 41<br>6  | 76<br>18<br>2              | 17<br>8<br>                | 339<br>69<br>2<br>3         |  |
|                  | Total                        | • | 293 904           | 78               | 148                      | 93                      | 46       | 96                         | 25                         | 403                         |  |
| 1<br>2<br>3<br>4 | Todebur<br>Do.<br>Do.<br>Do. |   | Institutions      | 68<br>59<br>80   | 46<br>151<br>16          | 17<br>6<br>5            | 12<br>   | 32<br>104<br>7<br>5        | 32<br>64<br>6<br>1         | 127<br>387<br>85<br>8       |  |
|                  | Total                        | · | *****             | 166              | 215                      | 80                      | 12       | 148                        | 102                        | 507                         |  |

#### Classified Abstract of Maufec Roldings.

|                       |                   | holdings.                   |                            | DETAI                | L OF AT        | ea in                            | ACRES.                      |                                  | n ated                             |
|-----------------------|-------------------|-----------------------------|----------------------------|----------------------|----------------|----------------------------------|-----------------------------|----------------------------------|------------------------------------|
| Serial Number.        | Nature of Manfee. | Number of ho                | Chahi.                     | Talabi.              | Abi.           | Barani.                          | Uncultivated.               | Total.                           | Amount of allen<br>Revenue.        |
| 1<br>2<br>8<br>4<br>5 | institutions      | 452<br>441<br>50<br>86<br>9 | 1,177<br>2,241<br>92<br>29 | 192<br>274<br>2<br>9 | 04<br>168<br>3 | 1,487<br>3,660<br>266<br>16<br>5 | 1,758<br>1,663<br>124<br>14 | 4,708<br>8,001<br>467<br>68<br>7 | 6,692<br>12,880<br>658<br>163<br>6 |
|                       | Total.            | 988                         | 8,539                      | 478                  | 260            | 6,484                            | 8,560                       | 18,271                           | 20,299                             |

<sup>295.</sup> Grants to charitable institutions and sacred buildings.—The majority of the grants in favour of institutions and sacred buildings are endowments of Hiudeo temples, and were made by Colonel Dixon whose

practice it was on the foundation of a new hamlet to set apart a beggah or two for the local divinity. In only one case was it found that the temple connected with a massee holding has not been kept up but allowed to fail into disrepair, and though this holding is properly liable to resumption, yet it has been proposed to allow it to remain revenue-free for the life-time of a widow who is now in possession and who has no other means of support. The memory of many of these grants is preserved in copper plates, a form of title deed which has outlasted all revolutions, and which were buried in the ground in times of disturbance. These grants generally conclude with the following Stokas of ungrammatical Sanscrit:—

Abdatam paradatum: je palant vasumdhara. Te narah Swargam jaente yavat chandra-divakarah.

Abdatam paradatum: jemetant vasumdhara. Te narah narak

jáente yevat chandra-divakárah.

"What has been given now is given in perpetuity, those who protect this land shall go to heaven for as long as the sun and moon shall endure, and those who resume this land shall stay in hell as long as the sun and moon shall endure." Another common device to ensure the perpetuity of a grant was to draw the figures of a cow and a pig, emblems to awe Hindoo and Mahomedan governments, and in the tablet erected by Dudhahari, an ascetic, who received a grant from Colonel Dixon, the figures of two Europeans in a sitting attitude said to represent Moses and Jesus Christ, are added as an emblem to awe Christian Governments.

296. In 18 cases the land attached to a temple was found to have been mortgaged, and the transfers were nearly all owing to the pressure caused by the recent famine. The mortgagees have been directed to recover their debt from the personal property of the manager. In one. case only had there been a sale, and in this case the temple as well as the land had been transferred, and the duty of service in the temple was performed by the transferee. In many cases it was found that an objectionable custom unknown under Native rule had sprung up owing to the neglect of the endowments of institutions displayed by our Govern-The managers have begun to consider the property hereditary, and it has been divided among their heirs. The assets are thus frittered away, and are not really spent on the temple. In order that the object of these grants may be attained, it is necessary, as the Extra Assistant Commissioner observes, that one person should always succeed as manager, and that neither the duty of service at the temple nor the assets of the land should be divisible among heirs. The manager should make no allowances from the income of the shrine for the support of his relatives, but until a book is regularly kept up showing expenses and receipts, and this book is liable to periodical inspection by Government Officers, the managers can practically do what they please.

297. Personal hereditary grants.—In the second class; personal hereditary grants, the land was generally given as a reward for service (Jildu Khidmut) or as a means of support (madad maash), the majority of the holdings date from the Mogul Empire and the power of transfer is not mentioned as having been granted in any of the Sunnuds. Transfers, however, both mortgages and sales, have been common, and to 29 villages the rule of one-fourth assessment has been applied. In the

Ajmore Tobsil in 25 villages there have been transfers in 62 cases, and revenue to the amount of Runces 537 has been assessed. In Beawur there has been one transfer and the land transferred has been assessed at Rupees 2. In Todghur there have been three transfers in three villages, and an assessment of Rupers 5 has been imposed. The total revenue assessed is Rupces 344. Where the whole holding has been mortgaged, the revenue will be collected from the transferee, where a portion only has been transferred it will be collected from the manfeedar. These holdings have in course of time been so minutely subdivided that a share often consists of only a few square yards. Divisions have gone on more extensively among the Hindoo holdings than among those belonging to Mahomedans. The recording of the shares for the first time raised a considerable number of disputes, but the record has been framed on the basis of possession, and in the genealogical tables which have been prepared, and in the evidence which has been recorded, the Courts will now have some ground on which to proceed in the decision of these disputes.

- 298. Life grants.—Life grants are only 50 in number and call for no particular remarks, except as to the procedure to be adopted in future in their resumption. There has been no record of shares, yet the practice has been that the amount of share belonging to each sharer should be resumed on his death. Very few shares, however, were resumed, and the rule that no part of a holding dependent on joint lives should be resumed till all the lives are extinct will avoid much difficulty in future.
- 299. Grants during good behaviour.—When Colonel Dixon governed Mhaitwarra he made several life grants of small patches of land averaging in size one and a half bergah to certain headmen who had rendered good service to the Stite. Four patches of land, in all six beegahs, were resumed on the death of the patches, but on the representation of Major Lloyd Government sanctioned the continuance of the grants till the expiration of the term of settlement, and directed the grants which had been resumed to be restored. The grantees attach an importance to these grants quite out of proportion to their intrinsic value, and the gain to Government by their resumption would be very small. The Chief Commissioner in the letter above quoted has sanctioned these patches of land being held during good behaviour.
- 500. Service land.—Chakirana maafee is nearly all unirrigated land and is only found in Todghur. It is lend held by village servants which has received the sanction of Government. In the Statement of revenue-free holdings requiring sanction, which has been separately submitted, some few holdings of this class are to be found.
- 301. Cesses.—No manfee holding has hitherto paid any cesses on account of local funds. The orders of Government, however, enjoining the levy of a cess of 30 per cent. on account of roads, schools, and district post apply to masfee holdings equally with khalsa, and the proposal of the Committee on bhoom and rural police was that Rupee 1-14 per cent. on the amount which would had been assessed had the holding not been revenue-free, should be taken as a chowkeedaree cess, (Scotion 32, paragraph 3 of their Report.) This proposal was sanotioned by Government among others in letter No. 230 R., dated 24th September 1874. so that the total tax on manfeedars is 5 per cent. of the reve-

nue which would have been assessed. The annexed Statement shows the amount of these cesses by assessment circles:—

Statement of cesses in Maafee holdings.

| aber.                 |               | •  |   | Casers AT 5 PAR CENT.                             |   |   |  |  |  |  |
|-----------------------|---------------|--|---|---|---|---|--|--|--|--|
| Name of Teh-          |               | Name of Circle.                                      | Revenue by<br>viliage rates.                                | Dietriet Fund<br>at Rupees 3-2.                   | Chowkeedaree<br>at Ro. 1-11<br>per cent.        | Total.  |  |  |  |  |
|                       |               |  | Bt. c. p.   | Rs. a. p  | Rs. c, p,                                       | Re, a y.  |  |  |  |  |
| 1<br>2<br>3<br>4<br>5 | Ajmero        | Ramsar<br>Rajehor<br>dang wana<br>Annero<br>Pooshkur | 6 204 0 0<br>1,556 0 0<br>3,149 0 0<br>8,558 0 0<br>409 0 0 | 195 0 0<br>47 5 0<br>97 8 0<br>215 0 0<br>-12 8 0 | 117 0 0<br>28 8 0<br>58 8 0<br>129 0 0<br>7 8 0 | 312 0 0<br>78 0 0<br>166 0 0<br>841 0 0<br>20 0 0 |  |  |  |  |
|                       | Total         |  | 18,157 0 0  | 507 8 0   | 340 8 U   | 909 0 0   |  |  |  |  |
| 1<br>1<br>3           | Beawur        | Beawur<br>Chang<br>Suamghur                          | 761 0 0<br>12 0 0<br>240 0 0                                | 25 10 0<br>0 10 0<br>7 8 0<br>53 12 0             | 15 6 0<br>0 6 0<br>4 8 0                        | 41 0 0<br>1 0 0<br>12 0 0<br>58 0 0               |  |  |  |  |
| 1<br>2<br>3           | Todgbur .     | Bhaelau<br>Diwer<br>Todghur                          | 145 0 0<br>689 0 0<br>285 0 0                               | 5 0 0<br>21 14 0<br>9 0 0                         | 3 0 0<br>13 2 0<br>5 10 0                       | 8 0 0<br>35 0 0<br>15 0 0                         |  |  |  |  |
|                       | Total .       |  | 1,129 0 0   | 86 4 0  | 21 13 0   | 58 0 0  |  |  |  |  |
|                       | Grand Total . |  | 20,299 0 0  | <b>637 8 0</b>                                    | 382 8 0   | 1'070 A 0   |  |  |  |  |

302. Maafees in Jaghire estates .- There were 308 misls connected with revenue-free holdings in the jaghire estates and the sanctioned rules tor the investigation of these, provided that all revenue-free land should be recorded whether given by Government or by the jaghiredar. These holdings are chiefly in the estates of the things of Khuaja Sahib and Mush Salib, and the majority of them are founded on grants of the Emperors at the time of the endowment of the shrine. All transfers to strangers have been recorded and an excess over 5 per cent, has been resumed. Now that for the first time the estates have been measured. the managers will be able to apply for the resumption and assessment of invalid tenures. The accompanying Statement shows the detailed area of these holdings. The amount of revenue at village rates which has been alienated on these holdings is Rupees 11,820, and the cesses are Rupees 591, of which District Fund cess is Rupees 369-6, and Chowkeeduree Rupees 221-10.

Statement of Maafee holdings in Jaghire estates.

| 1              |   | bold-                |                                 | Dr                  | TAIL OF A          | BBA IN AQ               | rre,                    |                                   |
|----------------|---|----------------------|---------------------------------|---------------------|--------------------|-------------------------|-------------------------|-----------------------------------|
| Berist Rumber. | NATURE OF MALVES.                                   | Namber of<br>lags.   | Chabi.                          | Telabi.             | Abi.               | Barani.                 | Uncultitat-             | T ofal.                           |
| 1 2 3          | Institutions Hareditary Life grants Chakirans Total | 84<br>327<br>5<br>12 | 183<br>2,510<br>22<br><br>2,615 | 14<br>63<br>2<br>79 | 10<br>102<br>2<br> | 221<br>1,400<br>1<br>15 | 122<br>1,453<br>1<br>16 | 510<br>5,358<br>26<br>31<br>5,965 |

#### CHAPTER XV.

#### RECORDS.

803. New system of record adopted.—The system of record which has been adopted and sauctioned for this settlement was originally worked out by the present Extra Assistant Commissioner, Maharaj Kishn, when serving in the Punjub. It was tried in the district of Pathankot, but was disapproved of as introducing a discordant element into the Punjab system. Maharaj Kishn has prepared a specimen settlement misl for incorporation in the Report, and as the system which has been adopted differs from that generally pursued and owes its origin to him, I have deemed it only fair to him to translate the misl and the original, and the translation will be found in the Appendices. The misl is in every way a complete one, though the village of Bhag wanpoern does not exist, and the system of record can be easily and thoroughly understood from it.

304. Description of the record .- The basis of the record is the Pedigree Table of all owners, which shows their descent from the ancestor who originally obtained land in the village. The tribe which founded the village comes first, and in succession the other castes alphabetically. Owners who have died childless, who are absent, who are out of possession, and who are minors, are distinguished by colours, and a short note is added opposite their names. Each owner or body of owners then receives a separate number which is the number of his holding. The revenue-paying holdings are first numbered, and the revenue-free Loldings which are numbered in red ink complete the tale of holdings in the village. These numbers then and the names of the owners having been entered at appropriate distances in the blank khutconi, measurement began. In the specimen mist the first field measured happened to belong to the shamilat, and it was entered in the space left for the fields of holding No. 7. At the same time the index to the khuteoni was filled in by placing opposite to the printed serial No. 1 the number of the holding 7, and this process proceeded till all the fields were measured. placed under their owners' names in the kluteoni, and referred to the holdings to which they belong in the Index. Mortgaged holdings and the holdings held by tenants were entered as subordinate holdings of the original one. As has been already explained, the measurement and the entries were periodically checked as the work proceeded. The Statement of wells and the Statement of revenue-free land were also prepared while the measurement was in progress.

305. Attestation.—A khusra khuteoni in one was thus obtained, and the papers were now subjected to an attestation by a munsarim, who, at the same time, prepared the Wajib-ul-Arz. The duty of this official was in the presence of the putwares and of the whole village to go through each holding, comparing carefully the record with the latest putwares's papers, and if necessary with the record of last settlement, and to explain all discrepancies in the column of remarks. Correctious were made in red ink and signed by the munsarim. The settlement misl was now complete with the exception of the khewat, which consists of columns 21, 22, and 23 of the khutčoni. The papers having been finally attested by the Superintendent, who was bound to attest each holding, were sent to the Fairing Office.

- 306. Distribution of the revenue assessed .- When the revenue of the villages had been announced, the rates at which each kind of land had been assessed were sent to the Superintendents, and the work of distributing the revenue commenced. The rotes were, in the first instance. applied by the putwarees to the area of each holding, and the result shown in a rough paper called the "Chitta Tafrik." This paper was then taken by a munsarim to the village—a punchayat appointed and engagements taken from the punchayat to decide according to equity, and from the people to abide by the decision of the punchayat. The members of the punchayat were in all cases chosen by the people, though the number varied in different villages, the rates were then explained, and the sums assessed on each holding were read out. Objections to any particular assessment were heard and decided by the punchayat. Where doubt existed as to the fairness of an assessment, the munsarim took the objectors and the members of the punchayat to the fields, and the question of the rates at which they should be assessed was then and there decided. The decision of the punchayat is final, unless there is reason to believe that there has been corruption or misconduct on the part of its members; and the punchayats have done their work most satisfactorily on the whole. In nearly all villages there was considerable increase and decrease of the average rate on individual fields, and the award of the punchayat has been accepted without objection.
- 306. Completion of the settlement mist.—When the amount of the assessment had been distributed, the 10 per cent. cesses for putwarees and District Funds were added by the munsarim to the assessment of each holding at the rate of so many amas in the rupee, and the "Chitta Tafrik" was then ready for the attestation of the Superintendent. After his attestation the paper was sent to the Fairing Office where the revenue and cesses of each holding were entered in columns 21 and 22 of the khuteoni. A separate staff was set apart for this work, and the totals were again thoroughly tested. Each mist then underwent a summary inspection by the Extra Assistant Commissioner, the final rubkar was written, and the completed mist was ready for transmission to the Office of the Deputy Commissioner.
- 308. Receipt books given to each owner.—Each owner of land has received a small book showing the amount of revenue and cesses for which he is responsible. In the book is a sufficient number of receipts to last for the ten years of the settlement, and each owner has it in his power to keep a record himself of the sums which he shall yearly pay to the headman through whom he pays his revenue.

#### CHAPTER XVI.

#### MISCELLANEOUS.

309. Mhirwarra villages in which the revenue is shared.—It may be mentioned here that in 1822 it was found necessary to institute a full

Anskar. Behar. Bar Kochran Khera Kimri.

Nei Bara, Nai Chhota. Rndbana. Soniana. enquiry into the claims of Ajmere, Meywar, and Marwar, as to certain villages. The Court of Investigation recommended that the nine villages mentioned in the margin be held in trust, and eventually by orders of

Tarabur.

Government, dated 28th June 1837, half the net revenue of the villages was assigned to the Maharana of Oodeypoor, the villages being then included in Ajmere-Mhairwarra. Under orders dated 8th July 1825, the Thakoor of Massooda receives half the net revenue of the five villages of Jak, Shamghur, Lulua, Ragpoora, and Kheta Khera; and the Thakoor of Khurwa receives half the net revenue of the villages of Kana Khera and Kesarpoora. The Thakoor of Khurwa also receives one-fourth of the net revenue of the villages of Fathpoor 1st, and Tikrana Gujaran. The revenue of certain fields in the Khurwa village of Gwarri is divided in equal shares between Government, the Thakoor of Massooda, and the Thakoor of Khurwa.

- the various cesses which have been taken at the present revision. The arrangements about cesses were sanctioned in the letter of the Secretary to the Government of India, No. 52R., dated 9th March 1874, but it was declared in paragraph 7 that the sanction accorded was for the term of settlement only, and that the orders of Government on the whole subject were open to revision at next settlement.
- 311. Circle of headmen.—It was determined to appoint three classes of headmen. The first, for whom no better name has been proposed than Zaildars or tribal headmen, are in reality headmen of a given cluster of villages. It is their duty to make themselves thoroughly acquainted with the condition of the villages in this circle, to bring to the notice of the Deputy Commissioner all facts deserving of notice. to use their best endeavours to adjust disputes, and, as far as in them lies. to assist in the due administration of the district. They are not to interfere in the collections, but to work through the village headmen. They are to receive I per cent, on the gross Government revenue of their circles. The amount to be distributed among them is Rupees 2.790. and it is intended that they shall be appointed by the votes of the lumberdars in the several villages; but as yet owing to the form of Sunnud to be granted to them not having been sanctioned, no appointments have been made. It is boned that these gentlemen who will be the most influential men in the khalsa and jughire villages, will be of considerable assistance in reconciling petty differences and making known orders in the Revenue Department.
- 812. Lumberdars.—A sum of Rupees 16,778 or 6 per cent, has been deducted from the gross sum assessed on each village for the payment of Zaildars and lumberdars, the latter of whom receive 5 per cent. In each village it was determined to form two classes of village headmen, called respectively lumberdars and patels, and the duties of these two classes are distinct. There are 468 villages in the district, and the number of the lumberdars is 611. Each village has, at least, one lumberdar; but in the larger villages it was found impossible to restrict the number to one, owing to the different eastes which reside in the village. The number of lumberdars, however, has been kept down as much as possible. The lumberdar alone receives the 5 per cent. fees, and is considered a subordinate revenue official. He is the representative of the village in its corporate capacity. His duties are to keep an account of the common receipts and disbursements, to give information of crime, to ascertain that the village chowkeedars perform their duties,

to furnish supplies when called on, and generally to carry out all lawful requisitions of Government. In so far as the lumberdar is a collector of revenue he is merely a patel.

- 313. Patels,-It was found that one of the greatest difficulties in collecting the revenue arose from the fact that no one of the many headmen appointed at last settlement was responsible for any fixed share of the assessment, and as a matter of fact the tehsildar demanded the revenue from those among the headmen whom he considered the most substantial in the villago. At the present regision any well recognized division of a village has been allowed to choose a ratel through whom their revenue shall be paid, but owing to disputes among the people it was found impossible to order that each man in the division should pay through the chosen representative. The lumberdars and patels were chosen and approved at the time of announcing the assessment of each village, and where any tolerable reasons for doing so could be shown the people were allowed to choose a patel. The list was then sent to the Superintendents who were instructed when distributing the revenue to record the vote of the owners of each holding us to which of the chosen headmen, whether lumberdar or patel, he desired to pay his revenue through. Lists of holdings were then made out according to headmen, and each beadman has been given a list of his own constituents with the sums he is expected to collect from them and pay into the treasury. A counterpart list has been filed in the settlement record, so that in case of default the tehsilder can at once tell which of the leadmen is in arrear and can demand the balance from him. In this way it has been endeavoured to make the headmen a strictly representative body as they ought to be, and to ensure that each man shall bear his own burden.
- 314. The patels do not receive pay from Government except in a few of the largest villages, where the amount of the 5 per cent. cess was too large to give to one lumberdar, and in which there was a number of putels. In accordance, however, with old custom, each patel has been allowed a remission of a portion of the revenue chargeable on his holding or share of his holding. The revenue having been first equitably distributed, the sum assessed on the land belonging to a patel has been reduced by one-fourth, and the deficiency spread over the other holdings. In some cases where the patels were nowly-appointed, no reduction from their assessment was allowed. There are 506 patels who pay revenue at a reduced rate, and 26 patels who pay revenue at full rates. At last settlement a remission from the full rates was allowed in the case of Brahmans, Mahajans, and Rajpoots, but at the present distribution of the assessment, these distinctions have not been regarded.
- 315. Headmen in Jaghire villages.—No interference has been exercised in the matter of the appointment or remuneration of headmen in the jaghire estates. The jaghiredars, however, have been called on to state the names of the headmen in their villages and the remuneration they receive, which is generally the right to pay at a privileged rate. These lists have been filed in the Deputy Commissioner's Office for future reference,
- 316. Palearces.—The provision for the payment of the putwarees at last settlement was a cess of 6 pie per rupee of the Government assessment, or Rupees 3-2 per cent. This was found in most cases entirely

insufficient. The putwarees were too few in number, the circles of many of them were quite unmanageable; while all but a very few were miserably underpaid. In 1859 they were graded, and in 1867 the grades were revised according to the scale of pay current in the North-Western Provinces. Three grades were formed of Rupees 120, 100, and 80 per annum, respectively. No good men could be got to take service at these rates, and vacancies in Mhairwarra where the pay was lowest could not be filled up. As soon as the survey commenced arrangements were made for the collection of an extra cess, by which every putwaree who was employed in measurement received at least Rupees 10 a month, and from July 1874 a new grading was established. Ten per cent. of the net Government revenue has been taken as cesses in each village: of this amount Rupees 8-2 per cent. is a lump cess for District Funds, and Rupees 6-14 per cent. is credited to the Putwaree Fund. The amount of the cess in Ajmere-Mhairwara is Rupees 18,045.

317. It was in the Beawur Tehsil that the circles were most unmanageable, and the putwarees most underpaid. In this teshil nine new circles were formed; in the Ajmere Tehsil six, and in the Todghur Tehsil one. The following abstract shows the number and grading of the putwarees according to the present arrangement. It is hoped that in a few years arrangements may be made by which all the putwarees will reside in their own circles, and houses may be given to them where their records may be kept in safety.

Tebsil. Number of Putwarees. Grades of pay. Monthly cost.

|         |      | Rs.    | Rs. |
|---------|------|--------|-----|
| Ajmere  | 9    | 20     | 180 |
| •       | 13   | 17     | 221 |
| >>      | 11   | 15     | 165 |
| 73      | 16   | 13     | 208 |
| 31      |      |        |     |
| Total   | 49   | ***    | 774 |
|         | **** | -      |     |
| Beawur  | 5    | 15     | 75  |
| ,,      | 9    | 13     | 117 |
| "       | 19   | 11     | 209 |
| ••      |      |        |     |
| Total   | 88   | ***    | 401 |
|         | -    | ****** | -   |
| Todgbur | 4    | 18     | 72  |
| "       | 7    | 15     | 105 |
| 1)      | 12   | 11     | 132 |
| ~       |      |        |     |
| Total   | 28   | 111    | 309 |
|         |      |        |     |

Grand total 105 putwarees drawing Rupees 1,484 per mensem, or Rupees 17,808 per annum, thus leaving Rupees 237 in the Fund for rewards and promotions. The putwarees are now well paid, and even in Beawar none receive less than Rupees 11 a month. As vacancies occur in the higher grades the most deserving putwarees should be promoted, and the man who is newly-appointed should not necessarily succeed to

the pay of the putwaree whose circle may have become vacant. It will be observed that the pay of the putwarees in Beawur is Rupees 4,812 per annum, though the amount of the putwaree cess in Beawur is only Rupees 4,464. The putwarees in Ajmere are sufficiently highly paid, and Ajmere has been made to contribute something towards raising the low pay of the Beawur putwarees, who at last settlement received only Rupees 2,864.

318. Jaghire Pulwarees.—The jaghire villages have for the first time been measured at the present revision, and no putwarees had hereto fore been appointed for them. There were certain men in each village who were styled putwarees, but they were merely servants of the jaghiredar who rendered assistance in the collection of his rent or revenue. Arrangements have now been made for the appointment of distinct officials, and the jaghire villages have been formed into 20 circles. The arrangement of circles has been made according to estates, and the putwaree. villages are not conterminous. Owners of well-land and so arr-c. no land put putwaree cess of one anna a beegah yearly to the jaghiredar, who adds to this cess Rupees 2-14 per cent. of the assessment his estate would bear land the revenue not been alienated and pays the total into the jaghire Putwaree Fund. In, this way a sum of Rupees 3,615 yearly has been obtained. The putwarees have been formed into four grades as follows:—

|       |    |    |   |   |   |   | Ks. |    | Re. |
|-------|----|----|---|---|---|---|-----|----|-----|
|       | 2  | at |   |   |   |   | 20  | =  | 40  |
|       | 4  | 51 | ٠ | • | • |   | 17  | == | 68  |
|       | 6  | ,, | • |   | • | • | 15  | ≈` |     |
|       | 8  | ,, |   |   | • | • | 12' | æ  | 96  |
|       |    |    |   |   |   |   | •   |    |     |
| Total | 20 |    |   |   |   |   |     |    | 294 |

Total yearly cost Rupees 3,528, leaving a small balance for rewards and promotions.

S19. Chowkeedars.—No provision has been made at this settlement for the levy of a chowkeedaree cess. The proposals of the Committee on bhoom tenures, which sat in August 1873, have been and oned in their entirety by the Government of India. No chowkeedars will be appointed in khalsa or jaghire villages, which contain less than 200 houses, but Mahajans in such villages will pay a cess of Kupee 1 per house per annum to the lumberdar who is re-ponsible to Government or to the jaghiredar who is similarly responsible. In villages containing more than 200 houses chowkeedars will be appointed who will be paid Ropees 4 a month from the proceeds of a house-tax on non-agricultural residents, and who will be under the orders of the lumberdar or jaghiredar as the case may be. In the istumrar estates the istumrardar appoints his own chowkeedars.

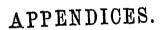
320. District Funds.—The cesses for District Funds, Road, School, and Post cesses have, under the orders of Government, been taken in a lump sum and will be distributed by the local Administration. The total amount of the cess in khalsa villages is Rupees 8,213. To this will be added the contribution of the istumrarders, which it is proposed to levy at the rate of Rulees 3-2 per cent. on half their estimated income. The cesses on jaghiredars are at Rupees 3-2 per cent. of the

makeedars are assessed also at 3-7 per cent, on the sum at which the land would be assessed if the revenue had not been alienated.

- 321. Settlement charges.—The total cost of the settlement, including the measurement of, and the preparation of a record in the jughire estates (for which a special grant of Rupees 11,000 was made) has been up to the 30th November 1874 Rupees 2,24,783-10-10. This expenditure will not be recouped to Government now that the revenue has been deduced otherwise than indirectly in the prospecity and contentment of the people. There was a balance unexpended of Rupees 8,827-3-11 or the 1st December 1874, and this sum will be more than sufficient to complete the work.
- 322. Notice of Officers.—Pundit Maharaj Kishn joined his appointment as Extra Assistant Commissioner in February 1872. Throughout his career he had been employed in the Punjab settlements, and to a mind of considerable originality he has united an intimate knowledge of the details of his work. He has supervised his subordinates well, and the work he has done himself has been thorough and satisfactory. Nearly all the case work of the settlement has been done by him, and his decisions have been seldom appealed against and still more rarely have they been modified. His character has stood high wherever he has been, and I carnestly recommend his services to the favourable notice of Government.

Ramnath, the Superintendent of Beawur, and Punna Lall, Superintendent of Todghur, have both done excellent work, nor could I say which of the two has displayed most zeal in the performance of his duties. Ramnath was a stranger from the Punjah, but he speedily acquired the confidence of the Mhairs of Beawur, and the records in this tebsil, where the majority of the villages are small, are perhaps the best in the district. Punna Lall was new to settlement work, but he set himself vigorously to master it, and as Tehsildar he had learnt to know the rawats thoroughly, and they had learnt to know and trust in him. Without such an officer in the post of Superintendent, a satisfactory settlement of the Tehsil of Todghur, where the land is so minutely subdivided as it is, would have been very difficult. Of the services of the Deputy Superintendents, Pohlo Mal and Srichand, I am able to speak in terms of unqualified praise.

(Sd.) J. Digges La Touche, Settlement Officer.



Appendix A. Appendix A. the nillages whose land is submerged. to has been separately assessed in a lump sum with the nillages whose land is submerged.

| The of Tark robots reder relevant has spaced in a large sum of the |
|--|
| Tels and sub-  Amount of lead sub-  Direct sale on sub-  Last Read on  |
| Tela The Manager of Ma |
| Tells  |
| ### 1  |
| Acceptance   Acc   |
| Adala Tan  |
| Adalation  |
| A Separate Anna  |
| ### 1  |
| ### 1  |
| 1   1   1   1   1   1   1   1   1   1  |
| AdalaTano Languaga and and and and and and and and and an  |
| age de   |
| Name of Villago.  Name of Villago.  Name of Villago.  Name of  |
| Name Name Name Name Name Name Name Name  |
| 2  |
| Circle.  Ramar Director of Tank 10 dog 10 do |
| Ante Book, of This said the said of the sa |

| 149 :  |
|--|
|  |
| The state of the s |
| 1  |
| [2] REO !  |
| A SE LA CALLETTE DE L |
|  |
|  |
| 111111   |
| 250000 ARRENT MANAGEMENT OF THE PROPERTY OF TH |
| TRANSPORTER TO THE PROPERTY OF |
| Harmonina Harmonina Control of Co |
| OCCOSO DARNEL DE CARRENTANTO   |
| 44 44 44 44 44 44 44 44 44 44 44 44 44   |
| ALEGOOOD TORING THE PROPERTY OF THE PROPERTY O |
|  |
| a de la faction de la contraction de la contract |
| A de la  |
| description of the state of the |
|  |
| 51-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-  |
| O TO THE POST OF T |
| ·  |

|            |  |                                   | THE I  |
|------------|--|-----------------------------------|--|
|            |  | REPORT OF                         | THE SETTLEMENT OF THE  |
| 150        | 1  | ı                                 | OTAL A STORY OF SERVERS OF THE SERVE |
| А          |  | \                                 |  |
| 1          | į  | 1                                 | to the state of th |
| 1          | Ruklut 6.  | 1                                 | · • • • • • • • • • • • • • • • • • • •  |
| Ŋ          | PA   | <u></u>                           | 00000000000000000000000000000000000000   |
|            | 'mpri pakanul  | 62 1 1 1                          | PPESS   F ::     P   P   |
| ed.        | offs no star barl?   | 1                                 | THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH |
| 1          | -dus bus! to tanom.  | F   A                             | 1  |
| n of       | das bus in a   | 1                                 | Tables and the state of the sta |
| Ĭ          | FE 500   | E :::                             | HE STATE OF THE ST |
| 3          |  | Malpo                             | THE TROOP OF THE T |
|            | villages with sample is and which is yearly to be assettled.   |                                   |  |
| concluded. | dns no siar be char be | m   6   1   1                     |  |
|            | -dus no eday h   |                                   |  |
|            | Gil Just   | out   i                           | GOODOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOOO   |
|            | begramdes to inc   | 1000                              | RESECUENCE AND   |
|            | olar aut   | main   Read                       | SOUDCOOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCOCO  |
|            | List of Tanks whose woder recense has been remarkely assured to the contract of Tanks whose woder recenses have.   | musik ing                         |  |
|            | 9 .01n m   | 1:5                               |  |
|            | S . SERVICE  | 1 70)aW   Max                     |  |
|            | £  | \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | OOCOCOO  |
|            | 10.  | 17-10/4W B.                       | nnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnnn   |
|            |  |                                   | 20000000000000000000000000000000000000   |
|            | The state of the s | Sign. Hog                         | 00000  |
|            |  | ·idalaT aO                        | angon and angular to the state of the state  |
|            |  |                                   | orrange and a second a second and a second a second and a second a |
|            | 50   | i :                               |  |
|            | 5  | Mame or                           | Man Bambertone 3 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   |
|            | 1040   |                                   | wattan . Unda .  |
|            | *  |                                   | m m m m m m m m m m m m m m m m m m m  |
|            | Tan  | Name of<br>Tank.                  | Deem ton Dillo Dil |
|            | اع.  | ž                                 |  |
|            | <u></u>  |                                   | Total Branch Bra |
|            | 7  | 호                                 | TORRESPONDE TO THE PROPERTY OF |
|            | 1  | Circle                            | The state of the s |
|            | 1  | - nov                             |  |
|            | .] 02  | Number of villa                   |  |
|            |  |                                   |  |

Appendix B.

# Statement showing collections of farmers.

| No. in village | <u> </u>       | le.   | Village                   |     | Former assess.         | Average      | roll.       | Present net us-       | Name of Farmer.                        |
|----------------|----------------|-------|---------------------------|-----|------------------------|--------------|-------------|-----------------------|--|
|                |                | -     |                           |     | R                      | .   .        | Ra.         | Rs                    |  |
| 80             |                |       |                           |     | 1                      | .   .        | •••         | 115                   | 1                                      |
| 85             |                | •     | Tehari<br>Jatea           | •   |                        |              | 047         | 2,259                 | Chand Mai (Seth).                      |
| 36             |                |       | Jaleora                   | •   | -,-,                   |              | 920         | 522                   | Udeethr Sine                           |
| 87             |                |       | Jaswant poors             |     | 1,36                   |              | 064         | 749                   | ]                                      |
| 58             |                | - 1   | Rampoora                  |     | \ 94                   | l6   1,      | 682         | 909                   | Malji.                                 |
| 47<br>57       | Ditto          | •     | Danta .                   |     | 1,28                   | 6 1,         | 241         | 684                   | Chiter Sing.                           |
| _              | Ditto          | - :1  | Rampoora                  | ٠   | 6,97                   | 0   5,       | 241         | 5,299                 | Raj Mal (Soth).                        |
| 60             | Ditto          | -}    | Srinuggar                 | •   | 1,56                   | 6 1.         | 742         | 1.086                 | -                                      |
| 69             | Ditto          | - 4   | Stinugger                 | •   | 7,47                   | -            | ,           | :                     | Fath Mal                               |
| 70             | Ditto          | •     | Samudi .                  | :   | 2,45                   | 0 2.6        | 97          | 1,742                 | Kalu Kam.                              |
| 82<br>85       | Ditto<br>Ditto | •     | Kanakheri                 | •   | 1,84                   | 6 3,1        | 08          | 1,342                 | Jumna Dassoswal.                       |
| 94             | Ditto          | •1    | Kalianpoora<br>Kesurpoora | •   | 23                     | - 1 -        | 27,         | 104                   | Brij Lall Bahadur Sing                 |
| 95             | Ditto          | - 11  | Kekri                     | •   | 52                     | : 1 -        | 93          | UULT                  |  |
| 97             | Ditto          | - 16  | Gadberi                   |     | 5,658<br>1,030         |              |             | 3,704                 | Raj Mal (Soth).                        |
| 105            | Ditto          | ٠ [ ا | Loharwara                 |     | 3,342                  |              | 68<br>na 9  | .564<br>2026          | Poonum Chand.<br>Kalu Ram.             |
| 106            | Ditto          | - 11  | Luchmipoora               |     | 880                    |              |             |                       |  |
| 112<br>113     | Ditto<br>Ditto | •   } | Mohanpaor                 |     | 894                    | - B          | 67          |                       | Feth Mal                               |
| 125            | Ditto          | •[;   | Manpoora<br>Nearan        | •   | 490                    |              | 40          | 350                   | 44                                     |
| 184            | Ditto          |       | Nanlukha                  | •   | 2,168                  |              |             | ,791                  | Chand Mai                              |
| 135            | Ditto          | . [1  | Hathibata                 |     | 410<br>1,585           |              | 75          | 259<br>B04            | Fath Mal                               |
| 136            | Ditto          | .   1 | Hanwantea                 |     | 1,192                  |              | <b>32</b> 1 |                       | Malji.                                 |
|                | Total          |       | Total                     |     | 46,369                 | ·            | 2 29        |                       | ······································ |
| 6              | Rajghur        | ı.    |                           | -   |                        |              | _,          |                       |  |
| 11             | Ditto          |       | lneori<br>Salveota        | -   | 609                    | ,            |             | 611 8                 | aligram Jyotiahi.                      |
| 20             | Ditto          |       | lithor                    | •   | 1,092                  | 1 -0-0       |             | 9// /                 | MIGT Koi Nala                          |
| 49             | Ditto          |       | arathu                    |     | 1,66 <u>4</u><br>5,025 | -9-1         | 8 1,        | TOO! 1                | (B) NEI (Coth)                         |
| 108            | Ditto          | .   G | nels .                    | 1   | 2,096                  | 5,58<br>4,49 |             | 742 (<br>351 <i>a</i> | Uand Mal                               |
| 129<br>131     | Ditto<br>Ditto | . 1   | agriao                    |     | 3,200                  | 4.75         |             |                       | Iman Sing.                             |
| 101            | J.100          | . N   | ureawas                   | •   | 911                    | 1,07         |             | 634 C                 | inj Mai (Seth).<br>Thoga Lall.         |
|                | Total          |       | Total                     | . - | 14,497                 | 19,21        | 9 11.5      |                       |  |
| 4              | Gangwana       | .   ∆ | khri                      | -   |                        | I            |             | -                     |  |
| 18             | Ditto          | B     | obani                     | 1   | 1,580                  | 1,08         | 5 8         | io K                  | alo Ram.                               |
| 100            | Ditto          | . L   | ohagul                    | :   | 1,313<br>611           | 1,22         | א ויי       | 51⊿  R                | ai Mai (Soch)                          |
| 121<br>137     | Ditto<br>Ditto | . M   | akornali                  |     | 1,989                  | 2,056        | 71 8        | 12 J B                | 713 Lett.                              |
| 40/            | DILLO          | .   H | urmara                    | •   | 8,000                  | 2,712        | 1.6         | 08 1                  | aj Mal (Seth).                         |
| 1              | Total          |       | Total                     | -   | 0 446                  |              | -           | -  '                  | anat Mal, Fath Lall                    |
| _              |                | 1     |                           | ٦.  | 8,443                  | 7,451        | 5,1         | 88                    |  |
| 89             | Ajmere         | . Je  | thana .                   | ٦.  | 6,107                  | 7,461        | 5 6         | 70 5                  |  |
|                |                | la.   | LAND TOTAL .              | 1-  |                        |              | 0,0         | -   I(t               | atu Sing Mehta.                        |
| F              | •              | 1 ~ " | TOTAL .                   | 1 7 | 5,416                  | 79,983       | 151 4       | nel                   |  |

Appendix G. Statement of area of Istumrar Istates under the Court of Wards.

| AJHERR AND RHAILWARRA DISTRICTS.   |
|--|
| III AND MHAILWARRA DISTRESS  |
| ** ARRA DISTRICTS.   |
|  |
|  |
|  |
|  |
| EAN OF THE PROPERTY OF THE PRO |
|  |
|  |
| المراجع  |
|  |
|  |
| D. D. C.   |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| 10 July 10 Jul |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| Total Paris  |
| True True True True True True True True  |
|  |

| Appendix E. Statement showing territorially the Revenue and Cerses of Mairwarra present Assessment. | LAND BEVENUE.  Lamber Pater District Total.  fore fore. Fore. Eund. | Hara Barrett. Rovenuc. Ra. Ba. Ba. Br. 1,650 11,453 | 78,510 51,317 33,035 3,087 9,873 6,811 653 520 1,982 7,786 3,087 9,873 9 | Todgbur 91,914 60,886 39,831 29,064 62,885 4,037 4,037 3,033 3,033 | 3,570 117 3,570 116 124 53 | 332 356 160 818 | Total 8,085 4,987 4,787 | 11,854 8,179 6,950 1,146 8,050 2,751 7,195<br>11,854 7,0145 38,358 4,104 | 5,314 E0,622 3,275 8,533 1,535 | 55.776 5,507 8,607 8,679 1,750 | 1         | 1,72,562 1,13,558 89,916 28,715 | Total Means |
|---|---|---|--|--|----------------------------|-----------------|-------------------------|--|--------------------------------|--------------------------------|-----------|---------------------------------|-------------|
| Stateme   |   | Tehsil.   |  | lodgbur .  | Total                      | Beardi          |                         |  | Beawnt .<br>Tudghar .          | Tot                            | Tubal Mar | Meywa                           | TOTAL MBA   |
|   |   | TERRITORI.  |  | British . dellish  |                            | •               | Marwal                  | •  | Meywar                         |                                |           |                                 |             |

155

# Appendix F.

Statement showing Water Revenue and Ceares.

| Rament   R |         |   |             | ī   | LAND REVENUE.                   | M)  | -                                       | Crabera.                         |                                   |   | Total Land                                    |
|--|---------|---|-------------|---|---------------------------------|---|---|----------------------------------|-----------------------------------|---|---|
| Rameter   State   Rt.    .lisdeT | 5   | Irole.      | Dry aspect.                                   | Water<br>Revenue.               | Total,  | Lamberdare' fees.                       | Futwarees' fees.                 | District<br>Funds.                | Total.                                    | Revenue and<br>Cesses.                        |
| Rament   R |         |   |             | Br.   | Re.                             | Re.   | R3.                                     | Rt.                              | Rs.                               | Rs.                                       | Ji.   |
| Boarut   Total   Lie 209   26,687   Lia 2896   9,144   9,886   4,473   23,466   5,468   5,468   1,227   5,468   1,227   5,468   1,227   5,468   1,227   1,418   5,418   2,041   1,278   2,41,619   1,418   2,041   1,418   2,041   1,418   2,41,619   1,677   1,699  | RESELA  | Rament<br>Rajghur<br>Gangwang<br>Ajmero<br>Pooshkur | ••••        | 25,056<br>23,508<br>22,779<br>30,308<br>6,558 | 18,650<br>5,386<br>1,884<br>767 | 51,706<br>23,801<br>21,063<br>91,075<br>6,558 | 3,308<br>1,849<br>1,580<br>1,986<br>420 | 8,577<br>1,994<br>1,694<br>2,134 | 1,628<br>897<br>774<br>972<br>208 | 8,500<br>4,740<br>5,004<br>1,004<br>1,075 | 60,215<br>33,634<br>28,711<br>36,169<br>7,633 |
| Bearur   Change   Bearur   Change   Bearur   Change   Bearur   Change   Bearur   Change   Bearur   Change   C |         |   | Total .     | 1,16,209                                      | 26,587                          | 1,42,896                                      | 9,144                                   | 9,850                            | 4,473                             | 53,466                                    | 1,66,862                                      |
| Done   Total Maitwairs   1964   2,091   19,575   1,186   1,691   19,570   19,570   19,570   19,570   19,570   19,570   1,186   1,691   19,570   1,573   1,691   19,570   1,573   1,691   19,570   1,573   1,691   19,570  | BETWOE  | Boarur<br>Chang<br>Shamghur                         | • • •       |   | 159 4<br>25 13<br>25 2          | (   | 2,495<br>471<br>1,190                   | 2,685<br>501<br>1,278            | 1,227<br>236<br>581               | 6,407<br>1,208<br>8,049                   | \$5,229<br>8,481<br>21,432                    |
| Bhasian   Dornit   10,835   715   20,830   1,520   1,413   618   618   3,81   1,000     Todghur   Total Mhaitwarra   2,00,125   55,832   2,0515   1,001   7,674   8,731   1,001   19,870     Total Mhaitwarra   2,00,125   55,832   2,01,557   16,778   18,045   8,131   44,336   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   8,131   44,336   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   8,131   44,336   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   8,131   44,336   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   18,045   18,045   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   18,045   18,045   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   55,832   2,51,557   16,778   18,045   18,045   18,045   1,001   1,001   1,001     Total Ahmitwarra   2,00,125   2,01,557   16,778   18,045   18,045   1,01 |         |   | -           |   | 31,370                          | 64,478  | 4,156                                   | 4,464                            | 2,054                             | 10,664                                    | 75,142  |
| Total Mhaitwairs   | EDHOGO  | Bhaelan<br>Downir<br>Todghur                        | •••         | 5,797<br>19,835<br>21,076                     | 3,271<br>755<br>3,149           | 9,063<br>20,590<br>24,525                     | 586<br>1,320<br>1,572                   | 627<br>1.413<br>1,691            | 283<br>618<br>767                 | 1,495<br>3,381<br>4,030                   | 10,563<br>23,971<br>29,555                    |
| 86,916 99,745 1,18,661 7,034 8,195 8,711 19,570 2,04,125 55,133 2,51,587 18,778 18,045 8,919 46,398  | 3       |   | Total .     | 46,708  | 7, 575.                         | 58,183  | 8,476                                   | 8,731                            | 1,697                             | 8,906                                     | 630'89  |
| 2,00,125 55,433 2,51,557 16,778 18,045 8,313 48,036  |         | Total Mhairwa                                       | TTG         | 89,916  | 24,745                          | 1,18,661                                      | 7,634                                   | 8,195                            | 8,711                             | 19,570                                    | 1,88,231                                      |
|  |         | TOTAL ASKRE   | E-Muairwann | 2,00,125                                      | 58,433                          | 2,61,557                                      | 16,778                                  | 18,045                           | 8,813                             | 48,386                                    | 8,04,593                                      |

Appen Bhoom State

|  |  |                   |                        |                    |                              | DETAILED                            |   |
|--|--|-------------------|------------------------|--------------------|------------------------------|-------------------------------------|---|
|  |  |                   | 녍                      |                    |                              | ABERTOLDER.                         |   |
|  | ļ  |                   | Bhoomis.               | ١.١                |                              | 1 1                                 |   |
| + Illa ge                              |  | -3                |                        | thuck              | 1                            |                                     |   |
| \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | ا ف  | Ę                 | 福                      | 10                 |                              | 1.1                                 |   |
|  | rille  | ă                 | 7 7                    | ١                  | otal ares.                   | Total                               |   |
|  | ا يُو ا  | Caste of Dhormis. | Name of Muchia         | Number             | Total                        | 1#1 F                               |   |
| Regial attriber of                     | Name of village.   | 5                 | <u> </u>               | <del>-</del>  -    |                              | 10 11                               |   |
| 1 2 7                                  |  | 6                 | 0                      | _                  | <u>n.</u> b                  |                                     |   |
| 2 3                                    | .  | -                 |                        | 12 !               | 387 3 9                      | 3 1 0                               |   |
|  |  | Rabio s           | 1                      | 10                 | 4                            | 리디 경향                               |   |
|  | Nepalia  | Itahiora<br>Ditti | 940 97                 | 38                 | 176 IU 161                   | 164 0<br>2 16 2<br>3 19 3           |   |
| 4   10100                              | San, ruda<br>Dhal  | Dillo             | :                      | 119                | 3.1 5 1                      | 11 - 12 1                           |   |
| 8 Ditto                                | Danta  | 1107              | ******                 | 1 7                | 100 to 1 11                  | 8 10 16 16                          |   |
| 8 Ditto                                | Jates<br>Tiuari<br>Kohti   | Rantors           | Thaknor                | rais ,             | 617 11                       | 0 0 20 6                            |   |
| 10 Ditto                               | Balieran   | pitio             |                        | 1 14               | 5-41 1b 1                    | 6 13 156 10                         |   |
| 11 Ditto                               | [lq:0]   | Ditto             |                        | ' N3               | 1,621 10 11<br>811 #         | 10 0 10                             | 1                                       |
| 14 Ditto                               | Chandola.  | 7 1 111.04        | ti bal.                | 17                 | 607 4<br>691 0               | 10 0 10 0                           | 1                                       |
| 16 18                                  | Dubrela  | Ditto             | : :                    | "   7              | 401 15                       | 1 11 11                             | 1                                       |
| 17 Ditto                               | lihigarea<br>illegaet<br>Itempoor  | Ditto             |                        |                    |                              | 1 0 1 0 13                          |   |
| 19 Ditto                               | lamest<br>School   | pitto             |                        | ··· \ }            | 310 V<br>36: 10<br>423 8     | 20 17 20 17                         | 1                                       |
| 20 Ditio                               | Sa'spog  | ':1十              | .1                     | 1                  | 1 111 1143                   | 12 1 13 1<br>8 1 8 1<br>54 10 54 10 |   |
| 2) Ditto<br>21 Ditto<br>1 23 Ditto     | Nestan<br>Hauwau   | illa Intere       |                        | ·\_                | 9                            | 1                                   | 5                                       |
| 25 Ditto                               | Sanodh   | 0                 |                        | 8:                 |                              | 8 16 6 1                            | 4                                       |
| 1 25 Ditto                             | 10 2. []   |                   |                        |                    | 7 100 16                     | 0 33 63                             | 1                                       |
| 26 Almete                              |  | Patha             | , וי יו                |                    | 10 47 6                      | 7 7 1 10                            | 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| 27 Ditte                               | Tathan   | Rabto             | 70                     |                    | 16 RSS H                     | 1 8 - 1                             | -\                                      |
| 20 10110                               | of the contract of the contrac | i iii             |                        | ,,,,,,             | 103 2,555 2                  | 33 18 53                            | 18                                      |
| 30 Ditt                                |  |                   |                        |                    | 54 191 U                     |                                     | 8                                       |
| 6 101                                  | ilane  | awas Raht         |                        | *****              | 1 212 6<br>1 167 8           |                                     | 7 8                                     |
| 82 111                                 | Hosti  | INTE COLUMN       |                        | 949 051<br>949 051 | 1 18 16<br>3.0 16<br>18 18 1 | 0 7 8 8 7 11 70 11 0                | 11                                      |
| 83 Dit                                 | 10 1 22  | ions Dif          |                        | *****              | 0 7 19 0                     | 01:1                                | 13                                      |
| 86   1.11<br>  37   Di                 | 10   | nora .) Rah       | ore ·                  | *****              | 34 (16) 0<br>31 ( 62 9       |                                     | 18                                      |
| 38 10                                  | 110 Hadi   | ELIDOOLS          |                        | 121 COT            | 11 RUO 17                    | 10 15 - 1                           | 1 8                                     |
| Y 27 1 11                              | tto The  | 72020             | hwaha Ch<br>chwaha I'o | tr Sing .          | 23 251 17                    | 1 115                               | 3 0                                     |
| 1 63 ( 2)                              | 1:10 · .   | tel Per           | htoto .                | ******             | 21 196 2<br>16 1,600 14      | T STARL L                           | 15 19                                   |
| 2 4 5                                  | itto Cha   | m u e i           | ******                 | 40110              | 44 803 8                     | . 1 •• 1 •• 1                       | \$ 11  <br>14 0                         |
| M 1                                    | Fat  | Ke Ke             | ibtore .               | *****              | 9. { 1in 2                   | 11 0                                | 14 0                                    |
| / 48 I 4                               | oitio · do   |                   | athen                  |                    | ]                            | 1                                   | ···········.                            |
| 9 1                                    | Dirito . d.  |                   |                        |                    | •                            |                                     |   |

dix G.

menl, djmere.

| EA OF I  | HOOM.  |   |                         |  |                               |                       |                 |   |  | _   |   |                          | er of<br>Fich. |   |  |
|--|--|---|-------------------------|--|-------------------------------|-----------------------|-----------------|---|--|---|---|--------------------------|----------------|---|--|
|  |  |   | Å:                      | A SUABLE   |                               |                       |                 |   |  | -   | 92  |                          | T              | - 5                                     |  |
| Ūπ   | cultivated.  |   | \                       |  |                               | Oullivate             | i.              |   |  | _   | gooza   |                          |                | nar                                     |  |
| Cultumble.   | Pallow.  | Total.  | Chabi                   |  | Talibi.                       | Abi.                  | _               | Harrani.  | Total.   | _ _   | Total Malgoozaree   | Horseman.                | Footman.       | Amount of narzersus.                    | _  |
| 12   | 13   | 36  | 1                       | 5 1  | 6                             | 17                    | _               | 18  | 19   | _ -   | 20  | 21                       | 22             | 2<br>                                   | 3<br>4   |
| 80 18<br>165 U<br>10 O<br>10 O<br>49 3<br>93 P<br>9 8<br>7 14<br>68 15 | 8 6<br>10 2<br>19 19<br>12 8<br>58 17<br>39 14<br>20 12<br>7 3<br>1 0<br>489 0 | 89 2<br>175 3<br>29 19<br>98 6<br>108 6<br>133 3<br>29 11<br>14 11<br>67 11 | 1                       | 56 15<br>16 17<br>18 10<br>35 7<br>43 19<br>24 15<br>50 17<br>17 0                               | 8 18<br><br>2 16<br>20 3      | 40 0<br>4 19<br>32 19 |                 | 34 3<br>129 11<br>140 10<br>250 5<br>513 12<br>317 1<br>70 5<br>58 14<br>247 14<br>201 13 | 144<br>175<br>353<br>70<br>64                                    | 10<br>10<br>10<br>10  | 178 0<br>819 10<br>203 19<br>432 _2<br>811 10<br>674 19<br>241 19<br>160 11<br>371 17<br>4,22 0 | 1                        | -              | 2                                       | 4.<br>18<br>7<br>24<br>17<br>69<br>77<br>76<br>15                |
| 1,302 8<br>168 4<br>64 7<br>4 11<br>465 1<br>193 3                     | 1 0<br>21 9<br>146 11<br>9 18  | 369<br>55 1<br>4 1<br>611 1   | •                       | 48 9<br>62 7<br>76 1<br>2:6 3  | 29 10<br>14 3<br>30 8<br>31 8 | 17,<br>46 1           | 2<br>7<br>B     | 279 12<br>399 0<br>218 12<br>774 14<br>64 9   | 35   | 0 17<br>3 18<br>9 17  | 617 6<br>678 13<br>330 E<br>1,691 5   | :                        |                | 1 1 1                                   | 20<br>13 1<br>82<br>93<br>11                                     |
| 113 14<br>68 3<br>67 1<br>229 3  | 14 2<br>21 6<br>22 8<br>107 14   | 89  | 1<br>2<br>8<br>17       | 48 7<br>57 3<br>10 9<br>81 7   | 6 11<br>5 3<br>2 15           | 80 1<br>83            | 1               | 699 5<br>442 2<br>208 3<br>104 7<br>103 45  | 3:   | 35 14   | 429 1<br>621 1  | 2 :                      |                | 1                                       | 20<br>24<br>14<br>28   |
| 1° 11<br>270 6<br>17 13<br>24 10<br>132 4<br>298 6                     | 6 1<br>22<br>10 1  | 1 35<br>1 35  | 11<br>17<br>0<br>0<br>5 | 7 10<br>23 17<br>13: 18<br>118 1:<br>68 10<br>188 2  | 193 10                        | 1                     | 18              | 169 4<br>25 13<br>163 2<br>278 8  | 3 2 5  | 11 5<br>23 17<br>92 2<br>75 19<br>80 12<br>68 4   | 394 1<br>869  | 779                      | 1 :            | 1                                       | 8<br>45<br>67<br>31<br>75  |
| 4,051 10   | 1,052  | 7 5,134   | 3 2                     | ,135 17  | 403 1                         | 314                   | 12              | 7,905 18  |  |   |   | -1                       | <u> </u>       |   | 874  |
| 194  | 9 18   | 8 212   |                         | 212 13   | ***                           | -                     |                 | 173 1<br>B1   | 1  | 18 10<br>Ing 5  | 629<br>163  | 7 .                      | "              |   | 80<br>26   |
| 115<br>421 1   | 8 14<br>133 1  | 4 129<br>11 554<br>1 8  | 3                       | . 77 18<br>45 9<br>45 1<br>109 15<br>246 11  | 641<br>600<br>600<br>610      | 1                     | 16              | 199 1<br>275<br>173   | 1 to 1   | 47 3<br>134 14<br>345 4<br>419 18   | 314<br>939  | 3 4                      |                | 1 | 15<br>16<br>40<br>81   |
|  | 9 173  | 4 904   | 13                      | 767 6  |                               |                       | 19              |   | ¬!—  | 618 11  | 2,521   | -                        | 긔.             | -                                       | 253  |
| 91 1<br>12<br>12<br>56<br>3<br>81<br>16                                | 6 76<br>16 83<br>12 9<br>13 8<br>2 17  | 5 8 8 8 2 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3                                   | 3 18<br>4 14<br>3 9     | 178 12<br>24 10<br>60 7<br>11 16<br>22 13<br>110 16<br>44 17<br>437 13<br>20 2<br>36 16<br>19 17 |                               | 2                     | 3 1             | 271 1<br>622 1<br>124 203 147 6<br>69 43 179 60 60 42                                     | 19<br>1<br>2<br>13<br>11<br>6<br>13<br>18<br>0<br>16<br>16<br>15 | 90 17<br>271 18<br>768 14<br>148 11<br>263 9<br>147 13<br>18 6<br>111 18<br>44 12<br>600 10<br>110 12<br>132 1<br>173 | 849<br>148<br>349<br>173<br>18<br>118<br>168<br>78<br>79<br>7 110<br>8<br>8<br>9<br>8<br>3 233  | 11<br>14<br>7<br>16<br>2 | 1              | 1 | 2<br>4<br>63<br>11<br>23<br>6<br>9<br>50<br>145<br>7<br>13<br>29 |
| 163<br>- 11  | 0 81   | 18  | 18 4<br>19 13<br>2 18   |  | 8                             |                       | <br>B 19<br>5 7 | 194<br>03<br>84   | - 1  |   | 3 29<br>8 23<br>6 £   | 9 7<br>0 1<br>6 1+       |                | 1                                       | •  |

## Bhnom Statement

| DETAILED   |   |          |          |                 |               |                  |   |                |     |         |        |                |          | D 17 17           |         |           |          | ٠             |        |
|--|---|----------|----------|-----------------|---------------|------------------|---|----------------|-----|---------|--------|----------------|----------|-------------------|---------|-----------|----------|---------------|--------|
| 2   3   4   5   8   7   8   9   10   11  |   |          |          |                 |               |                  |   | (              | _   | . (     | _      | <u></u>        |          |                   |         | DET       | ALLI     | D2            |        |
| 2   3   4   5   8   7   8   9   10   11  |   | Ī        |          |                 |               |                  |   |                |     | E C     |        | -              |          | 1                 | NASS)   | :38 A B S | .,       |               |        |
| 2   3   4   5   8   7   8   9   10   11  |   | ig H     |          |                 |               |                  |   | 1              | i   | ğ.      | rers.  |                |          |                   | T       | T         |          |               |        |
| 2   3   4   5   8   7   8   9   10   11  | l | 10       | فِ       |                 | 9.<br>9.      | .                | 11 00<br>11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 | 1              |     | dokby   | of sha |                | į        |                   |         |           |          |               |        |
| 2   3   4   5   8   7   8   9   10   11  | , | 1 page   | Circ     |                 | of Till       |                  | 5<br>5  | .              |     | ) o e   | mbor   |                | tal ar   |                   |         | anto      | cotal.   |               |        |
| 2   S  | • | rial m   |          |                 | eque y        |                  | Cante   |                |     | EGN.    | Z      | - <u> </u><br> |          | _                 |         | -         |          | -             |        |
| So   Gangwan   Ditto   Ditto | i |          |          |                 |               |                  | Б   |                |     | •       | -      | -  -           |          | -                 |         | 1         |          | -             |        |
| Ditto   Ditt |   | <u>-</u> | <u> </u> |                 |               |                  | Dabto   | re Sate        |     | ******  |        | 7              |          |                   | _       | -         |          |               |        |
| Ditto   Harmar   Kachwaha   Gangwana   Gan |   | 50       |          |                 | Ditte         | ,                | Wat.  | Jodha          |     | •       |        | 97             | 114      | ١B                | p 2     | l l       |          |               |        |
| Total   Gangwan   Section   Rabtore   Section   Sectio |   |          | Dit      | to .            | Mobel         | pai ∙            | Kach  | waha .         | -   | *****   | -1     | -1.            |          |                   | 07 12   | 1-1       | 40       | 7 13          |        |
| Rajchur   Rabors   Rabtors   Rabto |   | -        | To       | tal .           | Gang          | WEDE .           | ·   |                | -   |         | -      | 16             | 889      | 8                 | 113 .2  |           |          | 3 2<br>5 15   |        |
| Second   |   |          |          | hur •           | lihao         | 4 410            | Int   | to .           |     | *****   | ŀ      | 3 Ì            | 1,42     | 5 6               | 6 7     | =         | 1        | 10 13         |        |
| Namica   |   | 86       | D!       | tto •           | , Kale<br>Kan | ATA .            | Di  | tto ·          | • [ |         |        | 15             | 551      | 12                | 6Î 18   | · I       | 1        | 4 30          |        |
| Ditto   Chat   Dhola Danta   Dhola Dhola Danta   Dhola Dho |   | 89       |          | itto d          | Rete          | khera.           |   |                |     |         |        | 15             | \ \ \\ 2 | B 0               | ***     |           |          |               |        |
| 19   |   | . 6      |          | itto            |               |                  | . II  | h toro         | 1   | 21644   |        |                | U a      | ă O L             |         |           | <u> </u> |               |        |
| 12   |   | 16       | 3   T    | )tt10           | Aiol          | ipoore           |   |                | - - | ,,,,,,, |        | 191            | 3,9      | 34 6              | 211 1   | <u> </u>  | -        |               |        |
| Pondshar   Rampoors   Nand   Ditto   |   | 1        | -        |                 |               |                  | liah  | tore           | - - |         |        |                |          |                   | 1       |           |          | 2 6           | 1      |
| Ditto  |   |          | 85 Po    | nshkur<br>Ditto | Rn            | mpoors           | 1   | jito           | - 1 | *****   |        | 0              | 2   1.2  | 51 17             | 281     | 19   "    | :        | 291 19<br>0 9 |        |
| Total Posebar   Parish   Par |   |          | 67       | Ditto           | 1 37          | ha               | اً ا  | Ditto<br>Ditto | •1  | ******  | 1      | 3              | 8        | 75 12  <br>223 3  | 21<br>7 | 8 :       | I        | 7 6<br>285 13 |        |
| Total Posthkn 7  |   |          | 69 ì     | Intio<br>Ditto  | · K           | holal<br>hori    |   | Ditto<br>Ditto | :1  |         | , .    | 1              | ā   3,5  | 908 I I           | 0       | 10        |          | 0 10          | 1      |
| The first of the |   |          | 71 72    | Ditto           | K             |                  | -   | Ditto          | 一   |         |        | 12             | 5 4,     | 709 O             | £85<br> | 18 -      | - -      |               | 4      |
| 75   Ramear   Ratismi   Rahtore   Ditto   Di |   |          | T        | otal Poor       | DER T         | 10100            | - -   |                |     |         |        |                |          |                   |         | 10        | 1        |               |        |
| The column   The |   |          |          | Damser          | ,             | inatiani         | .  B  | store.         | •   | jit šli | g.     | 1              | 1        | 214 12            | ١.      | 5 7 1     | _        | 3 15          | , '    |
| The first column   The first c |   | -        | " \      | Disto           | .\1           | Bal -ja<br>Ditto |   | Ditto          | •   | Do-to   | D 11   | 5              | 11       |                   | l       | 1 0       |          |               | ì      |
| The column   The |   |          | 76       | Ditto           | - ' '         | Beer             | ./  |                |     | engh    | 11).   | 1              |          | 884 18<br>153 11  | ı       | 1 BI      |          | 987 1         | 1      |
| 760   Ditto   Kadampoora   Ditto   Thakoor Bha   1   199   1   9   1   11   1   1   1  |   |          | 75       | Ditto           | -:1           | Dilwstl          |   | Ditto          | :   |         | 44     |                | 20       | 2,116 6<br>241 11 | 28      | 8 8       | ::       | 36 1<br>8     | 7<br>B |
| Si   |   | ,        | 1 79     | Ditto<br>Ditto  | : :           | Kadami           | peora   | Ditte<br>Ditte | •   | Thako   | or Bb  | 18-            | 3        | 68 4              | 11      | 9 18      |          | <b>9</b> 1    | 18     |
| No.   Ditto   Charles half   Ditto   |   |          | Bì       | Ditte           | ' '           | Kparie<br>Kparie | ingib,  | Dut            | ٥   | Thako   | or Bi  | ba-            |          | 62 1<br>222 1     | *       | 18 8      | =        | 16            | 8      |
| 56 Ditto   |   |          |          | Ditt            | • •           | ja Ei            | harl .  | Dist           | 0   | . Dit   | DinR   | ۱:             | 3 1      | 255 1             | 6       | Ö 19      |          | ם ו           | 10     |
| 1 1 1 1 1 1 1 1  |   |          | 86       | Ditt            | • •           | I Charo          | SWTH .  |                | .0  | ≟       | -      | -              |          |                   |         |           | -1       | 623           | 18     |
|  |   |          | -        | -               |               | -                |   |                |     | ١ .     |        |                |          |                   |         |           |          |               | _      |

### dimere-continued.

| REA OF   | вноом.   |   | ••  |  |                              |   |  |   | Na.       | ruze o                                  | ,  |
|--|--|---|---|--|------------------------------|---|--|---|-----------|---|--|
|  |  |   | Asset   | eably,   |                              |   |  | Ι.  |           | RTICE.                                  | - 1  |
| Ū  | ncultivate   | i,  |   |  | Cultivale                    | d.  |  | - Sare  |           |   | Burrer                                       |
| Calturable.  | Fallow.  | Total.  | Chahl,  | TahM.  | Abt.                         | Parasi.   | Total.   | Total maigocrares.  | Horseman, | Footman.                                | Atsount of Burretans.                        |
| 12   | 13   | 16  | 15  | 16   | 17                           | 19  | 19   | 20  | 21        | 23                                      | 23   |
| <br>B 0<br>1 13  | <br>5 5<br>829 19                                      | ##<br>8 0<br>6 18   | 69 4<br>25 2<br>837 14  | 13" 4  | <br><br>63 13                | 14 9<br>31 14<br>73 0<br>874 1  | 14 6<br>100 16<br>93 6   | 101 6   |           | 1                                       | Ra   |
| 275 9<br>633 3   | 1,421 19   | 2,085 1   | , 637 14<br>2,705 17  | 20 2   | 123 3                        | 3,834 0   | 1,588 12<br>6,792 6  | 2,091 0   |           | <u> </u>                                | 325<br>945                                   |
| 257 1<br>52 5<br>12 7<br>70 18<br>3 0<br>32 0<br>47 14   | 79 17<br>80 5<br>169 14<br>21 8                        | 840 18<br>52 5<br>51 12<br>249 7<br>8 0<br>53 8<br>47 14<br><br>8 1 | 96 8<br>272 4<br>23 2<br>307 3<br>110 19<br>81 13                         | 45 3<br><br>14 15<br>4 8<br>2 13<br>24 12<br>18 17 | 15 8<br>25 11<br>9 18        | 257 18<br>269 11<br>36 4<br>638 3<br>40 8<br>803 7<br>80 13<br>20 2<br>23 13<br>1 14<br>14 3<br>17 19 | 399 6<br>541 15<br>89 6<br>1,145 6<br>464 10<br>162 8<br>20 0<br>26 6<br>28 6<br>33 0<br>17 19 | 748 4<br>594 0<br>110 13<br>1,834 13<br>40 9<br>497 13<br>20,1 18<br>30 0<br>26 0<br>19 7 7 |           |   | 41 91  |
| 405 5  | 321 5  | ´ 816 10  | 851 6   | 110 8  | 50 17                        | 1,903 13  | 2,928 8  | 3,742 15  | 2         |   | 320  |
| 15 15<br>6 19<br>27 11<br>101 0<br>14 4<br>2 4<br>882 15 | 271 11<br>81 0<br>205 0<br>3 18<br>5 0<br>1 0<br>55 10 | 15 15<br>160 10<br>108 11<br>307 0<br>8 18<br>14 19<br>8 4<br>989 5 | 6 13<br>138 8<br>77 14<br>71 15<br>26 4<br>90 7<br>137 14<br>263 4        | 16 5<br>14 7                                       | 31 13<br>76 2<br>30 5        | 205 0<br>499 16<br>0 9<br>102 4<br>7 2<br>449 19  | 65 1<br>361 3<br>282 14<br>68: 18<br>71 8<br>192 11<br>144 16<br>701 3                         | 100 16<br>431 13<br>391 8<br>969 18<br>78 3<br>207 0<br>143 0                               |           | 1 | 11<br>47<br>29<br>42<br>14<br>80<br>41<br>87 |
| 3 6<br>1,055 13  | 519 4  | 8 5<br>1,574 17   | 814 0   | 75 7   | . 53 15<br>191 16            | 0 19  | 54 14  | 87 19   |           | <u>.</u>                                | 87<br>7                                      |
| 71224GBR.<br>1,022 7<br>1 10<br>6 16                     | 45 6<br>0 19   | 1,667 13<br>8 9<br>6 16   | 47 10<br>108 2<br>15 5<br>70 2  | 78 0<br>2 3  | 67 2<br>34 0<br>26 10<br>1 0 | 92 1<br>66 11<br>60 18<br>172 1   | 286 13<br>200 16<br>108 13<br>243 3  | 1,353 6<br>209 8<br>109 13  |           | 1 1 1 1 1 1                             | 191<br>84<br>40                              |
| 89 15<br>1,177 12<br>71 17<br>50 18<br>77 18             | 24 7<br>9 13<br>3 0<br>17 0,<br>7 17                   | 64 2<br>9 12<br>1,180 12<br>88 17<br>50 15<br>85 15                 | 40 2<br>44 10<br>89 19<br>31 7<br>10 19<br>16 3<br>103 8<br>60 19<br>25 1 | 12 14<br>3<br>6 14<br>9 2<br>                      | 33 1                         | 197 5<br>98 4<br>858 3<br>78 10<br>29 17  | 283 2<br>143 14<br>646 2<br>116 17<br>49 18<br>16 3<br>103 8<br>60 19                          | 240 19<br>347 4<br>112 6<br>1,826 14<br>207 14<br>49 18<br>65 18<br>189 3                   |           | 1 | 23<br>16<br>87<br>19<br>5                    |
| 126 13<br>62 5<br>19 2                                   | 8 0<br>10 6<br>16 9                                    | 134 13<br>72 11<br>35 11  | 25 1<br>188 12<br>88 16<br>63 13  | 6 13   | **                           | 41 18<br>292 0  | 108 10   | 60 19<br>206 4  | =         | 1                                       | 19<br>14                                     |
| 2,748 8  | 186 1  | 2,903 0   | 921 ·7  | 11 11  | 63 17<br>225 10              | 292 0<br>154 11<br>61 4   | 435 5<br>193 6<br>220 5  | 869 18<br>365 17<br>285 16<br>C,117 14  | ***       | 1                                       | 49<br>36<br>87                               |

#### Blicom Statement

|                         |                           |                                |                                |                                  |                         |                    |                          | Bluom                 | 81          | otement                           |
|-------------------------|---------------------------|--------------------------------|--------------------------------|----------------------------------|-------------------------|--------------------|--------------------------|-----------------------|-------------|-----------------------------------|
|                         | 1                         |                                |                                |                                  | <u>.</u>                |                    | ,                        |                       | t           | ETAILED                           |
| Phoem.                  | Usge.                     | İ                              |                                |                                  | Shootel                 | ا                  | 1                        | Urai                  | 1,111       | iber.                             |
| Berial number of Bhoam. | Serial number of village. | Name of Circle.                | Name of villege.               | Catte of Bhoomla.                | Name of Makhys Bivomis. | Ramber of sharers. | Total area.              | Barren.               | Masteo.     | Total.                            |
| 711                     | 2                         | 8                              | 4                              | 8                                |                         | 7                  | 8                        | 9                     | 10          | 11                                |
| 82<br>63                | 85<br>60<br>90            | Ajmere .<br>pitto .<br>Ditto . | Daral Khwajponra . Makhapoora, | Rabiore .<br>Pathan .<br>Ditto . | Mehtab Bing.            | 1<br>7<br>11       | 147 14<br>101 6<br>84 14 | 0 17<br>2 14<br>1 8   | : : :       | 0 17<br>2 14<br>1 8<br>- 4 10     |
|                         |                           | Total Ajmere                   |                                |                                  |                         |                    | \                        |                       | <b>\-</b> - |                                   |
| '66<br>17               | 91<br>92                  | Ditto .                        | Untra                          | Rahiore .                        | 100                     | 3<br>39<br>17      | 120 T                    | 6 13<br>2 13<br>18 11 |             | 8 13<br>2 12<br>15 11             |
| 89<br>84                | 87<br>87<br>83            | Ditto .                        | Gaperana .                     | Rahtore .                        | •••<br>•••              | 97                 | 318 1<br>1,035 U         | l 6 )                 | [::         | 0 1                               |
| 90<br>\$1               | 112                       | Ditto .                        | Ghend .                        | Kahtore .                        | Agar bing .             | 30                 | 210 g                    | 1 12                  |             | 1 17                              |
| -6                      | 6                         | Total Gat                      |                                |                                  |                         | 376                | 2,714 17                 | 33 6                  | =           | 85 6                              |
| 92<br>93                | 97                        | Rajebur . Ditto .              | Amba Massens                   | Salvid .<br>  Rahtore .          |                         | 11                 | 73 D<br>493 10           | 5 2<br>7 16           |             | 5 2<br>7 16<br>31 0<br>8 2<br>0 8 |
| 91<br>98                | 95<br>99                  | Ditto                          | Perbulean .                    | Ditto                            | pa.                     | 42                 | 1,001 0                  | 11 0                  | -           | 11 0                              |
| nk l                    | 100<br>101                | Ditto .                        | Dudlans .                      | Ditto                            |                         | 16                 | 107 17                   | 108                   | į           | 8 2<br>0 8<br>0 2                 |
| P7                      | jū:                       | III to .                       | Ditto .                        | Gor .                            | ***                     | 7                  | 1× 17<br>1×7 1×          | 0 2                   |             | 1 161                             |
| 93<br>93                | 103                       | Dirio .                        | Mauricawas.                    | Ditto .                          | Deri Bing .             | 1                  | 138 18                   | 0 18                  |             | 0 18                              |
| -8                      | 7                         | Total Ra                       | ·                              |                                  |                         | 108                | 3,012 5                  | 34 14                 | -:-         | 34 14<br>14 13                    |
| 100                     | 104                       | Poselikur .                    | ]} h a g w a no<br>posts.      | Rabtore .                        | ***                     | 03                 | B02 0                    | 11 13                 | "           |                                   |
| 101                     | 108                       | Ditto .                        | Tillon .                       | Ditto .                          |                         | 61                 | 7/73 12<br>131 14        | 1 2<br>2 15           | :::         | 1 3                               |
| 101<br>103              | 108                       | Ditto .                        | Chawanda .<br>Kishupoora .     | Ditto .                          | 977<br>844              | 18                 | 617 10                   | 115 13                |             | 116 13                            |
| 101                     | 108                       | Ditto .                        | Ganahers .                     | Ditto .                          | Amr Bing .              | 23                 | 175 0                    |                       | :::         | 0 1                               |
| 108                     | 109                       | IHtto .                        | Naidla                         |                                  |                         | 145                | 1,804 6                  | 134 4                 |             | 184 4                             |
| <u> </u>                | 6                         | Total                          | Posshkur                       | 0.11                             |                         |                    |                          |                       | _           |                                   |
| 100                     | 110                       | Gangwans .<br>Pisangun .       | Karel .                        | Rabtoro .                        | ***                     | 2 (3<br>15         | 823 13<br>861 10         | 33 15                 | :::         | 33 16                             |
| 107<br>109<br>109       | 111                       | lifito .                       |                                | Disto .<br>Ditto .               | Pertap Sing.            | 11                 | 435 D<br>104 15          | ***                   |             | 100                               |
| 309                     | 1111                      | Ditto .                        | Nadh                           |                                  | · ·                     |                    |                          | 81 15                 |             | 18 15                             |
| 4                       | •                         |                                |                                | ŀ                                | Istumrar ,              | 283                | 2,613 7                  |                       |             | 13 0                              |
| ٠                       |                           |                                | }                              | Istumrar                         |                         |                    | 1,033 0                  | 13 0                  | =           | 1 083 7                           |
| 6                       | 72                        |                                |                                | . ( Toul                         |                         | 1,212              | 37, 154 18               | 7,063 7               | ; [         | 7d5 0                             |
| 4                       |                           |                                |                                | Khu]va                           | in acres                |                    | 14,628 D                 | 755 0                 | ;           |                                   |
| 88                      | . 37                      |                                |                                |                                  | jaghire .               | _ <b>53</b> 8      | 14,777 13                | 831 1                 | 11          | 831 1                             |
| ,                       |                           |                                |                                | Jaghire                          | in acros ,              | _=_                | 5,911 0                  | 0 168                 | 1,4         | 252 0                             |
| 319                     | 118                       |                                |                                | GRAND                            | •                       | 2,011              | 54,517 18                | 2,817 8               | 1           | 2,927 3                           |
| •                       |                           | }                              |                                | Grand Toxal                      | IN ACRES .              | "                  | 21,819 0                 | 1,180 0               | :           | 1,120 0                           |

## Ajmere-concluded.

| Cultivated.   Cultivated. |
|---|
| 10 13   |
| 10 13   |
| 10 13   |
|   |

Only caltivation in Agor.

Appendix H.

This is quite filed with all the table is trificated by our and Persian wheels on the dam. the state of irigation sometimes from No freigntion from this lank. Ditto. List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum in the Ajmere-Uthvirvara Diskriet. There is no tank in village.
Ditto. BRMASKS. Ŗ, 11111 : : : 1 : 1 1111 1 ::: Valer rovenue of Agor. 26. \*8 . TE គ្គ : 11: Wa r rovenue of litte, 222 312 ::": ž 11111 : Tater revenue of Pseeber, : : : i<sup>©</sup> : YESP OF AESP. 보다 '식찬 TAKABIANPA IN ACRES. 8 : ::: Irtigated by lift, Irdgat od by slaice. ::::: 00 Vater-roto, Rs. o. P. 00 On Talabi. | Soll-rate. RATES. 00 120 1 TODGHUR. Rs. a. p. 00 TEHSIL Name of Village, Amrpoors
Bageri
Ditto
Bhilpbaus
Bamunhers Bagmal Ditto Ruppat Blodiya Jhungar Ditto Bemunbers-ta-Talao Rals Chut a-ka-Tatao , Ruparel wo Gundon-ka Sand Bhaga Somapa Charpslanki Nadi Name of Tank. Bars Talso Jogi Sanibra Bars Talso Name of Circle. Bhaclan 21: 2:2:11:22: Aumber of villages in gamps, gamps, \*\* : P = F : 1 44 64 14 10 Retini Mumber of villa 800. ::::::::: ٦, 111 Breial Number. -vlagoralb at Rafaat 10 484 68-8051117 M Of tanks in repair.

| The ress take for water<br>range cattle to 1809. It was  | and bonedic the well.<br>Sometimes prigation from<br>sinies (we acres in Rivans | pay no water revenue. There are ods on this talad, but they were out of use | since the famine. Benefit the twelle of Pitha | One acre in Rampoore by | sidice ; no water revenue. |                 | Repaired last year ; no irri- |     | Bank for Besens of Walter |                           | Irrigation sometimes from | The tank is broken.<br>The ods are on the embank. | Lobatmi ka Talao was te-<br>palred after messurements. | -              | Bailt to baselt the walle.        |
|--|---|---|---|-------------------------|----------------------------|-----------------|-------------------------------|-----|---------------------------|---------------------------|---------------------------|---|--|----------------|-----------------------------------|
| 1511111111   | •   | į   | 1   | :                       | :                          | 11              | 11                            |     |                           |                           | 11                        | 11  | <u> </u>   | ١              | 11                                |
| *1111111181  | 80  | i   | i   | 34                      | ð                          | 81 :            | 350                           | 11  | 11                        | 180                       | ı i                       | 22  | :  | 1,370          | 11                                |
|  | Ţ   | ì   | i   | :                       | 210                        | <b>;</b> #      | ::5                           | 1   | 11                        | 11.                       | ij                        | ::  | 2  | 1,465          | <b>80</b> :                       |
| "   * "   "  | 2   | :   |   | 2                       | 10                         | 87              | ñ ;                           | 2   | •                         | ·**                       | • ;                       | 419   | 10   | 387            | 11                                |
| "!!!!!!  | 2   | i   | ı   | 2                       | E.                         | <b>\$</b> !     | :2                            | !!  | ::                        | 11                        | \$ ;                      | 20  | :  | 8              | ::                                |
| e-4-2222 !!!   | es.   | į   | ī   | -                       | 28                         | 10              | 1 ! <sup>©</sup>              | 1   | 11                        | 11                        | 22                        | 11  | 22   | 487            | Z ;                               |
| 0000000 0  | •   |   |   | 0                       | •                          | 0.0             | 00                            | ,   |                           | •                         | •                         | 00  | •  | İ              | 0                                 |
| ericustic ia i   | 4   | ŧ   | ŧ   | ដ                       | 13                         |                 | 122                           |     | : 1                       | io                        | 2                         | 22  | 2  | 1              | •;                                |
|  | •   |   |   | _                       | ~                          | ~~              | 90                            |     | _                         | *                         | _                         | ***   | *  | <u>_</u>       | *                                 |
| 0000000  | •   |   |   | 0                       | ٥                          | 00              | 00                            |     |                           | 0                         | 0                         | C0  | •  |                | 0                                 |
| 2000000 0  | 41.0  | i   | i   | 0 11                    | 11 0                       | 22              | :2:                           | 1   | ; :                       | 127                       | 0 20                      | 22  | 27 0   | 1              | <b>9</b> ;                        |
| 0000000  |   |   |   | _                       | -                          | 00              |                               |     | ے.                        |                           |                           | 00  |  | <u> </u>       | <u> </u>                          |
| omachon io i   | 0   | ŀ   | :   | •                       |                            | 60 65           |                               |     |                           | 123                       | 91                        | 20  | 0  |                | 0                                 |
|  | 4   | •   | •   | n                       | 89                         | 93.65           |                               |     | ! !                       | *                         | ĸ                         | 44  | *  | 1              | 27 :                              |
| ,  | •   | •   | •   | •                       | ٠                          | •               | •••                           | • • |                           | • • •                     | ••                        | •••   | <del></del>  |                | <del>' ••</del>                   |
|  | •   |   |   |                         | _                          |                 | •                             |     | ٠.                        |                           |                           |   |  |                |                                   |
| olatan<br>Ilyana<br>Distan<br>Enfan<br>Disto<br>Disto  | _   |   |   |                         | n la                       |                 | 1                             |     | •                         |                           | 510                       |   |  |                |                                   |
| olatan<br>riyana<br>Ditte<br>matar<br>matar<br>Maila<br>Ditto<br>Ditto   | Dick  | Ditto   | Ditto   | 8                       | Ħ                          | 22              | Die Bri                       | 2   | 2                         | 010                       | ě.                        | z <b>5</b>  | # p  | ì              | ·                                 |
| Decistan<br>Rofraca<br>Diffe<br>Sirras<br>Falsito<br>Diffe<br>Rof Kirat  | ۵   | Ä   | ã   | Khormal                 | Khera Ralan                | ãā              | ă                             | ă   | Ā                         | Ditto<br>Gogola           | Ganeshpoo                 | Morisu<br>Morasa                                  | Negarian<br>Ditto                                      |                | 14.5                              |
|  | <del></del> -   | <del></del> -   |   | Ħ                       |                            |                 | Ä                             |     |                           |                           | _                         | žž  | 2,   |                | Birjal<br>Bantawari               |
| . §  | •   | •   | •   | •                       | Pada                       | •               | ••                            | • • | • •                       | • • • •                   | •••                       | •   | • •  | 1              | ••••                              |
| 20 A   | _   | 9   | •   |                         | Ä                          | •               | • . }                         | ٠.  |                           | ٠.,                       | , .                       |   |  | ا. ا           | .=                                |
| free flag  | ş   | Į.  | 1   | ě.                      | 111                        |                 | 8                             |     | 3:                        | _ §                       | _                         | 80  | 500  |                | , z                               |
|  | ę   | ė   | Ä   | į                       |                            | '               | ŗ.                            | ,   | 2                         | ŧ.                        | • •                       | Ē   | Tan.   | Į.             |                                   |
| Parking Parking  | S.  | ă.  | and.  | H                       | 100                        | 15              | , ¥.                          | Ė   | 3                         | -                         | 2                         | É   | 0 n-   | 2              |                                   |
| Rhatonis-ka-Tsis<br>Borbis Bottana<br>Gogoliapy<br>Sambi-ka-Tako<br>Sambi-ka-Tako<br>Horwitha-ka-Yako<br>Rorwita-ka-Yako<br>Yingooh be-Tako<br>Gon pas-ka-Diao   | Samel-ka-Talao  | Kirana-ka-Talao   | Ruppat Kirans                                 | Lassniya-kf-Pal         | Bhyeapa                    | Hareh<br>Gamela | Dajen<br>Gogod                | 9   | Jaspainn's Nadi           | And Rejarial Gogola-kn-Ta | Ditto                     | Bhoja-rel<br>Murda-ka-Telso                       | Loburon-ka-Talao<br>Oogola-ka-Talao                    | Bhaelan Circle | Naka Mabadeo<br>Bansawari ki Nadi |
| .,,,,,,,,  | <del>-</del> -  | <del>-</del> -  | <del>-</del> -                                | <del>-</del>            | <del>-</del>               | =0              | PG                            | d   | -ic                       | 40                        | 5                         | KÄ  | 26   | S              | NA<br>Da                          |
| 5555555555   | 2   | 9   | 9   |                         | ۰                          |                 |                               | ••  | • •                       | ٠.,                       | •••                       | • •   | • •  | •              | ·                                 |
| Distriction of the control of the co | Ditto   | Ditte   | Ditto   | Ditta                   | Ditto                      | 415             | 100                           | å.  | 2                         | ££.                       | 2                         | Ditto<br>Disto                                    | Ditte  | Total          | 88                                |
| ## 1952 : 12 ·   |   |   |   | _                       |                            |                 |                               |     |                           |                           |                           | ĀĀ  | គត់  | "i             | Daver                             |
| ##   ###   ##  | <del>-</del>  | 12  | <u>.</u>                                      | _                       | 22                         | 1               | <u> </u>                      | *** | -                         | 18                        |                           | 22  | : 3  | 1              | 120                               |
|  |   |   | !   | 18                      | 2                          |                 | 18                            | : : | 11                        | 15                        | į,                        | ពន  | 81   | :              | 22                                |
| 11111111111111   | !   | ·   | :   | :                       | ŧ                          | 1               | 11                            | ; ; | ٠.                        | 1 00                      | 11                        | ٠.  | 11   |                | :                                 |
|  |   |   |   |                         |                            | -               | _                             |     |                           |                           |                           |   |  |                | - 11                              |
| and attended   | Ħ   | 2   | 2   | ñ                       | 22                         | 210             | 88                            | 8   | 29                        | 2:                        | 77                        | - 5   | 20   | -              |                                   |

List of Government Tanks other than those whose repenue has been assessed in a lump sum, ele.--continued.)

|   |                   | 2442.                                      | _                          |                    |  |                            |                               |                            |   |   |
|---|-------------------|--|----------------------------|--------------------|--|----------------------------|-------------------------------|----------------------------|---|---|
|   |                   | Взилие.                                    | •                          |                    | Bailt to benefit the wells. Brish is Paccher, but inch | The Rupput feeds wells the | Desired with it.              | was repaired this year and | Ureful for wells. Ditto.                  | No Ague or Patchor. The Pacchor is chibi. The Pacchor is dishibi. This Agus is dishibi. Colline. Bulls this year.   |
|   | u                 | Water toyonno of Ago                       |                            | 78.                | 111  | :                          | 1/1                           | 1                          | 11  | 111111111   |
|   | •                 | till lo sansvar rotal/                     |                            | Z8.                | : 1 :  | i                          | :::                           | :                          | !:  | 1111111111  |
| ļ | .toda             | oed le aunores solal/                      |                            | 75.                | ¥ : :  | i                          | 14<br>280                     | 1                          | 11  | ="  |
| 1 | _                 | .1026. 16 ao14.                            |                            |                    | :::  | !                          | 111                           | -                          | * ;                                       | !!!":""!!!  |
|   | AREA<br>11S.      | lrzigated by lift,                         |                            |                    | : :  | ន្ន                        | 111                           | :                          | ::  | 111:111111  |
|   | Telest ares.      | Irrigated by slaice.                       |                            | -                  | 8 ; ;  | ;                          | ;***E                         | i                          | 11  |   |
|   | <u>- 1</u>        | .3\$at-13\$e/                              |                            | Rr. o. P.          | œ ; ;  | :                          | 00<br>120;                    | :                          | 11  | 00 0<br>NO  |
|   | RATES.            | coll-yate.                                 | continued.                 | _                  | * ! !  | :                          | 11 20                         | :                          | 11  | 00  |
|   |                   | On Talibbi. Soli-rate.                     | TENSIL TODGHUR - continued | Rs. a. p. Rt. a. P |  | 9 16 0                     | :00<br>00                     | i                          | !!  | 7;  |
|   | _                 |  | 11.                        |                    | ,  | ·                          | • • •                         | •                          | •••                                       | • • • • • • •   |
|   |                   | Name of Fillage.                           | TEHS                       |                    | Begar Ditto  | ripii .                    | Thorian<br>Teira<br>Chapulcan | Ditto                      | Ditto                                     | Dhawala Kalan<br>Dhawala Khurd<br>Darer<br>Kala Guman<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Litto   |
|   |                   | Name of Tank.                              |                            |                    | Mandela<br>Rupput Shikusta<br>Dirjalia-ka-Talgo        | Kharka Daloki Rapput       | Mamadeo                       | Noulla Pag                 | Dhan Blesm<br>Ropput Puthts Mys-<br>gaon. | Mandela<br>Ditto<br>Divario-te-Talso<br>Gamela-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Kharis-te-Talso<br>Mail Nava Talso<br>Mail Rata |
|   |                   | Name of<br>Circle.                         |                            |                    | Dawer .<br>Ditto .                                     | Ditto .                    | Ditto<br>Ditto                | Ditto                      | Ditto                                     |   |
| • |                   | Numbernt villages in i<br>umnah Moto book. |                            |                    | ₽:   | 23                         | 32.                           |                            | g :                                       | 2458  |
|   | -EOE              | selliv to rodmutt latrog                   |                            |                    | g : :  | 23                         | ន្តដូ                         | _:                         | - H                                       | 0,000   |
|   | SEETAE<br>NOMORE. | Of tanks in disrepsir.                     |                            |                    | ļes  | :                          | 111                           | - 1                        | ##<br>##                                  | 2424235, 88<br>11111111111111111111111111111111111  |
|   | BERTAE            | Of tanks in repair.                        |                            |                    | 8  | 'n                         | 844                           | 8                          | 47  | स्थ <b>ा</b> कस्त्रकश्रह  |

| This Rupput sometiacs<br>irricates a field or two<br>in Unavais Kalan and<br>Udunora. | Descript the wolls.  Benefits the wells in Agor.  Benefits the wells.  No Agor or Facebor.  Benefity Agor.  It opaired last year; bene-  ite Agor. | Californian Ja Agor. Broken for many years, and to feed ode on the | •            | The Facehor is chahf and<br>the tank freds the              | wells.<br>The Pacchor is chabl.                      |               |              |  | 040              |                                   | Z                | Cultiration in Agor.                     |                                       | Some land in Facehor. Colonel Digos faid found. attons, but the tenk was never completed. |
|---|--|--|--------------|---|--|---------------|--------------|--|------------------|-----------------------------------|------------------|--|---------------------------------------|---|
| ;   | !!!!!!   | ::   | 1            | ; ; ;   | :::  | 1 i           | 111          | !!   | !!               | !!!                               | i                | 111                                      |                                       |   |
| :   | 111111   | _= :   | 1            | : ព   | :: <b>*</b>  | 22 :3         | R : :        | ::   |                  | :::                               | !                | 111                                      |                                       | 11  |
| <u>n</u>  | ::::::   | 11   | 3            | £ ::  | .42  | 125           | 182          | ٠;   | i 1              | 1212                              | :                | 44:                                      | C 48                                  | 11  |
| <del></del>   | 111.51   | <del> </del>   | <u> </u>     | H PI  | 10 PI  | ٠, ١          | 322          | :"   | es :             | * <sub>!</sub> #                  | ;                | ₹2;                                      | ;">                                   | 11  |
| :   | 111111   | , e   :  | 2            | : *   | : : i <sup>m</sup>                                   | £ ;           | ° ; :        | 11   | 11               | 11:                               | ī                | 111                                      | :^-                                   | 111   |
| -   | 111111   | 11   | 8            | ž :   |  |               | 122          | <b>"</b> ;   | 11               | 425                               | i                | :85                                      | 1::                                   |   |
| о<br>м<br>м   |  | 0 0  |              | 3 2 0<br>13 0   | 1 100  |               | 8 N N        |  | 1:               | 60<br>100                         | i                | ,ao<br>00                                | 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 | . 1 1   |
| 0 01 0  | 111:11   | 0 0  | - j-         | 1 6 0   | -m   | *11<br>*1     | 200          | ::   | ; ;              | 00 15:00                          | :                | 00 40 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0 | 00-                                   |   |
| 5   | 111111   | 0 0 5  |              | \$ 10 0<br>\$ 8 0   | - (0 d   | _             | 444<br>000   |  | : :              | ≈~n<br>000                        |                  | uu<br>inn<br>oc                          | 000                                   |   |
| $\overline{\cdot}$  | •••••  | ••   | ij           | <del>~~·</del> ·  | • • • •  | <del></del> . | • • •        | • • •  | •                | • • •                             | •                |  | •••                                   | ٠, ق  |
| Ditto .   | Godha Lukha<br>Godha Mota<br>Godha Kesha<br>Monklawas •<br>Mundawar •  | Nabri<br>Ditto   |              | Akhaylitghur<br>Ditto .                                     | Ditto Bhilbkers Bala Charhat                         | Barar .       | 200          |  | Ditto            | Barrywara .<br>Dall               | Ditto            | Palen<br>Titri                           | Tori<br>Ditto                         | Ditto<br>Thikarwse Kali   |
| .   Rapput Sollkhara  | Gardbooki Rapput<br>Mahla Gomaka-Talao<br>Gauba-Kesbaka-Talao<br>Munka-was-ke-Talao<br>Juliya-ka-Talao   | •  | Druct Circle | Atharittahur-ka-Talso<br>Kundiya ki Rupput<br>Amer-ka-Talso | Buppet Duda<br>Bhilkhera ki-Nadi<br>Chrebat-ka-Talao | Nadi Nala     | Dhulera      | Rushipoora<br>Frmila (Sunerkori) .<br>Nadi Rania nrf Goga- | tan,<br>Khajaria | Defalla-ka-Talao<br>Nako-ka-Talao | Lobrion-ka-Talao |  | Naya Talao<br>Bara falao              | Rapput-ta tamam   |
|   | • • • • •  | • • •  | Total        | Ē.  | • • • •  | •             | • • •        | • • •  | •                | • • •                             |                  | •••                                      |                                       |   |
| Ditto   |  | Ditto<br>Ditto   | F            | Todghar<br>Ditto  |  | Ditto         |              |  | Ditto            |                                   | Ditto            | Ditto                                    | 525                                   | 200   |
| 1   | 88833  |  | ÷            | - 10  | 9 :00  | 2             | :n:          | 1;   | :                | :22                               | : :              | 88 :                                     | 8: 8                                  |   |
| <u>:</u>  | \$844 <b>3</b>   |  | <u></u>      | z :   |  |               | : <b>2</b> : | 111  | ;                | 98                                |                  |  | 5:5                                   |   |
| :   | 11111  |  |              | 11  | :# : i   | :             | 111          | 111  | i                | 111                               | : ;              | 111                                      |                                       | 52.   |
| \$  |  | 2 2  | ន            | 25  | 88   | 5             | 558          | 628  | 88               | 222                               | : R              | 722                                      | 333                                   | 111   |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, etc.—continued.

| в                                       |           | REPO                  |  |              |
|---|-----------|-----------------------|--|--------------|
|   |           | DEN LATE.             | Tank trobe this year, water from Bulm had been collination to Agor. Collination to Agor. Sometimes strigation from ode.  Ditto provide water for the wells along the nail ab.  The lower rate is for the wells along the nail ab.  The lower rate is for the of the ode of ode ode ode ode ode ode ode ode ode ode   | •            |
| -                                       | .30       | Water revenue of Ag   | A 1: 1111 1:111111111111111111111111111  | •            |
| -                                       | •4        | ld to appress rataly  | R  | •            |
| -1                                      | оцо       | oay to opposed totaW  | P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P   | -            |
| 1                                       |           | Area of Agor.         |  | -            |
|   |           | shil to bolugital     | 11 1:11 1111111111111111111111111111111  | _            |
|   | IN ACRES. | -Bolula Vd hetag hril | *** III*******************************   | -            |
| 1                                       | <u>-</u>  | •6/87-19/DT/          |  | <del>-</del> |
|   | BATES.    | Boil-rato.            | 28. 27. 27. 27. 27. 27. 27. 27. 27. 27. 27   | -            |
|   |           | On Talabi, Boil-rate  | E Musicus es es es es es es es es es es es es es   | -            |
| 2004                                    | _         | Name of Wilege.       | cation of the ca | · lolen .    |
| Lest of Government Tanks other than the |           | Name of Tank.         | Darian-ka-Tulao Simburia-ki-Bariaka (Nort-ka-Tulao Chipi Kuri<br>Samalia-ka-Tulao Samalia-ka-Tulao Samalia-ka-Tulao Talia-ki-Tuput Tulananta-ki-Rapput Tulananta-ki-Rapput Tulananta-ki-Rapput Tulananta-ki-Rapput Tulananta-ki-Rapput Tulananta-ki-Tulao Naya Talao Naya Talao Naya Talao Naya Talao Darianta-ki-Tulao Darianta-ki-Tulao Darianta-ki-Tulao Darianta-ki-Tulao Darianta-ki-Tulao  | Rata Bhats   |
| overament                               |           | Name of Circle.       | Difference of the control of the con | Be Ditte     |
| Š                                       |           | Aote Book.            | 1 60 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   | <u> </u>     |
| 10                                      |           | Number of villages.   | Mark 22 1 25 18 18 12 18 18 18 1   |              |
| 7.00                                    |           |                       | mt 10  | 8            |
|   |           | nks in repair.        |  |              |

|                                  |                      |                     |               |                               | T1                         | HE              | E A                       | KD                         | ΜП                                  | VIR                                     | II KALE                                      |  | 11911                     | ,,,,,       |  |  |                             |                              |                           |    |
|----------------------------------|----------------------|---------------------|---------------|-------------------------------|----------------------------|-----------------|---------------------------|----------------------------|-------------------------------------|---|--|--|---------------------------|-------------|--|--|-----------------------------|------------------------------|---------------------------|----|
| Fills the wells.                 |                      |                     |               | There is also a village tank. | This tenk has but a small  | ,               |                           |                            | This hack is just behind the        | Only ore od on Kalikankur               | ٣  | This has broken and melebe   |                           |             |  |  | The rate Re. 2.3 is for the | This village also gets water | Tank does not hold water. |    |
| 11                               | ;                    | •                   |               | ı                             | 111                        | n               | ű.                        | ==                         | 1 ~                                 | ! !                                     | ង !ដ   | := :   |                           | 127         | ie:                                    | · ;  | 1                           |                              | 111                       | _  |
| ٠,                               | S                    |                     |               | ŀ                             | 11                         | 1               | 1                         | 11                         | ::                                  | 11                                      | :11  |  |                           | - 1         | 111                                    |  |                             | • •                          | 111                       | _  |
| 12 1                             | 2,300                | ğ                   |               | 121                           | £ ;=                       | 42              | 57                        | E                          | :83                                 | i                                       | S B S  |  |                           |             | rr;                                    |  | •                           | ıs.                          | : "                       | _  |
| £ :                              | 81                   | 63                  |               | #                             | 202                        | 32              | £ 10                      | 1161                       | -2-                                 | . !                                     | #2#  | 72   | 12                        | R           | , iz:                                  | : ^  | ı:                          | 1 :                          |                           |    |
| :5                               | B                    | 613                 |               | į                             | :::                        |                 | ; 1                       | : :                        | 11                                  | <u>-</u>                                | 111  | 111  |                           |             |  |  | 2                           |                              | 111                       |    |
| £ ;                              | 91                   | 1,03                |               | 2                             | : ¡\$                      | :               | 32                        | 52                         | :53                                 | ;                                       | ESS.   | 6 1 1  | :                         | 112         | 621                                    | 2 40   | 10                          | <u>;</u> ≏*                  | 100                       | _  |
| 0                                |                      |                     |               | •                             | 0 10                       | •               | 60                        | 00                         |                                     | ,                                       | 000  | •  |                           | 00          | 000                                    | <del>,                                    </del> |                             | 000                          |                           | _  |
| 5 E                              | 1                    | !                   |               | 82 (                          | m ,=                       |                 | -                         |                            | ;=;                                 | : 1                                     | -6-  |  | m                         | ,           | PD1                                    | •  | -                           | 0 m :                        |                           |    |
| 0                                |                      |                     |               | •                             | 6 0                        |                 | 90                        | 00                         | 64                                  |   |  |  |                           |             | 000                                    |  | 0                           |                              |                           |    |
| 0 13                             | 1                    | 1                   |               | 0 13                          | - ;                        | 0 13            | 200                       | 22                         | 00                                  |   | 000  |  |                           |             | 22                                     |  |                             | 200                          |                           |    |
| 00                               |                      |                     |               | 0.                            |                            | •               | 00                        | 00                         | 00                                  | 0                                       | 0000   | _  | 05                        | 00          | 000                                    |  | 0                           | 000                          | ۰.                        | _  |
| # <b>*</b>                       |                      | •                   |               | 21.2                          | • `                        | 21.00           | 20                        | 61 M                       | :02                                 | 7                                       | - <u> </u>                                   | : : :  | ***                       |             | 201                                    |  | er:                         | 200                          | 2 1                       |    |
| ••                               |                      |                     | ű,            | •                             | . Kali                     | •               | ••                        | •••                        | •••                                 | ٠                                       | • • •  | • • •  | • •                       | • •         |  | •  | -                           |                              | • •                       | _  |
| • •                              |                      |                     | TENSIL BEAWUR | •                             |                            | •               | ٠.                        | _ =                        | •••                                 | •                                       | · E z  | ٠.   | • 44                      | . •         | - 12                                   | •  | •                           | • •                          | ٠.                        |    |
|                                  |                      | 1                   | , E           | Į,                            | , n                        |                 | . š                       |                            | Į,                                  | ä                                       | Č.   |  | hofroars<br>byrookhers    | ,;          | 66                                     | Thekarmee  | 90                          | - «                          |                           |    |
| Ditto.                           |                      |                     | 311           | 2                             | utituda<br>Ditio<br>mrpoor | kankar.         | 5.                        | 35                         | 4 2 4                               | 9                                       | PET:   | : 22   | 33                        |             |  | 10   | 걸                           | Ę                            | 25                        |    |
| ĒĒ                               |                      |                     | 121           | Andhideori                    | Dicto                      | kanka<br>Beawar | Ditto<br>Berie libas      | Daris Jugga<br>Baris Shame | Valabik hers<br>Bancori<br>Darkbala |   | Datesy<br>Bhagwangoora<br>Ubawanikhera       | 2<br>2<br>2<br>2<br>3<br>3<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4<br>4 | Dhofroars<br>Shyronkh     | Pathrie wee | Fristpors<br>Tikrsos Gal<br>Tikrsos Ma | Ë  | Than Thok                   | Julia, 1st                   | 25                        |    |
| •••                              |                      |                     |               | •                             | • • •                      | B               | •                         | • •                        | •••                                 | •                                       | ٠.5  |  | • •                       | -:          | ٠ <u>چ</u> ٠                           |  | ÷                           |                              | <del>.</del> .            | -  |
|                                  | ir.                  | 밁                   |               |                               |                            | 8               |                           |                            |                                     |   |  |  |                           |             | Ĕ.                                     |  | _                           | . •                          |                           | -  |
| 뒫                                | ti                   | ě                   | •             |                               |                            | 8               |                           | •                          | i<br>k                              |   | 1  | 7  | 4                         | -           | Ë                                      |  | Ī                           |                              | •                         |    |
| 45                               | g.                   | otal                |               | 9                             | i.                         | _≝              | Bai<br>bai<br>akkhajiwala | • •                        | E4 '                                | • ,                                     | 4.E  |  |                           | • •         | ٠Ę٠                                    | •  | ŧ                           | .E                           |                           | ı  |
| 100                              | Ĕ                    | Ę                   |               | 3                             | 32 2                       | E               | :<br>:                    | ā :                        | 1                                   | 9                                       | ier.   | in the   | 6 2                       |             | :                                      | •  | Ë                           | £ 5                          | 52                        |    |
| Lalpoom-ka-Talao<br>Rapput Dhara | Total Todgbar Circle | Grand Total Todghur |               | 2                             | Nya Talto                  | Darianwals      | Thai<br>Lakkhajiwai       | Dhonehla                   | Bencoriesia<br>Berkhala             | Š                                       | Rtespyals .<br>Kbars Bals .<br>Nays Talao Ti | Rangharwais<br>Roppet Uslams   | Ditts<br>Burput Bhikasta, | Pakharia    | Naya Talao<br>Birsia                   | Usuriya  | Gson Urperla                | Bratori<br>Helban Khera      | Naya Talko                | I  |
|                                  | •                    | •                   |               | ÷                             |                            | -               |                           |                            | 400                                 | <u></u> '                               | mxx:   | KE   | 2                         | 56.         | 12.6                                   | =  | ë                           | 62                           | <u> </u>                  | _  |
| 9.9                              | ٥                    |                     |               | 8                             | 900                        |                 |                           | 00                         |                                     |   |  |  |                           |             | _                                      | -  | ·                           | •                            | ••                        |    |
| Ditto                            | Ditto                | Dilto               |               | Dear                          |                            | pitto           |                           |                            |                                     | ֟֓֟֟֟֟֟֟֟֟֓֟֟֓֟֓֟֓֟֓֟֓֟֓֟֓֟֓֟֓֓֓֟֓֓֟֓֓֟ |  |  | DIE<br>DIE<br>S           |             |  | Ditto  | Ditto                       |                              |                           |    |
| 11                               | :                    |                     |               |                               | , in                       | 10              | :23                       | 123                        | 222                                 | 8                                       | 2848   | 11   | 25                        | 225         | 222                                    | 6  | 5                           | 45                           | •                         | -  |
| : ;                              | :                    |                     |               | -11                           | ı iu                       | 4               | in                        | 91-1                       | 200                                 | = :                                     | 2222   |  | 222                       | 225         | 122                                    | 23   |                             | 222                          |                           | ۱. |
| 11                               | ٦                    | =                   |               | , 1                           | י" :                       | ;               | <b>7:</b> ;               | 11                         | " i i                               | ;                                       |  | :"   | 1*                        | 11          | 111                                    | i  | ī                           | 11                           |                           | -  |
| S E                              | \$                   | 101                 |               | -1                            | * 0                        | •               | 40                        |                            |                                     | - ;                                     | 2222   | 2  | -;                        | ==          | 22                                     | 2  | ĩ                           | • •                          |                           | -  |

Dist of Government Tanke other than those whose recenue has deen assessed in a lump sum, ela.--continued.

|                  | Beneuel.                                  |                              |           | •   |             | This broken Rappal is on<br>the native. | This is a tank built by the<br>Irrigition Department, but<br>there is no culturable land<br>ofther above or below dams. | There is no infaulton from | togo inchement it and the cellus-the land. The cellus-the land.  All the line of the cellus water the first a village tank in Palhanievse.                       |
|------------------|---|------------------------------|-----------|---|-------------|---|---|----------------------------|--|
|                  | 10pf. lo audores 501aVI                   |                              | 75.       | ie e u u  | ة <u>.</u>  | 111                                     | ;   | i                          | =  |
|                  | Water revenue of litt.                    |                              | Ŕ         | 11111   | 11          | :20                                     | :   | 1                          | 118  |
| por.             | osed to andorst tatali                    |                              | ž         | 2222  | 25          | 111                                     | i   | ı                          | : :p=55222   |
|                  | Area of Agon.                             |                              |           | 22235   | 55          | 111                                     |   | Ç.                         | Es in sale   |
| FALANI ABBA      | ltrigated by HR.                          |                              |           | 11111   | ::          | , <b>~</b> **                           | :   | 1                          | 1:6:::::   |
| FALANI ABB       | intestal by stuice.                       |                              |           | aaaaa   | 38          | :::                                     | :   | I                          | Be ighted and  |
|                  | ,91e1-191eV/                              |                              | Rt. a. p. | 45444<br>40000  | -e          | 122                                     | 1   | ŗ                          | - 120004444<br>- 120004444<br>- 12000446   |
| RATES.           | Soli-rate.                                | rued.                        | R. a.p.   | 00000<br>70007<br>00000   | 27.00       | 22:                                     | 1   | 1                          | o 0000000<br>v imanavydō<br>e eeeeeee  |
|                  | On Talabí Solfraía.                       | R -confe                     | Rs. a. p. | 00000   | 3 13 0      | 8<br>2<br>2<br>3<br>0<br>0              | :   | ı                          |  |
|                  | Name of Village.                          | TEHSIC BEAWE R - conft nued. |           | Jethahur<br>Janurkhera<br>Dargawie<br>Dangar Khera<br>Danjatpar Dala- | 88          | Dhobe 2                                 |   | Kahmankhora .              | Berpoor Meralan<br>Rampoor Doug<br>Rampoor Doug<br>Rampoor Brides<br>Ditto<br>Burman Mahoin<br>Raman Mahoin<br>Raman Bahhisan,<br>Baman Bahhisan,<br>Baman Raman |
|                  | Name of Tonk.                             |                              |           | Morings<br>Jankashiorawala<br>Durgawasa<br>Unagawasa<br>Naya Talao    | Anup Brear. | Rupput Distanta                         | Diffic  | Rthman Kherawala           | Nadi Rampoorwali<br>Granwals<br>Chapin<br>Berein<br>Rabila<br>Maloh<br>Dhouchin<br>A   |
|                  | Name of                                   |                              |           | Berwar<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto                                     | Ditto       |   |   | Diffo                      |  |
| -304             | Unmber of villages in<br>gunna Moie Bonk. |                              |           | 22222   | 28          | 88                                      |   | 8                          | 8000 : 10000<br>80000 : 10000  |
|                  | Berial Rumber of vill                     |                              |           | สลิลิลิลิ   | 85          | 888                                     | ñ   | 8                          | 8444 <sup>; ;444</sup>   |
| Serial<br>Numbe. | Of tanks in disrepair.                    |                              |           | 11111   | 1 1         | ۱۱ °                                    | 1   | !                          | 11 1111111   |
| S S              | or tente to repair.                       |                              |           | 22222   | ដូង         | 잃다                                      | ñ .   | Ř                          | 58 4555r   |

|  | •   | ajmere                      | AND MII  | AIRWABRA DI   | istricts.   | 169   |
|--|---|-----------------------------|--|---|---|---|
| sken Bur   | talabi is in the li<br>ctarks.  | P F                         | cut through the end hills. This is a poor little tank,       | A vor   | PP F  | Sometimes freigated by ods.  Benefis the wells, Ods on Kalikunkur.  |
| 22 ::: <sup>6</sup>  | #22 ! :   | : : :                       | 2 in iss   |   | i:::528   | {   |
| 111111   | :::=:   | 1 1 1                       | 11111  | :::::::::::::::::::::::::::::::::::::::   | 1111111   | 1 1 1 1 2 1 2 1 2 1   |
| : 23: 13:<br>13: 13:   | 19: 19:<br>19: 19:  | 111                         | E .525   | 182 12 1°   | ::::288   | 2250 ! IES IS   |
| 22 :2 :0   | 814 <sup>: :</sup>  | 128 45                      | 347822   | 1-82 18 12 1  | in   5225   | ;   |
| 111111   | 1118  | :::                         | 111111   | 1111181   | 111111  | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   |
|  | 8; 2°;  | ~ = .                       | 227855   | 2.64 12 1 <sub>0</sub> 1  | 111,0255  | 225 : ioz it  |
| 000  | 0000  |                             | 0 0000   |   | 500   | 00000 0000  |
| 1 122  | 4444<br>10000   | 1 1 1                       | 6 2424<br>6 9469   | 8 44 4884<br>5 100 14804  | 1111400   |   |
| 0 00   | 6000  |                             | 0000   | 0 00 0000   | 000   | 2820 0000   |
| ם אם<br>ייין אין   | 0020<br>E922:   | : : :                       | 0 0000   |   | 224111  |   |
| 0 00   | 0000  | 00                          | 00000  | 0000 0000   | 0000  | 0000 0000   |
| io in a  | 2222:<br>2022:  | es es                       | eoe≃ee<br>Eoeoee   | acuu =uu=<br>E552 :c220   |   | さままま おりょう   |
|  |   | • •                         | • • • • • •  |   |   | ••••••  |
| Ditto<br>Rankhem Dhanar<br>Ditto<br>Rymkhur<br>Bajpor Bachan | Batunboar Jhunte<br>Batunboar Jhunte<br>Bobern Khern<br>Ditto   |                             | • • • • • • •  | Kalina<br>2nd   | g   | hera<br>hera<br>hera<br>nd<br>Puras   |
|  | K Kh  | 2007<br>21                  | Barmalean<br>Barmalean<br>Barkana<br>Sancepeor<br>Ditto      | 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 1  | r Kh  |   |
| 54555  | Britan Kh<br>Baturpoor<br>Bobern Kh<br>Ditto .  | Surajpoor<br>Gurgaon        | Ditto<br>Sarmalesu<br>Barksna<br>Sanwa<br>Bakcepoor<br>Ditto | Stogharia<br>Sadaria<br>Sabapoor<br>Shabpoor<br>Pitto<br>Fathpoor<br>Ditto              | Ditto . Ditto . Raliavas Kalatau K Rarian Rarian Ritto .                                  | Khiral Kh<br>Khadla Kh<br>Khadla Kh<br>Madla Kh<br>Ditto .<br>Ultto .<br>Khejaria<br>Khora Dan<br>Kesarpoor |
| - 2268   | - 444-6   |                             | -8855-8  | 28225 TC - T  | 0083892   | Khing<br>Khadi<br>Nitto<br>Olitto<br>Khera<br>Kesari<br>Kotra   |
|  | • • • • • • • • • • • • • • • • • • •   | • •                         | •••••  | ······································  | • • • • • •   |   |
| le seal  | Khadlawais<br>Snra Baori<br>Ertuupoerwain<br>Roherkberawais<br>Rupput Restawais<br>Khara Baia   | •                           | • • • • • •  | ······································  | \$'.5   | Park  |
| - Nan  | Participal | Barujpoorsald<br>Naya Talao | Se a   | din Be  darla  darla  ulla  thefurwals  pput Ratun  tunpooryal  Ditto                   | hikasi<br>Maran<br>Jacob  | of s  |
| 2 4 5 8 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1                  | Park B  | Barulpoors<br>Naya Talao    | 12 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2                       |   | #2 2 5 5 5 6 5 6 5 6 5 6 5 6 5 6 5 6 5 6  | 7 42 4  |
| NAW PER  | RESTAN  | Bar                         | Sagar<br>Barmalemwala<br>Naya Talao<br>Sanwawala<br>Nadeo    | Dodin Be<br>Semin<br>Saidarla<br>Sandin<br>Bataora<br>Eathghurwala<br>Ratunpoorf salang | Rupput Shikasta<br>Nayi Nadi<br>Rupput Shikasta<br>Naya Talao<br>Gaon-ita-Talao<br>Khadia | Khiral Kherawala<br>Adi<br>Khadis<br>Naya Taho<br>Rupput Dhola Dan<br>Rupput<br>Daud<br>Naya Taho           |
|  |   | •                           |  |   |   |   |
| 22222  | £2222   | 2 2                         | 222222   | 222222  | 800000  |   |
| 2000   |   | A 5                         |  |   |   |   |
| :A :##   | ::==2 ::  | 2 0                         | :000042  | .2222 .03   | 5 959 5   | 14.0  |
|  |   |                             | 100000   | : 22; 280ai   | : :882 :  | 9 199 222   |
| :: :   | 111111  | 1 1                         | . : : : : :  | 1111 1 20 1 1 1 1   | 925   |   |
| . <b></b> .  | ::: 868   | 2 3                         | ±45238   | 22822 2282  | W.C.  | 2 22 22 22 22 24  |
|  |   |                             |  |   | 1 1 1 1 1 1 1 1 1   | 5 82822229  |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, see.—continued.

|   |             | Banabar.                |                      |           | This Rapput has elited up.                              | Benefits the wells a little,<br>Ditto disc.                        | The talabi is irrigated in- | and Diligara Tank,<br>frigated also from Kallawar, | The tank is a poor one and | This fo on the nullah,                         | Ithe tank supplies water to<br>the town wells, but leaks<br>and does not lirigate. |   | Broken at the time of measurement; benefits the wells. |
|---|-------------|-------------------------|----------------------|-----------|---|--|-----------------------------|--|----------------------------|--|--|---|--|
| i | *;          | tona to suppress tolast |                      | 78.       | 1;1   | j ,3   | 1                           | <sup>ا</sup> 2                                     | : i                        | ::   | 111  | : ! <sup>2</sup> °  | 1111   |
| . |             | Water revenue of litte. |                      | , 35.     | 1:1   | : :  | : :                         | ::   | 1 1                        | : :  | 111  | 1111  | 1111   |
|   | hon,        | sea lo socrer retal     |                      | E.        | 111   | 1 15   | :                           | 22   | <b>*</b> ;                 | 11   | 111  | ដែនដ  | 1111   |
| ' |             | ates of Agor.           |                      |           | 111   | e; 8   | R                           | 221  | 60                         | ï  | 2 11   | m#2   | 1110   |
|   | And And     | Irduated by lift,       | <u> </u>             |           | 111   | 1:1  | :                           | 11   | : 1                        | 11   | 100  | 1111  | 1111   |
|   | TALABI ARGA | [relgated by states.    | 1                    |           | 111   | : ;2   | !                           | 181  | 3 ;                        | 11   | 113  | . 53 a.   | 11;  |
|   | <u></u>     | .sjerosta?i             | inued.               | Rt. 0. P. | ; : ;   | ; ;0   |                             | 4;   | :                          | 1:   | 111  | 000   | ::::   |
|   | Raras.      | Boil-rate.              |                      | Rt. a.p.  | rii   | 1 12   | ;                           | 91   |                            | 1:   | 111  | 000<br>222<br>000   | 1111   |
|   |             | Calabi.                 | TEHSI L BEAW UR-conf | Rs. o. P. | :::   | 1 12   | :                           | 001<br>001   | • :                        | !!   | 100  | - W H H C   | 111  |
|   |             | Name of Village,        | TEHSI                |           | Rotes<br>Geph Thorlan<br>Gepalpoor                      | Corting Ditto  | Mandawss .                  | Malipors Railanas                                  | Merian .                   | Ditto<br>Nahurpost                             | Nyanagur<br>Ditto<br>Ditto   | Narbad Khara<br>Nardel Maldeo<br>Ultto<br>Nundel Medenton | · · ·  |
|   |             | Name of Tauk,           |                      |           | Nagru-ke-berawala<br>Rupput<br>Phuta Bala<br>Gore Cham- | Ruppat Jales-ki-Nadl   | contrator.                  | Chumaron-ki-Nedi<br>Durgawarwala<br>Dholi Chat     |                            | Rappet Shikasha<br>Naya Talao Nahar-<br>noorka | Becharil<br>Rapput Palwals<br>Nels Wall Rapput                                     | Nuthaddia<br>Singh-riawais<br>Chota Talao<br>Kalalia      | Nadi Shikacia<br>Rupput Nudel                          |
|   |             | Name of<br>Circle,      |                      |           | Disto   | 100<br>100<br>100<br>100<br>100<br>100<br>100<br>100<br>100<br>100 |                             | Ditte<br>Ditte                                     |                            |  |  |   |  |
| Ī | -10Z        | al segality to reduciti |                      |           | 888   | 8  |                             | 223  |                            |  |  |   |  |
|   |             | div to sedman falsed    |                      |           | :R85  | 122  | 3                           | 488<br>888   |                            | <u>.                                    </u>   | g i ig   | as ¦e   | 1 19   |
|   | NUMBER.     | Of tenks in disrepsir.  |                      |           | ### ;   | 11   | ,                           | 111  |                            | 4 ;<br>——                                      | 1111   | 1111  | R : :  |
|   | N A         | Of tenhs in repair.     |                      |           | 25  | 123  | ;                           | 8 4 N  | 8                          | R  | 2223<br>2  | 222   | <b>E</b> 3   |

|   |   |                             | . 4  | JHERB   | · AI   | א תא  | лац                                    | 11 22251                    | , DIDI  | ,                      |   |   |  |
|---|---|-----------------------------|--|---|--|---|--|-----------------------------|---|------------------------|---|---|--|
| The water from Kallkunker<br>tank flows through this<br>Rapput, |   | There is no sluice to the   | Tank leaks and is useless.<br>Has silted up, steen | The Rapput is broken, Irri-   | Irrigation sometimes from                    | Has silted up.  | Pacchor is in Batunpoor                | There two tanks are practi- | Waier goes into Cleball   | ddayr                  |   |   |  |
| ı= :  | 1,173   | ۹;                          | 111  | 1111  | į  | :::   | ;s :                                   | ĭ;                          | ::::::  | !!                     | 722   | 1111                                      | 111  |
| :::   | 487   | 11                          | 111  | : : :¤  | :  | : :2  | 111                                    | i :                         | 1111111   |                        |   | 1111                                      |  |
| OR  | 4,068   | ° !                         | # <sub>11</sub>                                    | ::::  | 18   | <b>#</b> ; ;  | £\$ ;                                  | 11                          | 2 : E20 :   |                        |   | :::"                                      | # ::   |
| :2 :  | 2,103   | 252                         | °* :   | i" i i  | \$   | 111   | :00 to                                 | 27.                         | # : E.L.  | 22                     | 210   | ;F^*                                      | : :*   |
| 111   | 218   | 11                          | 111  | :::3  | :  | : :8  | 111                                    | 1;                          | 1:11111   |                        |   | ::::                                      |  |
| ;*-   | 2,4   |                             | * : :  | 1111  | 83   | <b>#</b> ; ;  | 32                                     | ::                          | . : : ; ;   | <b>*</b> -             | :25   |   | <b>*</b> ; ;                                 |
| 00  |   | •                           | •  |   |  |   | 00                                     |                             | 0 000   |                        | 00  | 0   |  |
| <br>ioo   |   | 113                         | # : i :  | 1110  | 8  | - +   | ## :<br>8 -                            | : :<br>                     | 8 844<br>6 1.084<br>1   | ::                     | 114   |   | - [  |
| 00  | $\lceil \rceil$                                   | •                           | •  |   | _  | _   | 00                                     |                             | 0 000   |                        | 00  | 0   | _  |
| 122   | :   | 21 0                        | S : : :  |   |  |   | 22 :                                   | i :<br>                     | 0 000   | !!                     |   | 0   |  |
| 00  | $\lceil \rceil$                                   | 0                           | •  | _   | <u>.                                    </u> | _   |  |                             | 0 000   | 00                     | 00  | 00  |  |
| 144<br>100  | וֹי   | ω <u>;</u>                  | 4 : : :  | °; ; ;  |  | 20 to   | 444<br>∞ m:                            | ::                          | u nuu<br>o: Daa   | 84<br>04               | 60 S  | 100                                       | 2 I I  |
| •••   | İΤ  | ••                          | •••  | •                                 | <del>.</del>                                 | - Eta   | £ · ·                                  | <del></del>                 | •••••   | ···                    |   | • • • •                                   | · E •  |
| _g ·  | ĺį  | ••                          | ٠  | ••••  | •  | 8 8 .<br>P. P.  | Jagmalpoor                             | ٠.                          | • • • • • • •   |                        | .g.   | ••  | H. Br  |
| Himmetpoor<br>Hithan Khera<br>Ditto                             | :   | 15                          | Baria Alba<br>Baria Lumba.<br>Ditto                | Tela .  |  | Taraghur<br>Jalon, 2nd Bus Ru<br>Jalen, 2nd Bas Pi      | 48.                                    | Ditto .<br>Chunna Nimri     | g   |                        | Dholla<br>Ramghur Chang<br>Rupnaghur                              | Ditto<br>Khera Nimri<br>Khera Danti       | Ditto<br>Jakhina Pan<br>Ditto                |
| more<br>than<br>Jitto   |   | Amrghur<br>Amrpoor          | A STATE  | Diric<br>Baria Mota<br>Baria Teji<br>Baral                              | Ponales                                      | S   | falon, 2nd Ba<br>Jagmalpoor<br>Chang   | ara<br>ara                  | Ditto . Chila Para Ditto . Ditto . Ditto . Ditto . Ditto . Ditto . Ditto . Ditto .      | Davola                 | olla<br>nghe<br>progr   | Ditto<br>Khera Ni<br>Khera Da             | ###<br>###                                   |
| EET   |   | 44                          | 유류~~   | - 22  | 4  | êşş   | 345                                    | 9                           | 5556000   | 10 P                   | ĎŽE.  |   | 220  |
|   |   |                             | • • •  | - · · · ·   | •  | =   | •••                                    | • •                         | • • • • • • •   | ••                     | •••   | •••                                       | •••  |
| Rupput Ballawala<br>Hethan Khorawala<br>Moriayan (Saroth)       |   |                             | ala .  | part.   | •  | nrws.   | ä                                      | ••                          | ##<br>##  | pput                   | - 6   | i i                                       | ppe.   |
| Salls<br>Kboy<br>n (6r  | Circle Beawar                                     | Amrghar wala<br>Amrpoormala | Deoku Barowala<br>Laluwala<br>Dolla-ki-Ruppat      | 184<br>184<br>184<br>184<br>184<br>184<br>184<br>184<br>184<br>184      | •  | Phatlawala .<br>Rapput Kannurwa<br>Jojea wala (Arst oli | Ruta Bhata<br>Jagmalpoorwal<br>Kalalia | ala<br>Pla                  | Nich<br>Spor  | Bhllwala<br>Ajba Ruppu | Ruppet Ojarla<br>Amrghurwala<br>Repnaghur Wala<br>Obrani-ka-Chans | Rorvar Wali<br>Nai-ki-Bawanawa<br>Bant is | ria Naka .<br>na Baoriwala<br>hara-ki-Ruppa  |
| han<br>han<br>rlays   | 9   | rgha                        | Calawala<br>Dalla-ki-                              | Part of the   | Nalowala                                     | Phutlawels<br>Rupput Kai<br>Jaica wels (                | uta Bhata<br>agmalpoor<br>alalia       | Reimalkofa<br>Chaurawala    | Nad<br>Sagr<br>Sagr<br>Put  | E.                     | uppat Ojarl<br>anghurwala<br>apanghar W<br>braniska-Ch            | orwar Wali<br>Gi-kl-Bawa<br>ankis         | Boria Naka ,<br>Pana Baoriwa<br>Pahara-ki-Bu |
| 25 N  | <del>.                                     </del> | AA                          |  | Geon-pas-wall<br>Gaard-ki-Rupput<br>Rupput Shikasta<br>Rupana-ko-Nalewa | Nak  | Pha   | Rate<br>Rate                           | Ret.<br>Cha                 | Nada<br>Kala Nada<br>Ram Sagar<br>Uparka<br>Nahala<br>Rupput Nichali<br>Rupput Uparwali | Dada Bh<br>Barla Aj    | Aup<br>Auri<br>Rapr   | Rorvar<br>Nai-ki<br>Bank is               | Boris<br>Paus<br>Pahs                        |
|   | Total   |                             | • • •  | • • • •   | •  | •••   |  | ••                          | * * * * * * * *   | ••                     | • • •   |   | • • •  |
| Ditto   | 1   | Change                      | _  | <u> </u>  | Ditto  |   |  | Dicto                       |   | Ditte                  |   |   |  |
| 22 :  | 1   | **                          |  | ;===  | 3  | 2000  | 2882                                   | :8                          | := := :::   |                        | 8588  |   | : :  |
| #8 :  | 1   | 82                          | 88 :   | :558  | 105  | 500   | 1282                                   | Ē                           |   |                        | 2016  | - 8                                       | <u> </u>                                     |
| 111   | ┸   | 11                          | 12:  | 222   | i  |   | 1111                                   |                             |   |                        |   | R ; ;                                     |  |
| 22.5  | 1 2   | 82                          | 20   |   | 8  |   | 25.55                                  |                             | 8 8668  | 22                     |   |   |  |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assersed in a lump sum, etc .- continued.

|    |                    |                         |               |           |                     | ٠                |       |  |
|----|--------------------|-------------------------|---------------|-----------|---------------------|------------------|-------|--|
|    |                    |                         |               |           |                     |                  |       | Benefits the wells.<br>Benefits the wells.   |
|    | <u> </u>           | Water revenue of Agor   |               | 18        | :                   | 111              | 2   5 | ::=:::::::::::::::::::::::::::::::::::   |
|    |                    | Water revenue of litte. |               | Ä         | į                   | 111              | 188   | 1 <u>4</u> 11111111111111111111111111111111111   |
|    | , 10t              | 210 Tates 10 Pacs       |               | ž,        | 200                 | :83              | £63   | ip. 22   ii ii ii ii ii ii ii ii ii ii ii ii i   |
|    |                    | A168 of Agor.           |               |           | 11                  | ងង               | 380   | Sign imilianagu inst &m B  |
|    | LEBA               | Irrigated by lilt.      | 1             |           | 1                   | ::               | : 2   | 1 1111111111111111111111111111111111111  |
|    | IN ACRES.          | Irrigated by sinice.    |               |           | £ ;                 | -85              | 1     | 118-241811,1112 22 2   |
|    | <br> <br>          | .star-rafa??,           | ued.          | Zt. a. P. | 1111 6              | 30.5             |       |  |
|    | RATER,             | Bolf-rate.              | - confin ued. | Rs. a. p. | 0 2 0               | 00               | ;     | 00000 0 1 0 00 0<br>0 0 0 0 0 0 0 0  |
|    |                    | On Talabl. Solf-rate.   | EAWUR         | Rs. a. p. | • :                 | 4 5 8<br>6 0 0   | 1:    | 444884 4 4 8 88 8<br>  |
|    |                    | Name of Village.        | TERSIL BEAWUR |           | Nelkalan<br>Ditto   | Naya Khern .     | :: :: | Akhayghur Akhayghur Akhayghur Marcolgoor Barin Uhao Dilito Barin Hira Dilito Barin Hira Dilito Barin Hira Barkochen Buktochen Burtochen Knates.  |
|    |                    | Namo of Tank,           |               |           | Fowariya<br>Rezulta | Mehrin or Banklo | Chang | Badra<br>Nantym Deorala<br>Nantym<br>Deform<br>Gunie<br>Gunie<br>Benie<br>Benjut Polana<br>Jharwat Kafit<br>Ringlet Polana<br>Mando-ka-Talao<br>Ruput at Kafit<br>Runger Maria Kafit<br>Runger Maria Khera   |
|    |                    | Name of<br>Circle.      |               | i         | Diffe               |                  | Total | Ghang har<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Di |
| ľ  | -19 <sub>2</sub> 1 | Number of villages in   |               |           | <b>1</b> : <b>1</b> |                  | :     | ecot : igu igu ig ig ig a  |
| Ŋ. |                    | Berlul Mumber of vill   |               | _ ;       | 1 : 1               | : 23             | 1     | 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 1   |
|    | NUMBER.            | Of tentrs in dierepair. |               |           | :8                  | 111              | 2     | 1 <sup>22</sup>  |
| 1  | NA                 | Of tenks in regair.     |               | 1         | 8 8                 | 20               | ន     | 707<br>1005<br>1005<br>1006<br>1006<br>1006<br>1006<br>1006<br>1006  |

Lest of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, elo,—continued.

|                          | Na K a M M a s.                            |            |           | -                 | The land under these two |             |                 |              |                |                      |                      | This land is irritated from<br>the drainage channel of<br>Scinozen Tank, | There is cometimes a little infration. | There is no sloke. |             |
|--------------------------|--|------------|-----------|-------------------|--------------------------|-------------|-----------------|--------------|----------------|----------------------|----------------------|--|--|--------------------|-------------|
| -20                      | A lo sugarer 193477                        | Ė          | į         | i                 | ;::                      | !!!         |                 | <u> </u>     |                |                      | 11                   |  | -                                      | ::                 | -∥          |
| 7                        | IM 10 enabret retaV/                       | Ė          | į         | :                 | !!!                      | 1           | 1               | <u> </u>     |                |                      | ٤ :                  |  | :                                      | !!                 | -11         |
| cepor.                   | Water revenue of Pa                        | ś          | K.        | 2                 |                          | :5¤         | S.              | 2            |                |                      | , <u>e</u>           |  | 1                                      | : :                | -1          |
|                          | Ares of Agor.                              |            |           | 범                 | 8° :                     | :E. 8       | 8,              |              |                |                      | 12                   | !!   | 23                                     | :":                | -           |
| 1111                     | Irrigated by lift.                         |            |           | :                 |                          | 111         | ឌ               | £ .          |                |                      |                      | 11   | :                                      | !!                 | !           |
| TALANE AREA<br>IN ACRES. | irrigated by sinice.                       |            |           | 2                 | 512E                     | :00         | E               | 3,703        |                | i<br>                | : :*                 |  | !                                      | ; ;                |             |
|                          | .edet-reles                                | encluded.  | Rt. o. F. | 0 8 8             | 222                      | .m.m        | :               | :            |                | :                    | 111                  | ;°   | :                                      | 11                 |             |
| Barne.                   | Fell-rate,                                 | WURLE      | Rt. 0. F. | 0 11 0            | 000<br>210<br>000<br>000 |             | :               |              |                | i                    | 929                  |  | ;                                      | !!                 | 0 11 0      |
|                          | On Talabi. Feli-rate.                      | SIL DE     | Re. o. P. | 3 11 6            | 200                      | :-"         | ,               |              |                | :                    | 916<br>100;          | ; #<br>;   | :                                      | 11                 | e<br>e      |
|                          | Name of Village.                           | TER        |           | Kesurpoors (Sham- | Ebar).<br>Lular<br>Ditto | Manan Nagla |                 |              | TEHBIL AJMERE. | Daheran              | Jalaora.<br>Dhigarea | Rampoors Ramar.<br>Sringger I hok  | Kana Kheri                             | Kehrl              | Ditto       |
|                          | Name of Tank.                              |            |           | Relawala          | •••                      |             | Shamehur Circle | Tehril Beaut |                | Anundpoor-ka-Talso . | Barol Tank           | Rappet Shikashia   | Kana Kberf-ka-Talso .                  | Bars Darys.        | Niwall Nadi |
|                          | Name of<br>Circle.                         |            |           | Shamghur.         | Ditto                    |             | 1_              | <u> </u>     |                | Bamen .              | Ditto                | 65<br>Diffo  | EE Dilto                               | 96 Ditto           |             |
| Per-                     | Mumber of villeges in<br>gunne, Note Book, |            |           | 8                 | •••                      | 170 227     |                 | i            | <u> </u> _     |                      |                      | 480  | -                                      |                    | <u>::</u>   |
| .818c                    | fliv to reduit Mahes                       | <u> </u> _ |           | 168               |                          |             | 100             | ÷            | ├              | н                    | ۳,                   | ;" ;   |  | :                  | 11          |
| Spulat.<br>Muknus.       | Of tanks in repair.                        |            |           | 143               |                          |             | 1               | 上            |                |                      |                      |  | •                                      |                    | P 10        |

|  | AJMERE AND MHALENAL  | PER TAIDWAY  |  |
|--|--|--|--|
| This tank has only recently<br>bon under<br>As allicito the tank; bene-<br>fis the wells.<br>The Agor is partly chabt. | Well land in the Facehor,<br>There is no Pacehor to this<br>lank.<br>Tank has silled up.<br>The tank is useless; dose<br>not bold water.<br>Bouelte the wells.   | This tank was fed by an anchus across the nullah, but is long since use less. This sank is useless though ground. Chahlin Pacohor.   | Wells in Pacchor,<br>Waisr noes to Government<br>grades, Agor is seldom<br>cultivated, |
| 1111 111 11  | 111111111111111111111111111111111111111  | l  | 11   |
| 112 111 2  | ************   |  | 1:   |
| 28 8 1 12 2  | 111116211241 12  | 2 : 12 : 1525 : 5  | ::   |
| 22" ""E  | # : : : : : : : : : : : : : : : : : : :  | 8 : 48 : 52 4 : 6  | 8:   |
| 1101 1111  | 11:11:11:11:11:11:11:11:11:11:11:11:11:  | l'   | 11   |
| ## 12 1 1 M  | 11:1:7771111   | 8 'ro : iera : 8   | ::   |
| 85 10 115 11<br>80 0 0   |  | # # ####<br># 1  | : ::   |
| 00   | 00 00  | 0000   |  |
| 80 6 0 0   |  | 8 48 H884<br>8 1-2 1 1000H   | 1 ::   |
|  | ••••••   |  | 1 ***  |
| !!   | ••••••   |  | 1  |
| Ketri . Ditto Ditto Ditto Annoor Gudhi . Maous . Nepoli .  | Balvensta<br>Hittur<br>Blancanda<br>Blancanda<br>Duratha<br>Kapapor<br>Nagapor<br>Nada<br>Dito<br>Kabapor<br>Nada<br>Nataras   | Ararka - Ditto - Dilto - Dilto - Dilto - Dilto - Dilto - Dilto - Barana - Garlwas Da Gorlwas - Lobest - Lobest - Mobami  | Ajmere<br>Ditto  |
| *****  |  |  | 1  |
| ••••   |  |  | • •  |
| Machola<br>Natro Nadi<br>Mission Tank<br>Mali<br>Mali<br>Mali<br>Napoliwala  | Bhona Nada Buput Shikata Buput Shikata Nai Firi Tako Nai Heri Tako Bugulan   | Drdolal Falson of the state of  | Beendyn Chilla Bibi  |
| Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Ditto<br>Total  | Part of the control o | Gargeana, Ditto Di | Total Almere Ditto   |
| 2 1 12 255 1   | 1  | : 8 8r 28 8000   | 1 7:   |
| 1: 227   | L K: Wat: Saugers  | R : 22 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2   | : 3:   |
| 1111 4 1   |  | " 111 1111   | 111  |
| **** 5 H   | 21 21 21 2 2 2 3 3 4 4 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5   | 日 日 日本日 日 日 日  | © 25   |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, etc.—conoluded.

|  |             |                  | REPORT   | ON   | TH.                         | 8   | ETT        | LEM                | ENT                               | OF           | THE  |                 |                       |                      |   |             | ,        |                       |
|--|-------------|------------------|--|--|-----------------------------|-----|------------|--------------------|-----------------------------------|--------------|--|-----------------|-----------------------|----------------------|---|-------------|----------|-----------------------|
|  |             |                  | REMANES.   |  |                             | •   |            | from the same from | Shamla Tank.<br>December Trigate. | No states.   | Renefite the wells.                            | Useless         |                       | A natural reservoir. |   | _           |          |                       |
| -  | •10         |                  | To euclover 191.77   |  | i                           | : : | 111        | 111                | 1                                 | : : :        | 111  | ::              | 1                     | :                    | ++  | _           | : \<br>: |                       |
| -  |             | _                | Vator revenue of !   |  | Ŗ.                          | :   | 1 1 1      | ::                 | ្ដ                                | 11           | : i <sub>&amp;</sub> :                         | 11              | 5                     | :                    | <u> </u>                                      | _           | 282      |                       |
| <u> </u> -                                       | _           |                  | To conseed to lay  | <del>                                     </del> | 133                         | ;   | 111        | !!                 | ! i                               | 11           |  | ; ;             | !                     |                      | <u>:                                     </u> | <u> </u>    | _        |                       |
| ┞  |             |                  | Ates of Agor.  | T  |                             | ឥ   | 111        | e :                | :: 5                              | 3 <u>4</u> 7 |  | !!              | 407                   |                      | <u>: :</u>                                    | -           | 2 1,060  |                       |
| 1  | 1 .         | T                | lrigated by lift.  | 1  |                             | :   | 111        | 11                 | :•                                | 11           | : 12   | ::1             | 18                    |                      | :: <u> </u> :                                 | ÷           | 202      | -                     |
|  | TALADI ARBI | -                | . Solule to bolagim  |  |                             |     | 11         |                    |                                   | ::           | :::  | !!!             | F                     | <u> </u> _           | <u> </u>                                      | +           | R        | -                     |
| 1  | 1           | : <u> </u><br> - |  | Ī  | si.                         |     |            | ; ;                | 0                                 | 11           | ; ; s  | ; ; ;           | \<br>:¦:              |                      | :: :  |             | ŧ        |                       |
|  |             |                  | •91aT-191a¥  | ي ا  | Z1. 0. P.                   |     | <br>       |                    |                                   |              |  |                 | 十                     | +                    | 十   | +           |          | -                     |
| -  |             |                  | -rate  |  | 7 Ashiring 12 as 8. 10. 10. |     | ;;;        | <b>;</b> ;         |                                   | i            | : : :3<br>0                                    | !!              | :   '                 |                      | <u> </u>                                      | 1           | ·        | _                     |
|  | T. C. C. C. |                  |  | -\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \           |                             |     |            |                    | •                                 |              |  | . :             | Ţ                     | Ţ                    | -   |             | 1        |                       |
|  |             |                  | On Talabi, Soll-rate.  |  |                             |     | e<br>E i i | !!                 | : i=                              | !            | : : i°   |                 | 1                     | 1                    |   | _           |          | -                     |
| Wose munos                                       | _           |                  | Name of Village.   |  | TEHST                       | -   | 1001       | Ditto              | Ditto                             | nowlut Khers | Saradhua<br>Ditto<br>Sheopoora                 | Kentroum        | Huttoondl             |                      | Kanns<br>Kholai                               | :           | lleder : | Total   Ajmero Lensin |
| 1491   |             |                  | Z Z  |  |                             |     | Take       | AP.                |                                   |              | 100 10   | •••             | ij                    | ij                   | • •   | •           |          | Total                 |
| rest of General carks other than those whose the |             |                  | Name of Tank.  |  |                             |     | ra Talao   | Chot: Talno        | Dedolal                           | itto .       | Duniat Kherandia<br>Sarkari Tsiao<br>Spitaniyo | Keenroorawala . | Rupput<br>Gaon Pachla | Ajmere               | Budba Ponshkur<br>Sarkari Talao               |             |          |                       |
| nernnen  |             | -                | Name of<br>Circle.   |  |                             |     | •          | • • •              | ON                                | •            | Ditto  | • • •           |                       | Total                | Poochkar.                                     |             | T Dam    | ;                     |
| 9  |             | _                |  | nnz  | ļ_                          |     | 33 A.      | ::                 | .e. :                             |              | 20 i   | 28              | 140                   |                      |   | _           | 1        | <u> </u>              |
| ,  | 2           | 2                | Mamber of villages,<br>107 of villages in Pe<br>108 book.  | initist<br>Muni                                  | <u> </u>                    | _   | N.         | 111                | : <sub>88</sub> !                 |              | 86   |                 |                       | 7.                   | 1 25  | ᅥ           | -{       |                       |
| -  | Ŧ           | 1                |  |  | T                           | _   |            | 25                 | # ; ;                             | ı            |  |                 | !!                    | <u>" </u>            | 1   | 48          | <u> </u> | *                     |
|  |             |                  | is in receptive in the state of |  | <del>-</del>  -             |     | ;          | 3                  | 22                                | 8            | 338  | 96              | 44                    | a   =                | •   | <b>~</b> 51 |          | 1                     |

Appendix I. . Statement showing the total revenue of Afmere District.

| Ref.      | Year      | Collections<br>from khaisa<br>villagus. | Govern-<br>ment laud<br>and re-<br>sumed<br>tenures. | Collections<br>from<br>Istumrardars, | Castoms,       | Abkaree.                                | Stamps.       | Income Tax. | Miscellane- | Talso ces s.                            | Road cess,     | Grand Total.    |
|--|-----------|---|--|--------------------------------------|----------------|---|---------------|-------------|-------------|---|----------------|-----------------|
| 1,00,100, 0  |           |   |  | ,                                    | \ &            |   | ď             |             | લં          | 4                                       |                | Br. 6. 9.       |
| 1,0,0,0   0     1,0,0,0   1   0,0,0   1   0,0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   1   0,0   0,0   1   0,0   0,0   1        | •         | ě                                       | Br. a. p.  | Kt. 8.                               |                | c                                       | •             | -           | 0,106 0 4   | 1,153 0 0                               | 3,764 0 0      | 4,17,330 0 4    |
| 1,64,156   510     1,50,583   10   1,10,589   3   5,109   10   1,10,589   3   5,109   10   1,10,589   3   5,109   10   1,10,589   3   5,109   10   1,10,589   3   5,109   4   1,10,589   3   5,10,5       | 1849-50   | •                                       |  | 1,20,813 10 7                        | E CI 616,00    |   | Ξ             |             | 3,665 1 2   | 8,125 0 th                              | 1 619 0        | 4,16,98t 10 0   |
| 1,77,569   3   3   3   4   1,70,699   3   4   1,799   6   4   4   1,799   6   4   4   1,799   6   4,74,699   7   1,70,699   5   1,70,699   5   1,70,699   7   1,70,699   7   1,70,799      | 1830-51   | •                                       |  | 1,20,813 10 7                        | 0 \$1 000 0.1  |   | 0             | -           | 2.500 8 0   | 3,125 0 o                               | 6,917 0 0      | 4.37,419 16 4   |
| 1,72,455   | 1851-83   | 4                                       | :  | 1,20,613 10 7                        | 113,010        |   | 82            |             | 9,775 6 4   | 6,135 0 0                               | 6,F47 0 C      | 4,17,699 1 6    |
| 1,15,205   | 1851-53   | •3                                      | 1  | 1,20,813 10 7                        | 10,000         | 6.203.8                                 | 11,579 6 0    | !           | 3,176 4 6   | 5,123 O C                               | •              | 1,24,219 0 6    |
| 1,74,070   8 0 6 6 9 3 6 1,70,010   7 1,41,10   4 10 6,755   0 1,50,11   0 1,70,11   0 1   | 1953-64   | 0                                       | 325 6 6  | 1,20,183 10 7                        | -              | 0 0 0 0                                 | 11,159 18 0   | i           | 3,243 13 5  | •                                       | 0              | 4,31,607 6 1    |
| 1,77,733 6 6 1,000 1 7 1,20,413 10 7 0,000 4 8 5,756 0 1 1,730 10 0 0 0,132 8 0 5,135 0 0 6,437 0 0 6,437 0 0 1,73,100 10 7 1,10,510 4 6 1,700 10 7 1,10,510 4 6 1,720 10 0 1,72,730 10 10 1,72,730 10 1,10,700 10 7 1,10,510 4 6 1,720 10 0 1,72,730 10 1,10,700 4 7 1,10,700 10 7 1,10,700 10 7 1,10,700 10 7 1,10,700 10 7 1,10,700 10 7 1,10,700 10 1 1,10,700 10 1 1,10,700 10 1 1,10,700 10 1,10 | 1854-55   | 1,74,010 8 0                            | e 609  | 1,20,915 10 7                        | 3              | 6 7KS 0 0                               | 12,013 12 0   | -           | 3,915 8 10  | A,125 0 0                               | 0              | 6,34,223 10 1   |
| 1,7,355 6 6 1,003 11 7 1,7,003 10 7 0,005 4 8 5,786 0 0 11,750 15 0  | 1955-56   | 1,73,735 7 1                            | 0 1 0/8  | 1,20,813 10 7                        | :              | 2 2 2 2 2                               | 15.615 4 0    | !           | 4,135 8 0   | 6,115 0 0                               | 0              | 4,32,976 7 1    |
| 1,77,701 6 6 6 6 6 1,77,701 7 1,87,01 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1  | 1656-67   | 1,70,383 6 6                            | 1,003 11 7   | 1,27,093 10 7                        | 4 60000        | 235 0 0                                 | 14,720 115 0  | :           | 3,649 8 0   | 3,125 0 6                               | 0,179 0 0      | 4,31,176 6 8    |
| 1,71,703   5   655   6   6   1,71,703   7   1,12,   | 1857-59   | 1,72,590 0 5                            | 673 0 3  | 1,27,000 ID 7                        | 4 40 615 91    | 0 0 0                                   | 11.045 2 0    | :           | -           | 8,125 O C                               | 0.973 0 0      | 4,53,759 10 @   |
| 182,116  | 1859-69   | 1,71,739 15 9                           | 634 6 0  | 1,27,000 10 7                        | 2 2 2 2 Care   |   |               |             |             | 6.125 0 0                               | 0 0 £28 W      | 6,73,353 15 4   |
| 177,091   3   1,409   4   1,20,010   2   1,10,010   1   4,511   1   6,010      | £859-60   | 1,82,115 4 6                            | 869 3 4  | 1.25,016 2 7                         | 2 0 27,224     | 0 0 00.00                               | 21.191 A 0    | 0 0 657.78  |             | 9.449.16                                | 17.918 O E     | 3.00 tra 9 1    |
| 1,75,681 3   1,100 4 7   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,10,007 1 4   1,20,016 2 7   1,20,017 2     | 1800-01   | 1,61,250 9 5                            | 0 9 9 11 1   | 1,26,010 3 7                         | 20 075,510     | 0 00.00                                 | 9 51 115 57   | 0 0 15.00   |             | 6,125 0 0                               | 0              | 0,15,635 6 10   |
| 1,72,681 1 6 1,073 7 0 1,20,016 3 7 1,111,27 1 1 6,25,000 1 1,20,016 3 7 1,111,27 1 1 6,25,000 1 1,20,016 3 7 1,111,27 1 1 6,25,000 1 1,20,016 3 7 1,24,317 8 1 7,11,29 1 0 10,314 1 2 1,10,31 7 0 6,25,000 1 1,20,31 1 1 1,20,010 3 7 1,24,317 8 1 1,24,317 | 1801-63   | 1,71,091 3 11                           | 1,403 4 7  | 1,20,016 2 7                         | 1.10,704 0 1   |   | •             | 62,017 0 0  |             | 6.125 O C                               | 0              | 6,05,609 15 0   |
| 1,72,611 4 4 1,541 11 11 1,20,016 3 7 1,10,017 1 1 2,016 3 7 1,10,017 1 1 2,016 3 7 1,10,017 1 1 2,016 3 7 1,10,017 1 1 2,016 3 7 1,10,017 1 1 2,017 2 1 1,01,017 1 1 1,01,017 2 1 1,00,017 | 1922 63   | 1,73,671 1 5                            | 1.673 7 0  | 1,20,016 3 7                         | 111 9 465'11'1 |   | 9 6           | 00,029 13 1 |             | 0 561                                   | 0 6773 0 0     | S, es, 530 @ 10 |
| 1,72,657 5 4 2,100 8 10 1,26,016 3 7 1,24,217 8 15 1,113 7 0 10,334 13 0 10,341 13 0 10,013 10 11,013 10 1 | 1863-65   | 4                                       | 1,941 13 10  | 1,20,016 3 7                         | 1,10,507 1 5   |   | 0 2 6570      | 46.939 2 0  | E 0100      |   | 2 6 1718       | 5,71,059 1 1    |
| 173.047 5 9   2.011 9 6   1,70,010 3 7   1,10,103 0   11,113 7 0   13,511 1 0   10,514 13 0   17,014 13 0   1,70,014 13 0   1,70,010 3 7   1,10,1113 2   27,1113 0   1,70,11   | 1FGL-65   | 7 4                                     | 80   | 1,26,010 2 7                         | 1,24,217 8 6   | 0 0 TC+'X                               | 0             |             | 91 850%     |   |                | 8.02.725 8 3    |
| 1,00,001 1 2 1,100 2 0 1,100,001 2 7 1,100,101 0 11 22,531 0 1 73,413 0 6 15,320 0 0 25,72 0 0 0 1,100,001 1 1 1,100,101 2 7 1,100,101 2 2 7 1,100,101 2 2 7 1,100,101 2 1 1,100,101 1 1 1 1,100,101 1 1 1 1,100,101 1 1 1   | 1865-60   | 61                                      | •  | 1,16,010 \$ 7                        | 1,17,063 0 8   | 11.125 7 6                              | =             | 10,349 13 0 | 15,037 7    | 6 | 2000           | 6 0 155 C 0     |
| 1,00,001 1 2 1,210 0 0 1,20,014 2 7 1,13,11112 2 35,112 1 4 91,477 9 10 20,339 0 0 36,401 2 1 8,177 1 8 1,179 1 11 6,41,007 1 1,02,029 1 7 0 11,20 1 10 6,77 1 1 1,21,104 1 10 1,12,73 3 2 27,121 1 1 1,01,13 5 0 0 12,73 1 1 1 1,01,11 1 0 1,21,104 1 1 1 1,01,13 5 0 0 12,40 3 1 1 1,01,13 5 0 1 1,02,19 0 1 1,0 | 1600-67   | 6                                       | 2,105 2 9  | 1,26,010 2 7                         | 1,10,107 0 11  | 22,523 0 1                              | 73,613 9 8    | 13,300 0 0  | 23,075      |   | 2              |                 |
| 1,02,028 11 7 511 1 121,051 13 0 1,13,02 2 2 20,131 13 0 1,02,03 0 1 0 37,023 13 0 1,107 14 0 57,724 11 10 637,019 1 10,173 2 0 1,02,03 3 1 10,173 2 0 1,02,173 2 | 1067_08   | 2                                       | 2,216 0 6  | 1,26,016 3 7                         | 1,13,11113 2   | 35,63 11 4                              | 91,473 @ 10   |             | Z 161'9Z    |   |                |                 |
| 13.150 8 1 011 7 11 1.21,104 1 10 16,641 1 3 12,743 5 9 1,17,744 13 0 32,713 2 0 31,657 10 4,240 11 0 7,743 11 0 6,57,104 1 1,21,104 1 1 0 6,57,104 1 1,21,104 1 1 0 6,57,104 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 1,21,104 1 1 | 1859 80   | 1 07 078 11 7                           | 911 1 8  | 1.21.051 13 0                        | 1,13,039 3 2   | 29,121 13 6                             | 1,02,030 7 0  | 13,200 15 0 | 37,0:3 13 ( | 8. 707.8 P                              | 7,775 11 10 10 | 61 /04'16'0     |
| 13,150 10 055 10 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0   | 1         | 2 20 101                                |  | 1 16 101 110                         | 14.61 1 3      | 12,243 5 9                              | 1,17,646 13 0 | 35,633 2 0  | 31,027 13   | 0 11 612,4                              | 7,741 11 0     |                 |
| 2,13,100 11 2,1215 411 1,125,025 0 4 0 8 0 16,221 11 0 11,101 15 0 15,101 15 0 | 02-2001   | 1,02,000 0                              |  | 2 01 0000                            |                |   | 101 175 6 0   | 62,603 10 1 | 48,917 0    | 8 213 8 C                               | 1,713 10 1     | 5.81,784 10 4   |
| 1,66,216 II 21,215 4 11 1,15,000 3 7 15,733 0 0 1,16,123 0 0 8,516 0 0 6,131 0 0 1,039 0 0 4,15,123 0 0 1,59,131 0 1 1,59,131 0 0 1,59,131 0 1 1,59,131 0 0 1,59,131 0 1 1,59,131 0         | 12-02-1   | 2,13,107 v tu                           | • :  | Limbor to o                          |                |   | C & 142.10    | 15,030 15 7 | 1 1271 8 1  | 0 41 111 6                              | 8,715 7        | 11 051'+0'4     |
| 1, e0, 023 2 27 0 0 1, 20, 016 2 7 19, 17 0 0 1, 3, 173 0 0 718 0 0 1, 00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0  | 2 1871-73 | 1,86,216 11 7                           | 1,255 4 33 1   | 1,75,000                             |                | 2 |               | 2 2 2 2     | 177 0       | 6,128 0 0                               | 1,939 0        | 4,25,53 4 9     |
| 1,60,313 0 0 237 0 0 1,20,016 2 7 13,417 0 1,1,3,113 0 0 237 0 0 1,20,016 2 7  | 1472-73   | 1,80,023 2 5                            | 271 0 0  | 1,26,016 2 7                         | !              |   | 7,100.4       |             |             | E 000 B                                 | 1.623 0        | × 40.807 0 7    |
|  | 1873-74   | 1,50,313 0 0                            | 0  | 1,20,016 2 7                         | •              |   | 1,35,773 0 0  | i           |             | 1                                       |                | .               |

| 178 |  |              | 1      | re P  | PORT ON THE SETTLEMENT OF THE  |  |
|-----|--|--------------|--------|---|--|--|
|     |  | Проовя       |        | Srs. ch.                                    | : :: :::::::::::::::::::::::::::::::::   |  |
|     |  |              |        | Srs. oh.                                    | 4 10 128 H 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   |  |
|     | 1868-69.   |              | JOWET. |   | Sr. 61. 122. 22. 23. 24. 24. 24. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25  |  |
|     | e famine of  | _            | Bajra. | +   | 5.3. Ch. 10. C |  |
|     | re during th   | _            | Moth.  | <u> </u>                                    | 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4  |  |
|     | Appendix J.  | ce th al     | Maize. |   | 84 113 113 113 113 113 113 113 113 113 11  |  |
|     | Statement showing the prices of produce in Symere during the famine of 1868-69.  Note: Note: Note: Jour. |              | ,      | 573. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch. Ch |  |  |
|     |  | owing the pr | i      | Whenv                                       | Sr. 116 6 11 116 6 6 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12  |  |
|     |  | Statement sh |        | Month and year.                             |  |  |

## Appendix K.

# FORM OF SETTLEMENT MISL.

VILLAGE OF BHAGWANPOORA, CIRCLE RAMSAR PERGUNNAH, AND DISTRICT AJMERE, BHYACHARA.

List of papers in the Settlement Misl.

|            |          |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   | j         |           |                          |
|------------|----------|--------------------|--------|---------------------|-------------|-----------|---------------|---------------------|-----------|---------------|-----------|---|-----------|-----------|--------------------------|
| DETAIL,    | AIE,     |                    | TOT    | TOTAL ABEA.         | À.          |           |               |                     | TOTA      | TOTAE DEMAND, | Ġ.        |   |           |           |                          |
| *1111      | tils,    | Names of head men. | Khalsa | Khulsa Masésa Tabal | Tafai       | LANT      | LAND BAYBNUS. | •                   |           | Creers.       |           |   | TOTAL.    |           | Detailed list of papers. |
| oqr        | ъ        |                    |        |                     |             | Khalea.   | Manfee.       | Total.              | Khalen.   | Masfee.       | Total.    | Khalsa.   | Maafec.   | Total.    |                          |
|            |          |                    | В. Б.  | ä, b,               | B. b.       | Re. A. P. | Rs. a. p.     | Bs. a. p. Rs. a. p. | Rs. D. P. | Re. s. p.     | Re. a. p. | Rs. a. p. Rs. a. p. Rs. a. p. Rs. a. p. Rs. a. p. | Bs. A. P. | Rs. a. p. |                          |
|            |          |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 1. This list.            |
|            | _        |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 2. Hadbast map.          |
|            |          |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 3. Fleld map.            |
|            |          |                    |        |                     |             | •         |               |                     |           |               |           |   |           |           | 4. Village note book,    |
|            |          |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 6. Pedigree table.       |
|            |          | Rama, son of       | 8      | 17 0                | of 701 0 71 | 26 0 0    | 3 8 0         | 0 8 84              | 2 0 0     | 9             | 7 8 3     | 83 0  |           |           | 6. Index.                |
| _          | <u> </u> | Banwans Jat.       |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           | 2         | 7. Khuteonf.             |
|            |          |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           | -         | 8. Statement of welle.   |
|            | _        |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 9. Lakhiraj.             |
|            | _        |                    |        |                     |             |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 10. Darkbwast,           |
| <u>-</u> - |          | `                  |        |                     | -           |           |               |                     |           |               |           |   |           |           | 11. Wajibalara.          |
| -          | ·        | 1                  |        |                     | `           | 1         |               |                     |           |               |           |   |           | 7         | 19. Final Rabacar,       |

| g Circle. | Pergunnsh. | Name of<br>Putwares.               | Name of village. | Tenuro,    | Khalsa,<br>Jachire, or<br>shares. | Prevailing oaste. | Number of<br>years in-<br>habited. |
|-----------|------------|------------------------------------|------------------|------------|-----------------------------------|-------------------|------------------------------------|
| Ramear.   | Ramear .   | Badri, son<br>of Sheo-<br>narayan. | Dhagwan-         | Objackara. | Ebalea .                          | Jat .             | 40 years,                          |

#### Classification of Area for assessment purposes in Acres.

|                         |   | E       | CLT     | DED           | ),     | Ī            |         |        | ASS    | ESS     | ABL    | E AE | EA.     |        |                   |                   |
|-------------------------|---|---------|---------|---------------|--------|--------------|---------|--------|--------|---------|--------|------|---------|--------|-------------------|-------------------|
|                         |   |         |         |               |        |              | TATE    |        |        |         | Curr   | VATI | m,      |        |                   | Γ                 |
| Name of Burrey.         |   |         |         |               |        |              |         | 1      | Ir     | rigal   | ed.    | Un   | irrig   | oted,  | ated.             | .pje.             |
| •                       | Total area.                                   | Rarran. | IIII.   | Revenue-fres. | Total. | Culturs ble. | Fallow. | Total. | Chabj. | Talabi, | Total. | Abi. | Daraol, | Total, | Total enitivated. | Total assessable. |
| Revenue surrey          | 43  | 4       | -       |               | 4      | 3            | 1       | 4      | 14     | 4       | 18     | 2    | 15      | 17     | 35                | 39                |
| Last settlement         | -42   | 8 [     | <b></b> | 1             | ه (    | 8            | 1       | 4      | 24     | 6       | 18     | 2    | 15      | 17     | 35                | 89                |
| Putwarees' papers, 18 . | comi  | ng.     |         |               |        |              | Ι.      | ĺ      | l      | i       |        |      |         |        |                   |                   |
| Ditto, 18 .             | À.  | at la   | st sc   | it len        | ent.   | i            |         |        |        |         |        |      |         |        |                   |                   |
| Ditto, 18 .             | Dif   | ta      | đ       | itto.         |        |              |         | i      |        |         |        |      |         |        |                   |                   |
| Present measurement,    |   |         | ,       |               |        | į            |         |        |        |         |        |      |         |        |                   |                   |
| Khales                  | 86  | 4       |         |               | ١      | 8            | 1       | 4      | 14     | 4       | 18     | 2    | 8       | 10     | _                 |                   |
| Masfee                  | 7   | ***     | ***     | •••           |        |              |         | Ĭ      |        | - 1     |        |      | 7       | 7      | 28                | 32                |
| Total .                 | 43  | 4       |         | -             | 4      | 3            | 7       | 4      | 14     | -       | 18     | 2    | 15      | 17     | 7<br>35           | 32                |
|                         | <u>.                                     </u> |         |         |               |        |              | J       |        |        |         | _      | _ ]  | _       | - 1    | )                 |                   |

#### Assessment Statistics.

| 182                     |                   | 408     | e 8 8 17 | ient S | talisl | ics.                   |         |                                      |       |      |           |      |
|-------------------------|-------------------|---------|----------|--------|--------|------------------------|---------|--------------------------------------|-------|------|-----------|------|
|                         |                   |         | st. 1    |        |        | C                      | pabliit |                                      |       | . Pr | g.<br>st. |      |
| Capabilities.           |                   | ••      | 8        | eni.   | 37     | ber of cultive         | ators ( | tonar                                | 1ts)- | -    |           |      |
|                         | _                 |         |          | • \    | Маш    | Resident .             |         |                                      |       | 1    | •         |      |
| Area manured .          | •                 | •       |          | - 1    |        | Non-resident           |         | •                                    | •     | •    | 1         |      |
| ,                       | سنات م            | steil . | Area     | , l    |        |                        |         |                                      |       |      |           |      |
| Percentage on (         | Julino            | 1100.   | _        | 1      | Nut    | nber of owner          |         |                                      |       | 9    | 11        |      |
| Area under crops-       |                   |         |          | 1      |        | Resident .             | •       |                                      | •     | •    |           |      |
|                         | _                 |         |          | •      | ı      | Non-residen            | t ·     | •                                    | •     | •    |           |      |
| 1st order               | •                 |         | 1        | 48     | Po     | pulation-              |         |                                      |       | 15   | 23        |      |
| 2nd ,,                  |                   | •       | •        | 67     | \      | Caltivating            | '       | •                                    | •     | 1    | 4         |      |
| Brd "<br>Area irrigated | •                 | •       | •        | 61     | 1      | Non-cultive            | ating   | •                                    | •     |      |           |      |
| Rubbee area             |                   | •       | •        | 59     | 1      |                        | To      | tal                                  | •     | 16   | 27        |      |
| Pahikhast cultivati     | συ                |         | •        | 7      | 1      |                        |         | :1                                   |       |      |           |      |
|                         |                   | •       | •        | •      |        | opulation per          |         | ) min                                | u -   | Ī    |           |      |
| has hold by maur        | asec te           | nants   | •        | 93     | 1 77   | Tells working          | _       |                                      |       |      |           |      |
| Aren near by own        | ars •             | •       | •        | 10     | 1      | Khalsa                 | •       | •                                    | •     |      | 2 2       | ;    |
| Culturable area         | •                 | •       | ٠        | , 10   | 1      | Maafee                 |         | •                                    |       | •    | •         | •    |
|                         | _1                | .h.     |          |        | \ _    | Vells capable          | af hei  | ne W                                 | orke  | d—   |           |      |
| Cultivated area pe      | ix bionf          |         |          | . 4    | 1      |                        | Or Dei  | G.                                   |       |      |           |      |
| Khalsa •                | •                 | •       |          | . 7    |        | Khalsa                 | •       | •                                    |       | •    | •         | •    |
| Manfeo •                | .:3-nta           |         |          | 4 5    | 1      | Manfee                 | •<br>i  | _ '                                  |       | •    |           |      |
| Masteo Ploughs of re    | maonts<br>m-resid | ents    |          | . 1    | ٠   ١  | Wells out of r         | epan-   |                                      |       |      |           |      |
| 210-2 7012-             | _                 |         |          |        | 1      | Khalsa                 | •       |                                      |       | •    | •         |      |
| 70-4                    | ail of o          | attle   | ,        |        | - 1    | Monfee                 |         | _ `                                  |       |      |           |      |
| Den                     | u .               |         |          |        | - 1    | Character of<br>Khalsa |         |                                      |       | . :  | sweet     |      |
| Large cattle-           |                   |         |          |        | - 1    | Kanta<br>Martee        |         |                                      |       |      |           | •    |
|                         |                   | _       |          |        | 12     | Value get              | th of   | wells                                | _     |      |           |      |
| Bullocks                | •                 |         |          | 70 .   | 20     | To wat                 | er      |                                      |       | •    | 26        |      |
| Cows •<br>Buffaloss     | •                 |         | •        | 7      | 10     | To bott                | om      |                                      |       | •    | 41        |      |
| Bunaroes                | ·To               | -1      |          | 52     | 72     | Average cos            | t of a  | aell                                 |       | Rs.  | 225       | 225  |
|                         | To                | (Iri    | ٠        | -      |        |                        |         |                                      |       |      |           |      |
| Beasis of Burd          | 677               |         |          |        |        | Number of              | fitter  |                                      |       |      |           | •    |
|                         |                   |         |          | •      | 1      | Earth                  |         | :                                    |       |      |           | •    |
| Camols                  |                   |         |          | •      | 1      | 1                      |         | -                                    |       |      |           |      |
| Horses<br>Asses         | •                 | •       |          | •      | •      | Mortgages              | -       |                                      |       |      |           | 2    |
| Years                   | •                 |         |          |        | 2      | Amor                   | nt of   | land                                 | •     | •    | •         | . 80 |
|                         | Tot               | la      | •        | •      | 2      | ,,                     | of      | mo                                   | noy   | •    | •         | , 50 |
|                         |                   |         |          | 85     | 50     | Sales-                 |         |                                      |       |      |           |      |
| Sheep and go            | ats               | •       | •        |        | 124    |                        | ant of  | land                                 | ١.    |      | , ,       |      |
| Gr                      | and T             | OTAL    | •        | 07     |        | - Amo                  |         | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, |       |      |           |      |
| ,                       | 111-              | ner     | acre     | of     |        | Do-fusli               |         | •                                    |       | ,    |           | . 12 |
| Number of<br>nuoultive  | ted .             | he,     | 24.50    | . 11   | 15     | ) No-ragit             | HPAM    | -                                    | •     |      |           |      |

#### Pressure of Revenue.

|  | I  |   | IETAI<br>ATION |   |   | TORY<br>E011   |             | A55055-   |  | •   |
|--|--|---|----------------|---|---|----------------|-------------|-----------|--|---|
| Year,  | Вд   | LES.  |                | RT-<br>PE.  |   |                | 18.         | not as    | Detail of  | Rates on<br>cultivated                              |
|  | Land.  | Prico.  | Land.          | Price.  | Domand.   | Arrears.       | Remissions. | Present : | CCSIGS,  | land.   |
|  |  |   |                |   |   |                |             | Re.       | Rs.  | Re, n, p-   |
| 1852 - 1853 - 1855 - 1856 - 1856 - 1856 - 1856 - 1860 - 1861 - 1865 - 1866 - 1866 - 1866 - 1867 - 1867 - 1867 - 1867 - 1871 - 18 | 004<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000 | 000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>00 |                | 000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>000<br>00 | 70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>70<br>7 | 3G<br>15<br>10 | 25 15       | 70        | Lumbordar 4 Zaildar 1 Patwareo 5 District Fund 2 Total demand . 62 | Chahi 400<br>Talabi 300<br>Abi . 180<br>Barani 0.80 |

#### Opinion of Superintendent of Settlement.

The village is a small one, but belongs to Jats, and is carefully cultivated. Revenue has been paid with ease except during the famine, in which year there was one mortgage.

Proposes Rs. 80.

| . REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE  |   |
|--|---|
| Hilly Slork states that the form of the fo |   |
| They years ago has fine the first transfer of the relative from the sease of the relative from the sease of the relative from the sease of the relative from the first fills and sease of the fills and sease of the fills for the fills for the fills for the sease of the fills for the fills from the fills fro | 1 Lumberder 1  2 Lumberder 2  3 Los 1  5 Absent - 1  6 Left the vil- of 1  7 Out of pes- reference 7  8 Minor 1  11  12  13  14  15  15  15  15  15  15  15  15  15 |
| The control of the co | Meaning.  |
| About 40 years are Bharwane, by the permiesten of Colonel and being a well. Diversion was made at fare by ancestical finance, but the land is the held now according to persection.  JAR 50 NASA.  9 Holds. 2 Bharanc. 4 Gyana. 4 Mell.  1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1   |   |

#### Statement of Proprietors.

- 1. Origin of village.—Some 10 years ago Bhagwana Jat came from Khurwa and founded a hamlet in the waste by permission of Colonel Dixon, and called the village after his own name, Bhagwanpura. The owners of other castes joined the community at various times as has been mentioned in the Pedigree Table. Since then it has never been deserted, no land intermixed with other villages, and no tank.
- 2. Division of the property.—Division has taken place by no fixed rule, each held what he obtained.
- 3 Joint Profits.—Owners pay per head of cattle in Katik into the common fund. Buffaloes 8 annas, buffaloe-calves 4 annas, cows 4 annas, other large cattle 2 annas, sheep and goats one anna. There is a small amount of cultivated land, samilat. Its profits also go to the common stock, from whence the village expenses are paid.
- 4. Mode of payment of revenue.—When the village was founded no revenue was taken for two years. In the third year it was assessed at Rs. 65, which was distributed over the cultivated land. In the regular settlement it was assessed at Rs. 70, which was distributed by the following rates:—Chahi 1-8-5, abi 8 annas, talabi Re. 0-0-7; barani 0-3-2. In the present settlement the village has been assessed at Rs. 75 exclusive of cesses.

| Holdings in   | commo               | n.                   | Sa | milet.                 | Sarks      | r.              | Total El   | alsa. | Total Maalec.              | GRAND TOTAL.                |
|---|---------------------|----------------------|----|------------------------|------------|-----------------|------------|-------|----------------------------|-----------------------------|
| B. b.   | f<br>By posse<br>B. | ession.              | :  | 7<br><br>3. b.<br>10 0 | B. b. 2 10 |                 | B. b. 90 4 | i     | B. b. 17 6                 | B. b.<br>107 10<br>Rs. 83   |
| Attestas The entries in are in scoordas meots, and we l | the Pec             | ilgree T             |    | I altest               |            | larec           | Table in   | I :   | race of all the            | edigreo Table in            |
| We have no bh   | (8d.)<br>"          | BAMA<br>Godi<br>Gyaz | u. | Putwared               | e papere.  | R <sub>IR</sub> | with the   | Bgn   | ed as to its cor.<br>(5d,) | Cust Rese,<br>dr. Municipa, |

#### Statement of responsibility of Officials.

| filguature.                                  | Date.            | Name of official,                    | Detail of work,                      | No. | Attestation of Superin-<br>tendent.  |
|--|------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-----|--|
| هيرا سنگه منصرم                              | 5th May 1873.    | Him Sing                             | Pedigree Table                       | 1   | ] a  |
| هيرا سكنه منصرم                              | 6th.May 1873,    | Hira Sing                            | Statement of owners .                | 2   | s, and may   |
| رزير علي معرر                                | 28th Sept. 1974. | Wazeer All                           | Fairing of Pedigree Table            | 3   | Ihyachara ono, am<br>Ponto Max,<br>Deputy Supdi.                                   |
| رزير علي سوهن لأل                            | 28th Sept. 1874. | Wazeer Ali<br>Soban Lali             | Comparison with rough copy.          | 4   | correct, the village is a Bhyachars one, to be faired. (8d.) Fonco Max, Deputy Soy |
| هيرا سنگه منصرم                              | 5th May 1874,    | Hira Sing                            | Comparison with Khu-<br>teoni.       | Б   | rect, the vil  |
| هيرا سنكه منصرم                              | 6th May 1874.    | Hira Sing                            | Notes opposite each                  | 6   | found cor  |
| پولومل ةيپوئي<br>سېرندنت                     | 10th Aug. 1873,  | Pohlo Mal, Deputy<br>Superintendent. | Final attesting                      | 7   | de which I   |
| عبدالرمس منصرم                               | 20th Bept. 1874, | Abdul Rahmau .                       | Comparison of revenue with Khuteeni. | 8   | digres Tab   |
| هيرا سنكه منصرم                              | 18th Sept. 1874. | Hira Sing .                          | Comparison with decided cases.       | β   | attested this Pedigres Table which I found sout                                    |
| هيرا سنگه منصرم<br>پولو مل ڌيپوٿي<br>سپرنڌنٿ | 28th Sopt. 1874. | Hira Sing                            | General reconsion                    | 10  | I atter  |

#### Index to Khuteoni.

| 7 | Number<br>of<br>field, | Number<br>of<br>holding, | Number<br>of<br>field. | Number<br>of<br>holding. | Number<br>of<br>field, | Number<br>of<br>holding, | Number<br>of<br>field. | Number<br>of<br>holding. | Number<br>of<br>field, | Number of holding. |
|---|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------|
|   | 1                      | 7                        | 6                      | 10                       | 11                     | 5                        | 16                     | ŧ                        | 21                     | 8                  |
| ٨ | 2                      | 1                        | 7                      | 0                        | 12                     | ŧ                        | 27                     | 1                        | 23                     | 8                  |
|   | •                      | 4                        | 8                      | 7                        | 13                     | 7                        | 18                     | ŧ                        | 23                     | 7                  |
|   | 4                      | 7                        | 9                      | 7                        | 14                     | 7                        | 19                     | 3                        | 24                     | - 6                |
|   | 8                      | ,                        | 10                     | 6                        | 15                     | 7                        | 20                     | 2                        | 25                     | <u> </u>           |
|   |                        |                          |                        | ا ا                      |                        |                          |                        |                          | Only 25                | fields,            |

#### Khuleons.

Remarks on the mode of distributing the revenue.

The revenue has been fixed by the Settlement Officer at Rs. 75 including Zaildars' and Lumberdars' fees, at the following rates—

|        | A.     |     |   |      |    |   |   |   |   |     |   | Re. |
|--------|--------|-----|---|------|----|---|---|---|---|-----|---|-----|
| Chahi  | 14, at | Rs. | 4 | each | ٠, |   |   | • |   | •   | ٠ | 56  |
| Talabi | 4, ,,  | ,,  | 8 | **   | •  |   | • |   | • | •   | • | 13  |
| Abi    | 2,,    | ,,  | - | ł "  |    |   |   | • | • | •   | • | 8   |
| Barani | 8 ,,   | ,,  | 1 | .,   | •  | • |   | • | • | •   |   | 4   |
|        |        |     |   |      |    |   |   |   |   | Til |   | -   |

The revenue has been distributed over the holdings by these rates. The result was then announced to each individual. No objections were offered except by Nanu, who complained that his "nadi" was inferior. Accordingly arbitrators were appointed, who visited the place and fixed 4 per acre as the assessment of the abi. The arbitrators also decided that the deficiency should be added to the assessment of Bijay Sing (Holding No. 5) by an increase in the rate of assessment of his well-land.

The cesses, Rs. 7, were then distributed over each holding at the rate of 1 anna 6 pic per rupee of assessment.

(Sd.) ABDUL RAHMAN,

Muniarim.

| 110 4 | <u>.</u> |                |   |   |                       |                                 |                                 |                                    |             |             |
|-------|----------|----------------|---|---|-----------------------|---------------------------------|---------------------------------|------------------------------------|-------------|-------------|
| B,    | 1        | 2              | 3   | 4   | 5                     | 6                               | 7                               | 8                                  | 9           | 10          |
|       | lding.   |                |   | Name of culti-  |                       | old.                            | Dines                           | BIONS.                             | Det         | uren.       |
| . 13  |          | Name of Pafel. | Name of owner with parentage, caste, family and residence.                    | vator with<br>parenta g c ;<br>caste, family<br>and rosi-<br>dence. | Name of field.        | Nambor of Aold.                 | North. South. 12                | Etat. usat.                        | Barron.     | Caltarable. |
|       | <u>z</u> | <u>~</u>       |   |   |                       |                                 |                                 | _                                  | <u></u>     | <u> </u>    |
|       | 1        | Rame.          | Rama, son of<br>Bhagwana Jat,<br>Got Naga.                                    | Khudkasht .   | Gorma Wala<br>Ditto . | 17<br>Gosha<br>Alif.<br>Goshabo | 77<br>76 78<br>20<br>20 20<br>9 | 37 64<br>13<br>26 0<br>21<br>21 20 | ***<br>***  |             |
|       |          |                |   | ,   | , Dino                |                                 |                                 |                                    |             |             |
|       | 2        | Do.            | Gedha, son of<br>Rupa, one shers:<br>Mussamut Nani,<br>widow of Bha-          | with shares.  | Ditto .               | 20                              | 39<br>89 39                     | 62<br>60 64                        | •••         | ]<br>       |
|       | 8        | Da,            | wate, one share. Jat Got Naga. Gyana and bloti iminorl, sone of Rupa Jat. Got | Ditto .   | Pipal Wala .          | 19                              | 39<br>39 33                     | 65<br>61 67                        | ***         |             |
|       | · ·      | , .            | Naga, in equal shares.  | <b>D</b> 244-   | Kankar Wala           | 2                               | 80<br>84 76                     | 37<br>30 34                        | .,,         | 100         |
|       | ) !-     | Do.            | Rama of No. 1,<br>two shares.   | Ditto .   | Gorma Wala            | 16                              | 3 4                             | 9 10                               | b.<br>2     |             |
|       | ħ        |                | Godha and others<br>of Na. 2, one   |   | Well Pati             | 18                              | 20<br>20 20                     | 89<br>88 40                        | woll.       | ***         |
|       |          |                | share. Gyana and others of No. 3, one   |   | Ditto .               | Gosha<br>Alif.                  | 20<br>20 0                      | 15<br>22 30                        |             |             |
|       |          |                |   | Total of  | holding .             | 3 fields                        |                                 |                                    | 2 b.        |             |
|       |          |                |   |   |                       | 3                               | 76<br>.76 76                    | 20<br>40 0                         |             |             |
|       | 4        | Do,            | Nana absent, and<br>Thana, present  | Khudkasht .   | Kankar Wala           |                                 | 0 10                            | 40<br>89 40                        | ***         |             |
|       |          |                | Thana, present<br>sons of Bhago,<br>caste Bulahi                              | . [   | Ditto .               | Gosha                           | 8 10                            | 8 8                                | ***         |             |
|       | 5        | Do             | Got Mundariya-<br>Bijay Sing an<br>Mod Sing, son<br>of Ram Sing               | Khudkasht ir  | Nim Wala .            | 10                              | 8 8                             | 8 8<br>6                           | 40]]<br>0 8 | •••         |
|       |          |                | Mod Sing, son<br>of Ram Sing  | socordan o e  | Ditto .               | Gosha                           | 5 5                             | 6 6                                | 2           | ***         |
|       |          |                | Got Jagmalot  | 7   |                       |                                 | 63                              | 50                                 | well.       |             |
|       |          |                | in equal shares.  |   | Babul Wala.           | 11                              | 66 60<br>20                     | 52 48<br>41                        | <b></b>     | ***         |
|       |          |                |   |   | Ditto .               | Gosha<br>Alif                   | 20 20                           | 40 42                              | 100         | 100         |
|       |          |                |   |   | Ditto .               | Gosha<br>Be.                    | 18 0                            | 24 30                              | **          | 414         |
|       |          |                |   | Total of  | holding .             | 2 fields                        |                                 |                                    |             | 8           |
|       | **       |                |   | What the about  | Danhan W-31           | 22                              | 62<br>68 60                     | 45<br>54 86                        |             |             |
|       | •        | Do.            | Name and Bhurn<br>in possession.  | CHOSE AN DOS.   | Ditto .               | Gosha                           | 20<br>20 20                     | 46<br>38 54                        | 991         | ***         |
|       |          |                | Ramdeo out of<br>possession. Some<br>of Deva Jat                              | ı   |                       | Alif<br>Gosha                   | 40,40                           | 8<br>16 0                          |             | 400         |
|       | •        |                | Got Ranwa in<br>equal shares.   |   | Nadi                  | Be,                             | 84<br>30 87                     | 50<br>47 53                        | •••         |             |
|       |          |                |   |   | Ditto ,               | Gosha                           | 15 20                           | 7<br>15 0                          |             |             |
|       |          |                |   | Total of  | helding               | 2 fields.                       |                                 |                                    |             |             |
|       |          | 1              | 1   | <u> </u>  | 1                     |                                 | <u> </u>                        | <u> </u>                           | ·           |             |

11/2/2

| Fallow.            | Talabi.            | Barani.           | Total area.        | Khureef.            | ME OF<br>ROP.        | RE          | NT.    | - em         |         | Re      | /EX        | UI      | :.<br>—   |            | 1       |  |
|--------------------|--------------------|-------------------|--------------------|---------------------|----------------------|-------------|--------|--------------|---------|---------|------------|---------|-----------|------------|---------|--|
| B. b. 9 16         |                    | -                 | rotal area.        | reef.               | ٠                    |             |        |              |         | Ţ       |            |         |           |            | _       |  |
| 9 16               |                    |                   | - 1                | Khu                 | Rubbee.              | Bate.       | Amount | Land revenue |         |         | Censon.    |         |           | Total.     |         | Remares.                                     |
|                    | L :                |                   |                    | Maize<br>Do.        | Barley<br>Do.        | Rs.         | Rs.    | Rs. a        | p.<br>8 | Rs<br>1 | . a.<br>12 | p.<br>6 | Rs.<br>20 | . a.<br>13 | p.<br>8 | Irriga tod<br>from well<br>No. 16.           |
|                    | ***                | ***               | 0 13<br>0 9        | Do.                 | Do.                  |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         | 2101 -07                                     |
| . 6 1              | ••• .              |                   | 10 18<br>6 1       | Do.                 | Do.                  | <b>66</b> • |        | 10 7         | 9       | 0       | 15         | 9       | 11        | 7          | 6       | Ditto.                                       |
| 6 7                |                    | •••               | 6 7                | Do.                 | Wheat                | 000         | •••    | 11 0         | 0       | 1       | 0          | 3       | 12        | 0          | 3       | Ditta  |
| 4                  | •••                | B. ն.<br>7 8      | 7 8                | Iowat               | 201                  | •••         |        |              |         |         | •••        |         |           | 884        |         | The revenue<br>is included<br>in the         |
| 1 19               |                    |                   | 0 2<br>1 19        | **                  | 800<br>800           |             |        |              |         |         |            |         | 5         | <u>,</u>   |         | orig in al<br>holdings.                      |
| 0 15               | ***                | <b></b>           | 0 15<br>2 14       | ***                 | •••                  | ,           |        |              |         |         |            | 4       | ,         |            |         |  |
| 2 14               | 444 144            | <b></b>           | 10 4               |                     |                      |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         | •  |
| 300 000            | ***                | 8 16              | <b>3</b> 16        | Jowaz               | •••                  | •••         | ***    | 0 18         | 6       | 0       | 1          | 0       | 0         | 14         | 6       |  |
|                    | ***                | 0 10              | 0 10               | Do.                 |                      |             |        |              |         |         |            | j       |           |            |         |  |
| 010 014            |                    | •••               | B.b.<br>0 3<br>0 2 | 991                 | ***                  | 141         | ***    | 17 0         | 3       | 1       | 10         | G       | 19        | 5          | 9       | Irrigated<br>from well<br>No. 10.            |
| 7 18<br>2 1<br>0 9 | 000 000<br>000 000 | •••               | 0 9                | Maize<br>Do.<br>Do. | Wheat<br>Do.<br>Do.  |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         |  |
| 10 8               |                    |                   | 10 8<br>10 18      |                     |                      |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         |  |
| ***                | 7 0<br>2 6<br>0 16 | 400<br>100<br>100 | 7 0<br>2 6<br>0 16 | Do.<br>Do.<br>Do.   | Barley<br>Do.<br>Do. | •••         | ***    | 15 0         | 0       | 1       | 6          | 6       | 6         | 6          | 6       | Irrig a te d<br>from Ram-<br>poora<br>Talao. |
| •••                | 4                  |                   | 10 2<br>4 5<br>0 6 |                     | Do.                  |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         |  |
|                    | 10 2 4 1           |                   | 4 1J<br>14 18      |                     | •                    |             |        |              |         |         |            |         |           |            |         |  |

| 0                    | REPO! | IT ON THE                           | KITUSHUKA   |   |  |   | 9 10  |
|----------------------|-------|-------------------------------------|---|---|--|---|---|
|                      | T 8   | 4                                   | 5   | ,6                                      | 7<br>Dimen   | 8   | DETAILED  |
| Mumber of Hole ding. | -     | caste,family<br>and resi-<br>dence. |   | Nump                                    | North.   | Mean.<br>128 ≜<br>20<br>14 25                   | Barren.<br>Culturablo.  |
| 7                    |       | moregaguates                        | Sarnok Wala  Sarnok Wala  Nala  Ditto  Rasta  Ditto  Gorma  Ditto  Gorma  Ditto  Abadi  Ditt  Ditt  Total  hold | Good Good Good Good Good Good Good Good | 80 81  46 40 5 76 7 76 7 10 10  5 8 87 86 40 13 8 86 40 13 8 86 40 14 16 608ha Alif. Gosha Be. 15 Gosha Be. 23 Gosha | 20 5 4 4 3 3 101 101 13 8 3 3 22 14 14 14 15 18 | 20 B. b<br>6 0 19<br>4 0 2<br>02 0 15<br>8 0 18<br>2 22<br>4 11 7 |

| 11         | 12        | 13      | 14   | 15       | 16           | 17        |             | 19    | 20      | 21         | 22         | 23        | 24   |
|------------|-----------|---------|------|----------|--------------|-----------|-------------|-------|---------|------------|------------|-----------|--|
| CLASS      | 1F1CLT    | ю.      |      |          |              | NAM<br>CB | E OF<br>OP. | RE    | NT.     | I          | EVENUE     |           | ,  |
| Fallow.    | Chahi.    | Telabie | Abi. | Barni.   | Total Area.  | Khureef.  | Rabbes.     | Rato. | Amount. | Land rove- | Censon.    | Total.    | Remares,                                     |
| <b>2-1</b> | ***       | ***     | 414  | 4 0      | 4 0          | Jowar     | <b>344</b>  | Rs.   | Ra.     | Rs, a, p,  | lis. a. p. | Re. a. p. | The revent has be laid on to crig in Khatas. |
| ,          | ***       | ***     |      | ***      | B. b.<br>2 6 |           | 501         |       | •       | 0 14 9     | 0 1 3      | 1 0 0     |  |
| ***        | •••       |         | ***  | <u>'</u> | 0 19         |           |             | 1     |         |            | :          |           |  |
| ,,,,       | •••       |         |      | -        | 0 2          | -{        | <u> </u>    |       |         | Ì          | 1          |           |  |
| ,,,,       |           |         | 1    | 1        | 0 15         | -         | ŀ           |       |         | İ          | İ          | 1         | j  |
|            | ***       | **      | ***  | •••      | 0 18         |           |             |       |         | Ì          |            |           |  |
| ***        |           |         |      | -        | 4 11         | 1         |             | 1     |         | 1          | 1          |           | ¦ ·  |
| 100        | ***       | ,       |      | ""       | 0 14         |           |             |       |         |            |            | ļ,        |  |
| `          |           |         |      | 100      | 5 5          | -i        |             |       |         |            |            |           |  |
| ###        | ***       |         |      | ***      | 0 9          |           |             |       |         |            |            |           | -  |
| ***        |           |         |      |          | 0 11         | 1         |             | }     | Ì       | ]          |            |           | }  |
| 101        |           | -       |      |          | 1 0          | ]         |             |       | ١,      |            |            |           |  |
| •••        |           |         |      | •        | 0 6          | -}        |             |       |         |            |            |           |  |
| ***        | 891       |         |      | <b></b>  | 0 8          |           |             | 1     |         | i          | ļ          |           |  |
| 100        |           |         | ***  |          | 0 15         | -1        |             |       |         |            |            |           |  |
| 411        |           |         |      |          | 0 6          | .[        | 1           |       | l       | 1          |            |           |  |
| •••        | <b></b> : |         |      |          | 0 2          | 1         | 1           | 1     |         | 1          | 1          | }         | }  |
| '01        |           |         |      | ***      | 0 8          | .)        |             |       |         |            |            |           |  |

|                    |                  |     | repói   | IT ON THE  | SET          | TLEMENT (         | OF 11            | ъ             |        |       |                  |              |      |
|--------------------|------------------|-----|---|--|--------------|-------------------|------------------|---------------|--------|-------|------------------|--------------|------|
| 92                 |                  |     |   |  | <u> </u>     | 5                 | 6                | Ī             | 7      | 8     | 9                | 10           |      |
| 1                  | 2                |     | 8   | 4  | - -          |                   |                  | +             | DIMENE | IONS. | DE               | TAILED       |      |
| Number of Holding. | Number of Patel. | 44  | me of owner<br>ith parentage,<br>seto,family and<br>egidence. | Name of ot<br>tivator wi<br>parentsg<br>caste, fam<br>and re<br>donce. | ily ?        | Name of field.    | Number of field. |               | Mean.  | Mean  | -                | Galtar ablo. |      |
| 7                  | Rame             | s   | shamilat of <b>v</b> i  | of poors, will.  | Jat,<br>tam- | Ditto<br>Holding  | . 6              | 5<br>0sh<br>1 |        | 40    | 8 - 7            | 0 8 2        | •    |
| <b>8</b><br>,(     |                  | Do. | Government<br>Prruk   | Held be State.   | ee.          | Khalsa            | Vala             | 21            | 185    | 41    | 70               | 2 16         | -    |
|                    | 10               |     | Bajrang Das<br>of Eam<br>Bajragi,<br>Kamawat                  | , son Khud Das G o t   | knaht<br>ito | Basta wala. Ditto | Bari-            | G             | osha 1 |       | 75 76 75 76 0 10 | an           | 8 12 |
|                    | -                |     |   | Tot  | al are       | n of the vi       |                  | ١             | -      |       |                  |              |      |

|         |        | -       |      | <u> </u>      |                |             |               |                 | <del></del> |               |            | <del>,</del> |   |
|---------|--------|---------|------|---------------|----------------|-------------|---------------|-----------------|-------------|---------------|------------|--------------|---|
| 11      | 12     | 13      | 14   | 15            | 16             | 17          | 18            | 19              | 20          | 21            | 22         | 23           | 24  |
| CLASS   | IFICAT | TON.    |      |               |                | NA          | ME OF<br>BOP. | R               | nt,         | 1             | REVENU     | E.           |   |
| Enllow. | Chabi. | Talabi. | Abi. | Barani.       | Total ates.    | Khareef.    | Rabbec.       | Rate.           | Amount.     | Land rovenue. | Совяев.    | Total.       | Remarks.  |
|         | ***    | <br>    | ***  | В. Б.<br>З 19 | B. b.<br>3 19  | Bajra       | •••           | Batni su<br>ith | Rs.         | Rs. s. p.     | Rs. a. p   | Rs. a. p.    |   |
| 849     |        | •••     | ***  | 0 15<br>4 14  | 0 15           | Do.         | •11           | Do.             |             |               |            |              |   |
| =       |        |         |      | 4 14          | 20 6           |             |               | -               | :           | 0 14 9        | 0 18       | 10(          |   |
|         |        |         |      |               | 2 16           |             |               |                 |             |               |            |              | \<br>\<br>\   |
| 2 14    | 83 14  | 10 2    | 4 11 | 20 8          | 90 4           |             |               |                 |             | <b>75 0</b> 0 | 7 0 0      | 82 0 0       |   |
| ***     | •••    | ***     | ***  | 7 4           | - 1            | Mung<br>Do, | 890           | •••             |             | ***           | <b>Det</b> | •••          | Ferpetual<br>measice of<br>the temple<br>of Raghu-<br>nath, No. 1 |
|         | ***    | ***     | ***  | 9 4           | 0 12<br>9 16   | Moth<br>Do. | •••           | •••             |             | •••           |            | •••          | in Lakhiraj<br>List.<br>Bhōom No. 2<br>in Lakhiraj<br>List.       |
|         | 33 14  | 10 2    | 4 11 | 17 6<br>37 14 | 17 6<br>107 10 |             |               |                 | -           | 75 0 0        | 7 0 0      | 82 0 0       |   |

### Responsibility of officials for the Khulconi.

| Description of work.  Description of work.  Date.  Date.  Eignature.  Attestation of Khuteoni . Rim Bing, Munss- rim.  Pohlo Mai, Deputy and June 1874.  Attestation by Superinten  Pohlo Mai, Deputy Soft April 1874.  Pohlo Mai, Deputy Soft April 1874.  Abdul Hahman, Sard June 1874.  Festing the totals . Abdul Hahman, Soft June 1874.  Testing the totals . Abdul Hahman, Sard June 1874.  Totalilor.  Testing of Rhowat . Abdul Hahman, Sard June 1874.  Comparison of Rhowat . Abdul Hahman, Sard June 1874.  Testing The Comparison of Rhowat constitutions of Rhowat constitutions of Rhowat . Abdul Hahman, Sard June 1874.  Date 1874.  | -  | Responsib  | ility of official                   | 8 Jor the A.     |            |  | ERIBEG.     |
|---|--|--|-------------------------------------|------------------|------------|--|-------------|
| Attestation of Knuteon: rim.  Attestation by Superinten  Pohlo Mai, Deputy Superintendent.  Pohlo Mai, Deputy Superinten | 1 70.  |  |                                     | Date.            |            |  | -\ <u>=</u> |
| Attestation by Superinten. Polio Mai, Deputy Superintendent. 20th April 1974.   Taking of Khuteoni Wareer Ali   | <u>,                                    </u> | Attestation of Khuteoni .                        | Hira Sing, Munsa-<br>rim-           | 151h April 1974  |            |  | -           |
| Totalling the pages and entering the "brought for ward."  Abdol Rahman, 23rd June 1874.  Festing the totals . Abdol Rahman, 23rd June 1874.  Entry of rent and Government for each holding.  Testing Khowat . Abdol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Abdol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Abdol Rahman, 24th June 1874.  Festing Khowat . Abdol Rahman, 24th June 1874.  Tires with Pedigree Table. Tir.  Tires with Pedigree Table. Tir.  Tires with Pedigree Table. Tires |  | Attestation by Superinten                        | Pohlo Mai, Deput<br>Superintendent. | y 20th April 197 |            | ەيپۇتى سپرن <b>ڌ</b><br>ــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | _           |
| Totalling the pages and entering the "brought for ward."  Totalling the pages and entering the "brought for ward."  Addol Rahman, 23rd June 1874.  Festing the totals . Addol Rahman, 23rd June 1874.  Testing of rent and Govern- Enhance Latting Mohure Tit.  The pages and Entering the "brought for ward."  Testing the totals . Addol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Addol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Addol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Addol Rahman, 24th June 1874.  Testing Khowat . Addol Rahman, 24th June 1874.  Titles with Pedigree Table.  Titles With Pedigree Table.  Titles With Pedigree Table.  Titles With Pedigree Table.  Titles With June 1874.  | _  | Fairing of Khuteoni                              | . Wareer Ali .                      | . 22nd June 19   | 1          |  |             |
| Totalling the pages and entering the "brought for mant."  Abdol Hahmau, 23rd June 1874.  Pesting the totals . Abdol Hahmau, 23rd June 1874.  Entry of rent and Government reveaue for each boldings.  Abdol Hahmau, 23rd June 1874.  Pentry of rent and Government reveaue for each boldings.  Abdol Hahmau, 24th Jone 1874.  Abdol Hahmau, 24th June 1874.  Fresting Khowat . Abdol Hahman, 24th June 1874.  Omparison of Khowat entries in rife.  Tife.  Omparison of entries in Khowat rim.  Omparison of entries in Khowat rim.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  Omparison of entries in the Blogs, Manea. 24th June 1874.  |  | 6 Comparison of faired co                        | Wazeer All<br>Sohan Lall            | .} Sird Jone l'  |            |  |             |
| Testing the totals . Abdol Industry.    Entry of rent and Govern-Bohan Lall, Mohur- Muusarim.   Abdol Industry   Muusarim.   Abdol Industry   |  | Totalling the pages entering the "brought ward." | and Soban Lail .                    |                  |            | د عبدالرحمن  | \           |
| Testing Khowat . Abdul Rahman, 23th June 1874 ويوري الله المعرفة المع | Ą  | -1   | Munistra.                           |                  |            | نه عبدالرحون   | العب        |
| 8 Testing Khowat . Abdul Munaarim.  9 Comparison of Khowat entries with Pedigree Table. rife. Sohan Lall, Mohur. 2 th June 1874.  10 Comparison of entries in Khoteout with cases de film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film.  10 Comparison of entries in the film |  | 7 Entry of rent and Gment revenue for holding.   |                                     |                  |            |  | العبد       |
| 10 Comparison of entries in Hern Bing's, Manus. 2sth June 1874. وبيوني مناه العبد براومل المستحدد العبد براومل المستحدد العبد براومل المستحدد المستحدد العبد براومل المستحدد  |  |  | Alungarius                          |                  |            | ، سرهن لال   | العبد       |
| العبد پرلومل قيبرتي منافظ. العبد پرلومل قيبرتي عنافل العبد پرلومل قيبرتي العبد پرلومل قيبرتي العبد پرلومل قيبرتي العبد پرلومل قيبرتي العبد پرلومل ا |  | Illes with                                       | Table.                              |                  |            | وا سكه منصرم   | العبد هير   |
| 11 ceneral examination Superintondent.  |  |  | cases de-                           |                  | June 1871. | مل ڏيپوٽي<br>ڏنٿ   | العبد پرلو  |
|   |  |  | lon Pohlo Saparli                   | ntendent.        | -          | 1  |             |

|   | 'ells. |
|---|--------|
|   | *      |
| ٠ | of     |
|   | ent    |
|   | leme   |
|   | ž      |

|   |                  | Revers.  | The water is sweet; water is generally abundant; 28 years ago. Ram Sing built the well.                    | ra age  | ander the well is owned according to possession. |
|---|------------------|--|--|---|--|
|   | .bo3a            | girrl so A   | 3. b.  | ន   | 33 17  |
|   | ז                | Cost of wel  | 200<br>200   | 220   | _  |
|   | <b>03</b>        | Depth<br>amotion                                   | 7  | 82  | _  |
|   | !                | Depth to n   | 2  | 95  | _  |
|   | eatea            | Circumion<br>in leet.                              | 9  | =   |  |
| 1 |                  | Number of<br>rans.                                 | l lao, 3 y oke   | l lao, 2 yoke   | 3 lao, 4 yoke                                    |
| l | KIND OF WELL.    | Earthen.   | ī  | :   | <u> </u>   |
|   | KIN              | Masoniy  | -  | -   | 63   |
|   |                  | Name of well.                                      | Gormawala  | Pipal Wala  | Total .  |
|   | if m 11<br>coot, | Aumber o   | <b>,</b>   | 2   | _  |
|   |                  | Names of persons<br>taing the well<br>with shares. | Khudkaaht in<br>equal shares,  | Khudkssht according to shares.  |  |
|   |                  | Names of centra of well with shares.               | Bilvy Etagh, Ned Sing, sons of Khudkasht-<br>Ran Sing, Rabitors Jagualot, equal share<br>in bolding No. 5. | (4 shares)—Rama (bolding<br>No. 1) 2; Godin and others<br>(belding No. 2) one chare;<br>Grana and others (bolding<br>No.3), one share, Jat Got<br>Naga. |  |
| 1 | ł                | 3.   | H  | e   | -  |

## Statement of revenue-free land.

| J    |                     |   |  |   |                            |                                     |   |         |
|------|---------------------|---|--|---|----------------------------|-------------------------------------|---|---------|
| % e. | No. Manfer.         | Order for tweener-free Number of holding in the and name of Khuteoni. | Number of<br>holding in the<br>Khutevoi. | Name of Masfeedars with<br>parentage, casic, residence<br>and shares,         | Defail of land.            | Argram ont<br>if it had<br>not been | Amount of cesses.                         | REWARE. |
|      |                     |   |  |   |                            |                                     |   |         |
| ٠-   | Pornabite I mas/ea  | obeder 1766 Defense   | (  |   | ដុំ                        | Re. a. p.                           | น้  |         |
| •    | or the man manager. | 1936.—Colonel Disaster, Atta Country 1836.—Colonel Discon             | 9  | Temple of Raghonethii, Poc- 7 10 fare, Burang Dass, son of Guillraich Barani, | 7 10<br>Cultivated Barani. | 188                                 | 8 3 District Fund 0 9<br>Rural Police 0 0 |         |
| •    | i                   | toe temple exists.  |  |   |                            |                                     |   |         |
| •    |                     | . Order, 3rd June 1624  | <br>8.                                   | Hilay Sing, Mod Sing, sone of<br>Ram Sing, Rahtore.                           | Guttrated Barant.          | 1 16 9                              | 1 15 9 District Fund 1 0                  |         |
|      |                     |   |  |   |                            |                                     | ,   |         |
| _    |                     |   |  |   | 9 41                       | 0 8 8                               | 8 8 0 District Fund 1 9                   |         |
| 1    |                     |   |  |   |                            |                                     |   |         |

Rama, Lumberdar, preferred
this offer to day.
Orderes is accepted subject to the smotion of Government, Lat
it bo filed with the settlement misl.
(Sd.) J. D. LA POUCHE,
Settlement Officer.

#### Darkhwast.

I, RAMA, son of Bhagwana, caste Jat, Lumberdar of Bhagwanpoora, agree to pay yearly Rs. 70 besides cesses as under, subject to the sanction of Government:—

Road, school, and village post Rs. 7. Putwareas' fees at 0.14 per cent. on the being 3.2 per cent, on the Government out Government revenue after deducting lumberdars' fees.

Total Rs. 82 from khureef of Sumbut 1931, corresponding with a.D. 1874, to the rubbee of 1940 Sumbut, corresponding with a D. 1884, inclusive, ten years, and thenceforward till a new settlement.

The 5th June 1874.

(Sd.) Rama, Lumberdar.

#### Waitl-ul- Ars.

Since a revision of the records is in progress, and we have been called on to declare the customs prevailing in our village, therefore after full consideration we declare as follows:—

#### CHAPTER I.

, Concerning the relations of the village community with the State.

#### SECTION I.

Mode of collection and payment of royoune, Rupees 82 including cesses has been assessed for ten years from kinured of 1874 to rubbee of 1884 inclusive. This has been distributed aqually over each holding, and each owner is bound to pay his quota to the lumberdar before the dates fixed for the instalments as under ten.

Khureef,
. Ist January,
8 aunas.

Rubbee, 16th June, 8 annas.

#### SECTION 2.

Rights of Government in mines, quarries, nullahs, tre-s, and forest lands. There is one nullah which flows in the rains. There are no Government trees and no forest lands, neither are there any mines or quarries. The produce of mines belongs to Government who can quarry for its own purposes without payment, compansating us for the disturbance of the surface of the soil.

#### CHAPTER I-(concld.)

SECTION 3.

Appointment of and Putwarea ble salary.

Badree Putwaree, son of Shoovarayan Mabajan of Bringgur, has been appointed. For his salary we shall pay yearly its, 6, and will give him all necessary information for the preparation of the papers required by Government. In case of his removal a new potwaree will be appointed by the villages in the circle, who may be approved by Government. To him also we shall pay the fixed sulary. In case of the death of the puswaree, his son, provided he be fit, has a claim to succeed.

#### CHAPTER 11.

Concerning the relations of owners of land among themselves.

Section 1.

Lumberdar and Patels. rights and duties.

rand The lumberdar shall receive 5 per cent, of the not Government their revenue. On his death the oldest son or if he be unfit the younger a ms have a claim to succeed. If he be a minor a manager will be appointed. If the lumberdar die childless or be desmissed for a fault, we shall appoint another by a majority of votes, who shall be approved by Government.

SECTION 2.

Management of common land.

The profits of the common land belong to the community, the lumberdar being manager and accounting for receipts. If any sharer or other person with our permission dig a well or make an aminakment in common land, he becomes thereby owner of the land so improved Our cattle grase over the waste of Rampoora and Kishappora without payment of any dues.

SECTION 3.

Division of come mon jucome.

The common income is: --

1. Ginti or grazing dues taken once in Katik at the following rates: -Buffalo, 8 aucas, buffalo-calf, 4 annas : com, 4 annas ; other cattle, 2 annar ; sheep and goats, 1 anna.

2. Profits on cultivated land.

This income is credited to village expenses.

SECTION 4.

Village expenses and their definition.

The lumberdar pays all village expenses in the first instance and each harvest an account is made out. If the expenditure be either more or less than the common income, it & divided among the sharers or they make up the deficiency.

Items of village expenses ordinarily are-

1. Food of lumberdar when away on village business.
2. Turbans given at funeral feasts.

8. Payment of the village Bulahi Rs. 5 a year.

SPORTON 6.

Mode of irrigation from the tank and responsibility for repair of the dam.

There is no talao in our village.

SECTION 6.

Customs relating to the shadi, places for storing manure, wells for drinking purposes.

Each owner collects manure separately and each uses it himself, He can take it away to anot her viliage, if no owner is willing to buy it. The inclosures for cattle near the abadi may be divided and new ones erected with the permission of the community. All revidents, with the exception of Bulable, draw water from Wells Nas. 10 and 16. The Bulahis drink from the nullahor take water from a "charas."

Each owner of land owns the house in which he lives.

#### CHAPTER III.

Concerping the relations of owners of land with residents who are not owners.

SECTION 1.

from the village.

Service land There is no service land in our village, held free of rent

SECTION 2.

These are the following village servants :-

Rights and duties of village marcante.

1. Carpenter who also does smith's work and lives in Rampnors. We provide wood and iron, and pay him yearly I maund pukka per plough.

2. Bulabi who receives Rs. 5 per annum and five seers per plough per harvest.

3. Kumber who makes earthenpots and receives ten seers per

barvest per plongh. 4. Nai or harber who receives two-hulf seers per ploub.

SECTION S.

Sums collected from neu-culti-Vatora resident in the village.

There are no resident non-cultivators.

SECTION 4.

dent non-cultivators in their houses.

Rights of resi- There are no resident non-cultivators.

#### CHAPTER IV.

Concerning the relations of owners of land with tenants,

SECTION 1.

Mode of collecting rent from tenanta whether with right of occupancy or otherwies,

There are no tenants in our village. One cultivates Paliskasht from Rampoora. His rent generally is one-fourth the produce.

SECTION 2.

Rights of toannts to cut sud sell or plant trees and to dig wells.

No tenant can cut or sell trees without the permission of the owners, nor plant trees nor dig a woll.

SECTION S.

ante as regards water from the tauk.

Rights of ten- There is no tank in our village.

SECTION 4.

Rights of ten. There are no tenants in the village. ants to graze.

This Wajib-ul'-arz was attested to-day in the village in presence of Rama, Lumberdar, and Godha Thava, Bijay Sing, Modh Sing, Nanu, and Bhura. They all agreed that it contained their statement and the custom of the village.

Ordered -- That it be filed with the settlement misl.

Mahabaj Kishn, (Sd.) Baira Assti. Commr.

The 25th April 1874.

#### Final Rubakar.

Proceeding of the Extra Assistant Commissioner of Ajmere in the Settlement Department, dated 22ud September 1874.

This misl prepared under Ajuddhiya Pershad, Superintendent, was produced. A regular settlement was made in this village for 21 years by Colonel Dixon. Wherefore this settlement having expired, the present revision was undertaken in accordance with the orders of the Government of India conveyed in letter No. 377 R., dated 28th October 1871. The hadbast map was first drawn and then the field map with the khuteoni prepared and the Pedigree Tables framed. The papers have been duly attested. The original field map has been filed with the misl. Fair copies have been made of the other papers, and they have been duly tested and compared. The rough copies have been bound separately and filed.

There was only one case of division in this village and the result of the orders has been given effect to.

The method of distribution of the assessed revenue has been explained in the preface to the khuteoui.

Each owner has been given an extract from the khuteoni, showing the land in his possession for which he will pay revenue.

Since the misl is now completed let it be sent to the Settlement Officer.

(Sd.) Maharaj Kishn,

Extra Asstt. Commr.

The misl is complete, and is ready for transmission to the Office of the Deputy Commissioner.

(Sd.) J. D. LA TOUCHE,

Scillement Officer.

[Persian version not printed.]

REPORT ON THE SETTLEMENT OF THE ATMERE AND MILAIRWARES DISTRICTS.

6,679 1,040

8,932 1,002 14,810

2,369

28

8 2 304

1,363 22

1,617 8 5,879

1,333 38

332

፥ :

333

724

20,689

9,520

403 :

4,481

1,721

4,158

1,130

፥

1,130

Total, Bhoom

፧

13

1,053 21,819

| in the                                  |   |                                | *#1           | Totte Assessa | 87,690 | 14,070   |
|---|---|--------------------------------|---------------|---------------|--------|----------|
| 6, i.e.                                 |   |                                |               | ,fatol'       | 41,482 | 9,876    |
| mer<br>kape<br>rigg<br>gap<br>gap<br>ga |   | BEA;                           | _             | Jooras        | 29,305 | 6,446    |
| ibit<br>kiril<br>kiril                  |   | Malodozank or Assessable Arrs; | Cultivated,   | ,idA          | 8,859  | 275      |
| met d                                   |   | OR ASSE                        | J             | "Júulā.       | 1,942  | 24<br>84 |
| egliel<br>i, desig                      | Вћоот.                                  | GOOZABES                       |               | .idadə        | 10,156 | 2,937    |
| siled<br>A                              | Statement of Area of Jaghire and Bhoom. | Mae                            | ď.            | . ,latoT      | 43,228 | 4,164    |
|   | f Jagh                                  |                                | Uncultivated. | Fellow.       | 6,277  | 1,407    |
| F S S S S S S S S S S S S S S S S S S S | f Area 9                                |                                | Þ             | Calturable.   | 36,951 | 2,787    |
| Torcus<br>est Office                    | ement og                                | å                              |               | , Lato T      | 63,148 | 785      |
|   | Stat                                    | <b>О</b> илевиваер.            |               | Revenue-free. | 12,893 | .:       |
|   |   |                                |               | Barren,       | 50,265 | 785      |

Total Area.

NATURE OF TRNURE.

G. I. C. P. O.—No. 37 F. G.—23-7-1900.—50.